वार्षिक रिपोर्ट
1989-90

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

दिसम्बर 1990
पौष 1912
P.D.-5H

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा शगुन कम्पोजर्स, 92–बी, कृष्णा नगर, गली न० 4, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली 110 029 में लेजर टाइप होकर जे.के. ऑफसेट प्रिंटर्स, 315, जामा मस्जिद, दिल्ली 110 006 द्वारा मुद्रित।

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन०सी०ई०आर०टी०) अपने अध्यक्ष, केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री तथा राज्य शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री के प्रति उनके मार्गदर्शन हेतु आभारी है। परिषद् के कार्यों में गहन रुचि और सहायता प्रदान करने हेतु परिषद् अपने शासी निकाय तथा कार्यकारी समिति के अन्य विशिष्ट सदस्यों के प्रति कृतज्ञ है। परिषद् उन विशेषज्ञों को धन्यवाद देती है जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय देकर इसकी विभिन्न समितियों में कार्य किया तथा अनेक प्रकार से सहायता प्रदान की। राज्य शिक्षा विभागों तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों/संस्थाओं, राज्य शिक्षा संस्थानों, माध्यमिक शिक्षा बोर्डों, उच्चतर माध्यमिक/इंटरमीडिएट/विश्वविद्यालय पूर्व-शिक्षा बोर्डों सहित वे सभी संगठन और संस्थाएं भी धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने एन०सी०ई०आर०टी० के साथ सहयोग किया तथा उसकी गतिविधियों को कार्यान्वित करने में पूरी सहायता प्रदान की। यूनेस्को, यूनिसेफ, यू०एन०डी०पी०, यू०एन०एफ०पी.ए०, जी०टी० जैड तथा ब्रिटिश काउंसिल द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में उनके द्वारा परिषद् को दिए गए सहयोग के प्रति परिषद् अपनी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती है। परिषद् अपने स्टाफ के सभी सदस्यों की भी प्रशंसा करती है। उनके सहयोग और निष्ठा के बिना इसके कार्यक्रम सफलतापूर्वक कार्यान्वित नहीं हो सकते थे। परिषद् उन हजारों अध्यापकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और अनेक व्यक्तियों के प्रति सधन्यवाद अपना आभार व्यक्त करती हैं जिन्होंने परिषद् के 1989-90 के प्रकाशनों और कार्यक्रमों के बारे में अपने विचार देते हुए परिषद् के विभिन्न घटकों को अनेक पत्र भेजे जो बेहतर कार्य निष्पादन के लिए निरंतर प्रेरणा स्रोत सिद्ध हुए।

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ :

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा ? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा ? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है ?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

मो० क० गांधी

विषय सूची

1989-90

एक एन०सी०ई०आर०टी०: भूमिका और संरचना

1 सितंबर, 1961 को स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन०सी०ई०आर०टी०) संस्था पंजीकरण अधिनियम 21 (1860) के अंतर्गत एक पंजीकृत स्वायत्त संगठन है।

भूमिका और कार्य

एन०सी०ई०आर०टी० मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अकादमिक सलाहकार के रूप में कार्य करती है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, विशेषकर विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में नीतियों और मुख्य कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सहायता और परामर्श देना है। विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा की नीतियों और कार्यक्रमों के प्रतिपादन तथा कार्यान्वियन के लिए मंत्रालय अधिकतर इसकी विशेषज्ञता का उपयोग करता है। परिषद् का वित्तीय भार भारत सरकार वहन करती है।

एन०सी०ई०आर०टी० का प्रमुख कार्य विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाना है। विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु परिषद् निम्नलिखित कार्य करती है:

* विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा की सभी शाखाओं में अनुसंधान संबंधी कार्य करना, उनमें सहायता पहुँचाना, उन्हें प्रोत्साहित और समन्वित करना।
* मुख्यतः उच्च स्तर पर अध्यापकों के सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित करना।
* शैक्षिक पुनर्निर्माण में संलग्न संस्थानों, संगठनों और अभिकरणों के लिए विस्तार सेवाएँ आयोजित करना।
* परिष्कृत शैक्षिक तकनीकों, पद्धतियों एवं नवाचारों के विकास एवं प्रयोग संबंधी कार्य करना।
* शैक्षिक जानकारी एकत्रित, समाकलित, संसाधित तथा प्रसारित करना।
* विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु राज्यों/संघीय क्षेत्र सरकारों तथा राज्य/संघीय क्षेत्र स्तर के संस्थानों, संगठनों एवं अभिकरणों को कार्यक्रम तैयार एवं कार्यान्वित करने में सहायता देना।
* यूनेस्को, यूनिसेफ, यू०एन०डी०पी०, यू०एन०एफ०पी०ए० जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों एवं अन्य देशों की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना।
* अन्य देशों के शैक्षिक कार्मिकों को प्रशिक्षण एवं अध्यापन की सुविधाएं प्रदान करना ।

* शैक्षिक नवाचारों के विकास हेतु एशिया तथा प्रशान्त कार्यक्रम, यूनेस्को, बैंकाक के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, राष्ट्रीय विकास समूह के अकादमिक सचिवालय के रूप में कार्य करना।

कार्यक्रम और कार्यकलाप

उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु परिषद् निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों का संचालन करती है:

अनुसंधान

विद्यालयी शिक्षा में अनुसंधान की शीर्ष राष्ट्रीय संस्था होने के नाते परिषद् अनेक महत्वपूर्ण कार्य करती है जैसे: अनुसंधान संबंधी कार्यकलाप करना और उन्हें बल प्रदान करना, शैक्षिक अनुसंधान के कार्मिकों को प्रशिक्षण देना इत्यादि।

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) के विभिन्न विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय और केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विचित्र पहलुओं से संबंधित अनुसंधान के कार्यक्रमों का संचालन करते हैं।

अनुसंधान के अतिरिक्त, एन०सी०ई०आर०टी० व्यक्तियों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता एवं अकादमिक पारस्परिक विचार-विमर्श द्वारा अन्य अनुसंधान कार्यक्रमों को बल प्रदान करती है। पी-एच०डी० शोध प्रबंधों के प्रकाशन हेतु एन०सी०ई०आर०टी० द्वारा विद्वानों को सहायता प्रदान की जाती है।

परिषद् कनिष्ठ और वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता वृत्तियां भी प्रदान करती है, ताकि शैक्षिक समस्याओं की जाँच पड़ताल की जा सके और योग्य अनुसंधानकर्ताओं का एक दल तैयार किया जा सके। देश में विद्यालयी शिक्षा के अनेक पहलुओं पर आँकड़े एकत्र कराने के लिए यह समय-समय पर शैक्षिक सर्वेक्षण कराती है। आँकड़ों के भंडारण तथा उन्हें पुनः प्राप्त करने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं में परिषद् अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों से भी सहयोग स्थापित करती है।

विकास

विद्यालयी शिक्षा संबंधी विकासात्मक कार्यकलापों का परिषद् के कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान है। परिषद् के मुख्य विकास संबंधी कार्य विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री का विकास करना, उन्हें नवीन रूप देना तथा बच्चों एवं समाज की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है। परिषद् के नवाचार संबंधी विकासात्मक कार्यकलापों में शिक्षा का व्यवसायीकरण, अध्यापक शिक्षा तथा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री का विकास भी सम्मिलित है। परिषद् शैक्षिक प्रौद्योगिकी, जनसंख्या शिक्षा एवं विकलांगों एवं अन्य विशेष वर्गों की शिक्षा के क्षेत्र में भी विकासात्मक कार्य करती है।

प्रशिक्षण

विभिन्न स्तरों जैसे पूर्व प्राथमिक, प्रारंभिक, एवं माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर तथा व्यावसायिक शिक्षा, मार्गदर्शन और परामर्श तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में भी अध्यापकों को सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करना परिषद् के महत्वपूर्ण कार्यकलाप हैं। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में विषयवस्तु और शिक्षण विधि का एकीकरण, कक्षा में अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों का दीर्घकालीन प्रशिक्षण तथा समुदाय कार्यों में छात्रों की प्रतिभागिता जैसी कुछ नवीन विशेषताएँ सम्मिलित की गई हैं। यह राज्यों तथा राज्य स्तरीय संस्थाओं के प्रमुख कार्मिकों और अध्यापक-शिक्षकों तथा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य भी करती है।

विस्तार कार्य

एन०सी०ई०आर०टी० के व्यापक शैक्षिक विस्तार कार्यक्रमों में

1989-90

एन०आई०ई० के विभाग, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय तथा राज्यों के क्षेत्रीय सलाहकारों के कार्यालय अनेक प्रकार से कार्यरत हैं। परिषद्, राज्यों के विभिन्न अभिकरणों तथा संस्थाओं के साथ सहयोग कर कार्य करती है तथा विभिन्न कार्मिक वर्गों, जैसे अध्यापकों, निरीक्षकों, प्रशासकों, प्राश्निकों, पाठ्यपुस्तक लेखकों आदि को सहायता प्रदान करने के लिए विस्तार सेवा विभागों और विद्यालयों और कालेजों के अध्यापक प्रशिक्षण केन्द्रों के साथ व्यापक रूप से कार्य करती है।

शैक्षिक विषयों से संबंधित सम्मेलन संगोष्ठियां आदि विस्तार कार्यकलापों के अंतर्गत, नियमित रूप से कार्यशालाएँ और प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि कार्यक्रमों से संबद्ध कार्यकर्ता वहाँ पहुंचें, जहाँ विशिष्ट समस्याएँ विद्यमान हैं तथा जिनके लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। परिषद् विकलांग एवं समाज के सुविधावंचित वर्गों की शिक्षा के लिए अलग से कार्यक्रम आयोजित करती है। परिषद् के विस्तार कार्यक्रम में सभी राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र सम्मिलित हैं।

प्रकाशन और प्रसार

एन०सी०ई०आर०टी० कक्षा 1 से 12 तक के विभिन्न विद्यालयी विषयों की पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करती है। परिषद् अभ्यास पुस्तिकाएँ, अध्यापक संदर्शिकाएँ, पूरक पाठमालाएँ, अनुसंधान रिपोर्ट आदि भी प्रकाशित करती है। इसके अतिरिक्त, यह अध्यापक-शिक्षक, अध्यापक प्रशिक्षणार्थी एवं सेवारत अध्यापकों के उपयोग हेतु शिक्षण सामग्री भी प्रकाशित करती है। शोध और विकास के पश्चात तैयार की गई यह शिक्षण सामग्री राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों के विभिन्न अभिकरणों के लिए आदर्श सामग्री मानी जाती है। यह राज्य स्तरीय अभिकरणों को ग्रहण एवं/या रूपांतरण हेतु उपलब्ध कराई जाती है। ये पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू में प्रकाशित की जाती हैं।

एन०सी०ई०आर०टी० शैक्षिक जानकारी के प्रसार के लिए छः पत्रिकाएँ प्रकाशित करती है--*प्राइमरी टीचर* (अंग्रेजी और हिन्दी) का लक्ष्य सीधे कक्षा में उपयोग के लिए प्राथमिक स्कूल अध्यापकों को सार्थक एवं सुसंगत सामग्री प्रदान करना है तो *स्कूल साइंस* विज्ञान शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के लिए खुला मंच प्रदान करती है। *जरनल आफ इंडियन एजुकेशन* सम सामयिक शैक्षिक विषयों पर चर्चा के माध्यम से शिक्षा में मौलिक और आलोचनात्मक विचार शक्ति को प्रोत्साहित करती है। *इंडियन एजुकेशनल रिव्यू* में अनुसंधान परक लेख होते हैं और यह शिक्षा में अनुसंधानकर्ताओं को मंच प्रदान करती है। *भारतीय आधुनिक शिक्षा* हिन्दी में प्रकाशित की जाती है तथा समकालीन विषयों पर शिक्षा में आलोचनात्मक विचार शक्ति को प्रोत्साहित करती है तथा शैक्षिक समस्याओं और अभ्यासों के लिए विचारों को प्रसारित करती है। इसके अतिरिक्त संस्था पत्रिका, *एन०सी०ई०आर०टी० न्यूज लैटर* हर मास प्रकाशित की जाती है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अपनी पत्रिकाएँ अलग से निकालते हैं।

अनुदेशी सामग्री का मूल्यांकन

विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य अनुदेशी सामग्री का विशेष रूप से राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से निरंतर मूल्यांकन किया जाता है। इस प्रयोजन के लिए आधार क्रियाविधि, उपकरण एवं तकनीकें विकसित की गई हैं। विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों के शैक्षिक और आकार-प्रकार संबंधी पहलुओं के मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शिकाएँ और पद्धतियाँ निर्धारित की गई हैं। इनके संबंध में प्रयोक्ता विद्यालयों से प्राप्त विचार, टिप्पणियाँ पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य शिक्षण सामग्री के संशोधन में सहायक सिद्ध होती हैं।

विनियम कार्यक्रम

विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं के अध्ययन तथा विकासशील राष्ट्रों के कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करने के लिए एन०सी०ई०आर०टी० यूनेस्को, यूनिसेफ, यू०एन०डी०पी० और यू०एन०एफ०पी०ए० जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर कार्य करती है। यह एशिया और प्रशांत क्षेत्र में यूनेस्को के प्रधान

क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक द्वारा प्रायोजित ए०पी०ई०आई०डी० के अंतर्गत सहयोगी केन्द्रों में से एक है। यह शैक्षिक नवाचार एवं विकास हेतु एशियाई केन्द्र (एसीड) के राष्ट्रीय विकास समूह के सचिवालय के रूप में कार्य करती है। यह विकासशील देशों के शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए संम्बद्ध कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं में प्रतिभागिता के माध्यम से प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करती है।

एन०सी०ई०आर०टी० स्कूली शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार तथा अन्य राष्ट्रों के बीच तय किये गये द्विपक्षीय सांस्कृतिक विनियम कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए मुख्य अभिकरण के रूप में कार्य करती है। इस संबंध में परिषद् विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं का भारतीय अपेक्षाओं के अनुरूप अध्ययन करने के लिए अन्य देशों में अपने शिष्टमंडल भेजती है तथा अन्य देशों के विद्वानों के लिए प्रशिक्षण एवं अध्ययन यात्रा की व्यवस्था करती है। परिषद् अन्य देशों से शैक्षिक सामग्री का आदान-प्रदान भी करती है। यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, बैठकों, परिसंवादों आदि में भाग लेने के लिए अपने संकाय सदस्यों को नामित करती है।

संरचना और प्रशासन

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री एन०सी०ई०आर०टी० की ''साधारण सभा'' के अध्यक्ष हैं। सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा मंत्री इस सभा के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग के सचिव, चार विश्वविद्यालयों के उपकुलपति (प्रत्येक क्षेत्र में से एक), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त, परिषद् की कार्यकारी समिति के सदस्य (जो ऊपर सम्मिलित नहीं हैं) तथा अन्य 12 व्यक्ति (जिनमें कम से कम 4 सदस्य विद्यालय के अध्यापक होने चाहिए) जो समय-समय पर अध्यक्ष द्वारा नामित किए जाते हैं इस साधारण सभा के सदस्य हैं।

कार्यकारिणी समिति एन०सी०ई०आर०टी० का मुख्य शासी निकाय है। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री इसके अध्यक्ष (पदेन) हैं और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री (पदेन) उपाध्यक्ष। इस समिति के अन्य सदस्यों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग के सचिव, परिषद् के निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, विद्यालयी शिक्षा में रुचि रखने वाले चार शिक्षाविद, (इनमें से कम से कम दो विद्यालय के शिक्षक होंगे) परिषद् के संयुक्त निदेशक, परिषद् के तीन सदस्य (इनमें कम से कम दो प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष स्तर के होने चाहिए), मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा वित्त मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी सम्मिलित है, जो परिषद् का वित्तीय सलाहकार है।

निम्नलिखित स्थायी समितियाँ इस कार्यकारिणी समिति की सहायता करती हैं:

1. वित्त समिति
2. स्थापना समिति
3. भवन एवं निर्माण समिति
4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय की प्रबंध समिति
5. कार्यक्रम सलाहकार समिति
6. शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति

परिषद् मुख्यालय में निम्नलिखित अनुभाग हैं।

1. परिषद् सचिवालय
2. लेखा शाखा

परिषद् के चार वरिष्ठ पदाधिकारी—निदेशक, संयुक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक (सी०आई०ई०टी०) तथा सचिव, भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। रिपोर्ट में उल्लिखित वर्ष के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों ने ये पद संभाले :

निदेशक : डा०पी०एल० मल्होत्रा (9 मई, 1989 तक तथा 10 अक्तूबर, 1989 से 22 फरवरी, 1990 तक)

डा० ए०के० जलालुद्दीन
(10 मई से 16 जुलाई, 1989 तक)

डा० के०गोपालन
(17 जुलाई से 9 अक्तूबर, 1989 तक तथा 22 फरवरी, 1990 से आगे)

संयुक्त निदेशक : (परि०) डा० ए०के० जलालुद्दीन
(9 मई, 1989 तक)

डा० एम०एम० चौधरी
(18 जुलाई, 1889 से)

संयुक्त निदेशक
(सी०आई०ई०टी०) : डा० एम०एम० चौधरी

सचिव : ओ०पी० केलकर
(31 जुलाई, 1989 तक)

श्री एच० के०एल० चुघ
(3 अगस्त, 1989 से)

शैक्षिक कार्यों में निदेशक के सहायतार्थ तीन संकायाध्यक्ष (डीन) हैं:

संकायाध्यक्ष
(अकादमिक) : प्रोफेसर एच०एस० श्रीवास्तव
(15 फरवरी, 1990 तक)

प्रोफेसर बी०गांगुली
(16 मार्च, 1990 से)

संकायाध्यक्ष
(अनुसंधान) : प्रोफेसर बाकर महदी
(30 जनवरी, 1990 तक)

प्रोफेसर एच०एस० श्रीवास्तव
(16 फरवरी से 15 मार्च, 1990 तक)

प्रोफेसर आर०पी०सिंह
(16 मार्च, 1990 से)

संकायाध्यक्ष
(समन्वय) : प्रोफेसर ए०के० शर्मा

संकायाध्यक्ष (अकादमिक) एन०आई०ई० के विभागों के शैक्षिक कार्य को समन्वित करते हैं। संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) अनुसंधान कार्यक्रम समन्वित करते हैं और शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति (एरिक) के कार्य की देखभाल करते हैं। संकायाध्यक्ष (समन्वय) सेवा/उत्पादन विभागों, क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कार्यकलापों को समन्वित करते हैं।

एन०सी०ई०आर०टी०के मुख्य घटक

वर्ष 1989-90 के दौरान परिषद् के मुख्य घटकः

1. राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन०आई०ई०) नई दिल्ली
2. केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी०आई०ई०टी०) नई दिल्ली
3. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे०शि०म०) अजमेर
4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे०शि०म०) भोपाल
5. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे०शि०म०) भुवनेश्वर
6. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे०शि०म०) मैसूर

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन०आई०ई०)

वर्ष 1989-90 के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के निम्नलिखित विभाग/एकक थे, जो अपने-अपने क्षेत्रों के अनुसंधान विकास, प्रशिक्षण, विस्तार, मूल्यांकन संबंधी कार्यों में कार्यरत थे :

1. सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग (डी०ई०एस०एस०एच०)
2. विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी०ई०एस०एम०)
3. विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी०ई०पी०एस०ई०ई०)
4. अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति शिक्षा विभाग (डी०एन०ई०एफ०ई०एस०सी० / एस०टी०)
5. शिक्षा-व्यावसायीकरण विभाग (डी०वी०ई०)
6. अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी०टी०ई०एस०ई०ई०एस)
7. मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी०एम०ई०डी०पी०)
8. शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी०ई०पी०सी०जी०)
9. महिला अध्ययन विभाग (डी०डब्ल्यू०एस०)
10. नीति, अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग
    - अ. शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक)
    - ब. योजना, कार्यक्रम अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (डी०पी०एम०ई०डी०)
    - स. कार्यक्रम अनुभाग
11. क्षेत्रीय सेवा और विस्तार समन्वयन विभाग (डी०एफ०एस०ई०सी०)
12. पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी०एल०डी०आई०)
13. प्रकाशन विभाग (पी०डी०)
14. कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू०डी०)
15. नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ (एन०वी०सी०)
16. पत्रिका प्रकोष्ठ (जे०सी०)
17. अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई०आर०यू०)

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी०आई०ई०टी०)

सी०आई०ई०टी० संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता में एन०सी०ई०आर०टी० के एक घटक के रूप में काफी स्वायत्तता के साथ कार्य करता है। कार्यक्रमों और कार्यकलापों के मार्गदर्शन हेतु संस्थान की एक सलाहकार समिति है। सी०आई०ई०टी० के निम्नलिखित प्रमुख प्रभाग हैं :

शैक्षिक दूरदर्शन, निर्माण एवं फिल्म प्रभाग
दूरस्थ शिक्षा योजना, समन्वयन, अनुसंधान और मूल्यांकन, आलेख और प्रशिक्षण प्रभाग
शैक्षिक रेडियो प्रभाग
आलेखिकी, प्रदर्शनी और मुद्रण प्रभाग
सूचना प्रलेखन और केन्द्रीय फिल्म पुस्तकालय प्रभाग
तकनीकी योजना, प्रचालन और अनुरक्षण प्रभाग
प्रशासन और लेखा प्रभाग

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर में स्थित हैं। एन०सी०ई०आर०टी० के नियमों/विनियमों के अंतर्गत हर महाविद्यालय के कार्यों के सामान्य पर्यवेक्षण के लिए एक प्रबंध समिति उत्तरदायी है। महाविद्यालय की प्रबंध समिति उस विश्वविद्यालय के उपकुलपति की अध्यक्षता में कार्य करती है, जिससे वह संबद्ध है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। इस समिति की वर्ष में कम से कम दो बार बैठक होती है तथा आवश्यकता पड़ने पर अध्यक्ष द्वारा समिति की विशेष बैठक किसी भी समय बुलाई जा सकती है। अकादमिक कार्यों में संकायाध्यक्ष (शिक्षण) महाविद्यालय के प्राचार्य की सहायता करते हैं।

1989-90

ये क्षेत्रीय महाविद्यालय आवासीय संस्थाएं हैं, जिनमें प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अन्य सुविधाएँ पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। हर महाविद्यालय का एक बहुउद्देशीय निदर्शन विद्यालय है जहाँ विकसित अध्यापन विधियों तथा अन्य नवाचार पद्धतियों से संम्बद्ध अध्ययन-अध्यापन तथा मूल्यांकन पद्धतियों को वास्तविक कक्षा स्थिति के आधार पर परखा जाता है।

क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय

राज्य संघ शासित क्षेत्र के शिक्षाधिकारियों एवं वहाँ विद्यालयी शिक्षा तभा अध्यापक शिक्षा में शैक्षिक और प्रशिक्षण निवेश प्रदान करने वाली संमस्याओं के साथ संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करने के लिए निम्नलिखित 17 क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों की स्थापना की गई है:

1. अहमदाबाद
2. इलाहाबाद
3. बंगलौर
4. भोपाल
5. भुवनेश्वर
6. कलकत्ता
7. चंडीगढ़
8. गुवाहाटी
9. हैदराबाद
10. जयपुर
11. मद्रास
12. पटना
13. पुणे
14. शिलांग
15. शिमला
16. श्रीनगर
17. तिरुअनंतपुरम्

दो

वर्ष 1989-90 के दौरान हुए कार्यकलापों पर एक विहंगम दृष्टि

वर्ष 1989-90 में परिषद् के विभिन्न घटक देश में विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक-शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे। इस अवधि में परिषद् द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण कार्य इस प्रकार थे: शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा से संबंधित कार्यक्रमों और परियोजनाओं का निरूपण एवं कार्यान्वयन, प्रारम्भिक शिक्षा का व्यापकीकरण, लड़कियों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों, शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों और विकलांग बच्चों जैसे विशेष वर्गों की शिक्षा, विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रियाओं का पुनरभिविन्यास, विज्ञान और गणित की शिक्षा में सुधार, कम्प्यूटर साक्षरता और विद्यालय अध्ययन, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा का व्यावसायीकरण, शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग, अध्यापक शिक्षा का पुनर्गठन और पुनर्संरचना, जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु छात्रों का चयन, प्रतिभा खोज, शैक्षिक सर्वेक्षण, शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन, शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन और अनुदेशी सामग्री का प्रकाशन, जिसमें कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त परिषद् ने यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजनाओं, राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना, कम्प्यूटर साक्षरता और विद्यालय अध्ययन कार्यक्रम तथा भारतीय जर्मन परियोजना 'मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में उन्नत विज्ञान शिक्षा' से संबंधित सभी कार्यकलापों को भी समन्वित एवं मानीटर किया। परिषद् ने सलाहकार कार्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के माध्यम से शिक्षा निदेशालयों/शिक्षा विभागों, राज्य शिक्षा संस्थान/राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् तथा राज्यों एवं संघीय क्षेत्रों की समतुल्य एजेंसियों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को सक्रिय सहयोग देकर राज्य एवं संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों से निकट संपर्क बनाए रखा।

शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.)

परिषद् ने शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा के कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अनेक कार्यकलाप किये।बाल माध्यम प्रयोगशाला (सी.एम.एल.) परियोजना के अंतर्गत 3 से 8 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए शैक्षिक और मनोरंजन संबंधी सामग्री के विकास से संबंधित कार्यकलाप चलते रहे। शैशवकालीन शिक्षा (ई.सी.ई.) परियोजना के अंतर्गत शैशवकालीन शिक्षा के एककों को मजबूत बनाने, विद्यालय-पूर्व तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने और शैशवकालीन शिक्षा के लिए सीखने और खेलने की सामग्री का विकास करने के लिए बिहार, गोआ, कर्नाटक,

1989-90

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, उड़ीसा, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश, जैसे 10 राज्यों को सहायता प्रदान की गई। समेकित बाल विकास सेवाओं के अंतर्गत आयोजित ई.सी.ई. परियोजना में शैशवकालीन शिक्षा तथा शैक्षिक कार्यक्रमों के बीच संपर्क सूत्र स्थापित करने पर प्रमुख बल दिया गया।

अगस्त 1988 में ई.सी.ई. परियोजना में भाग लेने वाले राज्यों में बच्चों के विद्यालय-पूर्व अनुभवों के संदर्भ में प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन और अवरोधन पर अध्ययन आरंभ किया गया। रिपोर्ट में उल्लिखित वर्ष के दौरान अध्ययन के आंकड़ों को एकत्रित करने तथा उनके विश्लेषण का कार्य कर लिया गया है। ई.सी.ई. परियोजना मूल्यांकन संबंधी कार्यों को पूरा किया गया। स्वैच्छिक संगठनों द्वारा कार्यान्वित शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए परिषद् ने 12 स्वैच्छिक संगठनों के प्रमुख व्यक्तियों के लिए 5 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। दिनांक 4-8 सितंबर, 1989 तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26 प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया।

शैशवकालीन उद्दीपन हेतु वैकल्पिक उपागम बनाने के लिए उड़ीसा के आदिवासी क्षेत्रों तथा शहरी गंदी बस्तियों में घर पर आधारित बाल विकास कार्यक्रमों को परखा गया। इस कार्यक्रम का पहला चरण 1989 में पूरा हुआ तथा जनवरी, 1990 से दूसरा चरण प्रारंभ हुआ।

दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यान्वित बाल से बाल (चाइल्ड टू चाइल्ड) कार्यक्रम के अंतर्गत, 44 अध्यापकों हेतु 3 दिन की कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए कार्यकलापों में दिल्ली की पुनर्वास बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए संवर्द्धन कार्यक्रम, बिहार के 12 अध्यापकों के लिए एक दिन का अभिविन्यास कार्यक्रम, अध्यापकों के लिए शिक्षण मैनुअल तैयार करना तथा कार्यक्रम का मूल्यांकन सम्मिलित हैं।

आंगनवाड़ी और प्राथमिक स्कूलों के कक्षा 1और 2 के बच्चों के सीखने के अनुभवों को रेडियो के माध्यम से समृद्ध बनाने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने आकाशवाणी कोटा के साथ रेडियो संभाव्यता संबंधी अध्ययन शुरू किया है। जो अध्ययन अक्टूबर 1988 में प्रारंभ किया गया था उसे सितंबर 1989 में पूरा किया गया। इस अध्ययन में प्रतिदिन 15 मिनट का प्रसारण होता है जो हफ्ते में 6 दिन प्रसारित किया जाता है। इस संबंध में दृश्य/श्रव्य कार्यक्रमों का विकास अध्यापकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए संदर्शिकाओं को तैयार करना तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और अध्यापकों का प्रशिक्षण जैसे कार्य किए गए। संदर्भाधीन वर्ष में विभिन्न घटकों के प्रभाव के मूल्यांकन संबंधी कार्यकलाप पूरे हो गए हैं।

अध्यापकों में पूर्व-प्राथमिक तथा प्रारंभिक प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक खेल-खिलौनों तथा खेल विधि से शिक्षण की महत्ता के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने राज्य स्तर पर खिलौने बनाने के लिए कार्यशालाएं एवं प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। राज्य स्तरीय कार्यशालाएं संपन्न होने के पश्चात्, खिलौनों पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला अयोजित की गई। इसके अतिरिक्त वर्ष 1989-90 में क्षेत्रीय स्तर पर भी खिलौने बनाने की तीन कार्यशालाएं एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

प्रारंभिक शिक्षा का व्यापकीकरण

विद्यालयी अध्यापकों के सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम (पी.एम.ओ.एस.टी.) के अंतर्गत एन.सी.ई.आर.टी. ने ऐसे प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी ली थी, जिन्हें केंद्र द्वारा प्रायोजित आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अंतर्गत सुविधाएं प्रदान की गईं थीं। इस कार्यक्रम के लिए परिषद् ने एक प्रशिक्षण पैकेज तैयार किया है और राज्य/संघीय क्षेत्रों के उन प्रमुख व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया जो आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु विशेषज्ञों के प्रशिक्षण में लगाए जाएंगे। मई-जून, 1989 तक दिल्ली, उदयपुर, मैसूर, शिलांग और भुवनेश्वर में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों के लिए 5 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शीर्ष व्यक्तियों को बाल केंद्रित तथा कार्य आधारित शिक्षण विधि में अभिविन्यास किया गया एवं आपरेशन

ब्लैकबोर्ड योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों को दिये जाने वाले उपकरणों के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। परिषद् ने आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अंतर्गत दी गई विभिन्न प्रकार की सामग्री के उपयोग पर सात वीडियो कार्यक्रमों को तैयार करने संबंधी कार्यक्रम शुरू किए।

यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना 'प्राथमिक शिक्षा पाठ्यचर्या नवीकरण' (पी.ई.सी.आर.) के अंतर्गत विभिन्न वर्गों के बच्चों की आवश्यकताओं और पर्यावरणात्मक संदर्भों से संबंधित शिक्षण सामग्री तैयार करने और पाठ्यचर्या के नवीकरण से संबद्ध कार्यकलाप जारी रहे। वर्ष 1989-90 में यह परियोजना सात राज्यों में कार्यान्वित की गई। इस अवधि के दौरान पी.ई.सी.आर. परियोजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयी बच्चों के हिंदी शब्द भंडार का अध्ययन किया गया और प्राथमिक स्तर पर बच्चों के शब्द भंडार का विश्लेषण करने के लिए दो कार्यशालाएं आयोजित की गईं। यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना ' पोषण स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरणात्मक स्वच्छता ' (एस.एच.ई.ई.एस.) के अंतर्गत 'छात्र उपलब्धि अध्ययन ' तथा 'सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम का प्रभाव' संबंधी एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण कर लिया गया है। यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना 'मानव संसाधन विकास के लिए क्षेत्र-शिक्षा और गहन शिक्षा परियोजना ' (ए.आई.ई.पी.) के अंतर्गत माइक्रो स्तर पर योजना के लिए दिशा निर्देशों का आलेख तैयार किया गया तथा उसे राज्यों में भेजा गया ताकि परियोजना के कार्यान्वयन के लिए चुने गए खंडों में माइक्रो स्तरीय योजना बनाने संबंधी कार्य आरंभ किया जा सके। इस परियोजना के अंतर्गत तालिका डिजाइन तथा ग्रामीण स्तर पर सर्वेक्षण की रिपोर्ट लिखने के लिए डिजाइन तैयार करने, अध्यायों में बांटने, परियोजना कार्मिकों के अभिविन्यास हेतु दिशा निर्देश तैयार करने, खंड तथा ग्रामीण स्तरों पर परियोजना के कार्मिकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान तथा इस परियोजना के अंतर्गत स्थापित बहुउद्देश्यीय संसाधन केंद्रों के स्टाफ के प्रशिक्षण से संबंधित प्रारंभिक कार्य किए गए।

इस अवधि के दौरान परिषद् ने अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों संबंधी अनुसंधान, विकासात्मक और प्रशिक्षण कार्य किए। यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना ''प्राथमिक शिक्षा की व्यापक पहुँच '' सी.ए.पी.ई. के अंतर्गत अधिगम केंद्रों में उपयोग हेतु अधिगम माड्यूल (अधिगम प्रसंग) और मोडलिटीज तैयार करने और परखने संबंधी कार्यकलाप जारी रहे। वर्ष 1989 में सी.ए.पी.ई. परियोजना 15 राज्यों में कार्यान्वित की गई। जनवरी, 1990 से यह परियोजना आंध्र प्रदेश, बिहार, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश जैसे 12 राज्यों में कार्यान्वित की गई। 1989-90 में एन.सी.ई.आर.टी. के आठ अधिगम माड्यूल प्रकाशित किए तथा 6 और माड्यूलों को प्रकाशन के लिए अंतिम रूप दिया। सी.ए.पी.ई. परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित अधिगम सामग्री हिन्दी भाषी राज्यों–बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में स्थापित किए गए शिक्षा केंद्रों को भेजी गई।

इसके अतिरिक्त, यह अधिगम सामग्री राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय के अधीन कार्य कर रहे 460 प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों में उपयोग के लिए जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारियों को भी भेजी गई। इस परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित अधिगम सामग्री स्वैच्छिक संगठनों द्वारा चलाये जा रहे अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों में उपयोग हेतु सात प्रमुख स्वैच्छिक संगठनों को भी भेजी गई। सी.ए.पी.ई. परियोजना के अंतर्गत किए गए अन्य कार्यों में अधिगम केंद्रों के शिक्षार्थियों के मूल्यांकन हेतु प्रश्न बैंक तैयार करना, तथा उत्तर प्रदेश के अधिगम केंद्रों के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण सम्मिलित है। परियोजना में भाग लेने वाले राज्यों को अधिगम सामग्री तैयार करने, अधिगम केंद्रों को कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने तथा शिक्षार्थियों के मूल्यांकन हेतु प्रश्न बैंक तैयार करने के लिए तकनीकी सहायता दी गई।

परिषद् ने केंद्रों द्वारा प्रायोजित अनौपचारिक शिक्षा योजना को सहायता देने के लिए अनेक कार्यकलाप किए। रिपोर्ट की अवधि के दौरान राज्यों में अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में लगे हुए अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों के अनुदेशकों, पर्यवक्षेकों तथा परियोजना अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण मैनुअल तैयार करने और आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, उड़ीसा राजस्थान, उत्तर प्रदेश और प. बंगाल राज्यों के प्रमुख

व्यक्तियों तथा परियोजना अधिकारियों के प्रशिक्षण पर मुख्य बल दिया गया। अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों, पर्यवेक्षकों तथा परियोजना अधिकारियों के लिए छः भाषाओं में प्रशिक्षण मैनुअल तैयार किए गए। परिषद् द्वारा प्रकाशित प्रशिक्षण मैनुअल को अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों में लगे हुए राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं में वितरित किया गया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुरोध पर एन.सी.ई.आर.टी. ने केंद्र द्वारा प्रायोजित अनौपचारिक शिक्षा योजना के अधीन स्थापित अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों के 3000 परियोजना अधिकारियों और 2,50,000 अनुदेशकों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी ली। परिषद् ने राज्यों के उन प्रमुख व्यक्तियों के लिए 5 दिन के 9 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जो अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन मे लगे हुए परियोजना अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का कार्य करेंगे। कुल मिलाकर नौ राज्यों के 197 प्रमुख व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया। परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ करने से पहले प्रमुख व्यक्तियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात् राज्य मुख्यालयों पर एक दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। 1989-90 के दौरान आठ एक दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किए तथा उनमें 165 प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया।

अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम के कार्यान्वियन में लगे हुए प्रमुख व्यक्तियों के प्रशिक्षण के पश्चात् अनौपचारिक शिक्षा के परियोजना अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। वर्ष 1989-90 के दौरान छः राज्यों (आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, मध्य प्रदेश, उड़ीसा और उत्तर प्रदेश) में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। संदर्भाधीन अवधि के दौरान परियोजना अधिकारियों के लिए कुल मिला कर 66 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 1,376 परियोजना अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त, उन स्वैच्छिक संगठनों/एजेंसियों के परियोजना अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए अनौपचारिक शिक्षा के नवाचारों पर दो कार्यशालाएँ आयोजित की गईं जो विद्यालयेतर बच्चों के अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में कार्यरत हैं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से स्वैच्छिक एजेंसियों के 87 परियोजना अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त, अनौपचारिक शिक्षा के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन, अनौपचारिक शिक्षा में अध्यापन पद्धति पर प्रयोग करने के लिए क्षेत्रीय स्टेशन स्थापित करना, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा अपनाए गए केंद्रों के अनौपचारिक शिक्षा कार्मिकों को प्रशिक्षित करना, अनौपचारिक शिक्षा की पाठ्यचर्या और शिक्षण सामग्री का अध्ययन तथा अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों की शिक्षण सामग्री का विकास जैसे अन्य कार्य किए गए।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों की शिक्षा

एन.सी.ई.आर.टी. ने अनुसूचित जातियों और जन जातियों की शिक्षा के संवर्द्धन हेतु अपने कार्यकलाप जारी रखे। इस अवधि में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के छात्रों के लिए पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के मूल्यांकन अध्ययन के अंतर्गत कार्यकलाप जारी रहे तथा इस अध्ययन की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया। अनुसूचित जातियों के शैक्षिक विकास पर व्याख्या सहित ग्रंथ सूची तैयार करने के कार्य के अंतर्गत अनुसूचित जातियों के शैक्षिक विकास संबंधी शीर्षकों का संकलन कर लिया गया है।

क्षेत्रीय भाषा लिपि का उपयोग करते हुए आदिवासी बोलियों में प्रवेशिकाएं, पाठ्यपुस्तकें तैयार करना, एन.सी.ई.आर.टी. का महत्त्वपूर्ण कार्य रहा है। 1989-90 में, आंध्र प्रदेश में गोंडा जन जाति तथा तमिलनाडु में इरुला जन जाति के बच्चों के लिए प्रवेशिकाओं की पांडुलिपियों को प्रकाशन हेतु अंतिम रूप दे दिया गया है। बिहार की पांच जनजातियों—हो, संथाल, मुदरी, खड़िया और कुरुख के बच्चों के लिए कक्षा 1 और 2 की प्रवेशिकाओं को सी.आई.आई.एल., मैसूर के साथ मिलकर प्रकाशन हेतु अंतिम रूप दिया गया। परिषद् ने इरुला प्रवेशिका के अध्यापक मैनुअल और अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों में पढ़ने वाले गोंड और साओरा के बच्चों के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार करने का कार्य भी शुरू किया। इसके अतिरिक्त परिषद् ने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गई आदिवासी बोलियों की पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन हेतु 5

दिन की कार्यशाला आयोजित की।

महिला शिक्षा संबंधी समानता

एन.सी.ई.आर.टी. ने महिलाओं की समानता के लिए शिक्षा के संवर्धन हेतु अनेक कार्यक्रम किए गए। इन कार्यक्रमों में मुख्य बल लड़कियों की शिक्षा से संबंधित समस्याओं की प्रकृति तथा विस्तार निर्धारण हेतु स्थानीय स्तर पर क्षमताओं को विकसित करने तथा लड़कियों की शिक्षा के संवर्धन हेतु स्थानीय सापेक्षिक कार्यक्रम तैयार करने पर दिया गया। महिलाओं की समानता संबंधी शिक्षा से संबंधित विचारों और विषयवस्तु को अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या में सम्मिलित करने के लिए बढ़ावा देने हेतु अनुदेशी/प्रशिक्षण सामग्री का विकास एन.सी.ई.आर.टी. का मुख्य कार्य रहा। लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा के संवर्धन हेतु कार्यक्रमों के निरूपण और कार्यान्वियन के लिए प्रशिक्षित कार्मिकों का दल तैयार करने की दृष्टि से 4 सितंम्बर से 20 अक्तूबर, 1989 तक महिला शिक्षा अध्यापक पद्धति और विकास पर 7 सप्ताह का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त आंध्र प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के प्रधान कार्मिकों के लिए महिला समानता की शिक्षा पर दो अभिविन्यास कार्यक्रम लड़कियों की प्राथमिक शिक्षा के व्यापकीकरण पर यूनेस्को द्वारा प्रायोजित छः दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं अनुसूचित जाति जन जाति की लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए सात राज्य स्तरीय तथा एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद् ने पाठ्य सामग्री में लिंग के आधार पर भेदभाव दूर करने की दृष्टि से विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर निर्धारित पाठ्यपुस्तकों और पूरक पाठमालाओं के मूल्यांकन संबंधी अपने कार्य जारी रखे।

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों की शिक्षा

एन.सी.ई.आर.टी. ने शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के अध्यापकों और प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए तकनीकी तथा वित्तीय सहायता देना जारी रखा ताकि इन विद्यालयों के शैक्षिक स्तर में सुधार हो। रिपोर्ट में उल्लिखित वर्ष के दौरान क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर में शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के लिए विज्ञान शिक्षण संवर्धन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम में 38 अध्यापकों ने भाग लिया। परिषद् ने शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक संस्थाओं के अध्यापक प्रशिक्षण हेतु स्थापित क्षेत्रीय संसाधन केंद्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान की। जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के क्षेत्रीय संसाधन केंद्र ने अंग्रेजी, उर्दू और सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों के लिए 10 दिवसीय 3 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए तथा इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से 73 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय संसाधन केंद्र ने भी शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों के अध्यापकों के लिए जीव-विज्ञान, भौतिकशास्त्र और अंग्रेजी में 10 दिवसीय तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन पाठ्यक्रमों में 38 अध्यापकों ने भाग लिया।

विकलांगों की शिक्षा

एन.सी.ई.आर.टी. ने विकलांग बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी अनेक कार्यक्रम चलाए। यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना ''विकलांगों की एकीकृत शिक्षा'' (पी.आई.ई.डी.) के अंतर्गत विकलांग बच्चों की शिक्षा हेतु विशिष्ट कार्य नीतियों को विकसित करने संबंधी कार्यकलाप किए गए। वर्ष 1989-90 में, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, नागालैंड, उड़ीसा, राजस्थान और तमिलनाडु में विकलांगों की एकीकृत शिक्षा परियोजना कार्यान्वित की गई। इन राज्यों के अलावा, यह परियोजना (पी.आई.ई.डी.) दिल्ली की गंदी बस्तियों तथा बड़ौदा नगर निगम के क्षेत्र में आने वाले कुछ चुनिंदा विद्यालयों में भी कार्यान्वित की गई। इस परियोजना के अंतर्गत विकलांग बच्चों की

पहचान तथा निर्धारण, विकलांग बच्चों के निर्धारण तथा शैक्षिक सेवाओं के लिए सहायता जुटाने के लिए समुदाय तथा अभिभावक संपर्क कार्यक्रम आयोजित करना, विकलांग बच्चों के लिए सर्जनात्मक कलाओं पर टेप स्लाइडों को तैयार करना तथा अध्यापकों के लिए एक वर्ष के बृहु श्रेणी वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जैसी प्रमुख गतिविधियां चलाई गईं। जिन राज्यों में केन्द्र द्वारा प्रायोजित विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा परियोजना (आई.ई.डी.सी.) कार्यान्वित की जानी है उनमें परिषद् ने इस वर्ष इस योजना के समर्थन कार्यक्रम चलाए। विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिए शैक्षिक खिलौनों का विकास, विकलांगों की शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर अध्यापकों, अध्यापक शिक्षकों का प्रशिक्षण, पाठ्यचर्या आधारित निर्धारण सामग्री तैयार करना तथा विकलांगों की शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भी सम्मिलित थे। एन.सी.ई.आर.टी. ने आई.ई.डी.सी. योजना के कार्यान्वियन की स्थिति का अध्ययन भी किया। विकलांगों की शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित जानकारी के विनिमय तथा प्रसार हेतु समाचार पत्र **"कम्यूनिकेशन : ईक्वल एजुकेशनल अपरच्युनिटी"** के दो अंक निकाले तथा उन्हें विकलांग बच्चों की शिक्षा के संवर्धन संबंधी कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में लगे अभिकरणों/विद्यालयों को भेजा गया।

विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रियाओं का पुनरभिविन्यास

विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अंग के रूप में, एन.सी.ई.आर.टी. ने विद्यालयी शिक्षा में विषय-वस्तु और प्रक्रियाओं के पुनरभिविन्यास हेतु समन्वित उपाय किये। इन उपायों में संशोधित पाठ्य विवरणों पर आधारित अनुदेशी सामग्री के विकास, व्यावसायिक क्षमता बढ़ाने के लिए अध्यापकों तथा अन्य शैक्षिक कार्मिकों के प्रशिक्षण, अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया में सुधार लाने के लिए परीक्षासुधार तथा सतत् और विशद मूल्यांकन लागू करने पर मुख्य बल देना सम्मिलित थे। कक्षा 1, 3 और 6 के लिए एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा तैयार की गई नई पाठ्यपुस्तकें वर्ष 1987 में प्रकाशित की गईं और 1987-88 के अकादमिक सत्र में केन्द्रीय विद्यालयों और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से जुड़े अन्य विद्यालयों में लगाई गईं। कक्षा 2, 4 और 7 के लिए तैयार की गई नई पाठ्यपुस्तकें वर्ष 1988 में प्रकाशित की गईं और 1988-89 के शैक्षिक सत्र में केन्द्रीय विद्यालय और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के स्कूलों में लागू की गईं। 1988 में एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित कक्षा 9 और 11 की विज्ञान और गणित की नई पाठ्यपुस्तकें भी 1988-89 के शैक्षिक सत्र में केन्द्रीय विद्यालयों में लगाई गईं। कक्षा 5 और 8 की नई पाठ्यपुस्तकें, कक्षा 9 और 11 की भाषा तथा सामाजिक अध्ययन की नई पाठ्यपुस्तकें और कक्षा 10 और 12 की विज्ञान कक्षा 11 के लिए व्यापार अध्ययन और लेखाशास्त्र की नई पाठ्यपुस्तकें और कक्षा 10 और 12 की विज्ञान और गणित की नई पाठ्यपुस्तकें 1989-90 के शैक्षिक सत्र में केंद्रीय विद्यालयों में लागू की गईं। 1989-90 के शैक्षिक सत्र के दौरान, कक्षा 9 और 11 की भाषा, सामाजिक अध्ययन, विज्ञान और गणित की नई पाठ्यपुस्तकें केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध सभी विद्यालयों में लागू कर दी गईं थीं।

वर्ष 1989-90 के दौरान एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 10 और 12 की भाषा और सामाजिक अध्ययन की नई पाठ्यपुस्तकों, कक्षा 10 और 12 की विज्ञान और गणित की नई पाठ्यपुस्तकों के भाग–2 तथा कक्षा 12 की व्यापार अध्ययन और लेखाशास्त्र की नई पुस्तकों के विकास से संबंधित अनेक कार्यकलाप किए तथा कक्षा 10 और 12 की विज्ञान और गणित की भाग-2 की पाठ्यपुस्तकें वर्ष 1989-90 के शैक्षिक सत्र के दौरान केंद्रीय विद्यालयों में लगाई गईं। आशा है कि वर्ष 1990-91 के शैक्षिक सत्र में कक्षा 10 और 12 की विज्ञान और गणित की नई पाठ्यपुस्तकें, कक्षा 10 और 12 की भाषा तथा सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तकें तथा कक्षा 12 की व्यापार अध्ययन और लेखाशास्त्र की नई पाठ्यपुस्तकें केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध सभी विद्यालयों में लागू कर दी जाएंगी। नई पाठ्यपुस्तकों में रूपरेखा, डिज़ाइन तथा चित्रांकन की दृष्टि से पर्याप्त सुधार किया गया है जिससे छात्रों का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो। प्रकाशन

हेतु भेजने से पूर्व, प्रख्यात विद्वान, अध्यापक, अध्यापक-शिक्षक और पाठ्यचर्या विशेषज्ञों के समूह द्वारा इन पाठ्यपुस्तकों की पांडुलिपियों का बड़ी बारीकी से पुनरीक्षण किया गया।

अध्यापकों की अभिप्रेरणा और व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने तथा विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रियाओं के पुनरभिविन्यास की प्रक्रिया में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए अध्यापक अधिक सक्षम हो सकें, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राज्य/संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों के सहयोग से विद्यालयी अध्यापकों के सामुहिक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम (पी.एम.ओ.एए.टी.) के अंतर्गत 1986-87 से लगभग 5 लाख अध्यापकों का अभिविन्यास किया गया। वर्ष 1989-90 में, पी.एम.ओ.एस.टी. कार्यक्रम में केंद्र द्वारा प्रायोजित आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना में आने वाले प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के प्रशिक्षण पर मुख्य बल दिया गया। आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों को दिए गए साधन तथा अन्य सामग्री का उपयुक्त और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विषय-वस्तु और अध्यापन पद्धति का निर्माण किया गया था। पी.एम.ओ.एस.टी. के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु 12 से 14 दिसंबर, 1989 तक एक राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस समीक्षा समिति में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के सभी ''नोडल'' अभिकरणों, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा एन.सी.ई.आर.टी. के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रिया के पुनरभिविन्यास के प्रयास के अंग के रूप में विद्यालय में मूल्यांकन पद्धतियों में सुधार लाने के लिए प्रयास किए गए। वर्ष 1989-90 के दौरान परिषद् ने विद्यालय स्तर पर विभिन्न पाठ्यचर्या के क्षेत्रों से संबंधित अधिगम परिणामों के मूल्यांकन हेतु इकाई परीक्षण और अन्य उपकरणों का विकास, विद्यालयों में विशद मूल्यांकन की योजना का प्रकाशन और राज्य स्तरीय संस्थाओं/संगठनों और अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में इनका प्रसार, राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों द्वारा ली जाने वाली सार्वजनिक परीक्षाओं में श्रेणी निर्धारण और अनुमापन के दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने, परीक्षाओं के वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धतियों पर गुटिका (हैंडबुक) तैयार करने, अध्यापक और मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु अंग्रेजी पठन और लेखन की संप्रेषणपरक परीक्षणों की पुस्तिका तैयार करने तथा कक्षा 11 के भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र और जीव-विज्ञान, कक्षा 9 और 10 के नागरिक शास्त्र, कक्षा 9 और 10 के इतिहास तथा कक्षा 6 से 8 तक विज्ञान के निदानात्मक परीक्षण तैयार करने के कार्य किए।

एन.सी.ई.आर.टी. ने प्रश्न लिखने और प्रश्नपत्र बनाने के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मध्यप्रदेश के कार्मिकों हेतु 7 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा स्कूल और इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड, उत्तर प्रदेश की बाह्य परीक्षाओं पर भी एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

विज्ञान और गणित की शिक्षा में सुधार

विद्यालय शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान और गणित की शिक्षा में सुधार लाने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने अनुसंधान और विकासात्मक और प्रशिक्षण गतिविधियाँ जारी रखीं। कक्षा 8, 10 और 12 के लिए विज्ञान और गणित की नई पाठ्यपुस्तकें तैयार करने संबंधी कार्यों के अतिरिक्त विद्यालयों में विज्ञान और गणित के शिक्षण को और अधिक सशक्त बनाने के लिए परिषद् ने 1989-90 में विविध प्रकार के कार्यकलाप किए। इस संबंध में किए गए मुख्य कार्यकलापों में नई पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी प्रयोग के लिए अध्यापक संदर्शिकाओं तथा प्रयोगशाला मैनुअलों का विकास, विद्यालयी छात्रों में विज्ञान अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए लोकप्रिय (सरल और सरस) विज्ञान सामग्री तैयार करने, विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा में सुधार की केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना के प्रभावी कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों के लिए निदेशों का विकास करने, विविध अखिल भारतीय प्रतियोगात्मक परीक्षाओं में बैठने के इच्छुक छात्रों के उपयोग हेतु गणित की सहायक पुस्तकों का विकास करने, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों

1989-90

की विज्ञान प्रयोगशालाओं के प्रभावी उपयोग हेतु कार्यशालाओं के आयोजन तथा विज्ञान शिक्षकों हेतु अभिविन्यास एवं संवर्धन पाठ्यक्रम का आयोजन करने जैसे कार्य सम्मिलित हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से एन.सी.ई.आर.टी. ने बच्चों के लिए 23 से 28 फरवरी, 1990 तक हैदराबाद में जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की।

एन.सी.ई.आर.टी. ने प्राथमिक तथा उच्चतर प्राथमिक विद्यालयों के लिए विज्ञान किटों के विकास संबंधी अपने कार्यकलाप जारी रखे। 1989-90 के दौरान, 505 नई प्राथमिक किटें इंडो-जर्मन परियोजना के अंतर्गत तैयार की गईं। इसके अतिरिक्त 5,762 प्राथमिक विज्ञान किटें (पुराने मॉडल) तथा 219 लघु टूल किटें और स्वीकृत विज्ञान किटें बनाई गईं। कक्षा 3, 4 और 5 के लिए पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान) पर अध्यापक गुटिका के प्रकाशन, नये विज्ञान किट मैनुअल, 70 चार्ट कार्ड सैट तथा लघु टूल किट मैनुअल के प्रकाशन संबंधी अन्य कार्य किए गए। परिषद् ने ''मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्राथमिक तथा मिडिल स्कूलों में उन्नत विज्ञान शिक्षा, नामक इंडो'' जर्मन परियोजना के कार्यान्वयन में लगे शीर्ष व्यक्तियों, विशेषज्ञों और अध्यापकों के लिए 12 प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

विद्यालयों में कम्प्यूटर साक्षरता और अध्ययन

विद्यालयों में कम्प्यूटर साक्षरता और अध्ययन परियोजना (क्लास) के अंतर्गत कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर पैकेज तैयार करना तथा कम्प्यूटर के उपयोग के लिए अध्यापकों का प्रशिक्षण वर्ष 1989-90 में एन.सी.ई.आर.टी. का मुख्य कार्य रहा है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक उपलब्धि संघ (आई.ई.ए.) द्वारा प्रायोजित अनुसंधान अध्ययन का पहला चरण काम्पेड पूरा हो गया। अनुसंधान तथा विकास संबंधी अन्य कार्यकलापों में गणित शिक्षण, छात्रों और अध्यापकों के लिए तैयार आंकड़े प्रदान करने के लिए परस्पर जुड़े हुए प्रश्नों के साथ डेटाबेस तैयार करना माईक्रो कम्प्यूटर की प्रभावोत्पादकता का अध्ययन करना, घर्षण के सॉफ्टवेयर को अंतिम रूप देना , बीजगणित के समीकरण के संख्यात्मक हलों के ग्राफिक निरूपण पर सॉफ्टवेयर पैकेज का आलेख और डिजाइन तैयार करना तथा ''क्लास'' परियोजना के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के उपयोग के लिए सॉफ्टवेयर पैकेज की समीक्षा और दो सॉफ्टवेयर पैकेजों का चयन सम्मिलित थे। इन गतिविधियों के अतिरिक्त परिषद् ने ''क्लास'' कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के अध्यापकों हेतु अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से 74 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया।

शिक्षा का व्यावसायीकरण

एन.सी.ई.आर.टी. ने उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों के नियोजन और कार्यान्वयन तथा प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर संशोधित कार्य-अनुभव को लागू करने के संबंध में राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों को आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए अनेक कार्यकलाप किए। इसने माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री का विकास सेवारत अध्यापकों का प्रशिक्षण तथा शिक्षा व्यावसायीकरण योजना के कार्यान्वियन के विभिन्न पहलुओं की दृष्टि से राज्य स्तर के कार्मिकों का अभिविन्यास जैसे प्रमुख कार्यकलाप किए। विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या के विकास/संशोधन के लिए आठ कार्यशालाएं संचालित कीं। 1989-90 में न्यूनतम क्षमता पर आधारित तैयार किए गए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में आंतरिक साज-सज्जा, आहारविज्ञान, भोजन पकाना/पाक कला, अस्पताल संबंधी प्रलेखन और रिकार्ड रखना, स्वास्थ्य की देखभाल, सौंदर्य प्रसाधन, सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग, विपणन और विक्रय कला, आशुलिपि तथा कार्यालयी सहायता, फसल उत्पादन और बागवानी सम्मिलित हैं। परिषद् ने इलैक्ट्रॉनिकी, विपणन और विक्रय कला, कार्यालय पद्धति, कृषि और घरेलू उपकरणों जैसे विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों से 'संबंधित पाठ्य सामग्री तैयार करने

का कार्य किया। इस प्रयोजन के लिए नौ कार्यशालाएं आयोजित की गयी/इसके अतिरिक्त निरंतर कार्य प्रशिक्षण आयोजित करने हेतु दिशा निर्देश तैयार करने के लिए भी कार्यशाला संचालित की गई।

एन.सी.ई.आर.टी. ने सेवारत व्यावसायिक अध्यापकों के लिए रेशम उत्पादन पर एक मास का अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा राज्य स्तर के कार्मिकों के लिए 6 अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। रेशम उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 32 सेवारत व्यावसायिक अध्यापकों ने भाग लिया। शिक्षा के व्यावसायीकरण की योजना के कार्यान्वियन में कार्यरत 169 राज्य स्तरीय कार्मिकों ने इस अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया। एन.सी.ई.आर.टी. ने शिक्षा व्यावसायीकरण की केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वियन की समीक्षा हेतु 'राष्ट्रीय शिक्षा व्यावसायीकरण समीक्षा' संगोष्ठी का आयोजन किया।

विद्यालयों में कार्यानुभव कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वियन को सुगम बनाने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने राष्ट्रीय कार्यानुभव समीक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया। आंध्र प्रदेश के हाई स्कूलों के मुख्याध्यापकों तथा जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए एक 4 दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम तथा स्वैच्छिक संगठनों के साथ मिलकर कार्य करने वाले विद्यालयों के कार्यानुभव अध्यापकों के लिए एक 10 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग

राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों के सहयोग से एन.सी.ई.आर.टी. के केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) ने शैक्षिक प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में अनेक कार्यकलाप किए जिनमें विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने में रेडियो और दूरदर्शन का प्रयोग तथा शिक्षा का व्यापक प्रसार शामिल है। सी.आई.ई.टी. तथा एस.आई.ई.टी. द्वारा इन्सेट 1-बी के माध्यम से वर्ष में 210 कार्यकारी दिवसों पर 3 घंटे 45 मिनट के कार्यक्रम प्रसारित किये जाते हैं। ये कार्यक्रम पांच क्षेत्रीय भाषाओं—हिंदी, गुजराती, मराठी, उड़िया और तेलुगु—में प्रसारित किए गए जिनमें प्रत्येक भाषा का 45 मिनट का कार्यक्रम था। 1989-90 में सी.आई.ई.टी. ने लगभग 90 शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम हिंदी में बनाए तथा इनमें से 60 कार्यक्रमों का उड़िया में रूपांतरण किया गया। वर्ष 1984-85 की अवधि में सी.आई.ई.टी. ने 508 शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम तथा भाषा रूपांतर बनाए। 1989-90 में यह संख्या 824 तक पहुंच गई। शाम को दिल्ली दूरदर्शन केंद्र बच्चों के लिए हफ्ते में दो बार अपने सामान्य कार्यक्रमों में सी.आई.ई.टी. द्वारा बनाए गए चुनिंदा शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम प्रसारित करता है। ये कार्यक्रम सारे देश में फैले 150 से भी अधिक ट्रांसमीटरों द्वारा रिले किये जाते हैं। 1986-87, 1987-88 तथा 1988-90 में सी.आई.ई.टी. ने जिस प्रकार से विद्यालयी अध्यापकों के बहुल अभिविन्यास कार्यक्रम (पी.एम.ओ.एस.टी.) के शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम तैयार किये थे उसी प्रकार से इसे 1989 में जारी रखा।

सी.आई.ई.टी. ने एस.आई.ई.टी., डी.आई.ई.टी. के कार्मिकों तथा अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अध्यापक-शिक्षकों हेतु अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखे। 1989-90 में, सी.आई.ई.टी. ने शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्मिकों का दल बनाने के लिए पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एक ओडियो उपकरणों पर तथा चार प्रशिक्षण अभिविन्यास कार्यक्रम डी.आई.ई.टी. और एस.सी.ई.आर.टी. और अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किए गए।

सी.आई.ई.टी. द्वारा किए गए अन्य कार्यों में 'भूगोल' वेस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया, 'भूगोल भाग-5' नामक 16 एम.एम. की तीन फिल्मों का निर्माण सम्मिलित है। ये फिल्में ''लैंड एंड पीपुल्स'' नामक भूगोल शृंखला के अंतर्गत बनाई गई हैं। इस वर्ष सी. आई. ई. टी. ने 109 नये ओडियो कार्यक्रम भी तैयार किए। इनमें भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर 52 कार्यक्रम, नवोदय, विद्यालयों पर 17 कार्यक्रम, स्वतंत्रता आंदोलन पर एक कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकता पर 5 कार्यक्रम, पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनी पुत्री को लिखे गए पत्रों पर 28 कार्यक्रम तथा 6 बाल गीत सम्मिलित हैं। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर ने भी कुछ ओडियो कार्यक्रम बनाए। सी.आई.ई.टी. ने मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के 450 विद्यालयों में आडियो टेप्स का उपयोग करते हुए प्राथमिक स्तर पर

1989-90

प्रथम भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण कार्यक्रम को सहायता देना जारी रखा। सी.आई.ई.टी. ने कक्षा 11 और 12 के जीव-विज्ञान के चार्ट तैयार करने तथा 'लैंड, पीपल्स एंड मान्युमैंट' शृंखला के अंतर्गत स्लाइड तैयार करने संबंधी कार्यकलाप जारी रखे। सी.आई.ई.टी. ने 13 से 16 जून, 1989 तक मैसूर में दूसरा बाल शैक्षिक दूरदर्शन उत्सव आयोजित किया। 1988-89 में 9 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए सी. आई.ई.टी. द्वारा निर्मित 18 मिनट के ''विज्ञान क्या है?'' (व्हाट इज सांइस) नामक शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम ने 1989 में आयोजित ''एन.एच. के जापान पुरस्कार प्रतियोगियता'' में विशेष जापानी पुरस्कार प्राप्त किया।

अध्यापक शिक्षा

एन.सी.ई.आर.टी. ने सेवा पूर्व तथा सेवाकालीन अध्यापक-शिक्षा कार्यक्रमों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए अनेक कार्यकलाप जारी रखे। अनुसूचित जाति तथा जनजाति और गैर अनुसूचित जाति/जन जाति के छात्राध्यापकों की उपलब्धि के साथ स्वतः धारणा, अभिरुचि एवं समायोजन के संबंध का अध्ययन नामक शोध परियोजना का कार्य पूरा किया गया। परिषद् ने प्रारंभिक तथा माध्यमिक अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों की संशोधित पाठ्यचर्याओं में समाविष्ट अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या के दिशा निर्देश और पाठ्य विवरण के विकास से संबंधित अनेक कार्य किए। जिन पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या दिशानिर्देशों तथा पाठ्य विवरण विकसित किए गए हैं, उनमें राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा प्रकाशित 'राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा पाठयचर्या : एक संरचना' नामक दस्तावेज के प्रारूप में दी गई सिफारिशों के आधार पर विकसित मूलभूत पाठ्यक्रम, स्तर-संबंधी विशेषज्ञता, अतिरिक्त विशेषज्ञता तथा पौक्टिकम/क्षेत्र कार्य सम्मिलित हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. ने भारतीय शिक्षा एनसाइक्लोपिडिया तैयार करने की परियोजना शुरू की है। इस कार्य के अंतर्गत भारतीय शिक्षा एनसाइक्लोपीडिया से संबंधित प्रविष्टियों की प्रारंभिक सूची तैयार कर ली गई है। परिषद् ने एजुकेशनल कन्सलटैंट इंडिया लिमिटेड द्वारा तैयार की गई परियोजनाओं के निरूपण हेतु तथा जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना संबंधी दिशानिदेशों का संशोधन कर उन्हें अंतिम रूप प्रदान किया। संशोधित दस्तावेज प्रकाशित कर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा राज्य स्तरीय अभिकरणों में वितरित किया गया। राष्ट्रीय शैक्षिक नियोजन और प्रशासन संस्थान (एन.आई.ई.पी.ए.) तथा प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय के सहयोग से एन०सी०ई०आर०टी० ने डी०आई०ई०टी० के प्राचार्यों के लिए 3 सप्ताह का प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसके अलावा एस०सी०ई०आर०टी०, एस०आई०ई० के निदेशकों के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन, अध्यापक शिक्षकों के लिए अध्यापन मॉडल पर 6 दिन का अभिविन्यास कार्यक्रम तथा अध्यापक शिक्षकों के संगोष्ठी पठन कार्यक्रम की 16वीं अखिल भारतीय प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं की राष्ट्रीय बैठक का आयोजन संबंधी अन्य कार्यकलाप किए गए।

एन०सी०ई०आर०टी० ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन०सी०टी०ई०) के सचिवालय के रूप में कार्य करना जारी रखा तथा एन०सी०टी०ई० के विभिन्न कार्यकलापों को समन्वित किया। 1989-90 के एन०सी०टी०ई० के कार्यकलापों में तीन स्थायी अकादमिक समितियों—विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा समिति, दूरस्थ शिक्षा अध्यापक शिक्षा समिति तथा माध्यमिक और महाविद्यालय अध्यापक शिक्षा समिति—की बैठकें आयोजित करना, अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन तथा एन०सी०टी०ई० बुलेटिन का प्रकाशन सम्मिलित था।

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा चलाए जा रहे चार क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों ने चार वर्ष के बी.ए. एड, या बी.ए.बी. एड का समेकित अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम तथा बी.एस.सी.एड, या बी.एस.सी. (आनर्स/पास), बी.एड. डिग्री, एक वर्ष का बी.एड. पाठ्यक्रम और एक वर्ष का एम. एड पाठ्यक्रम चलाना जारी रखा। क्षे.शि.म. भुवनेश्वर तथा मैसूर ने दो वर्ष का एम.एस.सी.एड. पाठ्यक्रम भी चलाया। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों में विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर अनेक विस्तार कार्यक्रम/कार्यशालाएं/बैठकें/संगोष्ठियां आयोजित की गईं।

इसके अलावा, प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय ने विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा संबंधी अनुसंधान, अध्ययन किए। पी-एच.डी. डिग्री के लिए अनुसंधान कार्य हेतु क्षे.शि.म. ने अनेक शोधकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया।

नवोदय विद्यालयों में प्रवेश हेतु छात्रों का चयन

एन.सी.ई.आर.टी. ने 1989-90 तथा 1990-91 के शैक्षिक सत्रों के लिए जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश हेतु चयन परीक्षाएं आयोजित कीं। 1989-90 में पूरे देश में 261 नवोदय विद्यालय थे। 22 राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के 3,038 खंडों तथा 261 जिलों में स्थित 2,980 केंद्रों में नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (एन.वी.एस.टी.) 1989 आयोजित की गई। 28 मई, 1989 को मुख्य परीक्षा तथा 30 सितंबर, 1989 को आयोजित पूरक परीक्षा में बैठने के लिए कुल 4,10,159 अभ्यार्थियों ने स्वयं को पंजीकृत कराया, जिनमें से 3,55,222 छात्र (पंजीकृत छात्रों की कुल संख्या का 86.60 %) परीक्षाओं में बैठे। इनमें से 18, 254 छात्र 261 नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए चुने हुए। 1989-90 के शैक्षिक सत्रों के लिए नवोदय विद्यालयों में प्रवेश हेतु चुने गए छात्रों में 15.4% ग्रामीण क्षेत्रों से थे तथा 24.6% शहरी क्षेत्र के चुने गए छात्रों की कुल संख्या 67.5% लड़के तथा 32.5% लड़कियां थीं। प्रवेश के लिए चुने गए कुल छात्रों में से 18.6% अनुसूचित जाति और 11.2% प्रतिशत अनुसूचित जन जाति के छात्र थे। 821 (4.5 प्रतिशत) अनुसूचित/अनुसूचित जन जाति के छात्र योग्यता के आधार पर चुने गए। 239 नवोदय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 1990-91 के लिए छात्रों के चयन हेतु देश भर के 239 जिलों में स्थित 2,663 खंडों के 2,966 केंद्रों में 18 मार्च, 1990 को एन.वी.एस.टी. 1990-91 परीक्षा आयोजित की गई। हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और उत्तर प्रदेश के शेष 22 नवोदय विद्यालयों में छात्रों के प्रवेश हेतु 27 मई, 1990 को आयोजित की जाने वाली एन.वी.एस.टी. 1990 की भी तैयारियाँ की गईं।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज

एन.सी.ई.आर.टी. ने 14 मई, 1989 को राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए द्वितीय स्तर की परीक्षा आयोजित की। अक्तूबर-दिसम्बर, 1988 के दौरान राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों ने प्रथम स्तर की परीक्षा आयोजित की। द्वितीय स्तर की परीक्षा 30 केंद्रों पर आयोजित की गई। द्वितीय स्तर की परीक्षा में 3,092 छात्र बैठे जिनमें अनुसूचित जाति/जन जाति के छात्रों सहित 750 छात्र छात्रवृत्ति के लिए चुने गए। 1989-90 में 'राष्ट्रीय प्रतिभा खोज' छात्रों की संख्या 4,437 थी।

शैक्षिक सर्वेक्षण

एन.सी.ई.आर.टी. ने पांचवें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण की अंतिम रिपोर्ट तैयार करने संबंधी अनेक कार्य किए। अंतिम रिपोर्ट की तालिकाएं बना ली गई हैं। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष के दौरान चार शोध परियोजनाओं का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। इन परियोजनाओं में, चुने गए चार राज्यों के माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पुस्तकालयी सुविधाओं तथा उनके उपयोग पर प्रतिचयन अध्ययन, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की विज्ञान प्रयोगशालाओं का गहन अध्ययन, चुने गए चार राज्यों के माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक भवनों का गहन अध्ययन तथा उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के सहायक शिक्षा साधनों का गहन अध्ययन सम्मिलित है।

वर्ष 1989-90 में एन.सी.ई.आर.टी. ने '' देश के विभिन्न राज्यों के प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि का एक अध्ययन'' परियोजना आरंभ की ताकि कक्षा 4 उत्तीर्ण करने वाले बच्चों की भाषागत और गणित संबंधी उपलब्धि के स्तर निर्धारित किये जा सकें। परिषद् ने माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन का कार्य भी किया ताकि विद्यालयी शिक्षा के इन स्तरों के छात्रों की उपलब्धि का स्तर आंका जा सके। यह अध्ययन देश के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के साथ मिलकर किया गया। इस अध्ययन के अंतर्गत 21 जनवरी, 1990 को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा ली गई, जिसमें 4,60,000 छात्र बैठे।

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन के क्षेत्र में अनेक

कार्यक्रम और परियोजनाओं संबंधी कार्य किए। '+2 स्तर पर शैक्षिक तथा व्यवसायिक धाराओं के छात्रों का व्यावसायिक व्यवहार तथा समायोजन नामक अनुसंधान परियोजना का कार्य पूरा किया और ''रचनात्मक कार्यों में लगी हुई लड़कियों के व्यवसाय संबंधी व्यवहार का अध्ययन'' संबंधी क्षेत्र परीक्षण और प्रलेखन कार्य शुरू किया। परिषद् ने शैक्षिक तथा व्यावसायिक मार्गदर्शन का डिप्लोमा पाठ्यक्रम जारी रखा। 1 अगस्त, 1989 को आरंभ 29वें डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 28 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अतिरिक्त कुछ अल्पकालीन संवर्धन/प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाए गए। इनमें, प्रशिक्षित और कार्यरत परामर्शदाताओं के परामर्श कौशलों के लिए एक 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, कक्षा/ विद्यालयी व्यवस्था में व्यवहार परिवर्तन तकनीकों के अनुप्रयोग पर दो 7 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, माध्यमिक अध्यापक शिक्षकों के लिए अधिगम और विकास पर संवर्धन पाठ्यक्रम तथा प्रारंभिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं के अध्यापक शिक्षकों के लिए मनोविज्ञान पर एक संवर्धन पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. ने लड़कियों के व्यावसायिक मार्गदर्शन पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए मार्गदर्शन तथा परामर्श पर दो दिवसीय अभिविन्यास संगोष्ठी आयोजित की। इसके अतिरिक्त परिषद् ने दिल्ली के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम का विकास, प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम का विकास, समकक्ष परामर्शदाताओं के रूप में प्रशिक्षण विद्यालय के छात्रों के हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास तथा परीक्षण माध्यमिक विद्यालयों के विद्यालयी परामर्शदाताओं की भूमिका और कार्यों का मूल्यांकनात्मक अध्ययन, मार्गदर्शन परामर्शदाताओं के लिए मैनुअल का विकास, प्रारंभिक और माध्यमिक विद्यालयों के विकासात्मक और जीविका संबंधी मार्गदर्शन पर बहुमाध्यम पैकेज का विकास, प्रारंभिक विद्यालय के बच्चों के बीच रचनात्मक क्षमताओं के संपोषण पर पुस्तिका तथा व्यवहार परिवर्तन मैनुअल का विकास संबंधी अन्य कार्य किए।

शैक्षिक अनुसंधान का विकास

एन.सी.ई.आर.टी. की शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) ने विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान परियोजनाओं को प्रायोजित करना जारी रखा। 1989-90 में एरिक ने 16 अनुसंधान परियोजनाओं को सहायता प्रदान की। इनमें से आठ परियोजनाओं पर एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न एककों तथा आठ परियोजनाओं पर बाहरी अनुसंधान संस्थाओं ने कार्य किया। 1989-90 में एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न घटकों ने आठ परियोजनाओं पर तथा बाहरी अनुसंधान संस्थाओं की 13 परियोजनाओं पर कार्य जारी रखा।

शैक्षिक अनुसंधान की गुणवत्ता सुधारने के प्रयास के अंग के रूप में परिषद् ने क्षे.शि.म. अजमेर के शोध छात्रों के लिए स्तर-1 पर अनुसंधान अध्यापन पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम में 28 शोध छात्रों ने भाग लिया। 14 से 20 सितंबर, 1989 तक मदुरई में स्तर-2 पर अनुसंधान अध्यापन पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम में 21 शोध मार्गदर्शकों ने भाग लिया। 15 से 19 जनवरी, 1990 तक बंगलौर में संगोष्ठी के रूप में स्तर-3 पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रख्यात शिक्षाविद तथा वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता सम्मिलित हुए। इन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, एन.सी.ई.आर.टी. ने 25 से 28 सितंबर, 1989 तक शैक्षिक अनुसंधान पर यूनेस्को द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की।

1989-90 के दौरान एरिक की वित्तीय सहायता से 13 पी-एच.डी. शोध प्रबंध प्रकाशित हुए। 12 पी-एच.डी. शोध प्रबंधों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता अनुमोदित की गई।

जनसंख्या शिक्षा

एन.सी.ई.आर.टी. ने राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के

कार्यान्वियन की गति तीव्र करने के लिए अनेक उपाय किये। जो राज्य अभी तक इस परियोजना के अंतर्गत नहीं आए, उन तक इस परियोजना को बढ़ाने के प्रयास किये गए। 1989-90 में, अरुणाचल प्रदेश राज्य और दमन और दीव संघ शासित क्षेत्र भी इस परियोजना में शामिल हो गए। इस वर्ष अनेक विकासात्मक और प्रशिक्षण संबंधी कार्यकलाप किए गए। इनमें विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों की विद्यमान पाठ्यपुस्तकों में जनसंख्या शिक्षा को शामिल करना, जनसंख्या शिक्षा पर अनुदेशी/प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना, अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों की अनुदेशी सामग्री में जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम को सम्मिलित करना, विद्यालयों में जनसंख्या शिक्षा प्रयोगशालाओं या संसाधन केंद्रों की स्थापना और सामुदायिक संसाधनों की सहायता से विद्यालय स्तर पर जनसंख्या शिक्षा संबंधी कार्यकलापों का प्रवर्तन संबंधी कार्य सम्मिलित थे। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत किए गए अन्य कार्यकलापों में जनसंख्या शिक्षा पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन, राज्य स्तर के परियोजना कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, जनसंख्या मूल्यांकन परीक्षा का विकास, अनौपचारिक शिक्षा में जनसंख्या शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम सम्मिलित हैं।

अनुदेशी सामग्री और पत्रिकाओं का प्रकाशन

एन.सी.ई.आर.टी. का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यकलाप पाठ्यपुस्तकों, पूरक पाठ्यपुस्तकों, अभ्यास पुस्तिकाओं अध्यापक संदर्शिकाओं, अनुसंधान मोनोग्राफ, पत्रिकाओं आदि का प्रकाशन है। वर्ष 1989-90 के दौरान विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत ऐसे 272 प्रकाशन किए गए। इनमें 75 नई पाठ्यपुस्तकें/अभ्यास पुस्तिकाओं/निर्धारित पूरक पठन पुस्तकें, 112 पाठ्यपुस्तकें/अभ्यास पुस्तिकाओं, निर्धारित पूरक पठनमालाओं के पुनर्मुद्रण, अन्य सरकारी अभिकरणों के लिए 10 पाठ्यपुस्तकें/अभ्यास पुस्तिकाओं, 69 अनुसंधान मोनोग्राफ/रिपोर्ट तथा अन्य प्रकाशन तथा शैक्षिक पत्रिकाओं के आठ अंक सम्मिलित हैं। परिषद् ने विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर छात्रों के उपयोग हेतु अंग्रेजी और हिंदी की पूरक पठनमालाएं शृंखला निकालने का कार्य जारी रखा। इनमें 'रिडिंग टू लर्न', 'लोट्स' तथा 'पढ़े और सीखें' शृंखलाएं शामिल हैं। 1989-90 में परिषद् ने 'पापुलर सांईस बुक्स' नामक पूरक पठनपुस्तकों की नई शृंखला शुरू की है। इस वर्ष इसकी 'व्हाट ओन अर्थ इज एनर्जी' नामक पहली पुस्तक प्रकाशित हुई। इसके अतिरिक्त परिषद् ने 'इंडियन एजुकेशनल रिव्यू' (त्रैमासिक) 'प्राइमरी टीचर' (त्रैमासिक) 'जरनल ऑफ़ इंडियन एजूकेशन' (द्विमासिक), 'स्कूल साईंस' (त्रैमासिक) 'प्राइमरी टीचर' (त्रैमासिक) (हिन्दी में) तथा 'जरनल ऑफ़ इंडियन एजूकेशन' (हिंदी त्रैमासिक) इत्यादि पत्रिकाओं का प्रकाशन जारी रखा।

प्रलेखन और सूचना सेवाएं

एन.सी.ई.आर.टी. के पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग ने इसके विभिन्न विभागों/एककों के अनुसंधान और विकासात्मक कार्यों को सहयोग देना जारी रखा। इस विभाग ने मात्र एन.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्यों की हा सूचना संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं की अपितु समूचे देश के शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति की। एन.सी.ई.आर.टी. में स्थित पुस्तकालय में शिक्षा तथा मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तकों तथा पत्रिकाओं और विद्यालयी विषयों से संबंधित पाठ्यचर्या और संदर्भ सामग्री का बहुत बड़ा और उत्तम संग्रह है। एन.सी.ई.आर.टी. ने विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्षों, विद्यालयी पुस्तकालयों के प्रभारी अध्यापकों तथा अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखा। 17 से 29 जनवरी, 1990 तक कोयम्बटूर में जनसंख्या शिक्षा प्रलेखन और सूचना सेवाओं पर एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 26 फरवरी से 2 मार्च, 1990 तक बंगलौर में प्रारंभिक स्तर पर अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं के पुस्तकालयों के विकास पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी। परिषद् ने विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्षों/पुस्तकालयों के प्रभारी अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उड़ीसा को

शैक्षिक सहयोग प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान के कार्यान्वयन में मुख्य अभिकरण की भूमिका निभाती रही। इस वर्ष 12 देशों के शिष्ट मंडल तथा विशेषज्ञ यहां आए। सोमालिया के एक अध्येता के लिए 'महिला तथा ग्रामीण विकास के लिए अनौपचारिक शिक्षा पर 6 मास का अध्येतावृत्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम' आयोजित किया गया। अफगानिस्तान के तीन अध्येताओं के लिए विज्ञान शिक्षा पर 12 दिन का और वियतनाम के तीन शिक्षाविदों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर 4 सप्ताह का प्रशिक्षण अटैचमेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिषद् ने यूनेस्को द्वारा प्रायोजित पांच परियोजनाओं/अध्ययनों/कार्यक्रमों संबंधी कार्य किए तथा एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र के शैक्षिक नवाचार विकास कार्यक्रम (एपीड) के सहायक केंद्र तथा शैक्षिक नवाचार में राष्ट्रीय विकास समूह के सचिवालय के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। इस वर्ष यूनेस्को के तत्वावधान में प्राथमिक विद्यालयों में बहुश्रेणी शिक्षण की पुस्तिका तैयार करना, माध्यमिक शिक्षा के पुनरभिविन्यास और सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला, अध्यापक शिक्षा के सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला, शैक्षिक अनुसंधान पर राष्ट्रीय कार्यशाला, भारत में जनसंख्या शिक्षा प्रलेखन और सूचना सेवा पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, यूनेस्को—यू.एन.डी.पी. के चयन प्रशिक्षण, कार्यकलापों के मूल्यांकन संबंधी परामर्श बैठक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय शिक्षा कार्यक्रम तथा शैक्षिक रूप से सुविधा वंचित जनसंख्या समूहों पर एपीड अध्ययन जैसी परियोजनाओं/अध्ययनों/कार्यक्रमों को संचालित किया गया। द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत दिसंबर, 1989 के दौरान मंगोलिया सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय पूर्व शिक्षा के क्षेत्र में एन.सी.ई.आर.टी. के विशेषज्ञ एक सप्ताह के लिए मंगोलिया गए। भारत-चीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत मार्च/अप्रैल,1990, में बाल मनोविज्ञान और बाल शिक्षा के क्षेत्र में एन.सी.ई.आर.टी. के दो विशेषज्ञ दो सप्ताह के लिए चीन गए।

शैक्षिक नवाचार के लिए राष्ट्रीय विकास समूह के कार्यकलापों के अंग के रूप में, एन.सी.ई.आर.टी. ने संयुक्त नवाचार अंत-क्षेत्रीय परियोजनाओं के मॉडल विकसित करने के लिए 25 से 29 सितंबर, 1989 तक कार्यकारी दल की बैठक आयोजित की। अन्य किए गए कार्यकलापों में 30 अक्तूबर, 1989 को एन.डी.जी. की कार्यकारी समिति की बैठक का आयोजन तथा 19 से 22 फरवरी, 1990 तक क्षे.शि.म. भोपाल में विकास हेतु शैक्षिक नवाचार पर 4 दिवसीय क्षेत्रीय संगोष्ठी (पश्चिमी क्षेत्र) का आयोजन सम्मिलित थे।

क्षेत्रीय सेवाएं

एन.सी.ई.आर.टी. के 17 क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों ने अपने कार्यक्षेत्रों में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में संपर्क का कार्य जारी रखा। वर्ष 1989-90 के दौरान क्षेत्रीय कार्यालयों ने एन.आई.ई. के विभागों, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों तथा सी.आई.ई.टी. की राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता की। सभी कार्यालयों ने कार्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जिसमें 1990-91 हेतु प्रस्तावित कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया। इन कार्यकलापों के अतिरिक्त, क्षेत्रीय कार्यालयों ने एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न घटकों द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों/परियोजनाओं के कार्यान्वियन से संबंधित अनेक कार्यकलाप किए। वर्ष 1989-90 के दौरान क्षेत्रीय कार्यालयों ने निम्नलिखित मुख्य कार्याकलाप किए :

(1) विद्यालयी अध्यापकों के बहुल अभिविन्यास कार्यक्रम (पी.एम.ओ.एस.टी.) के अंतर्गत अभिविन्यास/प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को आवश्यक प्रशासनिक तथा शैक्षिक सहायता प्रदान करना ।

(2) जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के आयोजन संबंधी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के कार्याकलापों का समन्वयन।

(3) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा संचालित करने हेतु राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना।

(4) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए छात्रों के चयन हेतु साक्षात्कार लेने संबंधी कार्यकलापों का समन्वय।

(5) फ्रांसीसी क्रांति की दूसरी शती समारोह के भाग के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित फ्रांसीसी क्रांति पर अखिल भारतीय निबंध तथा पोस्टर प्रतियोगिता के संबंध में राज्य/संघ शासित क्षेत्र स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

(6) राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन हेतु राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को सहयोग प्रदान करना।

(7) डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्मशती संबंधी कार्यकलापों के अतंर्गत एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता कार्यक्रम के रूप में अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।

कुछ क्षेत्रीय कार्यालय आई.ई.ए. द्वारा प्रायोजित तथा एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा संचालित 'विद्यालयों में कम्प्यूटर के उपयोग के अध्ययन' से जुड़े रहे। क्षेत्र कार्यालय ने कक्षागत अध्यापन की प्रायोगिक परियोजनाओं और नवाचारों के लिए वित्तीय सहायता देना भी जारी रखा।

वर्ष 1989-90 के दौरान एन.आई.ई. के विभिन्न विभागों/एककों/प्रकोष्ठों तथा एन.सी.ई.आर.टी. के अन्य घटकों द्वारा किये जाने वाले कार्यकलापों/ कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा परवर्ती अध्यायों में दिया गया है।

1989-90

तीन

विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा

भारत में शैक्षिक विकास का सर्वाधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य 14 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराना है। इस नाते एन०सी०ई०आर०टी० प्रारंभिक शिक्षा के व्यापकीकरण वाले कार्यक्रमों और परियोजनाओं को उच्च प्राथमिकता देती है। प्रारंभिक शिक्षा के व्यापकीकरण हेतु उपयुक्त कार्यनीतियों के विकास के लिए एन०आई०ई० का विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी०पी०एस०ई०ई०) बहुत से कार्यकलापों में कार्यरत है। इनमें शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा कार्यक्रम को अधिक मजबूत बनाना, प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रिया का पुनरभिविन्यास, केन्द्र द्वारा प्रायोजित आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना, क्षेत्रपरक गहन शैक्षिक कार्यक्रम का विकास, बच्चों की शिक्षा के लिए विद्यालयेतर अनौपचारिक उपागम का विकास इत्यादि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त इस वर्ष भी यह विभाग विभिन्न राज्यों और संघीय क्षेत्रों में प्रारंभिक शिक्षा के व्यापकीकरण कार्यक्रम के संदर्भ में कार्यान्वित की जाने वाली यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए केन्द्रीय, तकनीकी तथा समन्वय अभिकरण के रूप में कार्य करता रहा।

शैशवकालीन देखरेख और शिक्षा

बच्चे के विकास, विद्यालय के लिए तैयारी तथा शैक्षिक अवसरों की समानता के संवर्धन में शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा का व्यापक महत्व माना गया है। इसलिए डैप्सी (डी०पी०एस०ई०ई०) ने राज्यों/संघीय क्षेत्रों में शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा की उन्नति के लिए अनेक कार्यकलाप और कार्यक्रम किए। इनमें से मुख्य कार्यकलाप हैं—शैशवकालीन शिक्षा के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास, विद्यालय-पूर्व अध्यापकों तथा अध्यापक-शिक्षकों के उपयोग के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास, विद्यालय-पूर्व अध्यापकों और अध्यापक शिक्षकों तथा शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा के कार्यक्रमों में लगे पर्यवेक्षक कार्मिकों का प्रशिक्षण तथा शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान। डैप्सी ने शैशवकालीन शिक्षा और देखभाल के कार्यक्रम को पुष्ट बनाने के लिए निम्नलिखित मुख्य परियोजनाएँ और कार्यकलाप कार्यान्वित किए:

बाल माध्यम प्रयोगशाला (सी०एम०एल०)

यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना 'बाल माध्यम प्रयोगशाला' के अंतर्गत शैशवकालीन शिक्षा संबंधी अनुदेशी सामग्री का विकास तथा 3 से 8 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए शैक्षिक और मनोरंजन सामग्री तथा शैक्षिक साधनों का विकास किया गया तथा विचारों, प्रशिक्षण, शिक्षण सामग्री, अनुसंधान परिणामों और विभिन्न प्रशिक्षण विधियों के प्रचार-प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर

एक संसाधन केन्द्र बनाया गया। सी०एम०एल० के अंतर्गत बनाई गई सामग्री, समेकित बाल विकास सेवाएँ (आई०सी०डी०एस०) जैसी उन परियोजनाओं/कार्यक्रमों को दे दी गई जो विद्यालय-पूर्व तथा प्रारंभिक प्राथमिक विद्यालय के आयु वर्ग के बच्चों की आवश्यकताएं पूरी कर सकें। बाल माध्यम प्रयोगशाला के कार्यक्रम के अंतर्गत इस वर्ष ग्रीष्मकालीन संवर्धन कार्यक्रम के लिए एक वीडियो प्रोग्राम बनाया गया तथा "घर की खोज" नामक एक चित्र-पुस्तक प्रकाशित की गई।

शैशवकालीन शिक्षा परियोजना

यूनिसेफ सहायता प्राप्त शैशवकालीन शिक्षा परियोजना के अंतर्गत 10 राज्यों (बिहार, उड़ीसा, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश) को शैशवकालीन शिक्षा एककों को मजबूत बनाने, विद्यालय-पूर्व अध्यापकों तथा अध्यापक-शिक्षकों को प्रशिक्षण देने तथा सीखने और खेलने की सामग्री तैयार करने में सहायता दी गई। ई०सी०ई० परियोजना के अतंर्गत मुख्य बल ई०सी०ई० तथा समेकित बाल विकास सेवा (आई०सी०डी०एस०) के कार्यक्रमों के बीच संपर्क सूत्र स्थापित करने, समुदायों में शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रमों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने और परियोजना के अनुवीक्षण और मूल्यांकन पर दिया गया। इस परियोजना के कार्यान्वियन की समीक्षा करने तथा वर्ष 1990 के लिए कार्ययोजना की रूपरेखा बनाने के लिए राज्यों/संघीय क्षेत्रों के परियोजना समन्वयकों की दो बैठकें हुईं। 3 और 4 जुलाई, 1989 को नई दिल्ली में परियोजना समन्वयकों की पहली बैठक हुई। इसमें नौ परियोजना समन्वयकों ने भाग लिया। 30 नवम्बर तथा 1 दिसंबर, 1989 को दूसरी बैठक हुई। इस बैठक में 10 परियोजना अधिकारियों ने भाग लिया। इसके अलावा, विद्यालय-पूर्व पाठ्यचर्या को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञों तथा विद्यालय-पूर्व अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों की भी एक बैठक हुई।

ई०सी०ई० परियोजना के प्रतिभागी राज्यों में अगस्त, 1988 में प्राथमिक स्तर पर विद्यालय-पूर्व अनुभवों से संबंधित नामांकन और अवरोधन का अध्ययन आरंभ किया गया था। 1989-90 में यह अध्ययन पूरा हो गया। इस वर्ष ई०सी०ई० परियोजना के प्रतिभागी दस राज्यों में ई०सी०ई० कार्यक्रमों का मूल्यांकनपरक अध्ययन भी समाप्त हो चुका है। इसके अतिरिक्त, शैशवकालीन शिक्षा की राष्ट्रीय रूपरेखा तैयार करने का कार्य आरंभ किया गया है। राज्यों/संघीय क्षेत्रों में कार्यान्वित किए जाने वाले ई०सी०ई० कार्यक्रमों के विविध पहलुओं संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए राज्यों तथा कुछ मुख्य गैर सरकारी संगठनों को एक सूचना-अनुसूची भेजी गई।

गृह आधारित बाल विकास कार्यक्रम

शैशवकालीन प्रेरणा हेतु वैकल्पिक कार्यनीति विकसित करने के क्रम में उड़ीसा के आदिवासी और गंदी शहरी बस्तियों के बच्चों के विकास हेतु गृह आधारित कार्यक्रमों को परखा गया। ये कार्यक्रम बाल अधिगम को बढ़ाने के लिए परिवार के सदस्यों तथा बूढ़े-बूढ़ों जैसे माँ, पिता, दादी माँ आदि में अपेक्षित विश्वास जगाने का प्रयत्न करते हैं ताकि वे शिक्षक की भूमिका निभा सकें। इस अध्ययन में भगवतीपुर आदिवासी क्षेत्र के 65 घर तथा उड़ीसा में भुवनेश्वर की गंदी शहरी बस्तियों के 100 घर सम्मिलित किए गए। अभिभावकों में सशक्त शिक्षक की चेतना को बढ़ावा देने तथा आवश्यक कौशल के विकास के लिए गृह आधारित अनुदेशी पैकेज बनाया गया। इस पैकेज में बच्चों के स्वास्थ्य पोषण और शिक्षा संबंधी सामग्री सम्मिलित है।

1989 में इस कार्यक्रम का पहला चरण पूरा हुआ तथा जनवरी, 1990 में दूसरा चरण प्रारंभ हुआ। दूसरे चरण का मुख्य उद्देश्य बाल विकास को बढ़ावा देने के लिए गृह आधारित मध्यस्थता कौशलों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना है। इस अवधि के दौरान गृह आधारित कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों/स्थानों में आई०सी०डी०एस० परियोजनाओं का सर्वेक्षण महत्त्वपूर्ण कार्य था।

बाल से बाल कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालयों

1989-90

की कक्षा 4 और 5 में स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा से संबंधित कार्य किये जाते रहे। बाल से बाल (चाइल्ड टू चाइल्ड) कार्यक्रम एक क्रियानिष्ठ अनुसंधान कार्य है जो स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा से संबंधित है तथा कक्षा 4 और 5 के ऐसे बच्चों और अध्यापकों के लिए है, जो फिर कक्षा 1 और 2 के बच्चों के साथ काम करते हैं। 1989-90 में दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालयों के 44 अध्यापकों के लिए बाल से बाल कार्यक्रम पर 3 दिन की कार्यशाला आयोजित की गई। बिहार के 12 अध्यापकों के लिए इस कार्यक्रम पर एक दिवस का अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यापकों के लिए अनुदेशात्मक मैनुअल का विकास किया गया तथा दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यान्वित किये जा रहे कार्यक्रम का अनुवीक्षण और मूल्यांकन किया गया।

रेडियो संभाव्यता अध्ययन

रेडियो के माध्यम से आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 1 और 2 के बच्चों के सीखने के अनुभवों को समृद्ध बनाने के लिए एन०सी०ई०आर०टी० ने आकाशवाणी केन्द्र, कोटा के साथ मिलकर रेडियो संभाव्यता का अध्ययन आरंभ किया। 2 अक्तूबर, 1988 को आकाशवाणी केन्द्र, कोटा से बच्चों के कार्यक्रम का प्रसारण आरंभ हुआ तथा 30 सितंबर, 1989 को समाप्त हो गया। प्रत्येक कार्यक्रम की अवधि 15 मिनट थी तथा यह सप्ताह में 6 दिन प्रसारित किया जाता था। इस संबंध में किए गए मुख्य कार्यकलाप थे : प्रसारण के लिए आडियो कार्यक्रमों का विकास, अध्यापकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए संदर्शिकाओं का निर्माण तथा अध्यापकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण। रेडियो संभाव्यता कार्यक्रम में बच्चों के कार्यक्रमों के 60 आडियो टेप तथा अध्यापकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए। इस वर्ष इस अध्ययन के विभिन्न पहलुओं/घटकों की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन भी किया गया। इस मूल्यांकन अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि रेडियो के प्रसारण कार्यक्रमों से बच्चों की भाषा और बोधात्मक विकास पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है।

दिल्ली नगर निगम के नर्सरी स्कूलों में शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रम

दिल्ली नगर निगम के नर्सरी/पूर्व प्राथमिक अनुभागों/वर्गों वाले कुछ विद्यालयों में शैशवकालीन शिक्षा के कार्यान्वयन में एन०सी०ई०आर०टी० कार्यरत रही। वर्ष 1989-90 इस कार्यक्रम का अंतिम वर्ष था। 1989-90 के दौरान, शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए दिल्ली नगर निगम के विद्यालय के अध्यापकों की कई बैठकें आयोजित की गईं।

खिलौने बनाने की कार्यशाला एवं प्रतियोगिताएँ

पूर्व प्राथमिक तथा प्रारंभिक प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक खेल-खिलौनों की महत्ता तथा खेलविधि पर आधारित शिक्षण पद्धति के बारे में अध्यापकों के बीच जागृति उत्पन्न करने के लिए एन०सी०ई०आर०टी० ने राज्य स्तर की खिलौने बनाने की कार्यशालाएं एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं। उसके पश्चात् राष्ट्रीय स्तर पर खिलौने बनाने की कार्यशाला एवं प्रतियोगिता आयोजित की गई। 4 से 9 दिसंबर, 1989 तक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भूवनेश्वर में पूर्वी मंडल के अध्यापकों हेतु मंडल स्तर की पहली कार्यशाला एवं प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में असम, मिजोरम, नागालैंड और उड़ीसा राज्यों के 28 प्रतियोगियों ने भाग लिया। 18 से 23 दिसंबर, 1989 तक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर में दूसरी खिलौने बनाने की कार्यशाला एवं प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों तथा दादरा एवं नगर हवेली, लक्षद्वीप संघीय क्षेत्रों के 30 अध्यापकों ने भाग लिया। 15 से 20 जनवरी, 1990 तक नई दिल्ली में तीसरी खिलौने बनाने की कार्यशाला एवं प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, पंजाब और उत्तर प्रदेश राज्यों तथा चंडीगढ़ संघीय क्षेत्र के 20 अध्यापकों ने भाग लिया।

शैशवकालीन शिक्षा के शीर्ष व्यक्तियों का प्रशिक्षण

शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रम में शामिल स्वैच्छिक संगठनों के शीर्ष

पदाधिकारियों के लिए 4 से 8 सितंबर, 1989 तक नई दिल्ली में 5 दिन का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 12 स्वैच्छिक संगठनों के 26 शीर्ष व्यक्तियों ने भाग लिया।

ई०सी०सी०ई० पर संगोष्ठी

एन०सी०ई०आर०टी० ने शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा पर एक दिन की संगोष्ठी आयोजित की ताकि दिल्ली के विद्यालयों में विद्यालय-पूर्व शिक्षा कार्यक्रमों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जा सके। इस संगोष्ठी में दिल्ली के कुछ प्राइवेट विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भी भाग लिया।

प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रिया का पुनरभिविन्यास

1986-87 से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संरचना पर आधारित संशोधित शिक्षण सामग्री पैकेज, जिनमें कक्षा 1 से 5 की पाठ्यपुस्तकें भी सम्मिलित हैं, का विकास डी०पी०एस०ई०ई० का महत्वपूर्ण कार्य रहा। 1986-1989 की अवधि के दौरान एन०सी०ई०आर०टी० द्वारा विकसित और प्रकाशित कक्षा 1 से 5 की नई पाठ्यपुस्तकें 1987-88, 1988-89 और 1989-90 में चरणबद्ध रूप से केन्द्रीय विद्यालयों तथा के०मा०शि०बोर्ड के विद्यालयों में लगाई गईं। 1989-90 में कक्षा 1 से 5 की भाषा (हिन्दी) की नई पाठ्यपुस्तकों, कक्षा 1 से 4 की गणित की नई पाठ्यपुस्तकों तथा कक्षा 3 से 5 की पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान), पर्यावरण अध्ययन (सामाजिक अध्ययन) की नई पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा और मूल्यांकन का महत्वपूर्ण कार्य किया गया। इस प्रयोजन के लिए अध्यापकों की 3 कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं का विस्तृत ब्यौरा तालिका में दिया गया है।

तालिका 3.1

कक्षा 1 से 5 तक की नई पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन हेतु 1989-90 में डी०पी०एस०ई०ई० द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	कक्षा 1 से 4 तक गणित तथा 3 से 5 तक की पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा और मूल्यांकन पर कार्यशाला	22 से 27 दिसंबर, 1989	बंबई	65
2.	कक्षा 1 से 5 की हिन्दी, कक्षा 1 से 4 तक गणित तथा कक्षा 3 से 5 तक की पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा और मूल्यांकन पर कार्यशाला	19 से 23 अक्तूबर, 1989	लखनऊ	75
3.	कक्षा 1 से 5 तक हिन्दी, कक्षा 1 से 4 तक गणित तथा कक्षा 3 से 5 तक की पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा और मूल्यांकन हेतु कार्यशाला	5 से 9 दिसंबर, 1989	बंगलौर	60

1989-90

प्राथमिक शिक्षा पाठ्यचर्या नवीकरण (पी०ई०सी०आर०)

यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना ''प्राथमिक शिक्षा पाठ्यचर्या नवीकरण'' (पी०ई०सी०आर०) के अंतर्गत विभिन्न वर्गों के बच्चों की आवश्यकताओं और पर्यावरणात्मक संदर्भों से संबंधित पाठ्यचर्याओं के नवीकरण, शिक्षण सामग्री का विकास तथा शैक्षिक प्रशासकों और अध्यापकों के अभिविन्यास संबंधी कार्यकलाप चलते रहे। 1989-90 के दौरान यह परियोजना जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, उड़ीसा और सिक्किम राज्यों में कार्यान्वित की गई। इसके अलावा इस परियोजना के अंतर्गत अन्य प्रतिभागी राज्यों में पाठ्यचर्या के नवीकरण तथा प्राथमिक स्तर पर इसके कार्यान्वयन का कार्य 1988 तक समाप्त हो चुका है। इस कार्य में डी०पी०एस०ई०ई० ने पाठ्यचर्या के नवीकरण, शिक्षण सामग्री के विकास तथा परियोजना को कार्यान्वित करने वाले शैक्षिक प्रशासकों और अध्यापकों के प्रशिक्षण में राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान की। डैप्सी ने वर्ष 1989-90 में प्राथमिक स्तर के हिन्दी पठन शब्द भंडार के अध्ययन संबंधी कार्य जारी रखा। शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर पढ़ रहे बच्चों के शब्द भंडार का विश्लेषण करने के लिए दो कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में 62 अध्यापकों, अध्यापक-शिक्षकों तथा विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अध्ययन के अंतर्गत इस वर्ष कक्षा 1 और 2 के विश्लेषित शब्द भंडार की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया।

पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरणात्मक स्वच्छता (एन०एच०ई०ई०एस०)

यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना ''पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरणात्मक स्वच्छता'' (एन०एच०ई०ई०एस०) के अंतर्गत ''छात्र उपलब्धि का अध्ययन'' तथा ''समुदाय संपर्क कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन'' नामक दो अनुसंधान अध्ययनों संबंधी कार्यकलाप जारी रहे। इन अध्ययनों संबंधी आंकड़े इकट्ठे करना तथा उन्हें समाकलित करने का कार्य पूरा हो चुका है। इन अध्ययनों में भाग लेने वाले सभी राज्यों ने आंकड़ों को तालिकाबद्ध करने का कार्य किया। बिहार, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश से प्राप्त ''छात्र उपलब्धि अध्ययन'' संबंधी आंकड़ों का डी०पी०एस०ई०ई० ने विभाग में फिर विश्लेषण किया। इसके अतिरिक्त, एन०एच०ई०ई०एस० परियोजना के अंतर्गत विकसित सामग्री और पद्धतियों को राज्यों/संघीय क्षेत्रों की प्राथमिक शिक्षा पाठ्यचर्या में समाविष्ट करने के उपाय किए गए।

आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के कार्यान्वयन में तकनीकी सहयोग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अनुरोध पर एन०सी०ई०आर०टी० ने केन्द्र द्वारा प्रायोजित ''आपरेशन ब्लैकबोर्ड'' योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों को दी जाने वाली आवश्यक वस्तुओं के मापदंड तथा विनिर्देश तैयार करने का कार्य शुरू किया था। एन०सी०ई०आर०टी० ने भारतीय मानक ब्यूरो के सहयोग से प्राथमिक विद्यालयों को दी जाने वाली विभिन्न वस्तुओं से संबंधित मापदंड और विनिर्देशों को अंतिम रूप दिया तथा राज्यों/संघीय क्षेत्रों में प्रसार हेतु 'आपरेशन ब्लैकबोर्ड : प्राथमिक स्तर पर अनिवार्य सुविधाएँ—मापदंड और विनिर्देश' नामक दस्तावेज प्रकाशित किया।

एन०सी०ई०आर०टी० के प्रतिनिधियों ने आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों/कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें ओ०बी० योजना के कार्यान्वयन हेतु राज्य स्तर पर स्थापित अधिकारी समितियों की बैठकों में भाग लेना सम्मिलित है।

विद्यालयी अध्यापकों के बहुल अभिविन्यास कार्यक्रम (पी०एम०ओ०एस०टी०) के अंतर्गत एन०सी०ई०आर०टी० ने प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिन्हें केन्द्रीय प्रायोजित आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अंतर्गत अनिवार्य सुविधाएं दी गईं। डी०पी०एस०ई०ई० ने योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों को दी जाने वाली सामग्री के उपयोग के विभिन्न पहलुओं से संबंधित प्रशिक्षण पैकेज

तैयार किया तथा राज्यों/संघीय क्षेत्रों के उन शीर्ष व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया जो ओ०बी० योजना के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु विशेषज्ञों के प्रशिक्षण में लगे हुए थे। मई-जून, 1989 में दिल्ली, उदयपुर, मैसूर, शिलांग और भुवनेश्वर में राज्यों/संघीय क्षेत्रों के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पाँच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को बाल केन्द्रित तथा क्रिया पर आधारित कार्यनीति में अभिविन्यासित किया गया तथा आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों को दी जाने वाली विभिन्न वस्तुओं के प्रभावी इस्तेमाल में प्रशिक्षित किया गया। इस वर्ष एन०सी०ई०आर०टी० ने गणित किट का मैनुअल तैयार करके प्रकाशित किया।

1990-91 के लिए प्रस्तावित, ओ०बी० योजना के अंतर्गत जिन प्राथमिक विद्यालयों को सामग्री दी गई उनके अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए डैप्सी ने दो खंडों में प्रशिक्षण पैकेज तैयार किया। पहले खंड में ओ०बी० योजना के विभिन्न पहलुओं तथा पाठ्यचर्या के अंतरण में बाल केन्द्रित कार्यनीति के प्रति चेतना जागृत करने का प्रयास किया गया है। दूसरे खंड में ओ०बी० योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सामग्री के उपयोग तथा प्राथमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के विभिन्न क्षेत्रों में बाल केन्द्रित और कार्य पर आधारित कार्यनीति को बढ़ावा देने के लिए सामग्री के उपयोग की विधियां बताई गई हैं। इसके अतिरिक्त डी०पी०एस०ई०ई० ने ओ०बी० योजना के अंतर्गत दी गई सामग्री के वास्तविक अध्यापन परिस्थितियों में उपयोग संबंधी वीडियो कार्यक्रमों के लिए सात आलेख भी तैयार किए। आशा है कि वर्ष 1990-91 में ये वीडियो कार्यक्रम तैयार कर लिए जाएंगे तथा अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु उपयोग में लाए जाएंगे।

मानव संसाधन विकास के लिए गहन क्षेत्र-शिक्षा परियोजना

यूनिसेफ सहायता प्राप्त 'मानव संसाधन हेतु गहन क्षेत्र शिक्षा (ए०आई०ई०पी०)' नामक परियोजना के अंतर्गत राज्यों/संघीय क्षेत्रों के विभिन्न विभागों/अभिकरणों द्वारा कार्यान्वित अनेक शैक्षिक परियोजनाओं को एकीकृत तथा समन्वित करने के प्रयत्न किए गए। इस परियोजना में क्षेत्र विशेष की कुल जनसंख्या की सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए विशद शैक्षिक कार्यनीति पर बल दिया गया। ए०आई०ई०पी० का उद्देश्य समुदाय में प्रारंभिक शिक्षा के व्यापकीकरण को सरल बनाने के लिए विद्यालय-पूर्व प्राथमिक, अनौपचारिक और प्रौढ़ शिक्षा संबंधी कार्यकलापों के एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह परियोजना केन्द्रीय और राज्य स्तर के सामाजिक-आर्थिक और विकासात्मक निवेशों में सामंजस्यता, गतिशील समुदाय प्रतिभागिता की पद्धतियों के विकास और परीक्षण, लंबी अवधि की सार्वभौमिक शैक्षिक कार्यनीतियों में शिक्षा की विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से प्राप्त अनुभवों को समाविष्ट करने पर भी बल देती है।

ए०आई०ई०पी० 1987 में आरंभ की गई थी। 1989-90 में यह परियोजना महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों तथा दादरा और नगर हवेली संघीय क्षेत्र में कार्यान्वित की गई। 1989-90 में राज्यों/संघीय क्षेत्रों में किए गए मुख्य कार्य हैं— परियोजना के अंतर्गत आने वाले खंडों में बैंच मार्क सर्वेक्षण करने के लिए विभिन्न स्तरों पर शिक्षण विधियों और पद्धतियों के लिए परियोजना के दलों का अभिविन्यास, अंतर्क्षेत्रीय समन्वय को सुगम बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर समन्वय समितियों की स्थापना, जिन खंडों में परियोजना कार्यान्वित की जा रही है उनके गाँवों के विभिन्न स्तरों पर सूक्ष्मस्तरीय नियोजन की शुरुआत तथा कुछ गाँवों में विकास केन्द्रों की स्थापना। डी०पी०एस०ई०ई० ने ग्राम स्तर पर सर्वेक्षण की रिपोर्ट लिखने के लिए तालिका बनाने, डिजाइन तथा अध्यायों के निर्धारण का कार्य किया, तथा सर्वे के आंकड़ों का विश्लेषण करने की विधि तथा रिपोर्ट लिखने के कार्यों में परियोजना-कार्मिकों का अभिविन्यास किया। इस वर्ष विभाग ने खंड तथा ग्राम स्तर पर कार्यरत परियोजना कार्मिकों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं के निर्धारण तथा परियोजना के अधीन स्थापित बहुउद्देश्यीय संसाधन केन्द्रों के स्टाफ के प्रशिक्षण की तैयार की।

1989-90

प्राथमिक शिक्षा व्यापक उपागम (सी० ए० पी० ई०)

यूनिसेफ सहायता प्राप्त प्राथमिक शिक्षा व्यापक उपागम (सी०ए०पी०ई०) के अंतर्गत अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली में अंतरण हेतु अधिगम मॉड्यूल और कार्य पद्धतियों का विकास, मुद्रण और परीक्षण तथा प्रशासन के लिए परियोजना दल का अभिविन्यास तथा अधिगम केन्द्रों का अनुवीक्षण संबंधी अन्य कार्य किए गए। 1989 में आंध्र प्रदेश, बिहार, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, सिक्कम, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों में सी०ए०पी०ई० (केप) परियोजना कार्यान्वित की गई। जनवरी, 1990 से यह परियोजना इनमें से 12 राज्यों में (आंध्र प्रदेश, बिहार, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश) में जारी रही। डैप्सी के 'केप' दल ने इन राज्यों में परियोजना संबंधी विभिन्न कार्यकलापों का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त परियोजना में विकसित और प्रकाशित अधिगम सामग्री के अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली में समावेश हेतु इन राज्यों की सहायता की। डैप्सी ने 'केप' परियोजना के अधीन हिन्दीभाषी राज्यों में स्थापित अधिगम केन्द्रों के शिक्षार्थियों के उपयोग के लिए आठ अधिगम मॉड्यूल प्रकाशित किए। इस वर्ष डैप्सी ने केन्द्र सहायकों के लिए पाँच कार्यशालाएँ, चार बैठकें और एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित किया। इन कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 3.2 में दिया गया है।

तालिका 3..2

1989-90 के दौरान केप परियोजना के अंतर्गत आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/पाठ्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	अधिगम केन्द्रों में शिक्षार्थियों के उपयोग हेतु अधिगम सामग्री को अंतिम रूप देने पर कार्यशाला	3 से 7 अप्रैल, 1989	नई दिल्ली	4
2.	अधिगम केन्द्रों में शिक्षार्थियों के उपयोग हेतु अधिगम सामग्री को अंतिम रूप देने पर कार्यशाला	17 से 21 जुलाई, 1989	नई दिल्ली	5
3.	उत्तर प्रदेश के दनकौर खंड के अधिगम केन्द्रों को मदद पहुँचाने वालों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	17 से 26 जुलाई, 1989	दनकौर, उत्तर प्रदेश	28
4.	अधिगम केन्द्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए परियोजना दल के सदस्यों की बैठक	1 से 3 अगस्त, 1989	नई दिल्ली	24
5.	प्रकाशन के लिए उर्दू के माड्यूलों की पांडुलिपियों को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञों की बैठक	18 से 19 अक्तूबर, 1989	नई दिल्ली	2
6.	प्रश्नकोष बनाने के लिए कार्यशाला	6 से 10 नवंबर, 1989	नई दिल्ली	12

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
7.	वर्ष 1990 हेतु कार्ययोजना तथा बजट अनुमानों को अंतिम रूप देने के लिए परियोजना समन्वयकों की बैठक	28 और 29 नवंबर, 1989	नई दिल्ली	27
8.	साक्षरता और गणना संबंधी प्रश्नकोष तथा प्रश्नपत्र तैयार करने पर कार्यशाला	29 जनवरी से 5 फरवरी, 1990	नई दिल्ली	–
9.	साक्षरता और गणना संबंधी प्रश्नकोष तथा प्रश्नपत्र तैयार करने पर कार्यशाला	13 से 20 मार्च, 1990	नई दिल्ली	–
10.	शिक्षार्थियों के मूल्यांकन हेतु योजना तथा परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की बैठक	19 से 23 मार्च, 1990	नई दिल्ली	–

1989-90

चार

अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति शिक्षा

विद्यालयेतर बच्चों के उपयुक्त अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान विकास और प्रशिक्षण कार्यकलाप तथा अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जन जातियों की शिक्षा के संवर्धन हेतु नवीन कार्यनीतियाँ बनाना एन०सी०ई०आर०टी० का महत्वपूर्ण कार्य रहा है। परिषद् का अनौपचारिक शिक्षा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति शिक्षा (डी०एन०एफ०ई०एस०सी०/एस०टी०) विभाग इस क्षेत्र से संबंधित अनेक कार्यकलाप करता है। 1989-90 में किए गए मुख्य कार्यक्रम और परियोजनाएँ इस प्रकार हैं।

अनौपचारिक शिक्षा

वर्ष 1989-90 के दौरान केन्द्र द्वारा प्रायोजित अनौपचारिक शिक्षा योजना के प्रभावी कार्यान्वियन हेतु अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण और विस्तार कार्यकलाप, अनौपचारिक शिक्षा, अनुसूचित जाति, जन जाति शिक्षा विभाग का प्रमुख कार्य रहा। इस विभाग द्वारा किए गए मुख्य कार्यकलाप निम्नलिखित हैं :

अनुसंधान

अगस्त, 1988 में अनौपचारिक शिक्षा पाठ्यचर्या तथा शिक्षण सामग्री और अनौपचारिक शिक्षण में इनके अर्थ का अध्ययन आरंभ किया गया था। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों में उपयोग हेतु विद्यमान पाठ्यचर्या और शिक्षण सामग्री का विश्लेषण और मूल्यांकन तथा अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यचर्या और शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए कार्यनीतियाँ बनाना था। 13 से 16 मार्च, 1990 तक नई दिल्ली में एक कार्यकारी समूह की बैठक आयोजित की गई जिसमें अनौपचारिक शिक्षा की पाठ्यचर्या, शिक्षण सामग्री तथा छात्रों की संप्राप्ति के मूल्यांकन के लिए आवश्यक उपकरणों को अंतिम रूप दिया गया। विभिन्न राज्यों में कार्यान्वित किए जा रहे अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या तथा शिक्षण सामग्री के मूल्यांकन के लिए एक कार्यशाला भी आयोजित की गई।

शिक्षण/प्रशिक्षण सामग्री का विकास

डी०एन०एफ०ई०एस०सी०/एस०टी० विभाग विभिन्न राज्यों में केन्द्र द्वारा प्रायोजित अनौपचारिक शिक्षा योजना के अंतर्गत स्थापित अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के बच्चों के लिए उपयुक्त शिक्षण सामग्री तैयार करता है। इस वर्ष के दौरान, 22 स्वाध्ययन

शिक्षा चार्ट तैयार किए गए। इन चार्टों में अनौपचारिक विद्यालयों की कक्षा 3 की पाठ्यचर्या में निहित विषयों तथा विषय सामग्री को सम्मिलित किया गया। इसके अतिरिक्त, कक्षा 3 के स्तर के विभिन्न विषय क्षेत्रों के प्रकरणों पर आठ कॉमिक पुस्तकों को प्रकाशन के लिए अंतिम रूप भी दिया गया। आशा है कि हिन्दी में तैयार ये चार्ट और कॉमिक पुस्तकें अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में विद्यमान बहु योग्यता समूह-शिक्षण की परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध होंगे।

डी०एन०एफ०ई०एस०सी०/एस०टी० ने मिडिल स्तर पर अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों की शिक्षण सामग्री के विकास का कार्य भी किया। मिडिल स्तर की अनौपचारिक शिक्षा की गणित की पुस्तक (भाग 2) की पांडुलिपि संपादित कर इसे प्रकाशन के लिए अंतिम रूप दे दिया गया। इसके अलावा, अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के बच्चों के उपयोग हेतु सामाजिक तथा राष्ट्रीय एकता से संबंधित विषयों पर पूरक पठन सामग्री भी विकसित की गई। इसके लिए 29 और 30 मार्च, 1990 को नई दिल्ली में कार्यकारी समूह की बैठक हुई। इस बैठक में, सामाजिक और राष्ट्रीय एकता से संबंधित सात विषयों पर पूरक पठन सामग्री की पांडुलिपियों की समीक्षा की गई।

अनौपचारिक शिक्षा कार्मिकों का प्रशिक्षण

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार के अनुरोध पर एन०सी०ई०आर०टी० ने उन अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के शीर्ष व्यक्तियों, परियोजना अधिकारियों तथा अनुदेशकों को प्रशिक्षण देने का कार्य शुरू किया जो आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और प० बंगाल राज्यों में केन्द्र द्वारा प्रायोजित अनौपचारिक शिक्षा योजना के कार्यान्वयन में लगे हुए हैं। विभाग ने इन राज्यों के उन शीर्ष व्यक्तियों के लिए नौ पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जो अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में सम्मिलित परियोजना अधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे। कुल मिलाकर, इस वर्ष 197 शीर्ष व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया। इनमें 30 आंध्र प्रदेश, 17 असम, 30 बिहार, 17 जम्मू और कश्मीर, 28 मध्य प्रदेश, 19 उड़ीसा, 11 राजस्थान, 33 उत्तर प्रदेश और 12 प० बंगाल से आये थे। शीर्ष व्यक्तियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात् संबंधित राज्यों के परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ होने से पहले राज्य मुख्यालय में एक दिन के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। 1989-90 में शीर्ष व्यक्तियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत ब्यौरा तालिका 4.1 में दिया गया है।

तालिका 4.1

1989-90 में अनौपचारिक शिक्षा के शीर्ष व्यक्तियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	बिहार के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	19 से 23 जून, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली	30
2.	उत्तर प्रदेश के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 से 30 जून, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली	33

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
3.	मध्य प्रदेश के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 7 जुलाई, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	28
4.	राजस्थान के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 से 14 जुलाई, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	11
5.	आंध्र प्रदेश के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 से 21 जुलाई, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	30
6.	उड़ीसा के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	24 से 28 जुलाई, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	19
7.	जम्मू और कश्मीर के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	7 से 11 अगस्त, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	17
8.	प० बंगाल के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	14 से 18 अगस्त, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	12
9.	असम के शीर्ष व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 से 21 जुलाई, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	17
10.	मध्य प्रदेश के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	29 अगस्त, 1989	भोपाल	19
11.	उत्तर प्रदेश के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	31 अगस्त, 1989	इलाहाबाद	32
12.	हैदराबाद के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	7 सितंबर, 1989	हैदराबाद	30
13.	बिहार के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	11 सितंबर, 1989	पटना	30

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
14.	जम्मू और कश्मीर के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	26 सितंबर, 1989	जम्मू	11
15.	उड़ीसा के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	2 जनवरी, 1990	भुवनेश्वर	16
16.	असम के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	2 फरवरी, 1990	गुवाहाटी	16
17.	राजस्थान के शीर्ष व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	5 मार्च, 1990	उदयपुर	11

अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों में कार्यरत शीर्ष व्यक्तियों के प्रशिक्षण के पश्चात् अनौपचारिक शिक्षा के परियोजना अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक राज्य में परियोजना अधिकारियों के 20-25 के समूह को प्रशिक्षित किया गया। अधिकांशतः दो स्थलों पर डी०एन०एफ०ई०एस०सी०/एस०टी० के एक संकाय सदस्य की देखरेख में प्रशिक्षण कार्यक्रम एक साथ आयोजित किए गए तथा इन प्रशिक्षण कार्यों में प्रशिक्षण पैकेजों पर चर्चा, राज्यों के औपचारिक शिक्षा केन्द्रों में उपयोग में आने वाली शिक्षण सामग्री का विश्लेषण, प्रशिक्षण मैनुअल में सुझाई गई पद्धतियों के अनुसार अध्ययन, अध्यापन की प्रक्रिया का निदर्शन तथा प्रदर्शन आदि विषयों पर गहन सामूहिक परिचर्चा की गई तथा प्रतिभागियों ने दत्त कार्य भी किए। विभिन्न राज्यों में आयोजित परियोजना अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या तालिका 4.2 में दी गई है।

तालिका 4.2

1989-90 में परियोजना अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या

राज्य	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	प्रशिक्षित परियोजना अधिकारियों की संख्या
आंध्र प्रदेश	12	250
असम	6	139
बिहार	16	301 परियोजना अधिकारी + 12 पर्यवेक्षक
मध्य प्रदेश	14	291
उड़ीसा	4	71
उत्तर प्रदेश	14	312

1989-90 में परियोजना अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक ब्यौरा तालिका 4.3 में दिया गया है।

तालिका 4.3

1989-90 में परियोजना अधिकारियो के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम्

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*परियोजना अधिकारियों की संख्या*
1.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 सितंबर, 1989	एस०आई०ई०, इलाहाबाद	30
2.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 सितंबर, 1989	इलाहाबाद	20+5
3.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 सितंबर, 1989	रायपुर	19
4.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 सितंबर, 1989	भोपाल	20
5.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 सितंबर, 1989	इलाहाबाद	31
6.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 सितंबर, 1989	इलाहाबाद	28
7.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 सितंबर, 1989	रायपुर	20
8.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 सितंबर, 1989	भोपाल	24
9.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 22 सितंबर, 1989	बोबिली (विजयनगर)	27
10.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 22 सितंबर, 1989	करनूल	27

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	परियोजना अधिकारियों की संख्या
11.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 22 सितंबर, 1989	पटना	24
12.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 22 सितंबर, 1989	पटना	25
13.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 29 सितंबर, 1989	पटना	25
14.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 29 सितंबर, 1989	पटना	25
15.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 29 सितंबर, 1989	सिंहाचलम्	28
16.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 29 सितंबर, 1989	विकारबाद	35
17.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 7 अक्तूबर, 1989	इलाहाबाद	38
18.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 7 अक्तूबर, 1989	इलाहाबाद	35
19.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 अक्तूबर, 1989	भोपाल	21
20.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 अक्तूबर, 1989	रायपुर	20
21.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	16 से 20 अक्तूबर, 1989	पटना	25

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	परियोजना अधिकारियों की संख्या
22.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 से 27 अक्तूबर, 1989	पटना	27
23.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	16 से 20 अक्तूबर, 1989	पटना	26
24.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 से 27 अक्तूबर, 1989	पटना	28
25.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	16 से 20 अक्तूबर, 1989	मुसुनुरु	29
26.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	16 से 20 अक्तूबर, 1989	वारंगल	25
27.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 से 27 अक्तूबर, 1989	टाडीकोंडा	30
28.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 से 27 अक्तूबर, 1989	आदिलबाद	24
29.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 5 नवंबर, 1989	इलाहाबाद	34
30.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 5 नवंबर, 1989	इलाहाबाद	30
31.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	7 से 11 नवंबर, 1989	इलाहाबाद	29
32.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	7 से 11 नवंबर, 1989	इलाहाबाद	26

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	परियोजना अधिकारियों की संख्या
33.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 नवंबर, 1989	भोपाल	21
34.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 दिसंबर, 1989	रायपुर	19
35.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 दिसंबर, 1989	इलाहाबाद	26
36.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 8 दिसंबर, 1989	इलाहाबाद	45
37.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 दिसंबर, 1989	पटना	
38.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 दिसंबर, 1989	पटना	34
39.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	14 से 15 दिसंबर, 1989	खम्माम	26
40.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 22 दिसंबर, 1989	विकाराबाद	8
41.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 दिसंबर, 1989	कोदिमनहाली (अनंतपुर)	24
42.	उत्तर प्रदेश प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 दिसंबर, 1989	इलाहाबाद	32
43.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 दिसंबर, 1989	इलाहाबाद	40

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	परियोजना अधिकारियों की संख्या
44.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 22 दिसंबर, 1989	पटना	25
45.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 22 दिसंबर, 1989	पटना	27
46.	आंध्र प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 22 दिसंबर, 1989	जिरमपल्ली वियाला	25
47.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 30 दिसंबर, 1989	भोपाल	25
48.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 से 30 दिसंबर, 1989	रायपुर	25
49.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	8 से 12 जनवरी, 1990	भोपाल	25
50.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	8 से 12 जनवरी, 1990	रायपुर	20
51.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 से 19 जनवरी, 1990	पटना	25
52.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 से 19 जनवरी, 1990	पटना	31
53.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 जनवरी से 2 फरवरी, 1990	पटना	24
54.	बिहार के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 जनवरी से 2 फरवरी, 1990	पटना	32

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	परियोजना अधिकारियों की संख्या
55.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 से 25 जनवरी, 1990	रायपुर	25
56.	मध्य प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 से 25 जनवरी, 1990	भोपाल	21
57.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 से 25 जनवरी, 1990	खुर्दा	23
58.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 फरवरी से 2 मार्च, 1990	मिर्जा	25
59.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 फरवरी से 22 मार्च, 1990	मिर्जा	25
60.	राजस्थान के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 से 6 मार्च, 1990	तांगी	10
61.	राजस्थान के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 से 6 मार्च, 1990	राजसुखनल	19
62.	उड़ीसा के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 से 19 मार्च, 1990	रेमना (बलासौर)	19
63.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 से 19 मार्च, 1990	मिर्जा	23
64.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 से 19 मार्च, 1990	मिर्जा	22
65.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 से 19 मार्च, 1990	मिर्जा	23
66.	उत्तर प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 से 19 मार्च, 1990	मिर्जा	21

1989-90

अनौपचारिक शिक्षा नवाचारों पर वार्षिक कार्यशाला

इस वर्ष एन०एफ०ई०एस०सी०/एस०टी० विभाग ने स्वैच्छिक अभिकरणों के कार्यकर्ताओं के लिए अनौपचारिक शिक्षा में नवाचारों पर दो कार्यशालाएँ आयोजित कीं। 26 से 30 मार्च, 1990 तक मेरारी (प० बंगाल) में पहली कार्यशाला हुई। इस कार्यशाला में प० बंगाल के उन स्वैच्छिक अभिकरणों के 45 परियोजना अधिकारी आए जो विद्यालयेतर बच्चों के लिए अनौपचारिक शिक्षा के कार्यान्वियन में सम्मिलित हैं। 31 मार्च से 4 अप्रैल, 1990 तक डुंगरपुर (राजस्थान) में दूसरी कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें राजस्थान के स्वैच्छिक संगठनों के 42 परियोजना अधिकारियों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं में उन अध्ययन-अध्यापन पद्धतियों संबंधी नवाचारों में परियोजना अधिकारियों को अभिविन्यासित किया गया जो अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में पाठ्यचर्या को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए अपनाई जा सकती हैं।

एन० सी० ई० आर० टी० द्वारा अपनाए गए केन्द्रों के अनौपचारिक शिक्षा कार्मिकों का प्रशिक्षण

परिषद् ने कुछ अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों को माडल केन्द्रों के रूप में विकसित करने के लिए एक नया कार्यक्रम आरंभ किया है। एन०एफ०ई० एवं ई०एस०सी०/एस०टी० विभाग ने बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों में एन०सी०ई०आर०टी० द्वारा अपनाए गए अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के परियोजना अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और अनुदेशकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 से 19 मार्च, 1990 तक ज्ञानपुर (उत्तर प्रदेश) में आयोजित किया गया। इसमें अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के 18 परियोजना अधिकारियों, पर्यवेक्षकों तथा अनुदेशकों को प्रशिक्षित किया गया।

अनौपचारिक शिक्षा पर वार्षिक सम्मेलन

एन०एफ०ई० और ई०एस०सी०/एस०टी० विभाग ने 15 से 16 फरवरी, 1990 तक नई दिल्ली में अनौपचारिक शिक्षा पर वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें केन्द्र द्वारा प्रायोजित अनौपचारिक शिक्षा योजना के कार्यान्वियन के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई तथा अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वियन में आने वाली बाधाओं के निवारण हेतु उपाय तैयार किए गए। इस सम्मेलन का एक अन्य महत्त्वपूर्ण लक्ष्य राज्यों में अनौपचारिक शिक्षा के अनुदेशकों के प्रशिक्षण हेतु कार्ययोजना तैयार करना था। इस सम्मेलन में राज्य स्तर पर अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम के कार्यान्वियन में रत 42 अधिकारियों ने भाग लिया।

अनौपचारिक शिक्षा पद्धति के प्रयोग हेतु क्षेत्र-स्टेशन

एन०सी०ई०आर०टी० ने बच्चों की विद्यालयेतर अनौपचारिक शिक्षा हेतु नवाचार कार्यनीति का परीक्षण करने वाले स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से विविध व्यावहारिक परिस्थितियों में एन०एफ०ई० एंड ई०एस०सी०/एस०टी० द्वारा विकसित अनौपचारिक शिक्षा संबंधी नवाचार और शिक्षण प्रशिक्षण सामग्री के परीक्षण हेतु फील्ड स्टेशनों की स्थापना का कार्यक्रम शुरू किया है। इस संबंध में तीन फील्ड स्टेशनों – समन्वय आश्रम, बोधगया (बिहार) गांधी विद्यामंदिर, सरदारशहर, (राजस्थान) ग्रामीण विकास के लिए समग्र कार्यक्रम, मेमारी, (प० बंगाल) के वरिष्ठ अधिकारियों की 30 नवंबर और 1 दिसंबर, 1989 को नई दिल्ली में बैठक हुई, जिसमें कार्यक्रम के कार्यान्वियन हेतु कार्यनीति की रूपरेखा बनाई गई।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति की शिक्षा

एन०सी०ई०आर०टी० ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति की शिक्षा के संवर्धन हेतु अपने कार्यकलाप जारी रखे। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति शिक्षा के संवर्धन हेतु अनुसंधान तथा विकास संबंधी कार्यकलाप एन०एफ०ई० एवं ई०एस०सी०/एस० टी० विभाग का मुख्य कार्यकलाप रहा। इस वर्ष, अनुसूचित जाति/

जन जाति के छात्रों के लिए पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति मूल्यांकनपरक अध्ययन संबंधी कार्य जारी रहे। इस अध्ययन की रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है तथा चक्रांकित करवा लिया गया है। अनुसूचित जातियों के शैक्षिक विकास पर सटिप्पणी ग्रंथ सूची तैयार करने के कार्य के अंतर्गत अनुसूचित जाति के शैक्षिक विकास पर प्रकाशित प्रकाशनों के नामों की सूची तैयार की गई है।

एन०एफ०ई० एंड ई०एस०सी०/एस०टी० विभाग ने क्षेत्रीय भाषा की लिपि में आदिवासी बोलियों में प्रवेशिकाएँ पाठ्यपुस्तकें तैयार करने का अपना कार्य जारी रखा। आंध्र प्रदेश की गोंड जन जाति के बच्चों के उपयोग हेतु प्रवेशिकाओं की पांडुलिपियों तथा तमिलनाडु की इरुला जाति के बच्चों की प्रवेशिकाओं को प्रकाशन हेतु अंतिम रूप दे दिया गया है। इसके अतिरिक्त बिहार की पांच जन जातियों (हो, संथाल, मुंडारी, खड़िया और कुरुख) के बच्चों के उपयोग हेतु कक्षा 1 और 2 की प्रवेशिकाओं की 10 पांडुलिपियों को केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सी०आई०आई०एल) मैसूर के सहयोग से अंतिम रूप दे दिया गया है।

इरुला प्रवेशिका का अध्यापक मैनुअल तैयार करने के लिए 23 से 26 अक्तूबर, 1989 तक नई दिल्ली में कार्यकारी समूह की बैठक आयोजित हुई। अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में आने वाले गोंड तथा साओरा जन जाति के बच्चों के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए 22 से 31 मई, 1989 तक हैदराबाद में कार्यकारी समूह की एक अन्य बैठक हुई। यह कार्यशाला सी०आई०आई०एल०, मैसूर के सहयोग से आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आदिवासी बोलियों में तैयार की गई पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन हेतु 26 से 30 मार्च, 1990 तक नई दिल्ली में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में कक्षा 1,2,3 के लिए 5 भाषाओं की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन किया गया तथा इन पाठ्यपुस्तकों में सुधार लाने के लिए सुझावों का नोट तैयार करके मध्य प्रदेश सरकार को भेजा गया।

प्रकाशन

1989-90 में एन०एफ०ई० एवं ई०एस०सी०/एस०टी० विभाग ने निम्नलिखित संदर्शिकाएँ प्रकाशित कीं:

1. अनुदेशक संदर्शिका
2. पर्यवेक्षक संदर्शिका
3. परियोजना अधिकारी संदर्शिका

उपर्युक्त सभी प्रकाशन हिन्दी, असमिया, बंगाली, उड़िया, तेलुगु तथा उर्दू में निकाले गए तथा राज्य स्तर पर अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम कार्यान्वयन में शामिल कार्मिकों में बाँटे गए। आदिवासी बोलियों में शिक्षण सामग्री के विकास हेतु की गई कार्यशालाओं का विस्तृत ब्यौरा तालिका 4.4 में दिया गया है।

तालिका 4.4

वर्ष 1989-90 के दौरान आदिवासी बोलियों में शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए डी०एन०एफ०ई०एस०सी०/एस०टी० द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/कार्यकारी समूह की बैठकें

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	आदिवासी बोलियों में पाठ्यपुस्तकें/प्रवेशिकाएँ तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	22 से 31 मई, 1989	हैदराबाद	23

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	आदिवासी बोलियों में पाठ्यपुस्तकें/प्रवेशिकाएँ तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	6 से 15 जून, 1990	नई दिल्ली	12
3.	इरुला प्रवेशिका का अध्यापक मैनुअल तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	23 से 26 अक्तूबर, 1989	नई दिल्ली	7
4.	मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आदिवासी बोलियों में तैयार की गई पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन हेतु कार्यशाला	26 से 30 मार्च, 1990	नई दिल्ली	15

पाँच

सामाजिक विज्ञान तथा मानविकी शिक्षा

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् (एन०सी०ई०आर०टी०) का एक महत्वपूर्ण कार्य विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर सामाजिक विज्ञान और मानविकी में शिक्षण सामग्री विकसित करना है। विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रियाओं के पुनर्राभिविन्यास कार्य के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग (डी०ई०एस०एस०एच०) से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या: एक रूपरेखा—के आधार पर विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर सामाजिक विज्ञान और मानविकी के पाठ्य विवरण और पाठ्यपुस्तकों के विकास में लगा रहा है। डी०ई०एस०एस०एच० ने कक्षा 11 और 12 के लिए व्यापार अध्ययन और लेखाशास्त्र के पाठ्य विवरण और पाठ्यपुस्तकों का विकास किया, विद्यालयों में कला शिक्षा तथा योग शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण सामग्री का विकास किया, पूरक पुस्तकें, अध्यापकों के मैनुअल तैयार किए, राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन किया एवं अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। डी०ई०एस०एस०एच० राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के कार्यान्वियन हेतु केन्द्रीय, तकनीकी, समन्वयन तथा अनुवीक्षण अभिकरण के रूप में भी कार्य करता रहा।

शिक्षण सामग्री का विकास

वर्ष 1989-90 में, डी०ई०एस०एस०एच० ने विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए शिक्षण सामग्री के विकास संबंधी कार्य जारी रखे। इनमें सामाजिक विज्ञान (इतिहास, नागरिकशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, भूगोल और अर्थशास्त्र) भाषा (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू) व्यापार अध्ययन और लेखाशास्त्र की पाठ्यपुस्तकों के निर्माण कार्य भी सम्मिलित हैं। डी०ई०एस०एस०एच० ने हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी को द्वितीय और तृतीय भाषाओं के रूप में पढ़ाने के लिए पाठ्यचर्या और शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए भी कार्यक्रम आरंभ किये। वर्ष 1989-90 के दौरान डी०ई०एस०एस०एच० द्वारा विकसित नई पाठ्यपुस्तकों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 5.1 में दिया गया है।

1989-90

तालिका 5.1

1989-90 में डी०ई०एस०एस०एच० द्वारा विकसित सामाजिक विज्ञान, मानविकी, व्यापार अध्ययन और लेखाशास्त्र की पाठ्यपुस्तकें

क्रमांक	पुस्तक का शीर्षक	कक्षा
	हिन्दी	
1.	पराग भाग 2 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक) (पाठ्यक्रम ''ए'')	10वीं
2.	स्वाति भाग 2 (पद्य) हिन्दी पाठ्यपुस्तक (पाठ्यक्रम ''ए'')	10वीं
3.	किसलय भाग 2 (गद्य) (हिन्दी पाठ्यपुस्तक) (पाठ्यक्रम ''बी'')	10वीं
4.	चित्रा भाग 2 (पद्य) (हिन्दी पाठ्यपुस्तक) (पाठ्यक्रम ''बी'')	10वीं
5.	प्रवाल भाग 2 (गद्य) (हिन्दी पाठ्यपुस्तक) (ऐच्छिक)	12वीं
6.	मंदाकिनी भाग 2 (पद्य) (हिन्दी पाठ्यपुस्तक) (ऐच्छिक)	12वीं
7.	पल्लव भाग 2 (गद्य) (हिन्दी पाठ्यपुस्तक) (अनिवार्य)	12वीं
8.	निहारिका भाग 2 (पद्य) (हिन्दी पाठ्यपुस्तक) (अनिवार्य)	12वीं
9.	हमारी हिन्दी भाग 3 (नवोदय विद्यालयों के लिए)	8वीं
10.	अरुण भारती भाग 5 (अरुणाचल प्रदेश के लिए)	5वीं
11.	अभ्यास पुस्तिका भाग 5	5वीं
	संस्कृत	
12.	संस्कृत धारा भाग 2 (हिन्दी पाठ्यक्रम ''ए'') के भाग रूप में अनिवार्य संस्कृत की पाठ्यपुस्तक	7वीं
13.	संस्कृत धारा भाग (हिंदी पाठ्यक्रम (ए) के भाग के रूप में अनिवार्य संस्कृत की पाठ्यपुस्तक)	10वीं
14.	संस्कृत कविता कादंबिनी	12वीं
	उर्दू	
15.	उर्दू की नई किताब	1
16.	उर्दू की नई किताब	10वीं
17.	उर्दू की नई किताब	12वीं
	अंग्रेजी	
18.	इंगलिश रीडर पुस्तक 4	7वीं
19.	रीड फॉर प्लेज़र 4	7वीं
20.	अंग्रेजी रीडर की अभ्यास पुस्तिका	7वीं

क्रमांक	पुस्तक का शीर्षक	कक्षा
21.	न्यू डाउन रीडर 3	3
22.	न्यू डाउन रीडर 3 की अभ्यास पुस्तिका	3
23.	न्यू डाउन रीडर 4	4
	राजनीति शास्त्र	
24.	आर्गेन ऑफ गवर्नमेंट: राजनीतिशास्त्र की पाठ्यपुस्तक	11वीं
25.	सरकार के अंग (राजनीतिविज्ञान)	11वीं
26.	की कन्सैप्टस् इन पोलिटकल साईंस	12वीं
27.	राजनीतिविज्ञान की मुख्य अवधारणाएँ	12वीं
28.	इंडियन डेमोक्रेसी ऐट वर्क	12वीं
29.	भारत में लोकतंत्र	12वीं
	इतिहास	
30.	दि स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वॉल्यूम 2	10वीं
31.	सभ्यता की कहानी भाग 2	10वीं
32.	मिडिएवल इंडिया	11वीं
33.	मध्यकालीन भारत	11वीं
34.	माडर्न इंडिया	12वीं
35.	आधुनिक भारत	12वीं
36.	कॉन्टैम्परेरी वर्ल्ड हिस्ट्री	12वीं
37.	समसामयिक विश्व इतिहास	12वीं
	भूगोल	
38.	इंडियन इकॉनोमिक ज्योग्राफी	10वीं
39.	भारतीय आर्थिक भूगोल	10वीं
40.	जनरल ज्योग्राफी ऑफ इंडिया	12वीं
41.	जनरल ज्योग्राफी ऑफ इंडियन रीसोर्सिज एंड रिजनल डेवलपमेंट	12वीं
42.	भारतीय संसाधन और क्षेत्रीय विकास का भूगोल	12वीं
43.	फील्ड वर्क एंड लेबोरेटरी टैक्निक्स (अंग्रेजी रूपांतर)	11वीं तथा 12वीं
44.	फील्ड वर्क एंड लेबोरेटरी टैकनीक्स (हिन्दी रूपांतर)	11वीं तथा 12वीं

क्रमांक	पुस्तक का शीर्षक	कक्षा
	सामाजिक विज्ञान	
45.	ऐन इन्ट्रोडक्शन टू सोश्योलोजी	11वीं
46.	इंडियन सोसायटी	12वीं
47.	भारतीय समाज	12वीं
	अर्थशास्त्र	
48.	इन्ट्रोडक्शन टू अवर इकॉनोमी	9 वीं और 10वीं
	व्यापार अध्ययन और लेखाशास्त्र	
49.	बिजनेस स्टेडीज़ (व्यापार अध्ययन) पुस्तक 2	12वीं
50.	लेखाशास्त्र (अकाउन्टेन्सी) भाग 2	12वीं

डी०ई०एस०एस०एच० ने ऊपर वर्णित पाठ्यपुस्तकों की पांडुलिपियों की समीक्षा तथा अन्य शिक्षण सामग्री के विकास पर अनेक कार्यशालाएँ और बैठकें आयोजित कीं। 1989-90 के दौरान आयोजित कार्यशालाओं/बैठकों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 5.2 में दिया गया है।

तालिका 5.2

पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य शिक्षण सामग्री की पांडुलिपियों के विकास और समीक्षा पर डी०ई०एस०एस०एच० द्वारा आयोजित बैठकें/कार्यशालाएँ

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	अंग्रेजी पठन सामग्री पर आनुषंगिक सहायक सामग्री के विकास के लिए कार्यशाला	3 से 5 अप्रैल, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	25
2.	प्राथमिक कक्षाओं के लिए हिन्दी की पूरक पठन पुस्तकें तैयार करने के लिए कार्यशाला	24 से 28 अप्रैल, 1989	आगरा	

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
3.	संस्कृत शब्दकोश (छात्र संस्करण) तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	24 से 28 अप्रैल, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	19
4.	संस्कृत के प्रमुख लेखकों और कृतियों पर पुस्तकमाला तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	23 से 27 मई, 1989	कर्णप्रयाग, उत्तर प्रदेश	14
5.	नवसाक्षरों के लिए शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए कार्यशाला	10 से 16 जून, 1989	शिमला	10
6.	कक्षा 9 से 12 तक के लिए हिन्दी की अतिरिक्त पुस्तकों के चयन के लिए विशेषज्ञों की बैठक	3 से 5 जुलाई, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	10
7.	कक्षा 12 के लिए राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के हिन्दी रूपांतर की समीक्षा करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला	3 से 7 जुलाई, 1989	कोटा	16
8.	10वीं और 12वीं के लिए हिन्दी पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए कार्यशाला	10 से 14 जुलाई, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	6
9.	संस्कृत के प्रमुख लेखकों और कृतियों पर पुस्तकमाला तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	24 से 29 जुलाई, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	7
10.	कक्षा 12 के लिए संस्कृत की पाठ्यपुस्तकों के संशोधन के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	16 से 21 अगस्त, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	6
11.	कक्षा 10 और 12 के लिए हिन्दी की पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए कार्यशाला	25 से 29 अगस्त, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	7

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
12.	योग पर शिक्षण सामग्री तथा संकल्पनात्मक साहित्य के विकास के लिए कार्यशाला	18 से 21 सितंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	18
13.	कक्षा 12 के लिए संस्कृत की पाठ्यपुस्तक के संशोधन के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	25 से 29 सितंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	15
14.	कक्षा 12 हेतु लेखाशास्त्र की पाठ्यपुस्तक के विकास पर वाणिज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक	25 से 28 सितंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	11
15.	कक्षा 12 के लिए राजनीतिविज्ञान की पाठ्यपुस्तक की समीक्षा तथा उसे अंतिम रूप देने हेतु कार्यशाला	25 से 30 सितंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	15
16.	कक्षा 11 के लिए "एनसिएंट इंडिया" नामक इतिहास की पाठ्यपुस्तक की समीक्षा और उसे अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला	26 से 28 सितंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	8
17.	कक्षा 11 के लिए सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक (अंग्रेजी में) तैयार करने के लिए कार्यशाला	3 से 6 अक्तूबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	15
18.	कक्षा 10 की भूगोल की पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए कार्यशाला	11 से 14 अक्तूबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	12
19.	कक्षा 12 के लिए सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए कार्यशाला	16 से 19 अक्तूबर, 1989	श्रीनगर	13
20.	कक्षा 12 के लिए व्यापार अध्ययन की पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि की समीक्षा के लिए समीक्षा समिति की बैठक	18 से 21 अक्तूबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	10

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
21.	निरक्षरों तथा नवसाक्षरों को पठन और लेखन सिखाने की नई पद्धतियों के प्रयोग के लिए शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए कार्यशाला	29 जनवरी से 2 फरवरी, 1990	सोलन	–
22.	विभिन्न स्कूलों के लिए बाल साहित्य की सटिप्पणी ग्रंथ सूची बनाने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	20 से 24 अक्तूबर, 1989	हैदराबाद	20
23.	प्राथमिक कक्षाओं के लिए हिन्दी में अध्यापक संदर्शिका तैयार करने के लिए कार्यशाला	6 से 10 नवंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	–
24.	कक्षा 12 के लिए संस्कृत पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	16 से 20 नवंबर, 1989	पटना	–
25.	कक्षा 7 के लिए संस्कृत पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	27 नवंबर से 1 दिसंबर, 1989	दिल्ली	11
26.	कक्षा 12 के लिए लेखाशास्त्र की पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	9 से 11 दिसंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	12
27.	कक्षा 11 और 12 के लिए हिन्दी में अतिरिक्त पुस्तकों के चयन के लिए विशेषज्ञों की बैठक	11 से 13 दिसंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	9
28.	कक्षा 12 के लिए लेखाशास्त्र की पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि की समीक्षा करने के लिए बैठक	14 से 17 दिसंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	9
29.	कक्षा 12 हेतु व्यापार अध्ययन की पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि की समीक्षा हेतु समीक्षा समिति की बैठक	20 से 23 दिसंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	7
30.	हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी के भाषा 1 और भाषा 2 स्तर के पाठ्यक्रम के विकास के लिए कार्यशाला	10 से 14 जनवरी, 1990	हैदराबाद	58

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
31.	विद्यार्थी हिन्दी साहित्य कोश तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	22 से 28 जनवरी, 1990	मद्रास	17
32.	विद्यार्थी संस्कृत शब्दकोश तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	27 जनवरी से 1 फरवरी, 1990	मदुरई	—
33.	विभिन्न विद्यालय स्तरों पर बाल साहित्य की सटिप्पणी ग्रंथ सूची तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	29 जनवरी से 4 फरवरी, 1990	कोचीन	20
34.	कक्षा 12 के लिए लेखाशास्त्र की पाठ्यपुस्तक की समीक्षा हेतु बैठक	11 और 12 फरवरी, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	6
35.	कक्षा 7 के लिए अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तक तथा पूरक रीडर के विकास के लिए कार्यशाला	14 से 16 फरवरी, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	11
36.	अरुण भारती भाग–5 को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला	16 से 20 फरवरी, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	13
37.	कक्षा 10 के लिए संस्कृत पाठ्यपुस्तक (हिन्दी पाठ्यक्रम "ए" का भाग) के विकास के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	26 फरवरी से 2 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	15
38.	अर्थशास्त्र में अध्यापन इकाइयां तैयार करने पर कार्यशाला	5 से 9 मार्च, 1990	बंगलौर	25
39.	कक्षा 6 की 'हमारी हिन्दी' (नवोदय विद्यालयों के लिए) के आधार पर अध्यापक संदर्शिका तैयार करने के लिए कार्यशाला	13 से 19 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	—
40.	कक्षा 6 की 'हमारी हिन्दी भाग–1' (नवोदय विद्यालय के लिए) के आधार पर अध्यापक संदर्शिका तैयार करने के लिए कार्यशाला	29 मार्च से 5 अप्रैल, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	—

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
41.	कक्षा 12 की लेखाशास्त्र पाठ्यपुस्तक पर सलाहकार समिति की बैठक	29 से 31 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	8
42.	'लर्निंग इज फन' शृंखला के अंतर्गत सहायक रीडर और अभ्यास पुस्तिका को अंतिम रूप देने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	21 से 23 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	24
43.	माध्यमिक (एच०बी०) पाठ्यक्रम के लिए हिन्दी व्याकरण और संरचना का एक सेट तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	24 से 25 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	12

योग शिक्षण सामग्री का विकास

1989-90 के दौरान, डी०ई०एस०एस०एच० ने योग की शिक्षा के लिए शिक्षण सामग्री तथा संकल्पनात्मक साहित्य के विकास पर कार्यशाला आयोजित की। 18 से 21 सितंबर, 1989 तक नई दिल्ली में हुई इस कार्यशाला में 18 योग विशेषज्ञ आए। इसके अलावा, डी०ई०एस०एस०एच० ने 16 से 21 अक्तूबर, 1989 तक योग अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 25 अध्यापकों ने भाग लिया।

कला शिक्षा

डी०ई०एस०एस०एच० ने विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर कला शिक्षा को बल प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यकलाप जारी रखे। प्रांथमिक स्तर पर कला शिक्षा के अविच्छिन्न अंग के रूप में नृत्य शिक्षा पर 28 से 30 जुलाई, 1989 तक बंगलौर में एक कार्यशाला आयोजित की गई। 11 से 17 दिसंबर, 1989 तक त्रिचुर में प्रारंभिक और माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों तथा अध्यापक-शिक्षकों के लिए कला अध्यापक शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 105 अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, कला शिक्षा के क्षेत्र में लेखकों, अध्यापकों और विशेषज्ञों के लिए 5 से 8 मार्च, 1990 तक बंगलौर में कला शिक्षण पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

रीडिंग टू लर्न शृंखला

एन०सी०ई०आर०टी० ने 1985 में बच्चों के लिए सहायक पुस्तकों की 'रीडिंग टू लर्न' शृंखला तैयार करनी आरंभ की। इस के अंतर्गत तैयार की जाने वाली पुस्तकों का लक्ष्य बच्चों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना, उनके मन में पुस्तकों के प्रति प्रेम उत्पन्न करना तथा उन्हें अपने चारों ओर विद्यमान आश्चर्य और सौंदर्य के प्रति सचेत करना है। 'रीडिंग टू लर्न' शृंखला के अंतर्गत हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं। वर्ष 1989-90 में डी०ई०एस०एस०एच० ने 'रीडिंग टू लर्न' के अंतर्गत सहायक पुस्तकों के विकास संबंधी कार्यों को जारी रखा। लेखकों से प्राप्त कुछ पुस्तकों (हिन्दी रूपांतर) की पांडुलिपियों को अंतिम रूप देने के लिए 7 से 11 अगस्त, 1989 तक पणजी (गोवा) में एक बैठक हुई। इसमें 10 लेखकों और अन्य विशेषज्ञों ने

भाग लिया। हिन्दी में पुस्तकें विकसित करने के लिए पुणे में 4 से 8 दिसंबर, 1989 तक एक अन्य बैठक आयोजित की गई। इसके अलावा, 'रीडिंग टू लर्न' शृंखला में तैयार की गई कुछ विज्ञान पुस्तकों की पांडुलिपियों की समीक्षा हेतु नई दिल्ली में 15 मार्च, 1990 को लेखकों की बैठक हुई।

राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन

डी०ई०एस०एस०एच० राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन संबंधी कार्यकलाप करता रहा। असम, मेघालय, उड़ीसा और प०बंगाल राज्यों के विद्यालयों में निर्धारित इतिहास की पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन हेतु 27 से 30 जून, 1989 तक भुवनेश्वर में एक कार्यशाला आयोजित की गई। वर्ष 1989-90 के दौरान, सांप्रदायिक मेलमिलाप, धर्मनिरपेक्षता तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की दृष्टि से नई पाठ्यपुस्तकों (1986-87 के बाद तैयार की गई एवं प्रकाशित) के मूल्यांकन के कार्यक्रम का सूत्रपात किया गया। एन०सी०ई०आर०टी० ने नई पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन के नवीन कार्यक्रम को समन्वित किया तथा उस कार्यक्रम का अनुवीक्षण किया, जिसमें सरकारी, प्राइवेट सहायता प्राप्त, तथा प्राइवेट गैर सहायता प्राप्त विद्यालयों में निर्धारित पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन पर बल दिया गया है। पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन संबंधी नए कार्यक्रम का अवलोकन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक संचालन समिति बनाई गई। इसके अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिपिन चन्द्र थे। इस समिति की पहली बैठक 10 और 11 फरवरी, 1990 को हैदराबाद में हुई। राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन हेतु गंगतोक में 27 से 31 मार्च, 1990 तक एक कार्यशाला आयोजित की गई।

अध्यापकों का प्रशिक्षण

डी०ई०एस०एस०एच० ने सामाजिक विज्ञान और भाषाओं की नवीन पाठ्यचर्या के कार्यान्वयन में अध्यापकों और अध्यापक शिक्षकों के लिए पाँच अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। 1989-90 में इस विभाग द्वारा आयोजित किए गए इन अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक ब्यौरा तालिका 5.3 में दिया गया है।

तालिका 5.3

1989-90 में डी०ई०एस०एस०एच० द्वारा आयोजित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	कक्षा 9 के लिए अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकों के नए सैट के लिए अंग्रेजी अध्यापकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	17 से 19 अक्तूबर, 1989	नई दिल्ली	40
2.	उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तरों के हिन्दी अध्यापकों और शीर्ष व्यक्तियों का अभिविन्यास पाठ्यक्रम	18 से 25 अक्तूबर, 1989	सोलन	—
3.	उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तरों के हिन्दी अध्यापकों और शीर्ष व्यक्तियों का अभिविन्यास पाठ्यक्रम	20 से 26 दिसंबर, 1989	पोर्टब्लेयर	24

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
4.	अरुणाचल प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के हिन्दी अध्यापकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	15 से 21 मार्च, 1990	चंगलंग	45
5.	संस्कृत अध्यापन की समस्याओं तथा विधियों पर शीर्ष व्यक्तियों का अभिविन्यास कार्यक्रम	31 मार्च से 5 अप्रैल, 1990	रांची	13

विशेष परियोजनाएँ/ कार्यक्रम

डी०ई०एस०एस०एच० कुछ विशेष परियोजनाओं/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन संबंधी कार्य भी करती रही है। इनमें निम्नलिखित कार्य सम्मिलित हैं:

1. बाल साहित्य की सटिप्पणी ग्रंथ सूत्री तैयार करना। इस संबंध में 20 से 24 अक्तूबर, 1989 तक हैदराबाद में कार्यकारी समूह की बैठक हुई, जिसमें हिन्दी में बाल साहित्य का मूल्यांकन किया गया।

2. फ्रांसीसी क्रांति की दूसरी शती मनाने के लिए माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए फ्रांसीसी क्रांति पर निबंध तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन।

3. डा० एस० राधाकृष्णन की जन्मशती के अवसर पर अध्यापकों तथा अध्यापक शिक्षकों के लिए निबंध प्रतियोगिता।

4. अध्यापकों के लिए संगोष्ठी पठन के कार्यक्रम का आयोजन, संगोष्ठी पठन तथा विद्यालय कार्यक्रमों में नवाचार संबंधी विजेताओं की 16 से 18 अक्तूबर, 1989 तक नई दिल्ली में राष्ट्रीय बैठक हुई।

5. हिमाचल प्रदेश के नवसाक्षरों के लिए अध्ययन-अध्यापन सामग्री तैयार करना।

6. माध्यमिक शिक्षा के पुनरभिविन्यास और सुधार पर चंडीगढ़ में 20 से 24 दिसंबर 1989 तक यूनेस्को द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।

7. राज्यों/संघीय क्षेत्रों में विद्यालय पाठ्यचर्या के विभिन्न विषयों की स्थिति का अध्ययन।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत उन राज्यों तक यह परियोजना बढ़ाने के प्रयास किए गए जो अभी तक इस परियोजना में शामिल नहीं हुए थे। 1989-90 में अरुणाचल प्रदेश राज्य तथा दमन और दीव संघीय क्षेत्र इस परियोजना में शामिल हुए। इस वर्ष के दौरान अनेक विकासात्मक और प्रशिक्षण संबंधी कार्य किए गए। इनमें विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों की वर्तमान पाठ्यपुस्तकों में जनसंख्या शिक्षा के तत्त्वों का समावेश, जनसंख्या शिक्षा के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण सामग्री का विकास, अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों की शिक्षण सामग्री में जनसंख्या शिक्षा के तत्त्वों का समावेश, विद्यालयों में जनसंख्या शिक्षा प्रयोगशालाओं अथवा संसाधन केन्द्रों की स्थापना तथा सामुदायिक संसाधनों की सहायता से विद्यालय स्तर पर जनसंख्या शिक्षा संबंधी कार्यों को संस्थागत करना सम्मिलित है। राष्ट्रीय शैक्षिक परियोजना के अंतर्गत जनसंख्या शिक्षा पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। राज्य स्तर पर परियोजना कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

1989-90

आयोजित किए गए, 'पॉपुलेशन एपरीसिएशन टेस्ट' का विकास किया गया, अनौपचारिक शिक्षा में जनसंख्या शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई तथा राज्यों/संघीय क्षेत्रों के माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत आयोजित बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 5.4 में दिया गया है।

तालिका 5 .4

1989-90 के दौरान राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत आयोजित बैठकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*
1.	जनसंख्या जागृति परीक्षा के विकास के लिए कार्यशाला	17 से 21 अप्रैल, 1989	बंबई
2.	जनसंख्या शिक्षा संबंधी शिक्षण-प्रशिक्षण सामग्री की समीक्षा के लिए कार्यशाला	1 से 5 मई, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
3.	जनसंख्या शिक्षा के लिए अनौपचारिक सामग्री पर एक सारसंग्रह (कमपेंडियम) के विकास पर कार्यशाला	10 से 14 जून, 1989	ऊटी (तमिलनाडु)
4.	पॉपुलेशन एजूकेशन एपरीसिएशन टेस्ट के विकास के लिए कार्यशाला	20 से 22 जून, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
5.	बाहरी अभिकरणों के माध्यम से जनसंख्या शिक्षा पर राष्ट्रीय पोस्टर तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता	1 जुलाई, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
6.	जनसंख्या शिक्षा के लिए तैयार की गई शिक्षण-प्रशिक्षण सामग्री की समीक्षा के लिए कार्यशाला	10 से 14 जुलाई, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
7.	जनसंख्या शिक्षा पर सहायक सामग्री की समीक्षा हेतु कार्यशाला	31 जुलाई से 2 अगस्त, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
8.	जनसंख्या शिक्षा मूल्यांकन परीक्षा के विकास के लिए कार्यशाला	28 अगस्त से 1 सितंबर, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान
9.	राज्यों/संघीय क्षेत्रों के नए कार्मिकों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 30 सितंबर, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
10.	जनसंख्या शिक्षा परियोजना पर पी०पी०आर० बैठक	2 से 6 नवंबर, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
11.	जनसंख्या शिक्षा परियोजना पर पी०पी०आर० बैठक	16 से 20 नवंबर, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
12.	माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के अध्यक्षों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर परामर्श एवं अभिविन्यास बैठक	1 दिसंबर, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
13.	वियतनामी शिक्षाविदों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर 4 सप्ताह का अटैचमेंट कार्यक्रम यूनेस्को प्रायोजित	दिसंबर, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
14.	जनसंख्या शिक्षा पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	27 दिसंबर, 1989	भुवनेश्वर
15.	जनसंख्या शिक्षा पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	30 दिसंबर, 1989	बंगलौर
16.	जनसंख्या शिक्षा पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	2 फरवरी, 1990	उदयपुर
17.	जनसंख्या शिक्षा पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	24 जनवरी, 1990	कलकत्ता
18.	जनसंख्या शिक्षा पर अनुदेशी सामग्री कोर पैकेज तैयार करने हेतु नियोजन समूह की बैठक	8 से 9 जनवरी, 1990	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
19.	जनसंख्या शिक्षा पर अनौपचारिक शिक्षा की राष्ट्रीय संगोष्ठी	21 फरवरी, 1990	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली

1989-90

छ : विज्ञान एवं गणित की शिक्षा में सुधार

विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान और गणित की शिक्षा में सुधार लाना एन०सी०ई०आर०टी० का मुख्य कार्य रहा है। एन०आई०ई० में विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी०ई०एस०एम०) ने विज्ञान और गणित की शिक्षण सामग्री का विकास, अध्यापक प्रशिक्षण तथा विद्यालय स्तर पर गणित और विज्ञान की शिक्षा में सुधार के लिए विस्तार एवं अनुसंधान कार्य किए। डी०ई०एस०एम० केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना विद्यालयों में विज्ञान और गणित शिक्षा सुधार तथा विद्यालयों में कम्प्यूटर साक्षरता और अध्ययन (क्लास) कार्यक्रम के राष्ट्रीय स्तर पर कार्यान्वयन हेतु ''नोडल'' अभिकरण के रूप में भी कार्य करता रहा।

शिक्षा के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तरों पर विज्ञान शिक्षण को बल प्रदान करने के लिए एन०सी०ई०आर०टी० ने विज्ञान उपकरणों के प्रोटोटाईप के विकास तथा निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य किया। एन० आई०ई० का कर्मशाला विभाग प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों के उपयोग हेतु विज्ञान उपकरणों के, डिजाइन विकास और निर्माण के क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करता रहा है।

विज्ञान और गणित की शिक्षण सामग्री का विकास

वर्ष 1989-90 में डी०ई०एस०एम० ने विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और पुनरभिविन्यास के प्रयासों के अंतर्गत कक्षा 8, 10 और 12 की विज्ञान तथा गणित की नई पाठ्यपुस्तकें तथा अन्य शिक्षण सामग्री तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। 1986 में कक्षा 7 से 12 तक के लिए पाठ्यपुस्तकें तथा अन्य शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए एक समिति स्थापित की गई थी जिसके अध्यक्ष प्रोफेसर सी०एन०आर० राव हैं, प्रधानमंत्री की विज्ञान सलाहकार समिति के अध्यक्ष और भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर के निदेशक इसके अन्य सदस्य हैं। इसके बाद, विज्ञान (कक्षा 8 से 10), गणित (कक्षा 1 से 12) भौतिकी (कक्षा 11 और 12), रसायनशास्त्र (कक्षा 11 और 12) तथा जीवविज्ञान (कक्षा 11 और 12) सबके लिए एक-एक (कुल 5) लेखन दल बनाए गए, जिनका कार्य विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकें तथा अन्य शिक्षण सामग्री तैयार करना था। 1989-90 में तैयार तथा प्रकाशित की गई विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकों का ब्यौरा तालिका 6.1 में दिया गया है।

तालिका 6.1

1989-90 में तैयार तथा प्रकाशित की गईं विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकें

क्रमांक	पुस्तक का नाम	कक्षा	लेखन दल के अध्यक्ष
1.	गणित की पाठ्यपुस्तक (भाग 2)	8वीं	प्रोफेसर जे० एन० कपूर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
2.	विज्ञान की पाठ्यपुस्तक (भाग 1 और 2)	10वीं	डा० डी० बालासुब्रामण्यम् सेंटर फॉर सेलुलर एवं मोलेक्यूलर बायोलॉजी, हैदराबाद
3.	गणित की पाठ्यपुस्तक (भाग 1 और 2)	12वीं	प्रोफेसर एस० इजहार हुसैन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
4.	भौतिकशास्त्र की पाठ्यपुस्तक (भाग 2)	12वीं	प्रोफेसर बी०जी०भिड़े उपकुलपति, पूना विश्वविद्यालय, पुणे
5.	रसायनशास्त्र की पाठ्यपुस्तक (भाग 1 और 2)	12वीं	प्रोफेसर सी०एन०आर०राव निदेशक, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
6.	जीवविज्ञान की पाठ्यपुस्तक (भाग 1 और 2)	12वीं	प्रोफेसर एच०वाई० मोहन राम, वनस्पति विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने के अतिरिक्त डी०ई०एस०एम० द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्य हैं: नयी पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी प्रयोग को सुगम बनाने के लिए अध्यापक संदर्शिकाओं, प्रयोगशाला मैनुअलों और सहायक पठन सामग्री का विकास, विज्ञान सीखने तथा वैज्ञानिक प्रवृत्ति जगाने के प्रति विद्यालयी छात्रों की रुचि बढ़ाने के लिए लोकप्रिय विज्ञान सामग्री का विकास, विद्यालयों में विज्ञान और गणित शिक्षा के सुधार के कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन को सरल बनाने के लिए राज्यों/संघीय क्षेत्रों के पदाधिकारियों के लिए दिशानिर्देश तैयार करना तथा जो छात्र अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषत: इंजीनियरिंग महाविद्यालयों संस्थानों में प्रवेश हेतु परीक्षा में बैठना चाहते हैं, उनके लिए गणित की सहायक पुस्तकें तैयार

करना।

1989-90 में डी०ई०एस०एम० ने कक्षा 8, 10 और 12 की विज्ञान और गणित की नई पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य शिक्षण सामग्री और दिशानिर्देशों के विकास के लिए बहुत सी कार्यशालाएँ और बैठकें आयोजित कीं। लेखन दल के सदस्यों के अलावा इन कार्यशालाओं/बैठकों में विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों, कक्षा अध्यापकों अध्यापक-शिक्षकों, पाठ्यचर्या विशेषज्ञों और शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया। अन्य शिक्षण सामग्री के विकास हेतु इन कार्यशालाओं/बैठकों के अतिरिक्त डी०ई०एस०एम० ने शिक्षा के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विज्ञान प्रयोगशालाओं के प्रभावी उपयोग पर भी कार्यशालाएँ आयोजित कीं। विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य शिक्षण सामग्री के विकास पर आयोजित की गईं कार्यशालाओं/बैठकों का ब्यौरा तालिका 6.2 में दिया गया है।

तालिका 6.2

डी०ई०एस०एम० द्वारा विज्ञान और गणित की शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	भौतिकशास्त्र की प्रयोगशाला मैनुअल तैयार करने के लिए कार्यशाला	13 से 19 अप्रैल, 1989	पुणे	3
2.	कक्षा 12 की रसायनशास्त्र की पाठ्यपुस्तक भाग–2 की समीक्षा हेतु कार्यशाला	24 से 28 अप्रैल, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली	24
3.	कक्षा 12 की जीवविज्ञान की पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि की समीक्षा करने तथा उसे अंतिम रूप देने हेतु कार्यशाला	5 से 7 मई, 1989	बंगलौर	10
4.	कक्षा 12 की जीवविज्ञान की पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला	3 से 7 जुलाई, 1989	नई दिल्ली	20
5.	कक्षा 11 की भौतिकशास्त्र की हिन्दी की पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	19 से 27 जुलाई, 1989	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली	6
6.	भौतिकशास्त्र में अनुदेशी सामग्री तैयार करने हेतु कार्यशाला	5 से 7 अगस्त, 1989	पुणे	5

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
7.	कक्षा 8 और 10 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि को अंतिम रूप देने हेतु कार्यशाला	20 से 28 अगस्त, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	1
8.	उच्चतर माध्यमिक स्तर की गणित की अध्यापक संदर्शिका के विकास हेतु कार्यशाला	21 से 27 अगस्त, 1989	मद्रास	25
9.	कक्षा 12 की गणित की पाठ्य सामग्री के विकास हेतु कार्यशाला	28 से 31 अगस्त, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	6
10.	उच्च प्राथमिक स्तर पर गणित के नए चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण हेतु संवर्धन पाठ्यक्रम के विकास हेतु कार्यशाला	4 से 8 सितंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	25
11.	कक्षा 10 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक पर प्रश्नों के विकास हेतु कार्यशाला	20 से 26 सितंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	25
12.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर भौतिकशास्त्र के नए चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण हेतु संवर्धन पाठ्यक्रम के विकास हेतु कार्यशाला	6 से 15 अक्तूबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	30
13.	कक्षा 10 के लिए गणित (भाग 1) के अनुदेशी पैकेज के विकास हेतु कार्यशाला	1 से 4 नवंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	8
14.	रसायनशास्त्र के नए चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों के प्रशिक्षण हेतु संवर्धन पाठ्यक्रम के विकास के लिए कार्यशाला	26 नवंबर से 1 दिसंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	18
15.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र पर प्रश्नों के विकास हेतु कार्यशाला	4 से 8 दिसंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	28

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
16.	कक्षा 12 की गणित के अनुदेशी पैकेज के विकास के लिए कार्यशाला	4 से 8 दिसंबर, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	9
17.	कक्षा 9 की गणित की समस्या पुस्तक के विकास के लिए कार्यशाला	4 से 9 दिसंबर, 1989 तक	देहरादून	25
18.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र की प्रायोगिक पुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	11 से 15 दिसंबर, 1989	इलाहाबाद	22
19.	उच्च प्राथमिक स्तर पर समस्या पुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	8 से 12 जनवरी, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	20
20.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र के प्रभावी अध्यापन हेतु दिशानिर्देशों के विकास के लिए कार्यशाला	8 से 12 जनवरी, 1990	गुड़गाँव	21
21.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र की प्रयोगशाला के कौशलों पर अनुदेशी सामग्री के विकास हेतु कार्यशाला	15 से 19 जनवरी, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	23
22.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित की समस्या पुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	8 से 11 जनवरी, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	20
23.	कक्षा 11 की गणित की अध्यापक संदर्शिका के विकास हेतु कार्यशाला	15 से 24 जनवरी, 1990	उदयपुर	16
24.	कक्षा 8 के लिए विज्ञान की अध्यापक संदर्शिका के विकास हेतु कार्यशाला	29 जनवरी से 2 फरवरी, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	22
25.	कक्षा 12 के लिए रसायनशास्त्र की अध्यापक संदर्शिका के विकास हेतु कार्यशाला	2 से 7 फरवरी, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	26

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
26.	कक्षा 10 के लिए गणित की अध्यापक संदर्शिका के विकास हेतु कार्यशाला	5 से 26 फरवरी, 1990	तिरुपति	25
27.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र की प्रायोगिक पुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	31 मार्च से 4 अप्रैल, 1990	चित्रकूट (उत्तर प्रदेश)	17
28.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विज्ञान प्रयोगशाला के प्रभावी उपयोग हेतु कार्यशाला	26 फरवरी से 2 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	25
29.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र के प्रभावी शिक्षण हेतु अध्यापक संदर्शिका के विकास हेतु कार्यशाला	15 से 23 मार्च, 1990	गुड़गाँव	17
30.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र की प्रयोगशाला के प्रभावी उपयोग पर कार्यशाला	12 से 16 फरवरी, 1990	जबलपुर	25
31.	कक्षा 7 की विज्ञान की अभ्यास पुस्तिका के विकास हेतु कार्यशाला	12 से 15 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	35
32.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर जीवविज्ञान की प्रायोगिक पुस्तक के विकास के लिए कार्यशाला	12 से 19 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	18
33.	माध्यमिक स्तर पर गणित की समान्य पुस्तक की समीक्षा करने तथा उसे अंतिम रूप देने हेतु कार्यशाला	19 से 24 मार्च, 1990	बंगलौर	20
34.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन शास्त्र की प्रयोगशाला के प्रभावी उपयोग पर कार्यशाला	12 से 16 फरवरी, 1990	जबलपुर	20
35.	उच्च प्राथमिक स्तर पर गणित के नए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए संवर्धन पाठ्यक्रम के विकास पर कार्यशाला	20 से 26 मार्च, 1990	जबलपुर	20

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
36.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन शास्त्र के नए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण हेतु संवर्धन पाठ्यक्रम के विकास पर कार्यशाला	23 से 29 मार्च, 1990	अजमेर	20
37.	कक्षा 7 के लिए गणित की समस्या पुस्तक के विकास के लिए कार्यशाला	26 से 28 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	7
38.	कक्षा 12 के लिए हिन्दी में गणित के अनुदेशी पैकेज के विकास हेतु कार्यशाला	26 फरवरी से 2 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	8
39.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए रसायन शास्त्र की प्रायोगिक पुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	21 मार्च से 4 अप्रैल, 1990	चित्रकूट (उत्तर प्रदेश)	18
40.	जीवविज्ञान की प्रयोगशाला और क्षेत्रीय कार्यकलापों पर स्रोत पुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला	20 से 26 मार्च, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	10
41.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर जीवविज्ञान के प्रश्न तैयार करने पर कार्यशाला	28 मार्च से 6 अप्रैल, 1990	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	24
42.	कक्षा 12 के लिए भौतिकशास्त्र के नवाचार प्रयोग/निदर्शनों के विकास पर कार्यशाला	24 से 29 मार्च, 1990	दिल्ली	12

विज्ञान और गणित अध्यापकों का प्रशिक्षण

डी०ई०एस०एम० ने विद्यालय स्तर के विज्ञान तथा गणित अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने में विभिन्न राज्य स्तरीय अभिकरणों को सहयोग दिया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 6.3 में दिया गया है।

तालिका 6.3

1989-90 के दौरान डी०ई०एस०एम० के सहयोग से राज्य स्तर की संस्थाओं/अभिकरणों/विद्यालयों द्वारा विज्ञान और गणित के अध्यापकों/छात्रों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*
1.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित के अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	19 दिसंबर 1989 से 1 जनवरी, 1990	नवयुग पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली
2.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित के अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	20 मार्च से 31 मार्च, 1990	एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली
3.	भारत में परमाणु ऊर्जा: केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक और माध्यमिक अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	15 से 19 मई 1989	रावत भट्टा, (राजस्थान)
4.	+2 स्तर पर गणित के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 से 19 जनवरी, 1990	नवल पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली
5.	गणित और विज्ञान के छात्रों तथा अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	22 जनवरी, 1990	अलवर पब्लिक स्कूल, राजस्थान
6.	+2 स्तर पर गणित अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 और 5 जुलाई, 1989	हंसराज मॉडल स्कूल, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
7.	विद्यालयी अध्यापकों के बहुल अभिविन्यास कार्यक्रम के अंतर्गत त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय तथा मणिपुर के शीर्ष व्यक्तियों का अभिविन्यास कार्यक्रम	18 से 22 अप्रैल, 1989	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम
8.	असम और अरुणाचल प्रदेश के शीर्ष व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	23 से 28 अप्रैल, 1989	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम
9.	विज्ञान और गणित के विशेषज्ञों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	नवम्बर-दिसम्बर	जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान
10.	दिल्ली के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 25 दिसंबर, 1989	डी०आई०ई०टी०, नई दिल्ली
11.	विज्ञान शिक्षा में सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के विशेषज्ञों का अभिविन्यास कार्यक्रम	10 से 12 अप्रैल, 1989	गवर्नमेंट कालेज, शिमला
12.	एन०डी०एम०सी० स्कूलों के विज्ञान के अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	3 जुलाई, 1989	एन०पी० बंगाली सीनियर माध्यमिक स्कूल, गोल मार्किट नई दिल्ली

डी०ई०एस०एम० ने 1 से 10 मार्च, 1990 तक बंबई में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर नवीन चुनौती भरे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण हेतु भौतिकशास्त्र के शीर्ष व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास एवं संवर्धन पाठ्यक्रम भी आयोजित किया। इसके अलावा इस विभाग ने 6 और 7 मार्च, 1990 को नई दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए विद्यालयी पाठ्यचर्या और पशुओं के प्रति क्रूरता रोकने के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनियाँ

एन०सी०ई०आर०टी० ने 1989-90 के दौरान राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनियों के आयोजन हेतु 22 राज्यों और 6 संघीय क्षेत्रों को शैक्षिक मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान की। इन विज्ञान प्रदर्शनियों का मूल विषय 'नेहरू और विज्ञान' था।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी

परिषद् ने आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से 23 से 28 फरवरी, 1990 तक हैदराबाद में 18वीं नेहरू बाल विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की। भारत के राष्ट्रपति ने 23 फरवरी, 1990 को इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी का मूल विषय 'विज्ञान और मानव' था। मूल विषय के अंतर्गत 8 उप-विषयों में लगभग 160 प्रदर्श प्रस्तुत किए गए। अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम राज्यों और दादरा नगर हवेली एवं लक्षद्वीप संघीय क्षेत्रों को छोड़कर सभी राज्यों/संघीय क्षेत्रों के बच्चों ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया।

कम्प्यूटर शिक्षा

वर्ष 1989-90 के दौरान डी०ई०एस०एम० के कम्प्यूटर संसाधन केन्द्र में कम्प्यूटर साक्षरता और विद्यालय अध्ययन (क्लास) परियोजना कार्यक्रम के अंतर्गत कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर पैकेज तैयार किया गया तथा कम्प्यूटर के उपयोग के लिए अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। यह ससांधन केन्द्र अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक उपलब्धि के मूल्यांकन संबंधी संगठन द्वारा प्रायोजित ''काम्पैड'' अनुसंधान अध्ययन में भी सम्मिलित है। इस अध्ययन में चार राज्यों तथा संघीय क्षेत्र दिल्ली के चुने हुए विद्यालयों से निर्धारित प्रश्नपत्रों पर आंकड़ों को इकट्ठा करना उनकी तालिका तथा कोट बनाना, आंकड़ों के विश्लेषण तथा अध्ययन रिपोर्ट तैयार करना

भी शामिल था। इस संसाधन केन्द्र ने 'क्लास कार्यक्रम' के अंतर्गत स्थापित संसाधन केन्द्रों की द्विभाषिक रिपोर्टों तथा जहाँ 'क्लास' परियोजना कार्यान्वित की जा रही है, उन विद्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों को भी संकलित किया।

इस वर्ष के दौरान डी०ई०एस०एम० के संसाधन केन्द्र ने सॉफ्टवेयर पैकेज के विकास/समीक्षा संबंधी कार्य जारी रखे। इनमें निम्नलिखित कार्य सम्मिलित थे :

(1) 'घर्षण' पर सॉफ्टवेयर पैकेज को अंतिम रूप देना।

(2) 'बीज गणित के समीकरणों के संख्यात्मक हलों की ग्राफीय प्रस्तुति' पर सॉफ्टवेयर पैकेज का आलेख और डिज़ाइन तैयार रकना तथा 'क्लास' परियोजना के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में उपयोग हेतु दो सॉफ्टवेयर पैकेज चुनना।

संसाधन केन्द्र ने विभिन्न विद्यालयी विषयों में कम्प्यूटर के प्रभाव के निदर्शन हेतु कुछ विकासात्मक कार्यक्रम प्रारंभ किए। केन्द्र ने 'गणित शिक्षण में सूक्ष्म कम्प्यूटर की प्रभाव क्षमता का अध्ययन' शुरू किया। इस अध्ययन का लक्ष्य माध्यमिक स्तर पर ''ग्राफ'' अध्ययन में ''रेखा'' सॉफ्टवेयर पैकेज की प्रभाव क्षमता का निर्धारण करना है। इस संबंध में क्षमताओं की पहचान और विश्लेषण तथा संबंधित अनुदेशी सामग्री के विकास पर दो कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

संसाधन केन्द्र ने अध्यापकों और छात्रों के लिए आधार सामग्री प्रदान करने के लिए अंत: क्रियात्मक प्रश्नों सहित 'डेटा बेस' तैयार करने संबंधी एक अन्य परियोजना पर भी कार्य किया है। इस संबंध में, भोजन और पोषण पर 'क्लोज्ड डेटा बेस' विकसित करने के लिए दो दिन की कार्यशाला आयोजित की गई। इसके अलावा, संसाधन केन्द्र ने कम्प्यूटर सिस्टम पाठ्य विवरण पर कक्षा 11 और 12 के लिए पाठ्यचर्या संदर्शिका विकसित करने पर कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला के दौरान, छात्रों के लिए उपयुक्त अध्ययन-अध्यापन डिज़ाइन बनाने हेतु कम्प्यूटर साईंस के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्य विवरण में सम्मिलित विषयवस्तु का विश्लेषण किया गया।

1989-90 में डी०ई०एस०एम० के संसाधन केन्द्र में ''क्लास'' कार्यक्रम के विद्यालयों के अध्यापकों हेतु पाँच अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 6.4 में दिया गया है।

तालिका 6.4

1989-90 में डी०ई०एस०एम० द्वारा आयोजित अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*प्रतिभागी संख्या*
1.	केन्द्रीय विद्यालय के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	14 से 18 सितंबर, 1990	14
2.	कम्प्यूटर शिक्षा पाठ्यचर्या में अध्यापकों के लिए उच्चस्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 दिसंबर से 3 जनवरी, 1990	15
3.	''शिक्षा में बी बी सी सूक्ष्म कम्प्यूटर की विभिन्न क्षमताओं के उपयोग'' पर अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	22 से 25 जनवरी, 1990	15

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	प्रतिभागी संख्या
4.	नए संसाधन केन्द्रों के समन्वयकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	22 से 24 फरवरी, 1990	18
5.	डी०आई०ई०टी० के संकाय के लिए ''बेसिक भाषा'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 फरवरी से 15 मार्च, 1990	12

इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त, डी०ई०एस०एम० ने बायोटेक्नोलाजी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित दो परियोजनाओं संबंधी कार्यकलाप भी आरंभ किए। इनमें से एक परियोजना का लक्ष्य ''कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की सहायता से आधुनिक जीवविज्ञान तथा बायोटेक्नोलॉजी के अध्यापन को बल प्रदान करना'' है। इस परियोजना के अतंर्गत अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण मैनुअल विकसित किया गया। दूसरी परियोजना ''विद्यालयों में आधुनिक जीवविज्ञान और बायोटेक्नोलॉजी के अध्यापन हेतु अध्यापक प्रशिक्षण और अभिविन्यास'' से संबंधित है।

विज्ञान- उपकरणों का विकास और निर्माण

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा को पुष्ट करने के लिए विज्ञान उंपकरणों के प्रोटोटाईप विकसित करने तथा निर्माण के कार्य करती रही। परिषद् का कर्मशाला विभाग अपने सामान्य कार्यों के अलावा 1986 से भारतीय-जर्मन परियोजना 'मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्राथमिक और मिडिल विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा में सुधार' के कार्यान्वयन में रत है। इस भारत-जर्मन परियोजना के अंतर्गत 1989-90 में एक नई प्राथमिक विज्ञान किट विकसित की गई तथा कर्मशाला विभाग ने किट के 660 प्रोटोटाईपों का बैच तैयार किया। ये किट मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अध्यापक प्रशिक्षकों तथा अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपयोग में लाए गए। विज्ञान किट बनाने की क्षमता का विकास करने के लिए कर्मशाला विभाग विज्ञान की निर्माणशाला, इलाहाबाद, (उत्तर प्रदेश) तथा विज्ञान किट कर्मशाला, भोपाल, (मध्य प्रदेश) को तकनीकी सहायता प्रदान करता रहा।

1989-90 के दौरान, कर्मशाला विभाग ने 505 नई प्राथमिक किटें भारतीय-जर्मन परियोजना के अंतर्गत तैयार कीं। इसके अतिरिक्त कर्मशाला विभाग ने 5,762 प्राथमिक विज्ञान किट (पुराने मॉडल) और 219 लघु टूल किट तथा छः समाकलित विज्ञान किट भी तैयार किए। कर्मशाला विभाग द्वारा तैयार की गई प्राथमिक विज्ञान किट और मिनी टूल केन्द्रीय प्रायोजित आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों को प्रदान की जाने वाली अनिवार्य सुविधाओं का अंग है। कर्मशाला विभाग द्वारा विकसित समाकलित विज्ञान किट विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा के सुधार हेतु केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालयों को दी जाने वाली सामग्री के पैकेज का महत्वपूर्ण अंग है।

वर्ष 1989-90 के दौरान कर्मशाला विभाग ने कक्षा 3,4 और 5 के लिए पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान) पर अध्यापक हैंडबुक्स तैयार करने संबंधी महत्वपूर्ण कार्य किया। इस वर्ष ये हैंडबुक्स् प्रकाशित भी हो गईं। इसके अलावा प्राथमिक विज्ञान किट के मैनुअल, 70 चार्ट कार्ड तथा मिनी टूल किट मैनुअल भी प्रकाशित किए गए।

1989-90 में कर्मशाला विभाग ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के शीर्ष व्यक्तियों, विशेषज्ञों, प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों

के 12 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। ये राज्य भारतीय-जर्मन परियोजना के कार्यान्वयन में लगे हुए हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान) की शिक्षण संबंधी छात्र केंद्रित कार्य आधारित तथा पर्यावरण उन्मुख कार्यनीति को संस्थानिक बनाने के लिए प्राथमिक विज्ञान किट की विभिन्न वस्तुओं के उपयोग में शीर्ष व्यक्तियों और विशेषज्ञों को प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था। 1989-90 के दौरान आयोजित इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 6.5 में दिया गया है:

तालिका 6 .5

वर्ष 1989-90 में कर्मशाला विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के शीर्ष व्यक्तियों और विशेषज्ञों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	24 अप्रैल से 3 मई, 1989	इलाहाबाद	57
2.	उत्तर प्रदेश के प्राथमिक स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 10 जून, 1989	मझंनपुर (उत्तर प्रदेश)	42
3.	उत्तर प्रदेश के प्राथमिक स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 10 जून, 1989	फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)	64
4.	उत्तर प्रदेश के प्राथमिक स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 10 जून, 1989	सरौठ (उत्तर प्रदेश)	51
5.	उत्तर प्रदेश के प्राथमिक स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 10 जून, 1989	फतेहपुर (उत्तर प्रदेश)	66
6.	उत्तर प्रदेश के प्राथमिक स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 10 जून, 1989	लखनऊ	38
7.	मध्य प्रदेश के विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	12 से 21 फरवरी, 1990	भोपाल	36
8.	मध्य प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 9 मार्च, 1990	भोपाल	55

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
9.	मध्य प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 9 मार्च, 1990	सेहोरा (मध्य प्रदेश)	56
10.	मध्य प्रदेश के प्राथमिक स्कूलों के विद्यालयों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 9 मार्च, 1990	उज्जैन	45
11.	मध्य प्रदेश के प्राथमिक स्कूलों के विद्यालयों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 9 मार्च, 1990	राजगढ़ (मध्य प्रदेश)	54
12.	मध्य प्रदेश के प्राथमिक स्कूलों के विद्यालयों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 9 मार्च, 1990	पंचमढ़ी	40
13.	प्लास्टिक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 अप्रैल से 2 जून, 1989	एन०सी०ई० आर०टी०, नई दिल्ली	18

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, कर्मशाला विभाग ने 10 से 14 अप्रैल, 1989 तक सूरज कुंड (हरियाणा) में लष्योन्मुखी कार्यक्रम नियोजन पर संगोष्ठी आयोजित की। इसमें 21 व्यक्तियों ने भाग लिया।

सात

शिक्षा का व्यावसायीकरण

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण तथा विद्यालय शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर कार्यानुभव के पाठ्यचर्या क्षेत्र का प्रभावी कार्यान्वयन एन. सी. ई. आर. टी. का महत्वपूर्ण कार्य रहा है। एन. आई. ई. का शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.) उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबंधित कार्यों के प्रभावी कार्यान्वयन और शिक्षा के प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों की पाठ्यचर्या के अभिन्न अंग के रूप में संशोधित कार्यानुभव के कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों में कार्यरत रहा।

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा का व्यावसायीकरण

वर्ष 1989-90 में डी.वी.ई. ने 'माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण' नामक केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के प्रभावी कार्यान्वयन को सरल बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम/कार्यकलाप किए। विभाग ने शिक्षा के व्यावसायीकरण संबंधी कार्यों में लगे हुए सरकारी निजी और स्वैच्छिक संगठनों, विशेषज्ञता प्राप्त अनुसंधान और विकास/प्रशिक्षण संस्थाओं तथा अन्य अभिकरणों के सहयोग से इन कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया। इस वर्ष के दौरान डी.वी.ई. द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यकलाप हैं—व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं और अनुदेशी सामग्री का विकास, व्यावसायिक शिक्षकों का सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा माध्यमिक शिक्षा की व्यावसायीकरण योजना के कार्यान्वयन में लगे हुए राज्य स्तर के कार्मिकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन आदि।

पाठ्यचर्याओं और अनुदेशी सामग्री का विकास

डी.वी.ई. ने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या डिजाइन पर आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के पाठ्यविवरणों के विकास और संशोधन का कार्य किया। 1989-90 के दौरान व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या के विकास और संशोधन पर आठ कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं का ब्यौरा तालिका 7.1 में दिया गया है।

डी. वी. ई. ने वर्ष 1989-90 में इलैक्ट्रॉनिकी, विपणन और विक्रय कला, कार्यालय पद्धति, कृषि तथा घरेलू उपकरणों जैसे विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों पर पाठ्य सामग्री विकसित की। इसके लिए नौ कार्यशालाएं आयोजित की गईं। व्यवसाय के दौरान प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के संबंध में भी एक कार्यशाला आयोजित की गई। पाठ्य सामग्री के विकास हेतु आयोजित कार्यशालाओं का ब्यौरा तालिका 7.2 में दिया गया है।

1989-90

तालिका 7.1

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं के विकास और संशोधन के लिए डी.वी.ई. द्वारा 1989-90 में आयोजित कार्यशालाएं

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	आंतरिक सज्जा और साज-सामान की न्यूनतम सक्षमता पर आधारित पाठ्यचर्या के विकास के लिए कार्यशाला	1 से 5 मई, 1989	एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली	6
2.	विपणन और विक्रय कला की सक्षमता पर आधारित पाठ्यचर्या के संशोधन के लिए कार्यशाला	6 से 9 जून, 1989	श्रीनगर	8
3.	आहार विज्ञान तथा पाक कला की न्यूनतम सक्षमता पर आधारित पाठ्यचर्या के विकास के लिए कार्यशाला	10 से 14 जुलाई, 1989	नई दिल्ली	9
4.	आशुलिपि और कार्यालय सहायता में सक्षमता-आधारित पाठ्यचर्या के संशोधन संबंधी कार्यशाला	7 से 11 अगस्त, 1989	मैसूर	8
5.	चिकित्सालय प्रलेखन तथा रिकार्ड रखने में न्यूनतम सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या के विकास के लिए कार्यशाला	24 से 30 अक्तूबर, 1989	नई दिल्ली	12
6.	सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग के व्यावसायिक पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम सक्षमता-आधारित पाठ्यचर्या विकास के लिए कार्यशाला	8 से 12 जनवरी, 1990	लखनऊ	8
7.	स्वास्थ्य की देखभाल और सौंदर्य संबंधी न्यूनतम सक्षमता-आधारित पाठ्यचर्या के विकास हेतु कार्यशाला	चरण–1 12 से 16 फरवरी 1990	नई दिल्ली	13
		चरण–2 19 से 23 फरवरी, 1990	नई दिल्ली	5

तालिका 7.2

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री के विकास पर वर्ष 1989-90 के दौरान डी. वी. ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाएं

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	कक्षा 12 के लिए इलैक्ट्रॉनिकी की पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	4 से 15 सितंबर, 1989	एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली	5
2.	कक्षा 11 के लिए इलैक्ट्रॉनिकी की पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	29 दिसंबर 1989 से 3 जनवरी, 1990	इलाहाबाद	5
3.	कक्षा 11 के लिए इलैक्ट्रॉनिकी की पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	28 मार्च से 6 अप्रैल, 1990	एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली	3
4.	विपणन की पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला (पहली बैठक)	5 से 7 अक्तूबर, 1989	नई दिल्ली	7
5.	विपणन और विक्रयकला की पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला (दूसरी बैठक)	20 से 27 जनवरी, 1990	उदयपुर	9
6.	कार्यालय पद्धति की पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला	17 से 19 जनवरी, 1990	एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली	8
7.	कार्यालय पद्धति की पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु कार्यशाला (व्यावसायिक) खंड—1	1 से 9 मार्च, 1990	अजमेर	8
8.	विद्यालयी बच्चों के लिए कृषि पुस्तिका के विकास हेतु कार्यशाला	11 से 14 जनवरी, 1990	वैलानड (केरल)	11
9.	घरेलू उपकरणों की मरम्मत हेतु व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए विकसित सामग्री के मसौदे को संशोधित कर उसे अंतिम रूप देने पर कार्यशाला (खण्ड-5-6)	26 से 30 मार्च, 1990	एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली	5
10.	सेवाकालीन प्रशिक्षण के आयोजन के लिए दिशानिर्देश के विकास हेतु कार्यशाला	13 से 17 फरवरी, 1990	बंगलौर	15

1989-90

व्यावसायिक अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

डी. वी. ई. ने 1 से 30 जून, 1989 तक सेवारत व्यावसायिक अध्यापकों के लिए रेशम उत्पादन पर एक मास का अल्कालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। बंगलौर में आयोजित इस कार्यक्रम में 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डी. वी. ई. ने शिक्षा-व्यावसायीकरण कार्यक्रम की संकल्पनाओं और उद्देश्यों, व्यावसायिक सर्वेक्षण कार्यनीतियों, अनुदेशी [illegible] पद्धति तथा सेवारत व्यावसायिक अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समन्वय हेतु योजनाओं में प्रतिभागियों को अभिविन्यासित करने के लिए छः अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किए। इन अभिविन्यास कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 7.3 में दिया गया है।

तालिका 7.3

1989-90 के दौरान डी. वी. ई. द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	कर्नाटक के शीर्ष व्यक्तियों के लिए शिक्षा के व्यावसायीकरण पर अभिविन्यास कार्यक्रम	6 से 9 जून, 1989	बंगलौर	45
2.	तमिलनाडु के शीर्ष व्यक्तियों के लिए शिक्षा के व्यावसायीकरण पर अभिविन्यास कार्यक्रम	27 से 30 जून, 1989	मद्रास	37
3.	जिला स्तर पर व्यावसायिक सर्वेक्षण में शामिल शीर्ष व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	5 से 8 सितंबर, 1989	एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली	21
4.	विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्री के विकास के लिए विशेषज्ञों की अभिविन्यास कार्यशाला	1 से 5 फरवरी, 1990	हैदराबाद	[illegible]
5.	राज्यों के व्यावसायिक अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने वाले समन्वयकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	19 से 22 फरवरी, 1990	मैसूर	24
6.	राज्यों के व्यावसायिक अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण संचालित करने वाले समन्वयकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	20 से 23 मार्च, 1990	भुवनेश्वर	13

राष्ट्रीय संगोष्ठी

डी. वी. ई. ने उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा-व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु राष्ट्रीय समीक्षा संगोष्ठी आयोजित की। 12 से 14 दिसंबर, 1989 तक नई दिल्ली में आयोजित इस संगोष्ठी में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के शीर्ष व्यक्तियों तथा डी. वी. ई. के संकाय सदस्यों सहित 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एन. सी. ई. आर. टी. की साधारण सभा की 25वीं वार्षिक बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा के व्यावसायीकरण के कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन की कार्य नीतियां तैयार करने के लिए विशेषज्ञों का पैनल तैयार किया गया। प्रो. वी. सी. कुलन्दाईस्वामी (कुलपति, राष्ट्रीय इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) ने इस पैनल की अध्यक्षता की। पैनल की पहली बैठक 12 जनवरी, 1990 को हुई।

कार्यानुभव

कार्यानुभव के क्षेत्र में डी. वी. ई. ने आंध्र प्रदेश के जिला शिक्षा अधिकारियों तथा हाई स्कूलों के मुख्याध्यापकों के लिए 3 दिन का अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। दिनांक 1 से 3 मार्च, 1990 तक हैदराबाद में आयोजित इस अभिविन्यास कार्यक्रम में 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डी. वी. ई. ने खिरौदां (महाराष्ट्र) में 15 से 24 नवंबर, 1989 तक स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से विद्यालयों के कार्यानुभव अध्यापकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा, देश में कार्यानुभव कार्यक्रम की समीक्षा करने तथा कार्यानुभव कार्यक्रम का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन करने के लिए व्यावहारिक दिशा निर्देश समुच्च सुझाने के लिए नई दिल्ली में 5 से 7 मार्च, 1990 तक कार्यानुभव पर एक राष्ट्रीय समीक्षा संगोष्ठी आयोजित की गई।

एन. सी. ई. आर. टी. ने प्रख्यात समाज सेविका और सर्वोदयी नेता सुश्री निर्मल देशपांडे की अध्यक्षता में चरित्र निर्माण, मूल्यों को हृदयग्राही करने तथा समाज सेवा के लिए विद्यालय स्तर पर कार्यानुभव कार्यक्रम का निरूपण करने के लिए कार्यानुभव विशेषज्ञों का पैनल बनाया है। यह पैनल कार्यानुभव कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कार्यनीतियां भी तैयार करेगा। वर्ष 1989-90 के दौरान डी. वी. ई. द्वारा आयोजित कार्यानुभव संबंधी कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 7.4 में दिया गया है।

तालिका 7.4

1989-90 के दौरान डी. वी. ई. द्वारा आयोजित कार्यानुभव कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	स्वैच्छिक संगठनों के साथ मिलकर कार्य कर रहे विद्यालयों के कार्यानुभव अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 से 24 नवंबर, 1989	खिरौंदा (महाराष्ट्र)	45

1989-90

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
2.	आंध्र प्रदेश के जिला शिक्षा अधिकारियों और हाई स्कूल के मुख्याध्यापकों के लिए कार्यानुभव पर अभिविन्यास कार्यक्रम	1 से 3 मार्च, 1990	हैदराबाद	54
3.	कार्यानुभव पर राष्ट्रीय समीक्षा संगोष्ठी	5 से 7 मार्च, 1990	एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली	43

प्रकाशन

वर्ष 1989-90 के दौरान, डी. वी. ई. द्वारा निम्नलिखित सामग्री प्रकाशित की गई:

सक्षमता-पर आधारित पाठ्यचर्या

1. इंटीरियर डेकोरेशन एंड फर्निशिंग
2. हॉस्पिटल डाक्यूमेंटेशन एंड हाऊस कीपिंग
3. सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग
4. हैल्थ केयर एंड ब्यूटी कल्चर
5. मार्केटिंग एंड सेल्समैनशिप (संशोधित)
6. स्टैनोग्राफी एंड आफिस एसिस्टैंटशिप (संशोधित)
7. क्रॉप प्रोडक्शन एंड हार्टिकल्चर (संशोधित)

दिशा निर्देश और रिपोर्ट

1. व्यावसायिक अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन संबंधी दिशा निर्देश
2. सातवीं पंचवर्षीय योजना में व्यावसायिक शिक्षा
3. शिक्षा का व्यावसायीकरण—डी. वी. ई. कार्यनीति-योजना

आठ शैक्षिक प्रौद्योगिकी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का एक प्रमुख कार्य शिक्षा की वैकल्पिक पद्धतियों के विकास तथा देश में शिक्षा के सुधार एवं प्रसार के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से जनसंचार के प्रयोग को बढ़ावा देना है। केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) जो राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के एक घटक के रूप में कार्य करता है, शैक्षिक आवश्यताओं के अनुरूप सॉफ्टवेयर का विकास करने, शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाले कार्मिकों को प्रशिक्षण देने, मूल्यांकन तथा शोध करने तथा शैक्षिक माध्यम और प्रौद्योगिकी संबंधी सूचनाओं, कार्यक्रमों और सामग्रियों की पद्धतियों को प्रलेखित करने और उनका प्रचार-प्रसार करने में संलग्न है।

सी. आई.ई.टी. का अध्यक्ष एक संयुक्त निदेशक होता है। यह संस्थान शैक्षिक दूरदर्शन निर्माण और फिल्म प्रभाग; दूरस्थ शिक्षा योजना, समन्वय, अनुसंधान और मूल्यांकन आलेखन और प्रशिक्षण प्रभाग; शैक्षिक रेडियो प्रभाग; आलेखिकी, प्रदर्शनी और मुद्रण प्रभाव,सूचना,प्रलेखन और केन्द्रीय फिल्म लाइब्रेरी प्रभाग; तकनीकी प्रयोजना, प्रचालन तथा अनुरक्षण प्रभाग और प्रशासन तथा लेखा प्रभाग इत्यादि—सात प्रभागों के माध्यम से कार्य करता हैं।

शैक्षिक दूरदर्शन निर्माण और फिल्म प्रभाग का कार्य इन्सेट-1 बी के लिए प्राथमिक स्तर के विद्यालयों और विद्यालयेतर बच्चों और अध्यापकों के लिए शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों का निर्माण करना और कैप्सूल बनाना है। प्रभाग वर्ष 1986,1987,1988 और 1989 के ग्रीष्मकाल के दौरान आयोजित किए गए विद्यालय अध्यापकों के सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम (पी. एम. ओ. एस. टी.) के शैक्षिक दूरदर्शन घटक का समन्वय और निर्माण का कार्य कर रहा है। यह संस्थान अपने यहाँ निर्मित सभी वीडियो टेपों का संग्रह रखता है और इन्सेट-1 बी निम्न और उच्च पावर ट्रांसमीटरों के जरिये शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के ट्रांसमीशनों के समेकित कार्यक्रमों की अनुसूची तैयार करता है। प्रभाग की जिम्मेदारी शैक्षिक फिल्मों (35 और 16 मिमी) का निर्माण करना, हिन्दी और अंग्रेजी में उनकी डबिंग करने और बिक्री के लिए 16 मिमी के प्रिंटों की अनुलिपि तैयार करना है।

दूरस्थ शिक्षा योजना, समन्वय अनुसंधान और मूल्यांकन, आलेखन और प्रशिक्षण प्रभाग का संबंध दूरस्थ शिक्षा और शैक्षिक प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देना, सी. आई. ई. टी. के कार्यकलापों का नियोजन तथा समन्वय और शैक्षिक प्रौद्योगिकी में कार्यक्रम तथा सामग्रियों का मूल्यांकन और अनुसंधान कार्य करने से हैं। इसका संबंध शैक्षिक दूरदर्शन पाठ्यचर्या के नियोजन, शैक्षिक दूरदर्शन निर्माण के लिए आलेखों के निर्माण, कार्मिकों को प्रशिक्षण और छः राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों (एस. आई. ई. टी.) से समन्वय स्थापित करना भी है।

शैक्षिक रेडियो प्रभाग शैक्षिक प्रायोजन के लिए पूर्व प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालय के बच्चों की आवश्यकताओं

हेतु सॉफ्टवेयर का निर्माण और आलेख लेखन में अध्यापकों तथा स्वतन्त्र लेखकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तथा ओडियो/रेडियो कार्यक्रमों का निर्माण करता है।

आलेखिकी, प्रदर्शनी और मुद्रण प्रभाग का संबंध मुख्यतः चार्ट, कम लागत के शिक्षण साधन और टेपस्लाइड कार्यक्रमों का निर्माण करने से है। यह प्रभाग प्रदर्शनियाँ लगाता है तथा सी. आई. ई. टी. और एन. सी. ई. आर. टी. घटकों के लिए छोटे-छोटे मुद्रण कार्य भी करता है।

सूचना प्रलेखन और केन्द्रीय फिल्म लाइब्रेरी प्रभाग के पास केन्द्रीय फिल्म लाइब्रेरी में 8,000 से अधिक शैक्षिक फिल्मों (16 मिमी.) का भंडार है। इन्हें देश भर के लगभग 4,300 सदस्य संस्थानों को निःशुल्क दिया जाता है। शैक्षिक दूरदर्शन निर्माण के लिए संसाधन केन्द्र के रूप में एक बाल साहित्य पुस्तकालय (बाल साहित्य केन्द्र) भी बनाया गया है, जो 5,500 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। प्रचार माध्यम के प्रलेखन पर सेवाकालीन प्रशिक्षण/संगोष्ठियां आयोजित करने और देश के विभिन्न भागों में शैक्षिक फिल्म उत्सवों की व्यवस्था के अतिरिक्त यह प्रभाग शैक्षिक प्रौद्योगिकी संबंधी सूचना प्रसार केन्द्र का भी काम करता है। यह सी. आई. ई. टी. सूचना-पत्र के प्रकाशन से संबंधित कार्यकलापों का भी समन्वय करता है।

तकनीकी प्रयोजना, प्रचालन और अनुरक्षण प्रभाग सी. आई. ई. टी. के विभिन्न प्रभागों को तकनीकी सहायता प्रदान करता है। प्रभागः उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, बिहार और उड़ीसा राज्यों के राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों के स्टूडियो में उपकरण लगाने में सहयोग देता है। यह उपकरणों की खरीद और शैक्षिक प्रयोजन के लिए छोटे टी. वी. और ध्वनि स्टूडियो को स्थापित करने के लिए विनिर्देशनों पर परामर्श सेवा प्रदान करता है। यह सी. आई. ई. टी. के नये भवन की सुविधाओं को मानीटर करता है।

प्रशासन और लेखा प्रभाग, सी. आई. ई. टी. के प्रशासनिक और वित्तीय मामलों को देखता है।

वर्ष 1989-90 के दौरान सी. आई. ई. टी. ने अनेक अनुसंधान, विकासात्मक और प्रशिक्षण कार्यकलाप किए। इन कार्यकलापों का ब्यौरा नीचे दिया गया है।

अनुसंधान तथा मूल्यांकन कार्यकलाप

सी. आई. ई. टी. ने उड़ीसा में इन्सेट-1 बी की शैक्षिक दूरदर्शन सोवाओं के उपयोग का अध्ययन किया। यह अनुसंधान उड़ीसा के तीन इन्सेट जिलों—भोलांगिर, ढेनकनाल और सम्भलपुर—में फैले 11 खण्डों के लगभग 235 विद्यालयों में शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के उपयोग की सीमा और उनके उपयोग को प्रभावित करने वाले कारणों का अध्ययन करने के लिए किया गया।

सी. आई. ई. टी. ने एक अन्य अध्ययन बिहार में इन्सेट-1 बी की शैक्षिक दूरदर्शन सेवा के उपयोग के बारे में किया। इस संबंध में अध्ययन हेतु शैक्षिक दूरदर्शन के उपयोग की सीमा का पता लगाने के लिए बिहार के पाँच इन्सेट जिलों में फैले 15 खण्डों से आँकड़े एकत्रित किये गये।

सी. आई. ई. टी. ने बच्चों के विकास पर कॉमिक्स और कॉमिक्स दूरदर्शन धारावाहिकों के दुष्प्रभाव का अध्ययन भी किया। इस अध्ययन के संबंध में दिल्ली के 6 विद्यालयों के लगभग 200 छात्रों से आँकड़े एकत्रित किये गये। एक बनी बनाई प्रश्नावली की सहायता से माता-पिता और अध्यापकों के मिले-जुले समूह का साक्षात्कार भी किया गया।

इसके अतिरिक्त सी. आई. ई. टी. ने वर्ष 1989 में विद्यालय अध्यापकों के सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम (पी. एम. ओ. एस. टी.) के कार्यान्वियन के दौरान शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के प्रसारण पर प्रतिपुष्टि प्राप्त करने के लिए एक अध्ययन किया। इस अध्ययन के अर्न्तगत नौ राज्यों में फैले 141 पी. एम. ओ. एस. टी. शिविरों से दूरदर्शन कार्यक्रमों की उपलब्धता और उपयोगिता के संबंध में आँकड़े एकत्रित करने के लिए सर्वेक्षण किया गया। छह राज्यों के आठ 'पीमोष्ट' शिविरों के अहिन्दी भाषी प्रतिभागी अध्यापकों से शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों की उपयोगिता के संबंध में विचारों के संबंध में भी आँकड़े एकत्रित किये गये।

शैक्षिक सामग्री का विकास

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान ने वर्ष 1989-90 में शैक्षिक

दूरदर्शन कार्यक्रमों सहित शैक्षिक सॉफ्टवेयर, ओडियो, रेडियो कार्यक्रमों तथा शैक्षिक फिल्मों के विकास का कार्य किया ।

बच्चों और अध्यापकों के लिए शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम

वर्ष 1989-90 में सेटेलाइट, इन्सेट-1 बी के लिए प्राईमरी स्तर के बच्चों और अध्यापकों को सम्बोधित 90 नये शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम निर्मित किए गए । इसके अतिरिक्त 1989-90 में 60 नये शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के उड़िया रूपान्तरण निर्मित किए गए, जिनको मिलाकर 1984-85 से लेकर अब तक निर्मित कुल दूरदर्शन कार्यक्रमों की संख्या 508 और अन्य भाषाओं में रूपान्तरण की संख्या 824 हो गई। सी. आई. ई. टी. द्वारा निर्मित शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 8.1 में दिया गया है।

तालिका 8.1

1984-85 से 1989-90 तक सी. आई. ई. टी. द्वारा निर्मित शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों का ब्यौरा

वर्ष	*निर्मित शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों की संख्या*	*भाषा रूपान्तर*
1984-85	59	184
1985-86	89	243
1986-87	100	227
1987-88	80	25
1988-89	90	85
1989-90	90	60
कुल	508	824

शैक्षिक दूरदर्शन का प्रत्येक 20 मिनट का कार्यक्रम संवर्धन कार्यक्रम है। यह स्कूल पाठ्यचर्या का ऐसा सम्पूरक है जो बच्चों के मस्तिष्क का विकास करता है और बच्चों को कुछ करने, बनाने, अनुसंधान करने, सोचने और सीखने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनका मनोरंजन करता है।

ओडियो/रेडियो कार्यक्रम

आलोच्य वर्ष में के. शै. प्रौ. सं. ने देश की सांस्कृतिक परम्पराओं पर शैक्षिक ओडियो/वीडियो कार्यक्रम बनाने पर बल दिया । इस वर्ष 109 नए ओडियो कार्यक्रमों का निर्माण किया गया जिन्हें मिलाकर अब तक विभिन्न क्षेत्रों में कुल एक हजार से भी अधिक शैक्षिक रेडियो कार्यक्रम निर्मित हो चुके हैं । 1989-90 में निर्मित ओडियो/रेडियो कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तालिका 8.2 में दिया गया है ।

तालिका 8.2

के. शै. प्रौ. सं. द्वारा 1989-90 में निर्मित ओडियो/वीडियो कार्यक्रम

कार्यक्रम का शीर्षक	*लक्ष्य समूह*	*ओडियो/रेडियो कार्यक्रमों की संख्या*
भारत की सर्वसामान्य संस्कृति	प्राथमिक स्तर	52
नवोदय विद्यालय के बच्चों की पाठ्यपुस्तकों के समर्थन में	उच्च प्राथमिक स्तर	17
पिता के पत्र–पुत्री के नाम (पंडित नेहरू के पत्र)	उच्च प्राथमिक स्तर	28
स्वतन्त्रता आंदोलन	माध्यमिक स्तर	1
राष्ट्रीय एकीकरण	प्राथमिक स्तर	5
बालगीत	प्राथमिक स्तर	6

शैक्षिक फिल्में

आलोच्य वर्ष में भूगोल श्रृंखला के अंतर्गत ''लैंड एण्ड पीपल'' नामक 16 मिमी. की तीन रंगीन फिल्मों की शूटिंग ''वेस्ट कौस्ट भाग-5'' (कोयम्बटूर, ऊटी और कुर्ग) पर पूरी की गई। (इस श्रृंखला के अंतर्गत 6 फिल्में पहले ही पूरी की जा चकी हैं। के. शै. प्रौ. सं. ने इस वर्ष कुल 59 शैक्षिक फिल्में निर्मित कीं। अन्य 7 फिल्में समाप्ति के विभिन्न चरणों में हैं। के. शै. प्रौ. सं. द्वारा निर्मित 16 मिमी. के शैक्षिक फिल्म प्रिंट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इन फिल्मों का एक सूचीपत्र भी तैयार किया गया है।

शैक्षिक चार्ट

आलोच्च वर्ष में कक्षा 11 और 12 की पाठ्यचर्या से संबंधित जीव विज्ञान चार्ट श्रृंखला को विकसित करने के लिए कार्यकारी दल की कई बैठकें आयोजित की गईं। इससे पहले कक्षा 9 और 10 के लिए जीव विज्ञान के 22, भौतिकी के 20 और भूगोल के 20 चार्टों का एक सेट तैयार किया गया।

अन्य सामग्री

''लैंड, पीपल एण्ड मानुमेन्टस'' श्रृंखला के अन्तर्गत राजस्थान पर एक हजार से अधिक रंगीन स्लाइड तैयार किये गये। इनमें से लगभग 200 चयनित स्लाइडों को राजस्थान पर एक कार्यक्रम बनाने के लिए प्रयोग में लाया जाएगा। इसी प्रकार का कार्य देश के अन्य राज्यों के संबंध में भी किया जाएगा।

कार्यशालाएं / सम्मेलन / बैठकें / संगोष्ठियाँ

शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के विषयों और शीर्षकों की पहचान, शैक्षिक दूरदर्शन के लिए लघु कार्यक्रम और आलेख और शैक्षिक रेडियो कार्यक्रमों और चार्टों तथा कम लागत से साधनों के निर्माण जैसे विभिन्न विकासात्मक कार्यकलापों के संबंध में बहुत सी कार्यशालाएँ/ बैठकें आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं/ सम्मेलनों/ बैठकों/ संगोष्ठियों का विस्तृत विवरण तालिका 8.3 में दिया गया है।

तालिका 8.3

1989-90 में के. शै. प्रौ. सं. द्वारा आयोजित कार्यशालाएं/सम्मेलन/बैठकें/संगोष्ठियाँ

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	'दिव्य स्वप्न' पर आधारित शैक्षिक दूरदर्शन के लिए आलेख विकसित करने हेतु कार्यकारी दल की बैठक	24 और 25 अप्रैल, 1989	के. शै. प्रौ. सं. नई दिल्ली	4
2.	सर्जनात्मकता के पोषण पर प्रारम्भिक स्तर के अध्यापकों और अध्यापक शिक्षकों के लिए आलेख की एक शृंखला विकसित करने लिए बैठक	15से 17 मई, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	1
3.	कार्यक्रमों की लघु रूपरेखा की समीक्षा कर उन्हें अद्यतन बनाने के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी	30 मई, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	3
4.	ओडियो कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न रिकार्डिंग कम्पनियों के साथ बैठक	5 जून, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	5
5.	सर्जनात्मकता के पोषण पर शैक्षिक दूरदर्शन आलेख शृंखला के विकास के लिए बैठक	6 से 9 जून, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	2
6.	कार्यक्रमों की लघु रूपरेखा की समीक्षा कर उन्हें अद्यतन बनाने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन	6 से 9 जून, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	2
7.	सर्जनात्मकता के पोषण पर प्रारम्भिक स्तर के अध्यापकों और अध्यापक शिक्षकों के लिए आलेखों की शृंखला विकसित करने के लिए बैठक	6 से 9 जून, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	1
8.	पंडित नेहरू के उनकी पुत्री के नाम पत्र पर आधारित ओडियो कार्यक्रम विकसित करने पर सलाहकार समिति की बैठक	7 जून, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	5
9.	''लिंग समानता'' पर ओडियो कार्यक्रम विकसित करने के लिए सलाहकार समिति की बैठक	22 अगस्त, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	7
10.	भारत की सर्व सामान्य सांस्कृतिक परम्परा पर ओडियो कार्यक्रम विकसित करने के लिए सलाहकार समिति की बैठक	25 अगस्त, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	8
11.	सरल विज्ञान प्रयोगों पर कार्यशाला	9 से 11 अगस्त, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	10
12.	ग्रामीण प्राईमरी विद्यालय अध्यापकों के लिए कम लागत के शिक्षण साधनों पर कार्यशाला	11 से 15 सितम्बर, 1989	ऋषि वैली त्रिचुर (अ.प्र.)	48

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
13.	सामाजिक अध्ययन पर वीडियो कार्यक्रम विकसित करने के लिए कार्यशाला	22 और 23 सितम्बर, 1989	भोपाल	10
14.	के.शै.प्रौ.सं.—रा.शै.प्रौ.सं. की समन्वयन समिति की 12 वीं बैठक	5 और 6 अक्तूबर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	30
15.	कम लागत के साधनों पर शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों को निर्मित करने पर कार्यशाला	24 से 27 अक्तूबर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	10
16.	स्वास्थ्य स्थल के निर्माण के लिए कार्यशाला	30 अक्तूबर से 4 नवम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	10
17.	प्राईमरी स्तर के अध्यापकों के लिए पर्यावरणीय शिक्षा पर आलेख विकसित करने के लिए कार्यशाला	4 से 6 दिसम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं.नई दिल्ली	10
18.	'ग्रहों की कहानी, ग्रहों की जुबानी' बच्चों का नाटक (ओपन एयर थियेटर)	15 नवम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	10
19.	सामाजिक अध्ययन के विषय और फिल्म फॉरमेट के निर्धारण के लिए कार्यशाला	4 से 6 दिसम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	10
20.	बाहरी एजेंसियों द्वारा वीडियो निर्माण के लिए प्रस्ताव मूल्याँकन समिति (पी.ई.सी.) की बैठक	26 और 27 दिसम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	8
21.	कक्षा 11 और 12 के नये पाठ्यविवरण के अनुसार विज्ञान चार्टों को विकसित करने के लिए कार्यकारी दल की बैठक— एक-एक दिन की 5 बैठकें	18 दिसम्बर, 1989 से 5 जनवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	7
22.	के.शै.प्रौ.सं.—रा.शै.प्रौ.सं. की समन्वयन समिति की 13 वीं बैठक	9 और 10 जनवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं नई दिल्ली	35
23.	शैक्षिक दूरदर्शन आलेख पर विज्ञान लेखकों की कार्यशाला	24 और 25 जनवरी, 1990	के शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	25
24.	कक्षा 11 और 12 के नये पाठ्य विवरणों के अनुसार विज्ञान चार्टों को विकसित करने के लिए कार्यकारी दल की बैठक—एक-एक दिन की चार बैठकें	15 से 16 फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	6
25.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी के डिप्लोमा पाठ्यक्रम को बनाने के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक	1 और 2 फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	14
26.	आपरेशन ब्लेक बोर्ड शैक्षिक दूरदर्शन शृंखला पर आलेख लेखन कार्यशाला	12 से 16 फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	24

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
27.	बच्चों के विकास में कॉमिक्स और दूरदर्शन धारावाहिकों की भूमिका और तद्जनित प्रभाव पर विचार-विमर्श करने के लिए विद्यालय अध्यापकों की बैठक	21 फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	11
28.	कम लागत के उपकरणों पर शैक्षिक दूरदर्शन की शृंखला के विकास के लिए बैठकें	नवम्बर 1989 से फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	10
29.	''ओरीगमी'' पर शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम निर्मित करने के लिए कार्यशाला	28 फरवरी से 6 मार्च, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	11
30.	आपरेशन ब्लैक बोर्ड शैक्षिक दूरदर्शन आलेख के विकास के लिए बैठकें	6,9,14,15,16, और 20 मार्च, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	6
31.	अध्यापकों के लिए निम्नलिखित मैनुअलों को अन्तिम रूप देने हेतु कार्यशाला:			
	(1) कक्षा में रंगीन दूरदर्शन प्रयोग और शैक्षिक दूरदर्शन का उपयोग	26 और 27 मार्च 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	25
	(2) कक्षा में आर.सी.सी.पी. (टू-इन-वन) का प्रयोग और शैक्षिक रेडियो का उपयोग			
32.	कक्षा 11 और 12 के लिए नये पाठ्यविवरण के अनुसार विज्ञान चार्टों का विकास करने के लिए कार्यकारी दल की बैठक—एक-एक दिन की 3 बैठकें	20 से 22 मार्च, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	9
33.	विज्ञान में शैक्षिक दूरदर्शन लघु कार्यक्रम/विषय/आलेख तैयार करने हेतु कार्यकारी दल की बैठक	28 मार्च, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	6
34.	राजस्थान की भूमि,लोग और स्मारक संबंधी स्लाइड्स पर विशेषज्ञ दल की बैठकें	29 और 30 मार्च, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	10
35.	एरिक परियोजना के अन्तर्गत निर्मित ओडियो कार्यक्रमों के लिए संक्षिप्त नोट/सारांश तैयार करने के लिए कार्यशाला	23 से 25 मार्च, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	10
36.	बाहरी एजन्सियों द्वारा वीडियो निर्माण के प्रस्तावों की मूल्यांकन समिति की बैठक	16 मार्च, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	7

प्रशिक्षण कार्यक्रम

के.शै.प्रौ.सं. ने राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों तथा अध्यापक-शिक्षकों के लिए अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना निरन्तर जारी रखा है। वर्ष 1989–90 के दौरान आयोजित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 8.4 में दिया गया है।

तालिका 8.4

वर्ष 1989-90 के दौरान के. शै. प्रौ. सं. द्वारा आयोजित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	विजन मिक्सर एवं कैमरामैन और टेलीविजन के प्रचालन और प्रयोग पर तकनीकी प्रशिक्षण (दो पाठ्यक्रम)	10 से 22 जुलाई, 1989	(1) बंगलौर (2) हैदराबाद	12
2.	शैक्षिक दूरदर्शन और तकनीकी प्रचालनों पर आठवाँ के.शै.प्रौ.सं.—आई.बी.डी. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	21 अगस्त से 30 सितम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	34
3.	निमार्णोत्तर उपकरण स्थापन और प्रचालन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	6 से 11 नवम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	5
4.	रंगीन दूरदर्शन के लिए बिजली व्यवस्था पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	15 से 20 नवम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	12
5.	जि.शि.प्र.सं. के प्राचार्यों/उपप्राचार्यों और रा.शै.अ.प्र.प. और क्षे.शि.म. के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में अभिविन्यास कार्यक्रम	8 से 29 नवम्बर, 1989	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	30
6.	महाविद्यालयों और राज्य शै.अ.प्र.प. के प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अध्यापक-शिक्षकों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी पर चार सप्ताह का अभिविन्यास कार्यक्रम	16 जनवरी से 13 फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	19
7.	शैक्षिक आलेख लेखन और ओडियो/रेडियो कार्यक्रमों के निर्माण के लिए समेकित प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 जनवरी से 23 फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	18
8.	जि.शै.प्र.सं. के प्राचार्यों और उपप्राचार्यों तथा राज्य शै.अ.प्र.प. और क्षे. शि.सं. के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए शैक्षिकं प्रौद्योगिकी पर अभिविन्यास कार्यक्रम	7 और 8 फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	26
9.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी में जिला शै.प्र.सं. के प्राध्यापकों (शै.दू.) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	19 से 23 फरवरी, 1990	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	14
10.	ओडियो उपकरणों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	4 से 17 अप्रैल 1990	बम्बई	7

विस्तार कार्यक्रम

आलोच्च वर्ष में के. शै. प्रौ. सं. ने बहुत से विस्तार कार्यक्रम आयोजित किये। जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :

(1) के. शै. प्रौ. सं. ने होशंगाबाद जिला (मध्य प्रदेश) के 450 विद्यालयों में ओडियो टेप प्रयोग द्वारा प्राथमिक स्तर पर प्रथम भाषा के रूप में हिन्दी का अध्यापन परियोजना के विस्तार के लिए साहायता जारी रखी। पिछले वर्ष विद्यालयों को रेडियो एवं कैसेट और प्लेयर सहित 17 ओडियो कैसेटों का एक सेट दिया गया। रिपोर्ट में चर्चित वर्ष के दौरान प्रत्येक विद्यालय को 25 ओडियो कैसेटों का एक अन्य सेट दिया गया। इस अवधि में परियोजना के प्रबन्ध पर एक सर्वेक्षण भी किया गया।

(2) 13 जून से 16 जून, 1989 तक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय,मैसूर में द्वितीय बाल शैक्षिक दूरदर्शन उत्सव आयोजित किया गया। सभी छः रा. शै. प्रौ. सं. और के. शै. प्रौ. सं. ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस उत्सव में डी. ई. सी. यू. (आई. एस. आर. ओ.) के प्रतिनिधियों, प्रेस से मीडिया आलोचकों और उच्च शिक्षाविदों ने भाग लिया। निर्णायकों में दो बच्चों को भी शामिल किया गया। राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान उड़ीसा द्वारा तैयार किए गए एक उत्पादन को उत्कृष्ट माना गया तथा रा. शै. प्रौ. सं. महाराष्ट्र ने उत्कृष्ट समूहिक कार्य लिए शील्ड जीता।

(3) के. शै. प्रौ. सं. ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के फिल्म प्रभाग द्वारा 1 से 7 मार्च, 1990 तक बम्बई में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक वृत्तचित्र उत्सव में भाग लिया और इस अवसर पर अपने उत्पादों और प्रोटोटाइपों को प्रदर्शित किया।.

(4) के. शै. प्रौ. सं. ने 14 से 16 दिसम्बर, 1989 तक तिरुअनंतपुरम में शैक्षिक प्रौद्योगिकी पर आयोजित एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर के. शै. प्रौ. सं. के उत्पादन और सॉफ्टवेयर की एक प्रदर्शनी लगाई गई।

प्रचार- प्रसार

वर्ष 1989-90 के दौरान केन्द्रीय फिल्म लाइब्रेरी (सी. एफ. एल) के लिए 14 शैक्षिक फिल्में अभिग्रहित की गईं और 1488 फिल्में शैक्षिक संस्थानों को दी गईं। 13 नये सदस्यों को पंजीकृत किया गया जिनको मिलाकर अब केन्द्रीय फिल्म लाइब्रेरी के सदस्यों की कुल संख्या 4,345 हो गई है।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी के नये क्षेत्रों और पाठकों के संबंध में जागरुकता उत्पन्न करने के लिए के. शै. प्रौ. सं. ने ''एजूकेशनल मीडिया न्यूजलेटर'' नामक त्रैमासिक पत्रिका निकालना जारी रखा। इस वर्ष इस पत्रिका के दो अंक निकाले गए।

अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार

वर्ष 1989 में आयोजित एन. एच. के. जापान पुरस्कार प्रतियोगिता में के. शै. प्रौ. सं. द्वारा 1989 में निर्मित 9-14 वर्ष आयु के बच्चों के लिए 18 मिनट के एक शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम ''विज्ञान क्या है'' में विशेष जापान पुरस्कार प्राप्त हुआ। पुरस्कार विजेयता प्रविष्टि वैज्ञानिक प्रणाली अथवा वैज्ञानिक अभिरुचि और यह मशीनों या उपकरणों के प्रयोगमात्र से कैसे भिन्न है, से संबंधित है। फिल्म में खेलते हुए बच्चों ''सेवन स्टोन'' या छड़ की सहायता से बड़े पत्थर को कैसे लुढ़काया है या रसोई घर में गृहणी के काम करने की प्रक्रिया जैसे सामान्य उदाहरणों के माध्यम से विज्ञान प्रणाली को दर्शाया गया है।

यह तीसरा अवसर है कि के. शै. प्रौ. सं. ने एन. एच. के. जापान द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रतियोगिता जिसमें 100 से भी अधिक विकसित और विकासशील प्रतिभागियों ने भाग लिया था गौरवमय पुरस्कार हासिल किया है। इससे पहले के. शै. प्रौ. सं. के ''एयर एराउन्ड अस'' एक शैक्षिक

1989-90

दूरदर्शन कार्यक्रम (1987) और ''जल चक्र'' (वाटर साइकिल) रेडियो कार्यक्रम (1981), जो दोनो ही बच्चों के लिए थे, ने पुरस्कार हासिल किये थे ।

प्रतिवेदन / प्रकाशन

चर्चित वर्ष के दौरान के. शै. प्रौ. सं. ने निम्नलिखित प्रतिवेदन/प्रकाशन निकाले :

(1) दूरस्थ शिक्षा पाठों के लिए स्वयं - जांच कार्यकलापों के विकास पर कार्यशाला का प्रतिवेदन ।

(2) दूरस्थ शिक्षा पाठों के सम्पादन के लिए मार्ग - निर्देशिका पर पुस्तिका ।

(3) जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों और प्राध्यापकों (ई. टी.) के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में दो प्रशिक्षण पुस्तकाएँ ।

(4) शैक्षिक दूरदर्शन के दर्शकों के पत्रों के कथ्य के विश्लेषण पर प्रतिवेदन।

(5) उत्तर प्रदेश के इन्सेट जिलों में शैक्षिक दूरदर्शन की उपयोगिता पर प्रतिवेदन।

(6) शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों पर प्रतिपुष्टि प्राप्त करने के लिए कार्यनीतियां ।

(7) 1985-88 वर्ष के दौरान एकत्रित बाल साहित्य केन्द्र (के. शै. प्रौ. सं.) की पुस्तकों का सूचीपत्र ।

(8) सी. एफ. एल. में उपलब्ध भौतिकी फिल्मों का सूची पत्र

(9) के शै. प्रौ. सं. में उपलब्ध शैक्षिक ओडियो कार्यक्रमों का कैसेटवार सूचीपत्र ।

(10) पीमोस्ट 1989 के शैक्षिक दूरदर्शन घटक से संबंधित अध्ययन

(अ) दूरदर्शन के प्रयोग पर सर्वेक्षण,

(ब) शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम के प्रसारण की उपयोगिता,

(स) शैक्षिक दूरदर्शन घटकों के व्यापक उपादान में एक उपकरण के रूप में भाषा, तथा

(द) विद्यालयी अध्यापकों के पास दूरदर्शन सेटों की उपलब्धता।

11. वीडियो कार्यक्रमों की लम्बाई का मानकीकरण: वर्तमान स्थिति।

नौ अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवाएं

सेवा-पूर्व और सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में गुणात्मक सुधार करना रा.शै.अ.प्र.प. का मुख्य कार्य रहा है। वर्ष 1989-90 के दौरान प्रारम्भिक और माध्यमिक अध्यापकों के शिक्षा कार्यक्रमों में सुधार लाने के लिए अनुसंधान एवं प्रायोगिक अध्ययन करना, अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या का पुनरीक्षण करना, अध्यापक-शिक्षकों, अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों और सेवारत अध्यापकों के प्रयोग के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार करना, अध्यापक शिक्षा की पुनर्संरचना और पुनर्गठन की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के कार्यान्वियन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना और अध्यापक-शिक्षकों तथा सेवारत अध्यापकों का प्रशिक्षण अभिविन्यास करना, रा.शै.शि. संस्थान के अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग के कुछ मुख्य कार्यकलाप रहे। अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवाएं विभाग ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् को उनके कार्यकलापों के लिए शैक्षिक और प्रशासनिक समर्थन देना जारी रखा।

अनुसंधान अध्ययन

वर्ष 1989-90 के दौरान "अनुसूचित जाति/जन जाति तथा गैर अ. जा./ज. जा." के छात्र अध्यापकों की संप्राप्ति तथा स्व-संकल्पना, अभिरुचि एवं समायोजन का संबंध अध्ययन से संबंधित कार्यकलापों को पूरा किया। 162 अ. जा./ज. जा. के तथा इतने ही गैर अ. जा./ज. जा. के बी. एड. छात्र-अध्यापकों पर यह अध्ययन किया गया। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य (क) अ. जा./ज. जा. तथा गैर अ. जा./ज. जा. के छात्र-अध्यापकों की संप्राप्ति तथा उनकी स्व-संकल्पना, अभिरुचि एवं समायोजन के संबंध में तुलना करना, (ख) अ. जा./ज. जा. तथा गैर अ. जा./ज. जा. के छात्र-अध्यापकों की संप्राप्ति तथा स्व-संकल्पना, अभिरुचि और समायोजन के संबंधों का अध्ययन करना, और (ग) अ. जा./ज. जा. तथा गैर अ. जा./ज. जा. छात्र-अध्यापकों की संप्राप्ति या स्व-संकल्पना, अभिरुचि और समायोजन के संबंध पूर्व अनुमानित दक्षता का अध्ययन करना था।

इस अध्ययन के निष्कर्षों से यह पता चलता है कि अ. जा./ज. जा. और गैर अ. जा./ज. जा. छात्र-अध्यापकों की स्व-संकल्पना अभिरुचि और समायोजन में कोई महत्वपूर्ण विभिन्नता नहीं है फिर भी, इन दो समूहों में अभिरुचि और अंक प्राप्ति के संबंध में महत्वपूर्ण रूप से भिन्नता पाई जाती है। गैर अ. जा./ज. जा. छात्र-अध्यापकों की संप्राप्ति अधिक पाई गई जबकि अ. जा./ज. जा. समूह के छात्र-अध्यापकों में शिक्षण व्यवसाय के प्रति अपने प्रतिपक्षियों से अधिक सकारात्मक अभिरुचि पाई गई। अध्ययन से यह भी पता चला है कि अ. जा./ज. जा. छात्र अध्यापकों के व्यक्तित्व की स्व-संकल्पना तथा समायोजन संबंधी विशेषताओं का उनकी शैक्षिक संप्राप्ति पर सकारात्मक प्रभाव पडता है। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि अ. जा./ज. जा. के

1989-90

छात्र-अध्यापकों की योग्यता के सम्बन्ध में उनके घरेलू समायोजन, शैक्षिक समायोजन, सामाजिक समयोजन, भावात्मक समायोजन और स्व-संकल्पना से काफी हद तक पूर्व अनुमान लगाया जा सकता है। गैर अ. जा./ज. जा. छात्र अध्यापकों की योग्यता, भावात्मक परिपक्वता और भावात्मक समायोजन सम्बन्धी स्व-संकल्पना से उनके बारें में महत्वपूर्ण पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। छात्र-अध्यापकों के पूरे समूह की उपलब्धि का पूर्वानुमान घरेलू समायोजन, शैक्षिक समायोजन और योग्यता सम्बन्धी स्व-संकल्पना से लगाया जा सकता है। आलोच्च वर्ष के दौरान माइक्रो शिक्षण का प्रयोग नामक यूनेस्को प्रायोजित सहकारी अनुसंधान परियोजना के कार्य को पूरा किया गया। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य छात्र-अध्यापकों में योग्यता के विकास में दो प्रशिक्षण प्रणालियों से संबंधित प्रभावों तथा शिक्षण के प्रति अभिरुचि की तुलना करना है। ये दो प्रशिक्षण प्रणालियां ऑबजर्वेशन-डेमोन्स्ट्रेशन प्रेक्टिस (ओ. डी. पी.) तथा डेमोन्स्ट्रेशन-प्रेक्टिस-ऑबजर्वेशन (डी. पी. ओ.) थी।

अध्ययन के लिए पूर्व-परीक्षण, पश्च-परीक्षण प्रयोगात्मक नमूनों का प्रयोग किया गया। अध्ययन के लिए बी. एड. के 32 छात्रों को नमूने के तौर पर लिया गया। तीन शिक्षण कौशलों का अनुसरण पर वीडियो टेपस का प्रदर्शन करने के बाद छदम शिक्षण स्थितियों में शिक्षण कौशलों का अभ्यास किया गया तथा वास्तविक कक्षा-शिक्षण का पर्यावेषण किया गया।

इस अध्ययन के परिणामों से यह संकेत मिला कि दोनों प्रशिक्षण प्रणालियों—माइक्रो शिक्षण सैद्धान्तिक समझ के विकास, सामान्य शिक्षण योग्यता प्राप्त करने तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति बढ़ाने के सम्बन्ध में बहुत प्रभावी थी। तथापि ओ. डी. पी., छात्रों में माइक्रो शिक्षण के प्रति अनुकूल अभिवृत्ति विकसित करने में बहुत प्रभावी सिद्ध हुई।

अ. शि. वि. शि. वि. से. विभाग ने भारत के अध्यापकों की अवस्थिति पर भी एक अध्ययन किया। प्रतिवेदन समीक्षा के लिए नियुक्त मूल्यांकनकर्ताओं ने अध्ययन रिपोर्ट को प्रकाशन के लिए अनुमोदित कर दिया।

पाठ्यविवरण और अनुदेशी सामग्री का विकास

वर्ष 1988 में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा संस्थान द्वारा तैयार किये गयें संशोधित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा— पाठ्यचर्या एक रूपरेखा पर आधारित अ. शि. वि. शि. वि. से. विभाग ने प्रारम्भिक और माध्यमिक अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में सम्मिलित विभिन्न पाठ्यक्रम अध्ययनों के लिए पाठ्यचर्या मार्गदर्शी सिद्धान्तों के विकास तथा पाठ्यविवरण से सम्बन्धित अनेक कार्यकलाप किए। अध्ययन के जिन पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या मार्गदर्शन सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित किये गए उनमें निम्नलिखित पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं:

आधार पाठ्यक्रम

1. बढ़ते भारत में शिक्षा
2. शैक्षिक मनोविज्ञान

स्तर-संगत विशेषज्ञता

1. अध्यापक कार्य
2. भाषा शिक्षण
   अ. अंग्रेजी शिक्षण की पद्धति
   ब. हिंदी शिक्षण की पद्धति
3. गणित शिक्षण
4. पर्यावरण अध्ययन/विज्ञान शिक्षण
5. सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान शिक्षण
6. स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा शिक्षण
7. कला शिक्षा शिक्षण
8. कार्य-अनुभव शिक्षण

अतिरिक्त विशेषज्ञता

3. अनौपचारिक शिक्षा

2. बहुस्तरीय शिक्षण
3. बालिका शिक्षा
4. शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन
5. शैक्षिक प्रौद्योगिकी
6. जनसंख्या शिक्षा

प्रायोगिक/क्षेत्रीयकार्य

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम

विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या मार्गदर्शन सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए पन्द्रह कार्यशालाएं और कार्यकारी दल की बैठकें आयोजित की गईं। 1989-90 में अ. शि. वि. शि. वि. से. के द्वारा आयोजित कार्यशालाओं और कार्यकारी दल की बैठकों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 9.1 में दिया गया है।

तालिका 9.1

वर्ष 1989-90 में अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग द्वारा पाठ्यचर्या मार्गदर्शिका और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए आयोजित कार्यशालाएं और कार्यकारी दल की बैठकें

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	विज्ञान शिक्षण की पद्धति पर पाठ्यचर्या मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरणों को अंतिम रूप देने के लिए कार्यकारी दल की बैठक	11 से 13 जुलाई, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	12
2.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी में मार्गदर्शन सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	25 से 27 जुलाई, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	10
3.	अंग्रेजी शिक्षण के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	21 से 23 अगस्त, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	10
4.	सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	23 से 31 अगस्त, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	15
5.	उभरते भारतीय समाज में शिक्षा के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	28 से 31 अगस्त, 1989	भुवनेश्वर	18

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
6.	मातृभाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण के लिए पाठ्यचर्या मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	18 से 21 सितम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	12
7.	स्तर संगत विशेषज्ञता के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	18 से 21 सितम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	15
8.	कार्य अनुभव में मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	6 से 8 सितम्बर, 1989	अजमेर	13
9.	गणित शिक्षण पद्धति में मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	3 से 6 अक्तूबर, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	15
10.	कला शिक्षा में पाठ्यचर्या मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	5 से 6 अक्तूबर, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	12
11.	डी.आई.ई.टी. संकाय और प्राचार्यों के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन विकसित करने के लिए कार्यशाला	23 से 26 अक्तूबर, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	
12.	शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन पर मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण विकसित करने के लिए कार्यशाला	8 से 10 नवम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	15
13.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी में मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण तैयार करने के लिए कार्यशाला	4 से 6 दिसम्बर, 1989	बम्बई	14
14.	स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा की शिक्षण-पद्धति पर मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण तैयार करने के लिए कार्यशाला	18 से 21 दिसम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	25
15.	सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षण (बहु वर्गीय शिक्षण, अनौपचारिक शिक्षा और बालिका शिक्षा) में विशेष पत्रों के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यचर्या के विकास के लिए कार्यशाला	18 से 23 दिसम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र. प., नई दिल्ली	15

पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक में संबंधित पेपर के विकास के लिए मूलाधार, उसके उद्देश्य, इकाईयों के रूप में विषय-वस्तु, रूपरेखा वर्णन, विषय तथा उसके कार्य स्पादन की विधि, उसके मूल्यांकन की योजना और प्रस्तावित पुस्तकें भी सम्मिलित हैं। विभिन्न कार्यशालाओं और कार्यकारी दलों की बैठकों में विकास किए गए प्रारम्भिक और माध्यमिक अध्यापक शिक्षा मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्यविवरण दस्तावेज् के प्रारूप का विभिन्न प्रारम्भिक और माध्यमिक अध्यापक-शिक्षकों तथा विषय विशेषज्ञों से उनकी प्रतिपुष्टि प्राप्त करने हेतु भेजा गया ताकि इसमें सुधार किया जा सके। संशोधित दस्तावेज के आधार पर अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रयोग के लिए उदाहरण सामग्री विकसित की जाएगी।

भारतीय शिक्षा विश्वकोश के संबंध में प्रविष्टियों की प्रारम्भिक सूची तैयार करना

रा.शै.अ.प्र. प. ने भारतीय शिक्षा विश्वकोश तैयार करने के लिए आ.शि.वि.शि. विभाग की सहायता के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया। समिति ने 27 अक्तूबर, 1989 को आयोजित अपनी बैठक में सलाह दी कि भारतीय शिक्षा के सभी पहलूओं, सभी स्तरों और सभी अवधियों को शामिल कर मदों की एक व्यापक सूची तैयार करके विशेषज्ञों को भेजी जाए। इसके अनुसार 900 मदों को एकत्रित कर उन्हें विषयानुसार वर्गीकृत कर एक प्रलेख विकसित किया गया। इस प्रलेख को परियोजना के सलाहकार समिति के सदस्यों, रा.शै.अ.प्र.प., राज्य शिक्षा संस्थानों के निदेशकों, शिक्षा निदेशकों, विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के अध्यक्षों और शिक्षा के कुछ प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की इन मदों की उपयुक्तता का विवेचनात्मक परीक्षण करने और अन्तिम सूची में अतिरिक्त मदों को सम्मिलित करने के सुझाव देने के लिए भेजा गया।

अध्यापक शिक्षा की पुन : संरचना और पुनर्गठन योजना को तकनीकी सहायता

परिषद् केन्द्रीय प्रायोजित अध्यापक शिक्षा की पुनः सरंचना और पुनर्गठन योजना के कार्यान्वयन में विशेषतः निम्नलिखित चार घटकों के कार्यान्वियन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय और राज्य/संघ शासित क्षेत्रों को तकनीकी सहायता देती आ रही है।

1. विद्यालय-अध्यापकों का सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम पीमोस्ट (पी. एम. ओ. एस. टी.)।
2. जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों (डी. आई. ई. टी.) की स्थापना करना।
3. अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी. टी. ई.) का संवर्द्धन और इनमें से कुछ का शिक्षा में उच्च अध्ययन संस्थान (आई. ए. एस. ई.) के रूप में उन्नयन करना।
4. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस. सी. ई. आर. टी.) का संवर्द्धन।

इन चार घटकों के सम्बन्ध में किए गए मुख्य कार्यकलापों का ब्यौरा निम्नलिखित खण्डों में दिया गया है।

विद्यालय-अध्यापकों का सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम (पी. एम. ओ. एस. टी.)

विद्यालयी स्तर पर शिक्षा की प्रक्रिया तथा विषयवस्तु की पुनरभिविन्यास प्रक्रिया में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए अध्यापकों में प्रेरणा तथा व्यावसायिक विशेषज्ञता बढ़ाकर उन्हें बेहतर बनाने के लिए 1986-87 से विद्यालय-अध्यापकों के सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम (पीमोस्ट) के अर्न्तगत रा. शै. अ. प्र. प. और राज्य सरकारों द्वारा पांच लाख विद्यालयी अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। 1989 में 6,70,896 अध्यापकों जिनमें से 1,24,110 प्राईमरी और 5,46,786 उच्च प्राईमरी और माध्यमिक अध्यापक थे, को प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय प्रायोजित आपरेशन ब्लैक बोर्ड के अन्तर्गत प्राईमरी विद्यालय के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए पीमोस्ट कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित विशेष प्रशिक्षण अभिविन्यास कार्यक्रमों के माध्यमों से 1,13,400 प्राईमरी

विद्यालयों के अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। इन विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विषय-वस्तु और पद्धति यह थी कि आपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के अन्तर्गत प्राईमरी विद्यालयों को दिये गए उपकरणों और अन्य शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रभावी प्रयोग के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। वर्ष 1989-90 में पीमोस्ट कार्यक्रम को नियोजन और कार्यान्वयन की 12 से 14 दिसम्बर, 1989 तक आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा समिति में समीक्षा की गई। समीक्षा-समिति में राज्यों/संघ शासित क्षेत्र स्तर की नोडल एजेन्सियों, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और एन. सी. ई. आर. टी. के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में 1986-89 के दौरान किए गए कार्यक्रम कार्यान्वयन के शैक्षिक, संगठन और वित्तीय पहलुओं की समीक्षा की। इस बैठक में पीमोस्ट कार्यक्रम के अंतर्गत आपरेशन ब्लैक बोर्ड के घटकों के सबल और दुर्बल बिन्दुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में आने वाले वर्षों के कार्यक्रम के नियोजन और कार्यान्वियन के मुख्य पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। यह सुझाव दिया गया कि पीमोस्ट कार्यक्रम के अन्तर्गत सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा के घटकों को, आपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के अन्तर्गत आने वाले विद्यालयों में कार्य कर रहे प्राईमरी विद्यालय अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए प्रयुक्त किया जाना चाहिए।

विद्यालय अध्यापक सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम 1990 के अंतर्गत विकसित सेवाकालीन अध्यपक-शिक्षा पैकेज (आपरेशन ब्लैक बोर्ड कम्पोनेन्ट) की समीक्षा हेतु 2 जनवरी से 4 जनवरी, 1990 तक दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रा.शि. संस्थान के विभागों, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान, सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा पैकेज की विषय-वस्तु और प्रक्रिया से अभिविन्यासित करवाया गया। प्रतिभागियों ने पैकेज में सम्मिलित सामग्री के परिमार्जन के लिए विभिन्न विषय समूहों में कार्य किया। राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रयोग के लिए पैकेज का उन्नत तथा संशोधित संस्करण तैयार किया गया।

जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य और संकाय का प्रशिक्षण

वर्ष 1987 में एजूकेशनल कन्सलटेंट्स इण्डिया लि. द्वारा परियोजना के प्रतिपादन और जि.शि.प्र. संघ के स्थापना हेतु तैयार किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के प्रारूप को संशोधित करने का काम परिषद् को सौंपा गया। वर्ष 1989-90 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. ने जि.शि.प्र. सं. की परियोजना के प्रतिपादन के सम्बन्ध में मार्गदर्शी सिद्धान्तों के प्रारूप को संशोधित कर उसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रेषित कर दिया। जि.शि.प्र. सं. की स्थापना के लिए संशोधित मार्गदर्शी सिद्धान्त मा.स.वि.म. द्वारा प्रकाशित किए गए।

अ.शि.वि.शि.वि. से. विभाग ने जि.शि.प्र.सं. के (डी.आई.ई.टी.) के संकाय को प्रवेश प्रशिक्षण देने के लिए पाठ्यक्रम की रूपरेखा विकसित करने का काम किया। इस संबंध में डी.आई.ई.टी. संकाय के प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए 26 से 28 अप्रैल, 1989 तक दिल्ली में एक बैठक का आयोजन किया गया।

जि.शि.प्र. संघ के संकायों और प्राचार्यों के प्रवेश प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम, विषय-वस्तु और प्रशिक्षण पद्धति पर विचार विमर्श करने और अन्तिम रूप देने के लिए नई दिल्ली में 23 से 26 अक्तूबर, 1989 तक एक अन्य कार्यशाला आयोजित की गई।

जि.शि.प्र. संघ के प्राचार्यों के लिए 6 से 25 नवम्बर, 1989 तक 3 सप्ताह का प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जि.शि.प्र. संघ के 29 प्राचार्यों और आन्ध्र प्रदेश, असम, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, मिजोरम, तमिलनाडु और संघ शासित क्षेत्र दिल्ली से 8 अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अ.शि.वि.शि.वि. से. विभाग ने 29 जनवरी से 17 फरवरी, 1990 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान और प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय के सहयोग से जि.शि.प्र. संघ के प्राचार्यों के लिए एक अन्य प्रवेश प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। आंध्र प्रदेश,

अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और तमिलनाडु राज्यों के जि.शि.प्र.सं. के प्राचार्यों और राज्य शै.अ.प्र.प. के कार्मिकों ने भाग लिया।

राज्य शै. अ. प्र. प. / राज्य शिक्षा संस्थान के निदेशकों का वार्षिक सम्मेलन

20 और 21 मार्च, 1990 को मद्रास में राज्य शै. अ. प्र. परिषद् और राज्य शिक्षा संस्थानों के निदेशकों का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में राज्य शै. अ. प्र. परिषद् के संवर्द्धन के लिए विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया जो कि अध्यापक शिक्षा की पुनर्संरचना और पुनर्गठन योजना का एक घटक है। विचार-विमर्श राज्य शै. अ. प्र. प. की अपेक्षाओं की तुलना में इनके निष्पादन का विश्लेषण और इन संस्थानों के वर्तमान कार्यों के संवर्द्धन और त्रुटियों पर केन्द्रित था। विद्यालय शिक्षा और अध्यापक-शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर भविष्य के संदर्भ में राज्य शै. अ. प्र. प. से की जाने वाली अपेक्षाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसी आधार पर सम्भावित संस्थानिक ढाँचा और इन संस्थानों के संकाय की रूपरेखा तैयार की गई। दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न प्रशासनिक आयामों, विशेष रूप से संवर्ग विकास के संदर्भ में, प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षा के अलग संवर्ग, प्रबन्ध संरचना आदि पर विचार-विमर्श किया गया। विद्यालय-शिक्षा और अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए देश में अन्य शैक्षिक संस्थानों के साथ राज्य शै. अ. प्र. प. के नेटवर्क की रूपरेखा भी बनाई गई। इस सम्मेलन के निष्कर्ष के रूप में राज्य शै. अ. प्र. प. के संवर्द्धन पर एक दस्तावेज विचार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।

अभिविन्यास/ प्रशिक्षण/ विस्तार कार्यक्रम

जि. शि. प्र. संघ के प्राचार्यों और संकाय के लिए प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिरिक्त अ. शि. वि. शि. वि. से. विभाग ने 1989-90 के दौरान अध्यापक-शिक्षकों के लिए तीन अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। 25 से 30 सितम्बर, 1989 तक अहमदाबाद में शिक्षण के मॉडलों पर एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अध्यापक-शिक्षकों में ऐसी शिक्षण पद्धति की उस समझ को विकसित करना था जो शिक्षार्थियों में अधिकाधिक अधिगम के लिए आवश्यक है। इस अभिविन्यास पाठ्यक्रम में गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से अड़तालीस माध्यमिक अध्यापक-शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को जाँच प्रशिक्षण मॉडल, संकल्पना संप्राप्ति-मॉडल, न्यायशास्त्रियों जाँच मॉडल, मूल्य विश्लेषण मॉडल, उन्नत संगठक मॉडल और संश्लेषणों को स्पष्ट किया गया। प्रतिभागियों ने इन अध्यापन मॉडलों का अभ्यास छोटे-छोटे समूहों में भी किया।

10 से 15 जनवरी, 1990 तक बंगलौर में दक्षिण क्षेत्र के माध्यमिक अध्यापक-शिक्षकों के लिए शिक्षण के मॉडलों पर एक अन्य अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रतिभागियों को भी उपरोक्त छः शिक्षण मॉडल स्पष्ट किए गए और उन्हें अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में स्पष्ट करने के लिए इन मॉडलों पर अभ्यास करने का भी अवसर दिया गया।

इसके अतिरिक्त 27 से 29 मार्च, 1990 तक अहमदाबाद में अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों (सी. टी. ई.) और शिक्षा में उन्नत अध्ययन संस्थानों (आई. ए. ई.) की संकल्पना और आदर्श पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (एन. सी. टी. ई.)

एन. सी. ई. आर. टी. राष्ट्रीय अध्यापन शिक्षा परिषद् (एन. सी. टी. ई.) के लिए सचिवालय के रूप में काम करती है। रा. अ. शि. प. चार स्थायी शैक्षणिक समितियों– विद्यालय पूर्व एवं प्रारम्भिक अध्यापक शिक्षा समिति, माध्यमिक एवं महाविद्यालय अध्यापक समिति, विशेष अध्यापक शिक्षा समिति और संचालन समिति– की बैठकें आयोजित करने के अतिरिक्त रा. अ. शि. प. उन कार्यक्रमों और अध्ययनों पर भी कार्य करती है जिनकी विभिन्न समितियों सिफारिश करती हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान

1989-90

रा. अ. शि. प. ने निम्नलिखित कार्यकलाप किए :

रा. अ. शि. प. की विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक अध्यापक शिक्षा समिति की बैठक

श्री वी.पी. राघवाचारी की अध्यक्षता में 7 दिसम्बर, 1989 को नई दिल्ली में विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक अध्यापक शिक्षा पर रा. अ. शि. प. की शैक्षणिक स्थाई समिति की ग्यारहवीं बैठक आयोजित की गई । 10 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया और इस बैठक में अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान में प्रवेश की नीति, अध्यापक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, क्षेत्रीय भाषाओं में अध्यापक शिक्षा सामग्री के विकास के लिए कार्यपद्धति (माडेलिटीज) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् विधेयक मसौदा और अध्यापक-शिक्षा पर केन्द्रीय प्रायोजित योजना पर विचार-विमर्श हुआ । यह सिफारिश की गई कि विद्यालय-पूर्व अध्यापक शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए मानदण्ड और मार्गदर्शी सिद्धान्त विकसित करने के लिए एक समिति गठित की जानी चाहिए।

रा. अ. शि. प. की दूरस्थ शिक्षा माध्यम से अध्यापक शिक्षा समिति की बैठक

रा. अ. शि. प. ने अध्यापक-शिक्षा की गुणवत्ता के संवर्द्धन और उन्नयन के संदर्भ में दूरस्थ शिक्षा के प्रश्न पर उसकी सम्पूर्णता में विचार करने के लिए एक समिति नियुक्त की । दिनांक 16 मई, 1989 को इस समिति की बैठक हुई जिसमें सिफारिश की गई कि दूरस्थ शिक्षा विधि द्वारा दिये जाने वाले बी. एड. कार्यक्रमों के लिए स्पष्ट मार्गदर्शी सिद्धान्त निर्धारित किए जाने चाहिए । समिति ने आगे सिफारिश की कि रा. अ. शि. प. द्वारा यह अनिवार्य कर देना चाहिए कि इन मार्गदर्शी सिद्धान्तों के आधार आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में अवधि, नामांकन, अध्यापक व्यवस्था और शुल्क संरचना आदि सम्बन्धी प्रतिबन्धों का पालन किया जाए।

अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए प्रश्नों को विकसित करने हेतु कार्यशाला

रा. अ. शि. प. समिति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार अध्यापक शिक्षा संस्थानों में अभ्यर्थियों के प्रवेश चयन के संबंध में मापदण्ड निर्धारित करने के लिए 8 अक्तूबर,1989 को अल्मोड़ा में प्रश्नों के नमूने विकसित करने हेतु एक कार्यशाला आयोजित की गई । इस कार्यशाला में 22 विशेषज्ञों ने भाग लिया । निम्नलिखित छः क्षेत्रों में प्रश्न तैयार किए गए :

(1) एक भाषा में अर्थग्रहण और अभिव्यक्ति
(2) एक विद्यालय-विषय में संप्राप्ति
(3) समकालीन भारतीय स्थिति की जानकारी
(4) शिक्षण क्षमता (बोधात्मक)
(5) शिक्षण क्षमता
(6) साक्षात्कार और/या सामूहिक चर्चा

दिल्ली में 19 से 21 फरवरी, 1990 तक इन प्रश्नों की समीक्षा और सम्पादन के लिए एक विशेषज्ञ दल की बैठक हुई । देश में अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए छात्रों के चयन हेतु लगभग 600 प्रश्नों को नमूने के परीक्षणों के लिए अन्तिम रूप दिया गया तथा उनके प्रयोग की सिफारिश की गई ।

रा. अ. शि. परिषद् की माध्यमिक और महाविद्यालय अध्यापक शिक्षा समिति की तेरहवीं बैठक

30 मार्च, 1990 को (1) अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या के विभिन्न घटकों के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास; (2) अध्यापक शिक्षा में मानव शक्ति नियोजन; (3) अध्यापक को व्यावसायिक रूप से तैयार करने के लिए शैक्षणिक मॉडल; (4) पाठ्यचर्या सम्पादन की देशी नीति का विकास; तथा (5) दूरस्थ शिक्षा विधि द्वारा अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम विषयों पर विचार करने के लिए रा. अ. शि. प. की माध्यमिक और महाविद्यालय अध्यापक शिक्षा समिति की बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई।

रा. अ. शि. प. बुलेटिन

रा.अ.शि.प. ने मार्च, 1989; जून, 1989 और सितम्बर-दिसम्बर, 1989 को रा. अ. शि. प. बुलेटिन के तीन अंक निकाले । बुलेटिन के इन तीन अंकों में पत्राचार द्वारा बी. एड. शिक्षण व्यवसाय में प्रवेश और प्रारम्भिक अध्यापक शिक्षा की द्विविधा से संबंधित विषयों को उजागर किया गया । अध्यापक शिक्षा में लगे व्यावसायिकों और संस्थानों में संचार का एक माध्यम स्थापित करने के लिए यह एक आन्तरिक त्रैमासिक पत्रिका है। इसके सभी अंकों को रा. अ. शि. प. की विभिन्न शैक्षणिक स्थायी समितियों के सदस्यों, राज्य शिक्षा संस्थानों/राज्य शै. अ. प्र. प., रा. अ. शि. बोर्ड, डी. पी. आई. के सदस्यों, सारे देश के अध्यापक शिक्षा संस्थानों, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों, क्षेत्रीय सलाहकारों, महाविद्यालयों के विभागों/एककों के अध्यक्षों, कुलपतियों और राज्यों के शिक्षा सचिवों में व्यापक रूप से बाँटा जाता है ।

सेमिनार रीडिंग कार्यक्रम

1989-90 के दौरान अ. शि. वि. शि. वि. से. विभाग ने विषयक उपागम के प्रारम्भ द्वारा अध्यापक-शिक्षकों के अखिल भारतीय सेमिनार रीडिंग कार्यक्रम प्रतियोगिता की योजना में कुछ संशोधन किया। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के ''अध्यापक शिक्षा में नवाचार : अध्यापक-शिक्षकों के लिए सेमिनार रीडिंग योजना'' की विवरणिका की बीस हजार प्रतियाँ मुद्रित करवाई गईं। विवरणिका की पर्याप्त प्रतियाँ प्रारम्भिक और माध्यमिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों तथा अध्यापक शिक्षा से संबंधित अन्य सभी एजेन्सियों को भेजी गईं। अध्यापक-शिक्षकों से भाषा-पद्धति (पहली, दूसरी, तीसरी) गणित, पर्यावरणीय अध्ययन (विज्ञान/सामाजिक अध्ययन) कार्य अनुभव, कला शिक्षा और स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा इत्यादि के शिक्षण में नवाचार से संबंधित विषयों पर उच्च कोटि के शोध-पत्र आमंत्रित करने के लिए जन-संचार माध्यमों के जरिए भी प्रचार किया गया।

16 राज्य शै. अ. प्र. प./राज्य शि. सं. के माध्यम से अध्यापक-शिक्षकों से शोध-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए उत्कृष्ट नवाचार शोध-पत्रों की जाँच और मूल्यांकन के लिए तीन मूल्यांकनकर्ताओं का एक दल गठित किया गया । 14 से 16 फरवरी, 1990 तक इन मूल्यांकनकर्ताओं की एक बैठक नई दिल्ली में हुई । 40 शोध-पत्रों में से 13 उत्कृष्ट शोध-पत्रों को तीन निकषों : विषय की मौलिकता, विषय का प्रस्तुतीकरण और आयोजन तथा उपयोगिता, के आधार पर राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया ।

अध्यापक-शिक्षकों के लिए सेमिनार रीडिंग कार्यक्रम की सोलहवीं अखिल भारतीय प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं की एक बैठक 20 और 21 मार्च, 1990 को मद्रास में आयोजित की गई । तेरह नवाचाररत और सर्जनशील अध्यापक शिक्षकों, जिनमें से आठ माध्यमिक अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के शिक्षा विभागों तथा पाँच माध्यमिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान और जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों से थे, को राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आमंत्रित किया गया । उन्हें अनेक शोधकर्ताओं , प्रमुख व्यक्तियों और अन्य अध्यापक-शिक्षकों के सम्मुख अपने पुरस्कृत शोध-पत्रों को प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया गया। विचार-विमर्श के दौरान पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं ने अपनी आशु विकसित शिक्षण एवं प्रशिक्षण सामग्री का प्रदर्शन भी किया ।

पुरस्कृत 13 शोध-पत्रों में से चार विज्ञान शिक्षण पद्धति, तीन गणित, तीन भाषा, एक-एक पर्यावरणीय शिक्षा, मानसिक दुर्बलता तथा अध्यापक शिक्षा संबंधी विषयों पर थे। जिन अध्यापक शिक्षकों ने पुरस्कार प्राप्त किये वे इस प्रकार थे : डा. चम्पक लाल जे. शाह, श्रीमती डी. एच. पंचाल और डा. डी. सी. भट्ट (गुजरात), श्री सर्वोत्तम वर्मा और डा. डी. डी. मिश्रा (मध्य प्रदेश) श्रीमती नडकर पुष्पा सुधांशु और डा. (श्रीमती) एच. एन. पारासनिस (महाराष्ट्र), डा. एस के अरोड़ा (हरियाणा) श्री पाठ श्रीकांतन नायर (केरल), डा. (श्रीमती) तेहल कोहली (पंजाब), डा. आर. सीताराम (तमिलनाडु) डा. डी. पी. मुकर्जी (पश्चिमी

बंगाल) और श्रीमती निरूपा जेतमनी (दिल्ली)।

पुरस्कृत शोध-पत्रों को अन्य अध्यापक-शिक्षकों के उपयोग के लिए बहुत से अध्यापक शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालय शिक्षा विभागों को भेजा गया ।

विकलांगों के लिए शिक्षा

विकलांग बच्चों की शिक्षा को उन्नत बनाने के लिए शोध, विकास, प्रशिक्षण और विस्तार कार्यकलाप राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा, विस्तार सेवा विभाग में महत्वपूर्ण क्रियाकलाप हैं । 1988-89 के दौरान परिषद् द्वारा विकलांगों की शिक्षा कार्यक्रम का मुख्य केन्द्र बिन्दु सभी के लिए शिक्षा के ध्येय को पूरा करने को ध्यान में रखते हुए विकलांग बच्चों के लिए राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में शैक्षिक सेवाओं के प्रभावी कार्यान्वयन संबंधी क्षमताओं को विकसित करना रहा है । वर्ष 1989-90 के दौरान अ. शि. वि. शि. वि. से. विभाग द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यकलापों में विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा योजना (आई. ई. डी. सी.) के सम्बन्ध में राज्य में प्रारम्भ किए जाने वाले समर्थन कार्यक्रम, यूनिसेफ सहायता प्राप्त विकलांगों के लिए संघटित शिक्षा परियोजना (पी. आई. ई. डी.) के अन्तर्गत विकलांगों की शिक्षा के लिए निर्धारित विषय-वस्तु प्रणाली का विकास, विकलांगों की शिक्षा के लिए शैक्षिक खिलौने विकसित करना, विकलांगों की शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर अध्यापक-शिक्षकों और अध्यापकों को प्रशिक्षण, विकलांगों की शिक्षा पर अनुदेशी/प्रशिक्षण सामग्रियों का विकास करना सम्मिलित थे ।

विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा का समर्थन

वि. ब. सं. शि. योजना (आई. ई. डी. सी.) का कार्यान्वयन अभी भी कई राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में प्रारम्भ नहीं हुआ है । जहाँ इसका कार्यान्वयन किया गया है वहाँ भी इस योजना के अंतर्गत लाभ पाने वाले बच्चों की संख्या बहुत कम है । समर्थन कार्यक्रमों का आयोजन सामूहिक तौर पर तथा पृथक-पृथक राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में किया गया । मा. सं. वि. मंत्रालय के प्रतिनिधियों तथा अ. शि. वि. शि. विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न राज्यों का दौरा किया तथा शिक्षा-सचिवों और शिक्षा निदेशकों से विचार-विमर्श किया । परिणाम स्वरूप वर्ष 1989-90 के दौरान आन्ध्र प्रदेश, गोआ, गुजरात, पंजाब और पश्चिमी बंगाल में वि. ब. सं. शि. योजना प्रारम्भ की गई। केन्द्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति ने इस योजना को सैद्धान्तिक रूप में स्वीकार कर इसके कार्यान्वियन के लिए कदम उठाये हैं ।

वि. ब. सं. शि. योजना के कार्यान्वियन की अवस्थिति निर्धारण का अध्ययन

मा. सं. वि. मंत्रालय के अनुरोध पर विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में मैक्रो (राज्य स्तर) तथा माइक्रो (संस्थानों,लाभभोगियों, समुदाय सदस्यों अध्यापकों और प्रशासकों) स्तरों पर वि. ब. सं. शि. के कार्यान्वयन की अवस्थिति निर्धारण और अनुदान के उपयोग के तरीकों का अध्ययन किया गया । माइक्रो स्तर अध्ययन में संस्थानों के अध्यक्षों, सामान्य अध्यापकों, विशेष अध्यापकों, विकलांग बच्चों, सामान्य बच्चों और अभिभावकों के साक्षात्कार लिए गए । विकलांग बच्चों के सोशियो-मैट्रिक संबंधों के बारे में भी अध्ययन किया गया । अध्ययन पूरा हो चुका है तथा बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, नागालैंड, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों तथा अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह व दिल्ली संघ शासित क्षेत्रों के संबंध में चर्चित वर्ष के दौरान रिपोर्ट तैयार की गई।

एन.जी. ओ. और राज्य अधिकारियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा की केन्द्रीय प्रयोजित योजना में उनकी प्रतिभागिता दर्शाने के लिए 17 और 18 अगस्त, 1989 को नई दिल्ली में एन. जी. ओ. और राज्य अधिकारियों का एक

राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया । इस सम्मेलन में एन. जी. ओ. और शिक्षा विभागों के अधिकारियों के 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया । जो एन. जी. ओ.,वि. ब. सं. शि. कार्यक्रम को प्रारम्भ करने वाले हैं उन्होंने भी इस सम्मेलन में भाग लिया । इस सम्मेलन के दौरान वि. ब. सं. शि. के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई और एन. जी. ओ. की सरकार से अपेक्षाओं तथा केन्द्र व एन. जी. ओ. स्तर पर योजना के प्रबन्ध से संबंधित विषयों पर विचार किया गया । सम्मेलन में मुख्य रूप से की गई सिफारिशें इस प्रकार थीं : एन. जी. ओ. के प्रस्तावों के प्रक्रियन का सरलीकरण, राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावों को भेजने में देरी होने पर कार्य करने वाली संस्थाओं को सीधे वित्तीय सहायता देना, संशोधित योजना के अनुसार अवसंरचना को वैज्ञानिक रूप देने के लिए दो-तीन वर्ष का समय प्रदान करना, जन जातीय और दूरगामी ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के कार्यान्वियन के लिए एन. जी. ओ. को वित्तीय सहायता देने के लिए विशेष रूप से विचार करना । वि. ब. सं. शि. को सामान्य शिक्षा तंत्र के एक अनिवार्य घटक के रूप में विचार करना, अन्य अध्यापकों की भाँति ही विशेषज्ञ अध्यापकों को समान सेवा शर्तें प्रदान करना । राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनिकों को विकलांगों को सामान्य विद्यालयों में प्रवेश देने की सलाह देना, आई. ई. डी. प्रकोष्ठों और एन. जी. ओ. के साथ पारस्परिक संबंध रखना, योजना के कार्यान्वयन हेतु एन. जी. ओ. के प्रमुख व्यक्तियों को प्रशिक्षण देना, क्षे. शि. म. के माध्यम से विशेषज्ञ अध्यापकों को सेवाकालीन प्रशिक्षण देना और अनुदेशी सामग्री का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करना और प्रकाशित कराना।

विश्वविद्यालय संकाय के लिए विशेष शिक्षा में उभरती हुई प्रवृत्तियों पर अभिविन्यास

विशेष शिक्षा में उभरती हुई प्रवृतियों पर दिनांक 12 जून से 23 जून, 1989 तक विश्वविद्यालयों और शिक्षा महाविद्यालयों के विशेष शिक्षा विभागों/एककों के संकाय सदस्यों के लिए नई दिल्ली में एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक और तमिलनाडु के 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया । पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष शिक्षा के सिद्धांतों तथा व्यवहार के संबंध में हुई नई बातों का ज्ञान देना था। इसमें विकलांग बच्चों के लिए संघटित शिक्षा की सफल कार्यान्वयन पद्धतियों को भी सम्मिलित किया गया था ।

विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा पर उत्तरी राज्यों के शैक्षिक प्रशासकों का अभिविन्यास

29 से 31 अगस्त, 1990 तक नई दिल्ली में उत्तरी राज्य के शिक्षा प्रशासकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया । हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के शिक्षा निदेशालयों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों, जिला तथा खण्ड शिक्षा कार्यालयों से 30 प्रशासकों ने उसमें भाग लिया । विकलांगों की शिक्षा की पैरवी करने के अतिरिक्त प्रतिभागी प्रशासकों को विकलांगों की शिक्षा के लिए प्रभावी नियोजन और कार्यक्रम प्रबन्ध की कार्यविधि में भी अभिविन्यास प्रदान किया गया ।

विकलांगों के लिए संघटित शिक्षा परियोजना पी. आई. ई. डी.

यूनिसेफ-सहायता प्राप्त परियोजना ''विकलांगों के लिए संघटित शिक्षा'' के अर्न्तगत विकलांग बच्चों की शिक्षा के संबंध में संदर्भ आधारित शिक्षा कार्यनीतियों के विकास की दिशा में विभिन्न कार्याकलाप किए गए । वि. सं. शि. प. का मुख्य उद्देश्य सामान्य विद्यालयों में विकलांग बच्चों के नामांकन में वृद्धि करना ताकि वे भी अन्य बच्चों के साथ शिक्षा प्राप्त कर सकें,विधि तथा सामग्री में विकलांग बच्चों की जरूरतों के अनुसार परिर्वतन कर उन्हें बेहतर शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करना ताकि वे विद्यालय छोड़कर न जाएं, और पाठ्यचर्या, शिक्षण उनकी शिक्षा प्रक्रिया को तीव्र बनाने के लिए संदर्भ आधारित शिक्षण पद्धतियों का विकास करना है। 1989-90 के दौरान यह परियोजना हरियाणा में भिवानी खण्ड, मध्य प्रदेश में मस्तूरी खण्ड, महाराष्ट्र में पालघर खण्ड, मिजोरम

में खजावल खण्ड, नागालैण्ड में केकरूमा खण्ड, उड़ीसा में वालिअन्ता खण्ड, राजस्थान में चपरा खण्ड, तमिलनाडु में कट्टानकूलन्थर खण्ड, दिल्ली की तीन झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों (जे. जे. कालोनी), और बड़ौदा नगर निगम की किसानवाड़ी में कार्यान्वित की गई । वर्ष 1989-90 के दौरान वि. सं. शि.प. के अर्न्तगत निम्नलिखित मुख्य कार्यकलाप किए गये :

दिल्ली और बड़ौदा नगर निगमों की नियोजन बैठकें : 1990 के लिए कार्रवाई योजना विकसित करने के लिए दिल्ली और बड़ौदा नगर निगम के शिक्षा अधिकारियों और रा. शै. अ. प्र. परिषद् के संकाय की 22 और 23 मार्च, 1990 को नई दिल्ली में पहली नियोजन बैठक आयोजित की गई । परियोजना क्षेत्रों का सीमा निर्धारण किया गया तथा विकलांग बच्चों की पहचान और अध्यापकों के प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत योजना बनाई गई। कार्रवाई योजना को यूनिसेफ और रा. शै. अ.प्र. परिषद् द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है तथा वि. सं. शि. के अर्न्तगत चयनित परियोजना क्षेत्रों में कार्य आरम्भ कर दिया गया है ।

विकलांग बच्चों की पहचान और निर्धारण: परियोजना क्षेत्र में जिन बच्चों की पहचान की जा चुकी थी उनका निर्धारण कर लिया गया और नये क्षेत्रों में पहचान का काम जारी रखा ।

समुदाय और अभिभावक संपर्क कार्यक्रम: विकलां बच्चों के निर्धारण और शैक्षिक सेवाओं के प्रावधान के लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए परियोजना क्षेत्रों में समुदाय और अभिभावक संपर्क स्थापित किया गया ।

विकलांग बच्चों के लिए सर्जनात्मक कला पर टेपस्लाइडों का विकास : वि. ब. सं. प. के अर्न्तगत विकलांग बच्चों के लिए सर्जनात्मक कला पर 160 स्लाइडें तैयार की गईं । यह कार्यक्रम 20 मिनट का है जिसमें सभी प्रकार की विकलांगता को सम्मिलित कर लिया गया है । टेपस्लाइड कार्यक्रमों की 50 प्रतियां तैयार की गईं और इन्हें क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों, राष्ट्रीय विकलांग संस्थानों, चयनित अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों और विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा परियोजना के अर्न्तगत आठ राज्यों में विकलांग बच्चों के संघटित शिक्षा प्रकोष्ठ को भेजा गया ।

विकलांग बच्चों के लिए कम कीमत के खिलौने की अभिकल्पना (डिजाइन) पर राष्ट्रीय कार्यशाला और प्रदर्शनी : विकलांग बच्चों के लिए कम कीमत के खिलौने की अभिकल्पना के लिए 7 और 8 नवम्बर, 1989 को दिल्ली में एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई । इस कार्यशाला में 31 विभिन्न संगठनों के 75 प्रतिभागियों और 6 खिलौना उत्पादकों ने भाग लिया । कार्यशाला में लगभग 5,000 खिलौने प्रदर्शित किये गये । कार्यशाला के दौरान शिक्षकों के लिए उसी स्थान पर खिलौनों की अभिकल्पना (डिजाइन) तैयार करने का भी आयोजन किया गया।

पाठ्यचर्या आधारित मूल्यांकन सामग्री का विकास (सी. बी. ए. एम.): सामूहिक शोध परियोजना के अर्न्तगत सामान्य विद्यालयों के बच्चों के साथ विकलांग बच्चों के शिक्षा कार्यक्रमों की छात्र संप्राप्ति का मूल्यांकन करने हेतु दिनांक 26 से 28 जुलाई, 1989 तक कक्षा 1 से 5 के लिए गणित और पर्यावरणीय अध्ययन पर प्रश्न तैयार करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई । इन परीक्षणों पर पाठ्यचर्या आधारित मूल्यांकन करने तथा बच्चों को प्रतिपुष्टि प्रदान करने के लिए किया जाएगा । इस तीन दिवसीय कार्यशाला में 60 प्रतिशत पाठ्यचर्या पर प्रश्न तैयार कर लिए गए। इस कार्यशाला में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

सामान्य विद्यालयों में श्रवण विकारग्रस्त बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विज्ञान शिक्षण पद्धति का समायोजन और अनुकूलन: विद्यालयों में श्रवण विकारग्रस्त बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विज्ञान शिक्षण पद्धति के समायोजन और अनुकूलन पर एक कार्यशाला 1से 5 अगस्त, 1989 तक गुड़गाँव में आयोजित की गई । इस कार्यशाला में 14 अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों ने भाग लिया । कक्षा 1 से 5 तक के लिए पूर्वनिर्मित विज्ञान पाठ्यचर्या समायोजन और अनुकूलन तथा

शिक्षण सामग्री की समीक्षा की गई । इस कार्य पर आधारित एक पुस्तिका भी तैयार की गई जो प्रकाशनाधीन है ।

विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत सामान्य अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण : यूनिसेफ द्वारा सहायता प्राप्त वि. स. सं. शि. परियोजना में तीन स्तरों पर प्रशिक्षण दिया गया । 1989-90 में प्रशिक्षण कार्यक्रम का केन्द्र बिन्दु स्तर-3 का प्रशिक्षण कार्यक्रम था ।

एक-वर्षीय बहुवर्गीय प्रशिक्षण : चार क्षेत्रीय महाविद्यालयों ने अध्यापकों के लिए प्रायोगिक तौर पर एक-वर्षीय बहुवर्गीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किया । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जुलाई 1989 से 78 अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया । अध्यापक विकलांग बच्चों के साथ विद्यालय समूहों के उपक्षेत्रीय संसाधन केन्द्रों मे कार्य करेंगे। इस अवधि के दौरान विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा परियोजना खण्ड के अध्यापकों को स्तर-1 और स्तर- 2 पर भी प्रशिक्षण दिया गया । 1989-90 में विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा के विभिन्न खण्डों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 9.2 में दिया गया है:

तालिका 9.2

1989-90 के दौरान विकलांग बच्चों की संघटित परियोजना के अर्न्तगत आयोजित विस्तार/अभिवि-यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	एल 1 (स्तर-1) सामान्य अध्यापकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण	फरवरी, 1989	भिवानी ब्लाक हरियाणा	120
2.	एल 2 (स्तर-2) पालघर खण्ड के सामान्य अध्यापकों के लिए छः सप्ताह का प्रशिक्षण	मार्च-अप्रैल, 1989	राज्य शै.अ.प्र.प. पुणे	28
3.	एल 1(स्तर-1) सामान्य अध्यापकों के लिए 15 दिन का प्रशिक्षण	मई-जून, 1989	चपरा खण्ड राजस्थान	45
4.	नियोजन और समीक्षा बैठक (पी.आई.ई.डी.)	6 मई, 1989	चपरा खण्ड राजस्थान	8
5.	विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों के लिए विशेष शिक्षा में उभरती प्रवृतियों पर अभिविन्यास कार्यक्रम	12 जून से 23 जुलाई, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	28
6.	एल 2 (स्तर-2) सामान्य अध्यापकों के लिए छः सप्ताह का प्रशिक्षण	मई से जुलाई, 1989	क्षे.शि.म. अजमेर	36
7.	एल 2 (स्तर-2) सामान्य अध्यापकों के लिए छः सप्ताह का प्रशिक्षण	मई से जून, 1989	कोहिमा	20
8.	आई.ई.डी.सी. के कार्यान्वियन पर एन.जी.ओ. का राष्ट्रीय सम्मेलन	17 और 18 अगस्त, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	60
9.	एल 1 (स्तर-1) सामान्य अध्यापकों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण	7 से 11 अगस्त, 1989	भिवानी हरियाणा	80

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
10.	उत्तरी राज्यों के शैक्षिक प्रशासकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	29 से 31 अगस्त, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	30
11.	पी.आई.ई.डी. प्रबन्ध पर परियोजना समूह के लिए प्रशिक्षण	21 अगस्त से 4 सितम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
12.	एल (स्तर-3)एक वर्षीय बहुवर्गीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	जुलाई, 1989	क्षे.शि.म. अजमेर	10
13.	यूनिसेफ सहायता प्राप्त पी.आई.ई.डी. की समीक्षा	11 और 12 सितम्बर, 1989	नई दिल्ली	6
14.	एल 1 (स्तर-1) सामान्य अध्यापकों के लिए 5 दिन का प्रशिक्षण	26 से 30 सितम्बर, 1989	पालघर खण्ड	46
15.	पी.आई.ई.डी. पर समन्वयन समिति की बैठक	19 मार्च, 1989	बिलासपुर	15
16.	ग्रामीण गन्दी बस्तियों के लिए पी.आई.ई.डी. पर नियोजन समिति	22 और 23 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	7
17.	शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए त्रैमासिक समीक्षा बैठक	5 अगस्त, 1989	केकरूमा खण्ड उड़ीसा	15
18.	खण्ड स्तर पर समन्वयन समिति की बैठक	9 मार्च, 1990	बल्लियन्ता खण्ड उड़ीसा	15
19.	जिला स्तर पर समन्वयन समिति की बैठक	19 मार्च, 1990	बिलासपुर मध्य प्रदेश	14
20.	अभिभावक सम्पर्क कार्यक्रम	20 मार्च, 1990	बिलासपुर मध्य प्रदेश	10
21.	सामुदायिक जागरुकता कार्यक्रम	21 मार्च, 1990	मस्तोरी खण्ड मध्य प्रदेश	77
22.	त्रैमासिक समीक्षा समिति	26 मार्च, 1990	मस्तोरी खण्ड मध्य प्रदेश	14
23.	शिक्षा के लिए माध्यम समर्थन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	22 और 23 अक्तूबर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	35
24.	एल 2 (स्तर-2) सामान्य अध्यापकों के लिए छः सप्ताह का प्रशिक्षण		बलियन्ता खण्ड उड़ीसा	3
25.	समीक्षा और नियोजन बैठक (पी.आई.ई.डी.)	12 और 13 दिसम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	25

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
26.	मापन, मूल्यांकन और पाठ्यचर्या समायोजन पर बैठक	4 और 5 दिसम्बर, 1989	भोपाल	13
27.	भारत में विशेष शिक्षा केन्द्रों के मानचित्रण (रूपरेखा) के संबंध में प्रारम्भिक बैठक	20 मार्च, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	5
28.	शहरी गन्दी बस्तियों के लिए पी.आई.ई.डी.	14 मार्च, 1990	दिल्ली	5
29.	पी.आई.ई.डी. समन्वय समिति बैठक	19 और 20 मार्च, 1990	बिलासपुर मध्य प्रदेश	11

दृष्टिदोष ग्रस्त बच्चों की शिक्षा पर पुस्तिका का विकास: शेष दृष्टि पर केन्द्रित

रा. शै. अ. प्र. प. के विशेष शिक्षा एकक के एक समूह ने दृष्टि-दोष ग्रस्त बच्चों की शिक्षा पर एक पुस्तिका तैयार की। इसकी समीक्षा के लिए 21 से 23 फरवरी, 1990 को देहरादून में आयोजित एक कार्यशाला भी की गई। इस कार्यशाला में 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यात्मक मूल्यांकन संदर्शिका

वि. ब. सं. शि. प. के अर्न्तगत अंग्रेजी में कार्यात्मक मूल्यांकन संदर्शिका (एफ. ए. जी.) विकसित कर मुद्रित की गई। इसका उद्देश्य विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की योग्यताओं और सीमाओं के संबंध में सूचनाएं एकत्रित करने के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त बनाना था। यह अध्यापकों तथा समर्थन खण्डों से संबंधित कार्यकर्ताओं के अभिन्यास के लिए संसाधन सामग्री के रूप में भी प्रयुक्त हो सकती है।

संचार : विकलांगों के लिए समान शैक्षिक अवसर

सूचना पत्र के दो अंक निकाले गए और परियोजना क्षेत्रों, विद्यालयों और वि. ब. सं. शि. की योजना के अंतर्गत आने वाले अन्य संस्थानों में इनका प्रचार किया गया।

प्रकाशन

आलोच्य वर्ष में अ. शि. वि. शि. वि. से. विभाग द्वारा निम्नलिखित प्रकाशन निकाले गये :

(1) *अ. जा./ज. जा. और गैर अ. जा./ज. जा. छात्र-अध्यापकों की संप्राप्ति के साथ उनकी स्व-संकल्पना, अभिरुचि और समायोज का संबंध: एक तुलनात्मक अध्ययन (अप्रैल-1989)।*

(2) *भारतीय शिक्षकों की अवस्थिति : एक एरिक अध्ययन (दिसम्बर-1989)।*

(3) *दूरस्थ शिक्षा पद्धति द्वारा अध्यापक शिक्षा (मार्च) 1990।*

(4) *अध्यापक शिक्षा में नये विचार और प्रयोग: अध्यापक शिक्षकों के लिए सेमिनार रीडिंग कार्यक्रम के पुरस्कृत शोध-पत्र (मार्च 1990)।*

(5) *राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् बुलिटन—खण्ड 1 सं. 1 मार्च 1989 सं. 2 जून 1989 तथा सं. 3 सितम्बर-दिसम्बर, 1989।*

(6) *प्रारम्भिक और माध्यमिक अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या (1990) के मार्गदर्शी सिद्धान्त तथा पाठ्य विवरण।*

(7) *जिला अध्यापक शिक्षा और प्रशिक्षण (1989) के लिए उपकरणों और फर्नीचर की सूची (कुछ सुझाव)।*

(8) *कार्यात्मक निर्धारण संदर्शिका।*

(9) *दृष्टिदोष ग्रस्त बच्चों की शिक्षा शेष दृष्टि पर केन्द्रित।*

1989-90

दस

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय

सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा के नवाचार कार्यक्रमों को विकसित करना क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों का एक मुख्य कार्य है। ये महाविद्यालय, विद्यालय-शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अनुसंधान अध्ययन अध्यापक-शिक्षकों, अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों के प्रयोग के लिए अनुदेशात्मक सामग्रियों के विकास, और विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए प्रशिक्षण और विस्तार कार्यकलाप करने में लगे हैं।

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) उसके अधिकार-क्षेत्र में आने वाले राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। अजमेर का क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों और दिल्ली एवं चण्डीगढ़ संघ शासित क्षेत्रों की आवश्यकता की पूर्ति करता है। भोपाल का क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों तथा दादरा और नगर हवेली और गोवा दमन और दीव संघ शासित क्षेत्रों की शिक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैण्ड, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा राज्यों और अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ शासित क्षेत्रों की शिक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा की जाती है। आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु राज्यों तथा लक्ष्यद्वीप और पाण्डिचेरी संघ शासित क्षेत्रों की शिक्षा सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर द्वारा की जाती है।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अमजेर बी.एस.सी. (आनर्स/पास) बी.एड. डिग्री के लिए विज्ञान शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम; विज्ञान/कृषि/वाणिज्य/भाषा (अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू) में विशेषज्ञता सहित बी.एड. डिग्री के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम; विज्ञान / वाणिज्य/भाषा में विशेषज्ञता सहित एक वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम और बी.एड. डिग्री पाठ्यक्रम चलाता है। महाविद्यालय में शिक्षा और विज्ञान में पी.एच.डी. के विद्यार्थियों को पंजीकृत कराने की भी व्यवस्था है।

नामांकन

क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा वर्ष 1989-90 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के नामांकन का ब्यौरा तालिका 10.1 और 10.2 में दिया गया है ।

तालिका 10.1

1989-90 में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर में सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों का (राज्यवार) नामांकन

क्रमांक	*पाठ्यक्रम*	*नामांकन*	*राज.*	*उ.प्र.*	*पंजाब*	*हरियाणा*	*हि. प्र.*	*दिल्ली*	*जम्मू कश्मीर*	*चंडीगढ़*	*कुल*
1.	बी.एड. (विज्ञान)	77	19	22	8	8	5	8	5	2	77
2.	बी.एड. (कृषि)	30	5	24	–	1	–	–	–	–	30
3.	बी.एड. (वाणिज्य)	29	7	15	2	–	1	4	–	–	29
4.	बी.एड. (हिन्दी)	38	8	17	1	5	2	5	–	–	38
5.	बी.एड. (अंग्रेजी)	28	7	10	2	2	4	2	–	–	28
6.	बी.एड. (उर्दू)	31	16	13	–	–	–	2	–	–	31
7.	प्रथम वर्ष बी.एस.सी. (एच./पी.) बी.एड.	82	23	30	8	4	4	9	2	2	82
8.	द्वितीय वर्ष बी.एस.सी. (एच./पी.) बी.एड.	59	–	–	–	–	–	–	–	–	59
9.	तृतीय वर्ष बी.एस.सी. (एच./पी.) बी.एड.	47	–	–	–	–	–	–	–	–	47
10.	चतुर्थ वर्ष बी.एस.सी. (एच/पी.) बी.एड.	58	–	–	–	–	–	–	–	–	58
11.	एम.एड. (प्रवेश राज्यशः नहीं किया गया)	15	–	–	–	–	–	–	–	–	15
	कुल	494	–	–	–	–	–	–	–	–	494

तालिका 10.2

1989-90 सत्र में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय,अजमेर में सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में अ.जा./ज.जा. का नामांकन

क्रमांक	*कक्षा*	*कुल विद्यार्थी*	*नामांकन*	
			अ.जा.	*अ.ज.जा.*
1.	बी.एड. (विज्ञान)	77	12	1
2.	बी.एड. (कृषि)	30	5	3
3.	बी.एड. (वाणिज्य)	29	7	1

1989-90

क्रमांक	कक्षा	कुल विद्यार्थी	नामांकन	
			अ.जा.	अ.ज.जा.
4.	बी.एड. (हिन्दी)	38	7	1
5.	बी.एड. (अंग्रेजी)	28	6	–
6.	बी.एड. (उर्दू)	31	–	–
7.	प्रथम वर्ष बी.एड. (एच.पी.) बी.एड	82	4	2
8.	द्वितीय वर्ष बी.एड. (एच.पी.) बी.एड.	59	–	–
9.	तृतीय वर्ष बी.एड. (एच./पी.) बी.एड.	47	3	–
10.	चतुर्थ वर्ष बी.एड. (एच./पी.) बी.एड.	58	1	1
11.	एम.एड.	15	3	–
	कुल	494	48	9

परीक्षाफल

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के परीक्षाफल तालिका 10.3 में दिये गये हैं।

तालिका 10.3

1989 में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे विद्यार्थी	उत्तीर्ण विद्यार्थी	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	बी.एड. (विज्ञान)	65	64	98.46
2.	बी.एड. (कृषि)	20	20	100.00
3.	बी.एड. (वाणिज्य)	25	24	96
4.	बी.एड. (हिन्दी)	33	33	100.00
5.	बी.एड. (अंग्रेजी)	32	32	100.00
6.	बी.एड. (उर्दू)	22	22	100.00
7.	प्रथम वर्ष बी.एस.सी. (एच./पी.) बी.एड.	67	59	88.05
8.	द्वितीय वर्ष बी.एस.सी. (एच./पी.)बी.एड.	53	46	86.79

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे विद्यार्थी	उत्तीर्ण विद्यार्थी	उत्तीर्ण प्रतिशत
9.	तृतीय वर्ष बी.एस.सी. (एच./पी.)बी.एड.	61	59	96.72
10.	चतुर्थ वर्ष बी.एस.सी. (एच./पी.) बी.एड.	38	38	100.00
11.	एम.एड.	15	15	100.00

प्रशिक्षण/ अभिविन्यास/ विस्तार कार्यक्रम

क्षे.शि.म. अजमेर ने अपने अर्न्तगत आने वाले राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की आवश्यकताओं और माँगों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर 9 कार्यशालाएं/बैठकें/संगोष्ठियाँ आयोजित कीं। वर्ष 1989-90 में क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 10.4 और 10.5 में दिया गया है।

तालिका 10.4

वर्ष 1989-90 में क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ

क्रमांक	कार्यशाला का शीर्षक	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	राज्य शि.सं./राज्य शै.अ.प्र.प. के निदेशकों और अन्य शैक्षिक अधिकारियों की संगोष्ठी का सम्मेलन	29 से 31 अगस्त, 1989	अजमेर	12
2.	मूल्य शिक्षा पर कार्यशाला (अध्यापक-शिक्षकों या माध्यमिक प्रशिक्षण (संस्थानों) के लिए संदर्शिका तैयार करना)	19 से 24 सितम्बर, 1989	इलाहाबाद	18
3.	हिन्दी टंकण पर अध्यापक संदर्शिका के लिए पाण्डुलिपि तैयार करने पर कार्यशाला	25 से 30 सितम्बर, 1989	अजमेर	11
4.	विद्यालय शिक्षा में सुधार के लिए पर्यवेक्षीय स्टाफ के कार्यों तथा पुस्तिका विकास पर संगोष्ठी	28 सितम्बर से 30 अक्तूबर, 1989	जयपुर	11
5.	राजस्थान उच्चतर शिक्षा के +2 स्तर की कक्षा–11 के लिए गणित की अध्यापक संदर्शिका तैयार करने हेतु कार्यशाला	14 से 23 नवम्बर, 1989	गुड़गांव	15

क्रमांक	कार्यशाला का शीर्षक	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
6.	शिक्षण इण्टरशिप में सहयोगी विद्यालयों के प्राचार्यों/प्रधानाचार्यों का शिक्षण में सम्मेलन	8 से 11नवम्बर, 1989	अजमेर	35
7.	+2स्तर पर रसायन विज्ञान प्रयोगों में सेमी–माइक्रो तकनीकों पर कार्यशाला (सी.बी.एस.सी.)	21 से 25 जनवरी, 1990	अजमेर	10
8.	व्यावहारिक अनुसंधान में बहुचर विश्लेषण पर कार्यशाला	6 से 12 फरवरी, 1990	वाराणसी	18
9.	दूरस्थ शिक्षा में निजी शिक्षकों की भूमिका और उनके कार्यों पर मैनुअल विकसित करने के लिए कार्यशाला	19 से 24 मार्च, 1990	इलाहाबाद	10

तालिका 10.5

1989-90 में क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा अन्य अभिकरणों के कार्यक्रमों का आयोजन

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	प्रायोजिक अभिकरण
1.	वाणिज्य और कृषि में डी.एम. विद्यालयों के अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	13 से 26 अक्तूबर 1989	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
2.	विकलांगों के लिए विशेष–शिक्षा में पी.आई.ई.डी. कार्यक्रम	25 मार्च से 8 जुलाई, 1989	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
3.	राजस्थान राज्य के वरिष्ठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राध्यापकों के लिए गणित, रसायन विज्ञान, भौतिकी एवं जीव-विज्ञान में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम	17 जून से 5 जुलाई, 1989	म.स.वि.म.
4.	राजस्थान के राज्य शै.अ.प्र.प. संस्थान के अधिकारियों की बैठक	22 से 24 जून, 1989	म.स.वि.म.
5.	उत्तरी क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकारों की बैठक	5 अक्तूबर, 1989	क्षे.शि.म., अजमेर
6.	नेहरू और धर्मनिर्पेक्षता पर संगोष्ठी	7 और 8 नवम्बर, 1989	अजमेर, विश्वविद्यालय

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	अवधि	प्रायोजिक अभिकरण
7.	लेखाशास्त्र में राज्य स्तर के प्रमुख व्यक्तियों के लिए कार्यशाला (वाणिज्य समूह)	23 से 30 दिसम्बर, 1989	राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर
8.	कार्यालय कार्य में पाठ्यपुस्तक के विकास पर कार्यशाला (व्यावसायीकरण)	1 से 9 मार्च,1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
9.	अ.जा./ज.जा. विद्यार्थियों के लिए बोधात्मक परिपक्वता, स्व-कल्पना आकांक्षाओं का स्तर और अधिगम अयोग्यता के क्षेत्र में उपकरणों के विकास पर कार्यशाला	24 से 28 फरवरी,1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
10.	पर्यावरणीय जानकारी पर्यावरणीय सुख	5 से 6 मार्च, 1990	क्षे.शि.म., अजमेर
11.	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान में नये उभरते क्षेत्रों में संवर्धन कार्यक्रम	23 से 29 मार्च,1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा प्रकाशित प्रकाशन

क्षे.शि.म. अजमेर अनुसंधान रिपोर्ट,मोनोग्राफ और पत्रिकाएं प्रकाशित करता है। महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित 2 पत्रिकाएं इस प्रकार हैं :

1. द *एजूकेशनल ट्रेण्ड*–अर्द्ध-वार्षिक शोध पत्रिका
2. *स्कूल साईन्स रिसोर्स लैटर*–त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय,भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल बी.एस.सी., बी.एड. डिग्री के लिए विज्ञान शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम; बी.ए.बी.एड. डिग्री के लिए अंग्रेजी में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम; विज्ञान/वाणिज्य में विशेषज्ञता सहित एक वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम; प्रारम्भिक शिक्षा में विशेषज्ञता सहित एक वर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम और विज्ञान,शिक्षा, शैक्षिक प्रशासन और मार्गदर्शन में विशेषज्ञता सहित एक वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम चलाता है ।

नामांकन

1989-90 शैक्षिक सत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन का ब्यौरा तालिका 10.6 से 10.8 में दिया गया है ।

तालिका 10.6

1989-90 में क्षे.शि.म. भोपाल में सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में नामांकन

		नामांकन (वर्षवार)				
क्रमांक	*पाठ्यक्रम*	*प्रथम*	*द्वितीय*	*तृतीय*	*चतुर्थ*	*कुल*
1.	बी.ए.बी.एड.	31	27	27	23	108
2.	बी.एस.सी. बी.एड.	73	46	65	57	241
3.	बी.एड. वाणिज्य	43	–	–	–	43
4.	बी.एड. विज्ञान	59	–	–	–	59
5.	बी.एड. (प्राथमिक शिक्षा)	41	–	–	–	41
6.	एम.एड.	13	–	–	–	13
7.	एम.एड. (प्राथमिक शिक्षा)	7	–	–	–	7
	कुल	267	73	92	80	512

तालिका 10.7

1989-90 में क्षे.शि.म. भोपाल में सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार/संघ शासित क्षेत्रवार नामांकन

			राज्यशः नामांकन				
क्रमांक	*पाठ्यक्रम*	*कुल*	*म.प्र.*	*महा.*	*गुज.*	*गोआ द.दी.*	*कुल*
1.	बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष	31	27	3	–	1	31
2.	बी.ए.बी.एड. द्वितीय वर्ष	26	24	3	–	–	27
3.	बी.ए.बी.एड. तृतीय वर्ष	26	27	–	–	–	27
4.	बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष	30	23	–	–	–	23
5.	बी.एस.सी.बी.एड. प्रथम वर्ष	72	61	11	–	1	73
6.	बी.एस.सी.बी.एड. द्वितीय वर्ष	66	41	4	–	1	46
7.	बी.एस.सी.बी.एड. तृतीय वर्ष	60	60	2	3	–	65
8.	बी.एस.सी.बी.एड. चतुर्थ वर्ष	74	56	1	–	–	57
9.	बी.एड. (वाणिज्य)	38	16	17	7	3	43
10.	बी.एड. (विज्ञान)	61	16	25	18	–	50
11.	बी.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा)	41	13	13	10	5	41
12.	एम.एड.	14	11	1	–	1	13
13.	एम.एड. (प्ररम्भिक शिक्षा)	–	7	–	–	–	7
		539	382	80	38	12	512

तालिका 10.8

1989-90 में क्षे. शि.म. भोपाल में सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में अ.जा./ज.जा. का नामांकन

क्रमांक	पाठ्यक्रम	नामांकन			
		सामान्य	अ.जा.	ज.जा.	कुल
1.	बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष	29	2	–	31
2.	बी.ए.बी.एड. द्वितीय वर्ष	27	–	–	27
3.	बी.ए.बी.एड. तृतीय वर्ष	26	1	–	27
4.	बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष	23	–	–	23
5.	बी.एस.सी.बी.एड. प्रथम वर्ष	68	5	–	73
6.	बी.एस.सी.बी.एड. द्वितीय वर्ष	44	2	–	46
7.	बी.एस.सी.बी.एड. तृतीय वर्ष	64	1	–	65
8.	बी.एस.सी.बी.एड. चतुर्थ वर्ष	56	1	–	57
9.	बी.एड. (वाणिज्य)	34	7	2	43
10.	बी.एड. (विज्ञान)	46	12	1	59
11.	बी.एड. (प्राथमिक शिक्षा)	31	7	3	41
12.	एम.एड.	13	–	–	13
13.	एम.एड. (प्राथमिक शिक्षा)	7	–	–	7
		468	38	6	512

परीक्षाफल

1989-90 के शैक्षिक सत्र में क्षे.शि.म. भोपाल द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षाफल तालिका 10.9 में दिया गया है।

तालिका 10.9

1989 में क्षे.शि.म. भोपाल द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षाफल

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे छात्र			उत्तीर्ण			
		बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	प्रतिशत
1.	बी.एस.सी.बी.एड. प्रथम वर्ष (नया पाठ्यक्रम)	13	57	70	7	51	58	82.8
2.	बी.एस.सी.बी.एड. प्रथम वर्ष (पुराना पाठ्यक्रम)	8	6	14	–	2	2	14.3

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे छात्र बालक	बालिका	कुल	उत्तीर्ण बालक	बालिका	कुल	प्रतिशत
3.	बी.एस.सी.बी.एड. द्वितीय वर्ष	15	31	46	12	28	40	88.8
4.	बी.एस.सी.बी.एड. तृतीय वर्ष	11	54	65	8	47	55	84.6
5.	बी.एस.सी. बी.एड. चतुर्थ वर्ष	7	50	57	7	50	57	100.00
6.	बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष (नया)	4	27	31	3	25	28	90.3
7.	बी.ए.बी.एड. द्वितीय वर्ष	4	21	25	3	18	21	84.0
8.	बी.ए.बी.एड. तृतीय वर्ष	3	24	27	3	24	27	100.00
9.	बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष	2	21	23	2	21	23	100.00
10.	बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष (नया)	–	2	–	–	–	–	000.00
11.	बी.एड. (वाणिज्य)	30	13	43	30	13	43	100.00
12.	बी.एड. (विज्ञान)	45	14	59	45	14	59	100.00
13.	बी.एड. (प्राथमिक शिक्षा)	27	14	41	27	14	41	100.00
14.	एक वर्षीय बी.एड. वाणिज्य और विज्ञान (पुराना पाठ्यक्रम)	2	0	2	2	0	2	100.00
15.	एम.एड.क्षे.शि.म.	4	9	13	4	9	13	100.00
16.	एम.एड. (प्राथमिक शिक्षा)	5	2	7	5	2	7	100.00

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/विस्तार कार्यक्रम

1989-90 के दौरान क्षे.शि.म. भोपाल ने विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर 25 कार्यशालाएं/बैठकें/संगोष्ठियां और अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए । इन कार्यक्रमों का विवरण तालिका 10.10 में दिया गया है।

तालिका 10.10

1989-90 में क्षे.शि.म. भोपाल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/ विस्तार कार्यक्रम

क्रमांक	शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	मध्य प्रदेश और दादरा और नगर हवेली के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए पीमोस्ट के अर्न्तगत अभिविन्यास कार्यक्रम	3 से 7 अप्रैल, 1989	भोपाल	49

क्रमांक	शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	गुजरात और गोआ के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए पीमोस्ट के अन्तर्गत अभिविन्यास कार्यक्रम	10 से 14 अप्रैल, 1989	भोपाल	47
3.	महाराष्ट्र से शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए पीमोस्ट के अन्तर्गत अभिविन्यास कार्यक्रम	17 से 21 अप्रैल, 1989	भोपाल	60
4.	गृह विज्ञान में ग्रीष्म संस्था कार्यक्रम	19 से 27 जून, 1989	भोपाल	60
5.	आर.बी.आई. के अधिकारियों का प्रशिक्षण	3 से 22 जुलाई, 1989	भोपाल	30
6.	गणित में पुरस्कृत बच्चों के लिए संवर्द्धन पाठ्यक्रम	28 अगस्त से 2 सितम्बर, 1989	भोपाल	25
7.	शैक्षिक सुविधावंचित बच्चों पर अभिविन्यास कार्यक्रम	11 से 16 सितम्बर, 1989	महेश्वर	
8.	सी.बी.एल. पैकेजों के प्रयोग के लिए अध्यापकों का प्रशिक्षण	11 से 16 सितम्बर, 1989	भोपाल	19
9.	जन जातीय विद्यालयों के अध्यापकों के लिए अंग्रेजी शिक्षण पर अभिविन्यास कार्यक्रम सह-कार्यशाला	11 से 14 सितम्बर, 1989	रायपुर	19
10.	जीव-विज्ञान में अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	25 से 30 सितम्बर, 1989	भोपाल	11
11.	उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में व्यावसायिक अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	26 से 30 सितम्बर, 1989	भोपाल	12
12.	अध्यापक शिक्षा में सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला	3 से 12 अक्तूबर, 1989	भोपाल	30
13.	शिक्षण में लर्नर केंद्रित और कार्यकलाप उपागम पर अभिविन्यास कार्यक्रम	10 से 16 अक्तूबर, 1989	अमरकान्त	06
14.	मानविकी और सामाजिक अध्ययन में डी.एम.एस.के अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 24 अक्तूबर,1989	भोपाल	26
15.	आर्डिनेंस फैक्टरी, चन्द्रपुर के विद्यालय शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	16 से 26 अक्तूबर,1989	चन्द्रपुर	19

1989-90

क्रमांक	शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
16.	पुस्तक समीक्षा पर कार्यशाला	6 से 9 नवम्बर,1989	भोपाल	10
17.	नवोदय विद्यालय परीक्षा के संबंध में प्राचार्यों और डी.ई.ओ. के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	6 और 7 दिसम्बर,1989	भोपाल	70
18.	आर्डिनेंस फैक्टरी चन्द्रपुर के स्कूल अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	21 से 27 दिसम्बर, 1989	चन्द्रपुर	15
19.	नवोदय विद्यालय के पुस्तकालय के अध्यक्षों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	8 से 13 जनवरी, 1990	भोपाल	22
20.	+2 स्तर पर व्यावसायिक अध्यापकों के लिए कृषि में अभिविन्यास कार्यक्रम	22 से 27 जनवरी, 1990	भोपाल	21
21.	महाराष्ट्र में व्यावसायिक पाठ्यक्रम में कक्षा-11 के लिए कार्यालय प्रबन्ध की पाठ्यपुस्तकों के लेखन के लिए कार्यशाला	29 जनवरी से 3 फरवरी, 1990	भोपाल	17
22.	शिक्षण मॉडल में +2 स्तर के रसायन विज्ञान अध्यापकों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम सह-कार्यशाला	24 से 29 जनवरी, 1990	भोपाल	23
23.	अनुसंधान परियोजना की रूपरेखा तैयार करने के लिए मध्य प्रदेश के प्रमुख व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	5 से 10 फरवरी, 1990	छतरपुर	
24.	मुर्गी पालन पर एक पुस्तिका विकसित करने हेतु कार्यशाला	5 फरवरी, 1990	भोपाल	19
25.	माध्यमिक स्तर पर भौतिकी में शिक्षण साधन के विकास और उन्हें तैयार करने पर कार्यशाला	19 से 24 फरवरी, 1990	भोपाल	21

क्षे.शि.म. भोपाल द्वारा निकाले गए प्रकाशन

1989-90 में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल ने निम्नलिखित प्रतिवेदन/प्रकाशन निकाले।

1. *अनैलिसिस ऑफ प्रोग्राम—1983-88*
2. *एब्सट्रेक्ट ऑफ एम.एड. (पीमोस्ट) डिससर्टेशन 1965-89*
3. *पी.एम.ओ.एस.टी. प्रोग्राम रिपोर्ट फॉर मध्य प्रदेश,*

दमन दीव और दादरा और नगर हवेली

4. *पी.एम.ओ.एस.टी. (पीमोस्ट) रिपोर्ट फॉर गुजरात एण्ड गोआ*
5. *पी.एम.ओ.ए.टी. (पीमोस्ट) फॉर महाराष्ट्र*
6. *ऑरिएन्टेशन ऑफ मुस्लिम मेनेजड स्कूल टीचर्स इन साइन्स--ए रिपोर्ट*
7. *एजूकेशनल सर्वे ऑफ भोपाल सिटी—ए रिपोर्ट*
8. *सम एग्जाम्पल्स ऑफ एक्टीविटी लेसनज़*
9. *ऑरिएन्टेशन प्रोग्राम फॉर स्कूल लाइब्रेरियन ऑफ नवोदय विद्यालय—ए रिपोर्ट*
10. *द घोटल एण्ड इट्स डायनेमिज्म*
11. *वर्क बुक इन ज्यौग्राफी*
12. *प्रोग्राम ड्यूरिंग सैवंथ फाइव इयर प्लान (1985-90)*
13. *वर्कशाप फॉर डवलपमेंट एण्ड प्रीपेरेशन ऑफ टीचिंग एड्स इन फिजिक्स*
14. *ओरिएन्टेशन प्रोग्राम फॉर एजूकेशनली डिसएडवान्टेजड चिल्ड्रन—ए रिपोर्ट*
15. *इन सर्विस एजूकेशन*

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर ने बी.एस.सी. (आनर्स) बी.एड डिग्री के लिए विज्ञान शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम; बी.ए. (आनर्स) बी.एड. डिग्री के लिए अंग्रेजी शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम; एक वर्षीय बी.एड. (माध्यमिक) पाठ्यक्रम; एक वर्षीय बी.एड. (प्राथमिक) पाठ्यक्रम और दो वर्षीय एम.एस.सी.एड. (जीव-विज्ञान) पाठ्यक्रम प्रदान किए।

जबकि महाविद्यालय द्वारा चलाए जाने वाले अन्य सभी पाठ्यक्रम पूर्वी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए हैं एम.एस.सी. एड. (जीव-विज्ञान) पाठ्यक्रम अखिल भारतीय पाठ्यक्रम है।

नामांकन

1989-90 के शैक्षिक सत्र में विभिन्न सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में नामांकनों का ब्यौरा तालिका 10.11 तथा 10.12 में दिया गया है।

तालिका 10.11

1989-90 में क्षे.शि.म. भुवनेश्वर में सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में नामांकन

		नामांकन		
क्रमांक	*पाठ्यक्रम*	*कुल*	*अ.जा.*	*ज.जा.*
1.	एम.एस.सी. (प्राणी विज्ञान) एड. भाग-1	23	3	–
2.	एम.एस.सी. (प्राणी विज्ञान) एड. भाग-2	20	1	1
3.	एम.एड.	20	2	1
4.	बी.एड. माध्यमिक विज्ञान	97	1	1
5.	बी.एड. कला विज्ञान	60	7	4
6.	बी.एड. प्रारम्भिक विज्ञान	10	1	–
7.	बी.एड. प्रारम्भिक कला	9	2	1
8.	बी.एड. वाणिज्य	19	1	–
9.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-1	79	8	1

क्रमांक	पाठ्यक्रम	नामांकन		
		कुल	अ.जा.	ज.जा.
10.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-2	74	6	1
11.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-3	67	7	1
12.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-4	70	9	—
13.	बी.ए.बी.एड. भाग-1	62	4	2
14.	बी.ए.बी.एड. भाग-2	64	10	4
15.	बी.ए.बी.एड. भाग-3	60	5	4
16.	बी.ए.बी.एड. भाग-4	54	2	1
	कुल	792	69	21

तालिका 10.12

1989-90 के शैक्षिक सत्र में क्षे.शि.म. भुवनेश्वर में राज्यवार नामांकन

क्रमांक	पाठ्यक्रम	कुल नामांकन	राज्यवार नामांकन				
			उड़ीसा	बिहार	पं.बंगाल	असम	अन्य राज्य/ सं.शासित
1.	एम.एस.सी. (प्राणी विज्ञान) एड. भाग-1	23	4	3	1	—	15
2.	एम.एस.सी. (प्राणी विज्ञान) एड. भाग-2	20	4	1	—	—	15
3.	एम.एड.	20	7	5	3	1	—
4.	बी.एड. माध्यमिक विज्ञान	97	42	37	15	—	3
5.	बी.एड. माध्यमिक कला	60	29	17	7	—	7
6.	बी.एड. प्रारम्भिक विज्ञान	10	4	6	—	—	—
7.	बी.एड. प्रारम्भिक कला	9	4	2	2	—	1
8.	बी.एड. वाणिज्य	19	10	7	2	—	—
9.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-1	79	23	15	22	3	16
10.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-2	74	23	19	18	—	14
11.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-3	67	14	18	16	3	16

क्रमांक	पाठ्यक्रम	कुल नामांकन	राज्यवार नामांकन				
			उड़ीसा	बिहार	पं.बगाल	असम	अन्य राज्य/ सं.शासित
12.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-4	70	18	18	18	6	10
13.	बी.ए.बी.एड. भाग-1	62	20	12	13	3	14
14.	बी.ए.बी.एड. भाग-2	64	25	9	14	4	12
15.	बी.ए.बी.एड. भाग-3	60	20	13	14	3	10
16.	बी.ए.बी.एड. भाग-4	58	20	14	18	3	3
	कुल	792	267	196	163	26	136

परीक्षाफल

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भुवनेश्वर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल तालिका 10.13 में दिये गये हैं।

तालिका 10.13

1989 में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	एम.एस.सी. (जीव विज्ञान) एड.	20	20	100.00
2.	एम.एड.	13	13	100.00
3.	बी.एड. (माध्यमिक) विज्ञान	99	97	98.00
4.	बी.एड. (माध्यमिक) कला	63	57	90.47
5.	बी.एड. वाणिज्य	18	18	100.00
6.	बी.एड. (प्रारम्भिक) कला	11	11	100.00
7.	बी.एड. (प्रारम्भिक) विज्ञान	15	15	100.00
8.	बी.ए.बी.एड. भाग-1	64	52	81.25
9.	बी.ए.बी.एड. भाग-2	57	53	93.00

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
10	बी.ए.बी.एड. भाग-3	59	55	93.22
11.	बी.ए.बी.एड. भाग-4	56	56	100.00
12.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-1	76	69	90.78
13.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-2	67	50	74.62
14.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-3	70	66	94.28
15.	बी.एस.सी.बी.एड. भाग-4	72	66	91.66

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/विस्तार कार्यक्रम

क्षे.शि.म. भुवनेश्वर ने विद्यालय-शिक्षा और अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयो पर अनेक प्रकार के प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित किए। 1989-90 में क्षे.शि.म. भुवनेश्वर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 10.14 में दिया गया है।

तालिका 10.14

1989-90 में क्षे.शि.म. भुवनेश्वर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम और कार्यशालाएं

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
1.	शारीरिक विज्ञान में शिक्षण के मापक उपागमों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	28 सितम्बर से 7 अक्तूबर, 1989	26
2.	निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों में कार्यरत विज्ञान के टी.जी.टी./पी.जी.टी. के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 23 अक्तूबर, 1989	3
3.	निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों में कार्यरत टी.जी.टी./पी.टी.टी. के लिए प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 23 अक्तूबर, 1989	18
4.	माध्यमिक विद्यालय छात्रों के लिए प्रान्तीय भाषाओं में गणित और विज्ञान विषय के यूनिट टेस्टों के विकास के लिए कार्यशाला	3 से 8 नवम्बर, 1989	32
5.	पर्यावरण माध्यम से भौतिक विज्ञान के शिक्षण पर अभिविन्यास कार्यक्रम	23 दिसम्बर, 1989 से 1 जनवरी, 1990	26

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
6.	विद्यालय समुदाय संबंध के बेहतर विकास के लिए समुदाय संसाधन के उपयोग हेतु प्राईमरी-पूर्व विद्यालय अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	6 से 15 दिसम्बर, 1989	38
7.	उप-खण्डीय शैक्षिक परिषद् रंगीया के अध्यापकों के लिए अंग्रेजी में विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	8 से 13 जनवरी, 1990	30
8.	कम कीमत के शिक्षण साधनों के उत्पादन पर कार्यशाला	9 से 16 जनवरी, 1990	18
9.	कम्प्यूटर विज्ञान पर अभिविन्यास कार्यक्रम	8 से 17 जनवरी, 1990	17
10.	एकीकृत स्कूलों में कार्य करने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	18 से 27 जनवरी, 1990	9
11.	अ.जा./ज.जा. बच्चों के लिए उपचारिक भाषा शिक्षण मॉड्यूल के विकास पर प्राईमरी विद्यालय अध्यापकों के लिए कार्यशाला	7 से 16 मार्च, 1990	29

तालिका 10.15

1989-90 में क्षे.शि.म.भुवनेश्वर द्वारा आयोजित रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न प्रायोजित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
1.	पी.एम.ओ.एस.टी. (पीमोस्ट) 1989 के अन्तर्गत राज्य स्तर के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	3 से 7 अप्रैल, 1989	31
2.	पी.एम.ओ.एस.टी. (पीमोस्ट) 1989 के अन्तर्गत राज्य स्तर के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	10 से 14 अप्रैल, 1989	34
3.	पी.एम.ओ.एस.टी. (पीमोस्ट) 1989 के अन्तर्गत राज्य स्तर के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	17 से 21 अप्रैल, 1989	27
4.	विज्ञान शिक्षा में सुधार योजना के अन्तर्गत बिहार के प्रमुख व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	11 से 13 मई, 1989	25

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
5.	राष्ट्रीय एकीकरण और अन्तर्राष्ट्रीय जानकारी के विचार से इतिहास पाठ्यपुस्तक के मूल्यांकन पर कार्यशाला	27 से 30 जून, 1989	9
6.	पी.एम.ओ.एस.टी.—ओ.बी. (पीमोस्ट ओ.बी.) पर राज्य स्तर के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	3 से 7 जुलाई, 1989	42
7.	उभरते भारतीय समाज में अध्यापक और शिक्षा पर कार्यकारी दल की बैठक	28 से 31 अगस्त, 1989	19
8.	खिलौना बनाने पर कार्यशाला और प्रतियोगिता	4 से 9 दिसम्बर, 1989	28
9.	व्यावसायिक शिक्षा पर शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए सेवाकालीन कार्यक्रम	20 से 23 मार्च, 1990	18
10.	केन्द्रीय तिब्बतीयन विद्यालयों के सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	31 मार्च से 9 अप्रैल, 1990	33

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर ने बी.एस.सी.बी.एड. डिग्री के लिए विज्ञान-शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम; बी.ए.बी.एड. डिग्री के लिए अंग्रेजी शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम; एक वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम; एक वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम और रसायन विज्ञान, गणित और भौतिकी में दो वर्षीय एम.एस.सी.एड. पाठ्यक्रम प्रदान किए। यह महाविद्यालय अभ्यर्थियों को विज्ञान और शिक्षा में पी/एच.डी. डिग्री के लिए पंजीकृत कराने की भी सुविधा प्रदान करता है।

नामांकन

वर्ष 1989-90 के शैक्षिक-सत्र में क्षे.शि.म.मैसूर द्वारा चलाए गए विभिन्न सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में नामांकन संबंधी ब्यौरा तालिका 10.16 में दिया गया है।

तालिका 10.16

1989-90 में क्षे.शि.म. मैसूर में सेवाकालीन पाठ्यक्रमों में राज्यवार तथा संघ शासित क्षेत्रवार नामांकन

क्रमांक	पाठ्यक्रम	आ.प्र.		त.ना.		कर्नाटक		केरल		उड़ीसा		अ.जा.		अ.ज.जा.		योग		कुल
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	योग
1.	बी.एड.	17	4	14	11	6	8	–	11	2	–	3	3	–	–	39	34	73
2.	एम.एड.	2	1	–	1	8	10	5	–	–	–	2	2	–	–	15	12	27
3.	बी.ए.एड.																	
	प्रथम वर्ष	3	9	–	13	2	7	2	5	–	–	1	7	–	–	7	34	41
	द्वितीय वर्ष	5	6	2	10	2	6	1	6	–	1	2	3	1	1	10	29	39
	तृतीय वर्ष	1	3	1	10	2	4	3	3	–	–	1	2	–	–	7	20	27
	चतुर्थ वर्ष	2	7	2	8	1	4	1	3	–	–	–	–	–	2	6	22	28
4.	बी.एस.सी.एड.																	
	प्रथम वर्ष	13	11	1	22	6	14	2	10	1*	–	3	3	–	–	23	57	80
	द्वितीय वर्ष	8	8	2	10	3	9	2	5	3*	2*	1	1	3	1	18	34	52
	तृतीय वर्ष	8	11	2	23	1	9	3	9	1	–	1	–	1	–	15	52	67
	चतुर्थ वर्ष	12	10	4	11	1	11	–	8	1	1	1	2	–	–	18	41	69
5.	एम.एस.सी.एड.																	
	भौतिकी प्रथम वर्ष	5	–	2	3	1	1	3	6	1	2	–	–	–	–	12	12	24
	द्वितीय वर्ष	4	2	–	4	1	1	2	2	–	–	–	–	–	–	7	9	16
	रसायन प्रथम वर्ष	6	1	6	4	1	1	–	2	1	3	2	–	1	–	14	11	25
	द्वितीय वर्ष	2	3	1	7	1	3	1	2	–	4	1	–	–	–	5	19	24
	गणित प्रथम वर्ष	7	9	1	3	1	1	–	3	0	–	–	–	–	–	9	16	25
	द्वितीय वर्ष	3	1	1	4	2	2	–	1	–	2	–	–	–	–	6	10	16
	कुल योग	98	86	39	144	39	91	25	76	10	15	18	23	6	4	211	412	623

*संघ शासित क्षेत्र

परीक्षाफल

1989 में क्षे.शि.म. मैसूर के विद्यार्थियों के परीक्षाफल तालिका 10.17 में दिए गए हैं।

तालिका 10. 17

1989 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों का परीक्षा परिणाम

क्रमांक	*पाठ्यक्रम*		*परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की संख्या*	*1 कक्षा*	*2 कक्षा*	*3 कक्षा*	*कुल उत्तीर्ण*	*कम्पार्टमेंट वाले छात्रों की संख्या*	*उत्तीर्ण प्रतिशत*	*परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की संख्या अ.जा.*	*ज.जा.*	*परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या अ.जा.*	*ज.जा.*
1.	बी.एस.सी.एड.	आर.	52	38	6	–	44	8	84.61	3	–	2	–
		पी.	13	–	–	–	5	8					
	बी.ए.एड.	आर.	28	8	18	2	28	–	100.00				
	बी.एड.	आर.	54	50	2	–	52	2	96.29	4	1	4	1
		पी.	3	–	–	3							
	एम.एड.	आर.	21	10	10	–	20	1	95.00	2	–	1	–
		पी.	2	–	1	–	–	1					
	एम.एस.सी.एड.	आर.	18	5	11	–	16	2	88.88				
	भौतिकी	पी.	4	–	2	–	–	2					
	रसायन	आर.	12	10	2	–	12	–	100.00				
	गणित	आर.	15	6	8	–	14	1	93.33				

कार्यशालाएं/बैठकें और अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

1989-90 में क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर आयोजित विभिन्न अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं/बैठकों का ब्यौरा तालिका 10.18 में दिया गया है।

तालिका 10. 18

1989-90 में क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा आयोजित कार्यशालाएं/बैठकें और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	आन्ध्र प्रदेश के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए पी.एम.ओ.एस.टी. (पीमोस्ट) 1989 (म.स.वि.म. कार्यक्रम) के अन्तर्गत अभिविन्यास कार्यक्रम	3 से 7 अप्रैल, 1989	मैसूर	64

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	कर्नाटक, केरल और लक्षद्वीप के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए पी.एम.ओ.एस.टी. (पीमोस्ट) 1989 के अर्न्तगत अभिविन्यास कार्यक्रम	10 से 14 अप्रैल, 1989	मैसूर	50
3.	दक्षिण क्षे. और गोआ, महाराष्ट्र और उड़ीसा राज्यों के शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए पी.एम.ओ.एस.टी.ओ.बी. (पीमोस्ट) के अन्तर्गत अभिविन्यास कार्यक्रम	16 से 20 मई, 1989	मैसूर	45
4.	जनरल रिऐलिटी एण्ड कोसमोलोजी में वि.अ.आ.द्वारा प्रयोजित उन्नत स्तरीय इन्स्टीच्यूट	1 से 20 मई, 1989	मैसूर	18
5.	द्वितीय अखिल भारतीय बाल शैक्षिक वीडियो उत्सव, 1989 (परिषद् कार्यक्रम)	13 से 16 जून, 1989	मैसूर	150
6.	अखिल भारतीय विज्ञान अध्यापक संगठन का 32वां वार्षिक सम्मेलन, (स्वैच्छिक संस्थानों द्वारा कार्यक्रम)	19 से 21 जून, 1989	मैसूर	110
7.	क्लास परियोजना के अन्तर्गत अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम (परिषद् कार्यक्रम)	3 से 22 जुलाई, 1989	मैसूर	31
8.	क्षे.शि.म. मैसूर के चतुवर्षीय बी.एस.सी.एड./बी.ए.एड. के छात्रों के लिए प्री-इण्टरनशिप सम्मेलन (महाविद्यालय कार्यक्रम)	4 से 6 जुलाई, 1989	मैसूर	25
9.	आशुलिपि और कार्यालय सहायक कार्यों में क्षमता आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा के लिए प्रयोगशाला (परिषद् कार्यक्रम)	7 से 11 अगस्त, 1989	मैसूर	16
10.	तमिलनाडु के 10 अध्यापकों के लिए यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना आई.ई.डी. के अर्न्तगत एकवर्षीय बहुवर्गीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (परिषद् कार्यक्रम)	2 सितम्बर, 1989 से 15 मई, 1990	मैसूर	9
11.	मैसूर शहर में क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा अभिग्रहित 8 प्राईमरी विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों के लिए अंग्रेजी में विषय वस्तु संवर्द्धन पाठ्यक्रम	22 से 24 सितम्बर, 1989	मैसूर	26
12.	कक्षा 1,2,3, और 4 के प्राईमरी विद्यालय के बच्चों को कन्नड़ शिक्षण में ओडियो कार्यक्रम के विकास करने हेतु कार्यशाला	25 से 30 सितम्बर, 1989	मैसूर	16
13.	मैसूर जिले में अ.जा./अ.ज.जा. के छात्रावास के वार्डनों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	16 से 18 अक्तूबर, 1989	मैसूर	59

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
14.	माध्यमिक विद्यालय बच्चों के शैक्षिक मार्गदर्शन के लिए ओडियो कार्यक्रम विकसित करना	18 से 27 अक्तूबर,1989	मैसूर	16
15.	एक वर्षीय बी.एड. (विज्ञान) छात्रों के लिए प्रधानाचार्य और सहयोगी अध्यापकों का प्री-इण्टरनशिप सम्मेलन	25 से 27 अक्तूबर, 1989	मैसूर	31
16.	प्रारम्भिक अध्यापक शिक्षा में बाल केन्द्रित प्रणालियों की रूपरेखा को शैक्षिक मनोविज्ञान की अद्यतन सिद्धांतों के अनुरूप बनाने पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	1 से 6 नवम्बर, 1989	मैसूर	22
17	नवोदय विद्यालय में प्रवेश से संबंधी कार्यशाला (परिषद् कार्यक्रम)	3 से 7 नवम्बर, 1989	मैसूर	10
18.	सन् 2000 के लिए पाठ्यचर्या नवाचार पर द्वितीय क्षेत्रीय सम्मेलन (मैसूर विश्वविद्यालय कार्यक्रम)	6 से 8 दिसम्बर, 1989	मैसूर	200
19.	क्षेत्रीय खिलौना निर्माण कार्यशाला प्रतियोगिता 1989-90 (परिषद् कार्यक्रम)	18 से 23 दिसम्बर,1989	मैसूर	30
20.	क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा अभिगृहित मैसूर नगर में 8 प्राईमरी विद्यालयों के अध्यापकों के लिए कन्नड़ में विषय-वस्तु संवर्द्धन पाठ्यक्रम	22 से 24 दिसम्बर,1989	मैसूर	27
21.	दक्षिणी क्षेत्र में माध्यमिक अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्यों और अध्यापक - शिक्षकों के लिए जनसंख्या शिक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 दिसम्बर, 1989 से 4 जनवरी, 1990	मैसूर	30
22.	विद्यालयों में कम्प्यूटर के प्रयोग में राज्य शै.अ.प्र.प. और अन्य अभिकरणों के विषय विशेषज्ञों और नोडल अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	1 से 6 जनवरी, 1990	मैसूर	21
23.	मार्गदर्शन के क्षेत्र में व्यावसायिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (परिषद् कार्यक्रम)	9 से 18 जनवरी, 1990	मैसूर	30
24.	अ.जा./अ.ज.जा. के शैक्षिक विकास योजना के अन्तर्गत विषय-वस्तु संवर्द्धन कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए डी.डी.पी.आई. मैसूर, ए.ई.ओ. मैसूर और मैसूर नगर में अभिगृहित 8 प्राईमरी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की एक दिवसीय बैठक	23 जनवरी, 1990	मैसूर	15

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
25.	एस.ई.सी.ए.बी. संगठन बीजापुर के 40 हाई स्कूल अध्यापकों के लिए विज्ञान और गणित में छः दिवसीय विषय संवर्द्धन कार्यक्रम	5 से 10 फरवरी, 1990	बीजापुर	41
26.	केरल में हाई स्कूल के उर्दू अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	5 से 10 फरवरी, 1990	मैसूर	40
27	कर्नाटक के विषय निरीक्षकों (विज्ञान और गणित) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (कर्नाटक शिक्षा विभाग कार्यक्रम)	5 से 14 फरवरी, 1990	मैसूर	36
28.	ए.पी.एस.डब्ल्यू. के 8 आवासीय विद्यालयों में विज्ञान-विषय के अध्यापकों के लिए विषय-वस्तु संवर्द्धन कार्यक्रम	12 से 17 फरवरी, 1990	हैदराबाद	40
29.	व्यावसायिक अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में चयित राज्यों के समन्वयकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (परिषद् कार्यक्रम)	19 से 22 फरवरी, 1990	मैसूर	24
30.	बच्चों की अधिगम अयोग्यता की पहचान और मूल्यांकन के लिए उपकरण विकास हेतु कार्यशाला (परिषद् कार्यक्रम)	19 से 23 फरवरी, 1990	मैसूर	11
31.	तमिलनाडु के शिक्षा महाविद्यालयों के अध्यापक शिक्षकों के लिए कम्प्यूटर शिक्षा में कार्यक्रम	5 से 10 मार्च, 1990	मैसूर	14
32.	प्रारम्भिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण के लिए अनुदेशी सामग्रीः पहेलियां, खेल और कहानियां विकसित करने पर कार्यशाला	19 से 24 मार्च, 1990	मैसूर	11
33.	अध्यापक-शिक्षकों के लिए नैतिक शिक्षा पर पुस्तिका विकसित करने के लिए लेखकों की कार्यशाला	29 से 31 मार्च, 1990	मैसूर	6

निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालय

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के साथ एक निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालय जुड़ा है। क्षे.शि.म. द्वारा चलाए जाने वाले विभिन्न अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रमों में नामांकित अध्यापक प्रशिक्षार्थी क्षे.शि.म. से जुड़े निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालय में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा में नवाचार प्रयोग परीक्षण के लिए ये विद्यालय प्रयोगशाला के रूप में काम करते हैं।

नामांकन

1989-90 में विभिन्न निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों के नामांकन का ब्यौरा तालिका 10.19 से 10.22 में दिया गया है।

परीक्षाफल

मार्च-अप्रैल 1989 के बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षाफल तालिका 10.23 से 10.26 में दिए गए हैं।

तालिका 10.19
1989-90 सत्र में निदर्शन विद्यालय, अजमेर में (कक्षावार) नामांकन

कक्षा	बालक	बालिका	कुल	अ.जा.	ज.जा.
पहली	27	3	30	4	2
दूसरी	24	12	36	4	1
तीसरी	29	13	42	5	0
चौथी	28	12	40	6	0
पाँचवी	33	13	46	1	0
छठी	95	14	109	0	2
सातवीं	68	13	81	0	1
आठवीं	70	11	81	3	0
नौवीं	105	15	120	3	1
दसवीं	82	17	99	2	0
ग्यारहवीं	87	20	107	2	0
बारहवीं	57	31	88	1	1
कुल	705	174	879	31	8

तालिका 10.20
1989-90 सत्र में निदर्शन विद्यालय, भोपाल में (कक्षावार) नामांकन

	नामांकन		
कक्षा	कुल	अ.जा.	ज.जा.
पहली	80	4	2
दूसरी	77	1	5
तीसरी	77	3	3
चौथी	77	4	4
पाँचवीं	86	6	7
छठी	73	20	3
सातवीं	81	12	3
आठवीं	78	8	1
नौवीं	77	2	0

कक्षा	नामांकन		
	कुल	अ.जा.	ज.जा.
दसवीं	79	6	4
ग्यारहवीं	87	1	–
बारहवीं	66	–	–
कुल	938	64	32

टिप्पणी : इस वर्ष विभिन्न कक्षाओं में अ.जा./ज.जा. के नियतांश को पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

तालिका 10.21

1989-90 सत्र में निदर्शन विद्यालय,भुवनेश्वर में (कक्षावार) नामांकन

कक्षा	नामांकन		
	कुल	अ.जा.	अ.ज.जा.
पहली	72	13	4
दूसरी	88	5	2
तीसरी	83	6	3
चौथी	92	8	2
पाँचवीं	132	7	3
छठी	131	7	2
सातवीं	124	9	3
आठवीं	120	3	–
नवीं	118	6	–
दसवीं	113	5	1
ग्यारहवीं	99	4	1
बारहवीं	91	2	1
कुल	1263	75	22

तालिका 10.22

1989-90 सत्र में निदर्शन विद्यालय, मैसूर में (कक्षावार) नामांकन

कक्षा	*नामांकन*		
	कुल	*अ.जा*	*अ.ज.जा.*
पहली	84	13	—
दूसरी	83	13	3
तीसरी	92	14	2
चौथी	88	14	2
पाँचवीं	90	13	—
छठी	89	14	1
सातवीं	90	6	—
आठवीं	83	4	—
नौवीं	88	2	—
दसवीं	83	2	1
ग्यारहवीं			
ओ.एम.एस.पी.	14	1	—
बी.ई.टी.	—	—	—
मानविकी	13	—	2
विज्ञान	27	3	—
बारहवीं			
ओ.एम.एस.पी.	15	—	—
बी.ई.टी.	18	—	1
मानविकी	13	—	—
विज्ञान	20	—	—
कुल	990	99	12

तालिका 10.23

1989 में नि.वि. अजमेर का परीक्षाफल

कक्षा	*परीक्षा में बैठे कुल छात्र*	*उत्तीर्ण*	*अनुत्तीर्ण*	*पूरक परीक्षा*
दसवीं	99	84	8	6
बारहवीं	97	79	8	10

तालिका 10.24
1989-90 में नि.वि. भोपाल का परीक्षाफल

कक्षा	*परीक्षा में बैठे कुल छात्र*	*उत्तीर्ण*	*उत्तीर्ण प्रतिशत*
दसवीं	62	61	99
बारहवीं (विज्ञान)	32	32	100
बारहवीं (मानविकी)	3	3	100
बारहवीं (वाणिज्य)	21	21	100
बारहवीं (व्यावसायिक)			
आशुलिपि	4	4	100
विद्युत	7	6	87

तालिका 10.25
1989-90 में नि.वि. भुवनेश्वर का परीक्षाफल

कक्षा	*परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या*	*उत्तीर्ण*	*उत्तीर्ण प्रतिशत*
कक्षा-10	106	102	96.2
कक्षा-12	—	—	—
विज्ञान	33	31	93.9
कला	27	27	100.00
वाणिज्य	16	15	93.07
व्यावसायिक	25	24	96.00

1989-90

तालिका 10.26

1989 में नि.वि. मैसूर का परीक्षाफल

कक्षा	*परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या*	*उत्तीर्ण*	*उत्तीर्ण प्रतिशत*
दसवीं	83	79	95
बारहवीं विज्ञान	32	29	91
बारहवीं मानविकी	9	9	100
बारहवीं बी.ई.टी.	18	17	90
बारहवीं ओ.एम.एस.पी.	12	9	75

ग्यारह

परीक्षा सुधार, प्रतिभा खोज, शैक्षिक सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन

रा. शै. अ. प्र. प. मापन और मूल्यांकन, प्रतिभा खोज, शैक्षिक सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन संबंधी विभिन्न कार्यकलाप करती है । 1989-90 में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी. एम. ई. एस. डी. पी.) के कुछ मुख्य कार्यकलाप ये थे : शैक्षिक मूल्यांकन नवाचार उपागमों का विकास, विद्यालय शिक्षा के सभी स्तरों पर सुधार के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्य, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन, शैक्षिक नियोजन के लिए आधार सामग्री प्रदान करने हेतु शैक्षिक सर्वेक्षण करना तथा विभिन्न शोध परियोजनाओं और शैक्षिक सर्वेक्षणों से संबंधित आँकड़ों का कम्प्यूटरीकरण और मा. मू. स. आ. सा. प्र. विभाग अपने क्रियाकलाप राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा विभागों/निदेशालयों और बोर्डों के निकट सहयोग से चलाता है ।

परीक्षा सुधार

आलोच्य वर्ष में मा. मू. स. आ. सा. प्र. विभाग ने परीक्षा सुधार और मूल्यांकन पद्धतियों के उन्नयन संबंधी विभिन्न कार्यकलाप किए जिनमें से मुख्य कार्यकलाप निम्नलिखित थे :

(1) विद्यालय स्तर की विभिन्न पाठ्यचर्याओं संबंधी अधिगम प्रतिफलों के मूल्यांकन के लिए इकाई परीक्षण और अन्य उपकरण तैयार करना ।

(2) विद्यालयों में व्यापक मूल्यांकन योजना का प्रकाशन और राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा विभागों, राज्य शै. अ. प्र. परिषद्, माध्यमिक शिक्षा बोर्डों और अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में इसका प्रचार-प्रसार करना ।

(3) राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों द्वारा ली जाने वाली सार्वजनिक परीक्षाओं में श्रेणी निर्धारण और अनुमापन प्रारंभ करने के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्तों को अन्तिम रूप देना।

(4) कुछ उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों द्वारा कक्षा-11 में प्रारम्भ किए गए ''भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास'' नामक पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा में वैकल्पिक मूल्यांकन विधियों पर एक पुस्तिका का विकास।

(5) पाठ्यचर्या बनाने वालों, अध्यापकों, मूल्यांकनकर्ताओं और विद्यार्थियों के प्रयोग के लिए '' इन्सट्रक्शनल ऑबजेक्टीव ऑफ स्कूल सब्जेक्ट्स'' शीर्षक की एक पुस्तक का विकास और प्रकाशन।

(6) अध्यापक और मूल्यांकनकर्ताओं के प्रयोग के लिए अंग्रेजी पढ़ने और लिखने संबंधी अभिव्यक्तिपरक

परीक्षण पुस्तिका का विकास ।

(7) कक्षा 11 के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान और प्राणी विज्ञान, कक्षा 9 और 10 के लिए नागरिक शास्त्र तथा इतिहास और कक्षा 6 से 8 के लिए विज्ञान में निदान परीक्षणों का विकास ।

कार्यशालाएं/बैठकें

विद्यालयों में मूल्यांकन पद्धतियों और परीक्षा सुधार के उन्नयन संबंधी कार्यकलापों के अन्तर्गत मा. मू. स. आ. सा. प्र. विभाग ने 1989-90 में 11 कार्यशालाएं/बैठकें और संगोष्ठियाँ आयोजित की थीं । इन कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 11.1 में दिया गया है ।

तालिका 11.1

1989-90 में मा. मू. स. आ. सा. प्र. विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएं/बैठकें/संगोष्ठियाँ

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	परीक्षा में वैकल्पिक मूल्यांकन कार्यविधि पुस्तिका का विकास करने के लिए कार्यशाला	11 से 15 सितम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	18
2.	अंग्रेजी में पठन और लेखन संबंधी अभिव्यक्तिपरक परीक्षण विकसित करने के लिए कार्यशाला	18 से 22 सितम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
3.	कक्षा-12 के लिए अंग्रेजी में परीक्षण सामग्री के विकास के लिए कार्यशाला	14 से 20 दिसम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
4.	कक्षा 9-10 के लिए नागरिक शास्त्र में यूनिट परीक्षण के विकास के लिए कार्यशाला	8 से 12 जनवरी, 1990	रा.शै. अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
5.	कक्षा 9-10 के लिए इतिहास में यूनिट परीक्षण के विकास के लिए कार्यशाला	15 से 19 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	22
6.	कक्षा 6 के लिए विज्ञान में नमूने के प्रश्नों की जाँच के लिए कार्यशाला	22 से 25 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
7.	कक्षा-11 के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान और प्राणी-विज्ञान के शैक्षणिक उद्देश्यों के विभिन्न विनिर्देशों की जाँच के लिए उदाहरण प्रश्नों को विकसित करने के लिए कार्यशाला	22 से 25 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
8.	कक्षा 6 के लिए विज्ञान में नमूने के प्रश्नों की जाँच के लिए कार्यशाला	22 से 25 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
9.	उच्च प्राईमरी कक्षाओं (कक्षा-8) के लिए विज्ञान में रचनात्मक मूल्यांकन योजना के विकास के लिए कार्यशाला	5 से 9 फरवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
10.	कक्षा-11 के लिए शारीरिक विज्ञान में नमूने के प्रश्नों के अनुकूलन और जाँच के लिए कार्यशाला	20 से 23 फरवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	14
11	कक्षा-9 और कक्षा-10 के लिए नागरिक शास्त्र में यूनिट परीक्षणों की जाँच के लिए कार्यशाला	26 से 29 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8

प्रशिक्षण/विस्तार कार्यक्रम

1989-90 में मा. मू. स. आ. सा. प्र. विभाग ने विभिन्न माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के कार्मिकों के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए । इनमें से एक मध्य प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कार्मिकों के लिए था । मध्य प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के कार्मिकों के लिए प्रश्न-लेखन और प्रश्न-पत्र बनाने पर यह सात दिवसीय कार्यक्रम 22 से 28 दिसम्बर, 1989 तक ग्वालियर में आयोजित किया गया था । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 61 प्रतिभागियों ने भाग लिया । उत्तर प्रदेश के हाई स्कूल तक और इन्टर मीडिएट शिक्षा बोर्ड की बाह्य परीक्षाओं के उन्नयन पर 26 से 30 मार्च, 1990 तक मेरठ में एक अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

इनके अतिरिक्त मा. मू. स. आ. सा. प्र. विभाग ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, त्रिपुरा, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मध्य प्रदेश और हाई स्कूल और इण्टरमीडिएट शिक्षा बोर्ड उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित तीन संगोष्ठियों/बैठकों को तकनीकी सहायता प्रदान की । इनमें मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 20 और 21 दिसम्बर, 1989 को ग्वालियर में आयोजित ''सार्वजनिक परीक्षाओं में श्रेणी निर्धारण और अनुमापन'' पर बैठक, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, त्रिपुरा द्वारा ''सार्वजनिक परीक्षाओं में श्रेणी निर्धारण और अनुमापन'' पर 7 से 9 नवम्बर, 1989 तक अगरतला में आयोजित संगोष्ठी तथा हाई स्कूल और इण्टरमीडिएट शिक्षा बोर्ड उत्तर प्रदेश द्वारा ''सार्वजनिक परीक्षाओं में श्रेणी-निर्धारण और अनुमापन'' पर 16 और 17 फरवरी, 1990 को चित्रकूट में आयोजित संगोष्ठी शामिल है ।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज

रा. शै. अ. प्र. परिषद् की राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना के कार्यान्वयन का मुख्य उद्देश्य कक्षा दस के अन्त में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान करना और उन्हें उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता देना है ताकि उनकी प्रतिभा का विकास

हो सके और वे अपने विषय विशेष में देश की और सेवा कर सकें। इस योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष 750 छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं जिसमें से 70 छात्रवृत्तियाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति विद्यार्थियों को दी जाती हैं।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ देने के लिए विद्यार्थियों का चयन दो चरणों में किया जाता है। प्रथम चरण में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा राज्य स्तर पर प्रतिवर्ष सामान्यतः अक्तूबर-दिसम्बर में आयोजित एक लिखित परीक्षा के आधार पर छात्रों का चयन किया जाता है। राज्य स्तरीय परीक्षा में विद्यार्थियों की योग्यता-प्रदर्शन के आधार पर दूसरे चरण या राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों की अपेक्षित संख्या की अनुशंसा परिषद् को की जाती है। प्रथम स्तर की परीक्षा राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा अक्तूबर-दिसम्बर, 1988 में ली गई थी और अभ्यर्थियों का अपेक्षित संख्या में चयन करने के लिए दूसरे स्तर की परीक्षा रा. शै. अ. प्र. परिषद् द्वारा 14 मई, 1989 को आयोजित की गयी। दूसरे स्तर की परीक्षा देश भर के 30 केन्द्रों में आयोजित की गई। 14 मई, 1989 को रा. शै. अ. प्र. प. द्वारा आयोजित दूसरे स्तर की परीक्षा में कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए जो भारतीय नागरिक हैं तथा विदेशों में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं।

1989 में दूसरे स्तर की परीक्षा में 3,092 विद्यार्थी बैठे। इनमें से 70 अ. जा./ज. जा. वर्ग के थे। 1,750 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। दूसरे स्तर पर परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों और छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं की संख्या का विवरण निम्नलिखित तालिका 11.2 में दिया गया है।

तालिका 11.2

1989 में दी गई राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्तियाँ

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	*दूसरे स्तर पर परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या*	*दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या (सामान्य श्रेणी)*	*अ.जा/ज.जा. के लिए आरक्षित छात्रवृत्तियाँ*	*कुल (3+4)*
आन्ध्र प्रदेश	220	48	7	55
अरुणाचल प्रदेश	14	—	1	1
असम	69	4	1	5
बिहार	187	35	8	43
गोआ	23	4	—	4
गुजरात	132	6	—	6
हरियाणा	65	12	2	14
हिमाचल प्रदेश	30	2	—	2
जम्मू और कश्मीर	41	—	—	—
कर्नाटक	149	34	5	39
केरल	179	33	3	36
मध्य प्रदेश	171	32	2	34
महाराष्ट्र	312	132	17	149
मणिपुर	15	—	—	—

1989-90

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	दूसरे स्तर पर परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या	दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या (सामान्य श्रेणी)	अ.जा./ज.जा. के लिए आरक्षित छात्रवृत्तियाँ	कुल (3+4)
मेघालय	24	1	2	3
मिजोरम	–	–	–	–
नागालैंड	25	–	–	–
उड़ीसा	138	37	7	44
पंजाब	79	27	–	27
राजस्थान	138	50	2	52
सिक्कम	23	–	–	–
तमिलनाडु	212	52	4	56
त्रिपुरा	16	1	–	1
उत्तर प्रदेश	487	67	4	71
पश्चिमी बंगाल	242	50	5	55
अण्डमान, निकोबार द्वीप समूह	9	1	–	1
चण्डीगढ़	10	8	–	8
दादरा नगर हवेली	10	–	–	–
दिल्ली	50	43	–	43
दमन और दीव	10	–	–	–
लक्षद्वीप	–	–	–	–
पाण्डिचेरी	10	–	–	–
भूटान	–	–	–	–
कुवैत	–	–	–	–
नेपाल	1	–	–	–
मस्कट	1	1	–	1
कुल	3,092	680	70	750

1989-90 में रा. प्र. खो. छात्रवृत्तियाँ पाने वाले छात्रों की कुल संख्या तालिका 11.3 में दी गई है :

1989-90

तालिका 11.3
1989-90 में रा. प्र.खोज छात्रवृत्तियाँ पाने वाले छात्रों की संख्या

क्रमांक	*शिक्षा स्तर*	*राष्ट्रीय प्रतिभा खोज वृत्ति छात्रों की संख्या*
1.	+2 स्तर	1,482
2.	विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में पूर्व-स्नातक स्तर पर	346
3.	विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में स्नातकोत्तर स्तर पर	16
4.	आयुर्विज्ञान में प्रथम डिग्री	624
5.	इंजीनियरिंग में प्रथम डिग्री	1,578
6.	आयुर्विज्ञान में द्वितीय डिग्री	312
7.	एम. बी. ए.	62
8.	एम. सी. ए.	4
9.	पी-एच. डी.	13
	कुल	4,437

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के लिए परीक्षण तैयार करने के कार्य के अन्तर्गत मा. मू. स. आ. सा. प्र. विभाग ने 3 से 5 जनवरी, 1990 तक नई दिल्ली में रा. प्र. खो. परीक्षा के लिए संतुलन समिति की बैठक आयोजित की । इस बैठक में 11 विशेषज्ञों ने भाग लिया ।

आलोच्य वर्ष में 73,97,881/-रुपए की धनराशि रा. प्र. खो. छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को छात्रवृत्ति के रूप में दी गई ।

शैक्षिक सर्वेक्षण

1989-90 में परिषद् ने पांचवें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण संबंधी कई कार्यकलाप किए । सर्वेक्षण की संदर्भ तिथि 30 सितम्बर, 1986 रखी गई थी । पांचवें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों की स्थिति ज्ञात करना और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में औपचारिक विद्यालय शिक्षा और अनौपचारिक शिक्षा के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना था । यह सर्वेक्षण विशेष रूप से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए आधार सामग्री प्रदान करने के लिए था। इस सर्वेक्षण के विनिर्दिष्ट/विशिष्ट लक्ष्य इस प्रकार से थे—

– विद्यालय जाने वाले बच्चों की संख्या, घर से विद्यालय की दूरी, सामान्य नामांकन और विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के बालकों और बालिकाओं के नामांकन के संबंध में विद्यालय शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का निर्धारण करना।
– विद्यालय भवन, खेल के मैदान,फर्नीचर,स्कूल में पीने का पानी, चिकित्सा संबंधी जाँच की सुविधा, अन्य उपस्कर, प्रोत्साहन योजनाएं और उनसे लाभ उठाने वालों की संख्या इत्यादि सुविधाओं का निर्धारण करना।

- ब्लैक बोर्ड और चॉक, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, पाठ्यपुस्तक बैंक आदि साधन और सुविधाओं की स्थिति का निर्धारण करना ।
- विज्ञान और गणित अध्यापन के विशेष संदर्भ में, कार्यरत अध्यापकों की शैक्षिक और व्यावसायिक अर्हताओं के संबंध में स्थिति निर्धारित करना ।
- बस्तियों, उनकी वर्तमान शैक्षिक सुविधाओं और नियोजित तरीके से निश्चित अवधि में प्रदान की जाने वाली प्रस्तावित सुविधाओं को प्रदर्शित करने वाले ब्लॉक में तैयार करना ।

इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संबंधित आँकड़े एकत्रित करने के लिए तीन प्रश्नावलियों जैसे ग्राम सूचना फार्म, शहरी सूचना फार्म और विद्यालय सूचना फार्म बनाये गये।

रा.शै.अ.प्र.प. ने यह सर्वेक्षण विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा विभागों की सहायता और सहयोग से किया । देश के सभी गाँवों, सभी शहरी क्षेत्रों और सारे मान्यता प्रप्त विद्यालयों से वांछित आंकड़े एकत्रित किए गए । रा.शै.अ.प्र.प. ने प्रश्नावलियों को विकसित करने, सर्वेक्षण कार्य के लिए विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में नियुक्त किए गए स्टाफ को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देने का दायित्व लिया और उन्हें खण्ड, जिला और राज्य स्तरों पर आंकडों की जाँच करने और तालिकाबद्ध बनाने में सहायता प्रदान की । अन्त में विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों से प्राप्त राज्य सारणियों की सहायता से सर्वेक्षण की राष्ट्रीय तालिकाएं तैयार की गईं।

इस सर्वेक्षण से प्राप्त महत्वपूर्ण सांख्यिकी सूचनाएं शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासनिकों और सर्वेक्षण आंकड़ों का प्रयोग करने वाले अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध करवाने हेतु सर्वेक्षण की एक प्रारम्भिक रिपोर्ट निकाली गई । ''फिफ्थ ऑल इण्डिया एजूकेशनल सर्वे : सलेक्टिड स्टेटिस्टिक्स'' नामक प्रारम्भिक रिपोर्ट फरवरी, 1989 में प्रकाशित की गई थी । अलोच्य वर्ष के दौरान फिफ्थ ऑल इण्डिया एजूकेशनल सर्वे की अन्तिम रिपोर्ट तैयार करने का काम शुरू किया गया । 1989-90 में सर्वेक्षण रिपोर्ट को अन्तिम रूप से तैयार करने संबंधी कार्य का मुख्य भाग पूरा किया गया ।

अनुसंधान कार्य

फिफ्थ ऑल इण्डिया एजूकेशनल सर्वे की अन्तिम रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित कार्य के अतिरिक्त मा.मू.स.आ.सा.प्र. विभाग ने कुछ अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों को भी किया । 1989-90 में निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं :

1. चार चयित राज्यों के उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और उनके उपयोग पर एक प्रतिदर्श अध्ययन।
2. माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विज्ञान प्रयोगशालाओं पर गहन अध्ययन ।
3. चार चयित राज्यों में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के भवनों पर गहन अध्ययन ।
4. मिडिल और माध्यमिक विद्यालयों में सहायक शिक्षण साधनों पर गहन अध्ययन।

1989-90 में मा.मू.स.आ.सा.प्र. विभाग ने कक्षा-4 के अन्त में बच्चों की उपलब्धि स्तर का निर्धारण करने के लिए देश के विभिन्न राज्यों में प्राईमरी विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि पर अध्ययन प्रारम्भ किया । यह अध्ययन 23 राज्यों और संघ शासित क्षेत्र दिल्ली में करने का प्रस्ताव है । 23 राज्यों और संघ शासित क्षेत्र दिल्ली में 5,000 विद्यालयों के लगभग 1,00,000 विद्यार्थियों पर नमूने के रूप में अध्ययन किया जाएगा। अध्ययन से संबंधित इस कार्य के अन्तर्गत 17 से 19 अक्तूबर, 1989 तक के राज्य स्तर के समन्वयकों की एक बैठक हुई । अध्ययन के लिए भाषा और गणित में चार समान्तर परीक्षण तैयार किए गए और इन्हें क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद कर पूर्व परीक्षण के लिए राज्यों को भेजा गया। अध्ययन के लिए तीन प्रश्नावलियाँ (विद्यालय-सूचना बैंक, अध्यापक प्रश्नावली और छात्र प्रश्नावली) भी तैयार की गई

और प्रयोग में लाई गई । इस वर्ष अध्ययन के अन्तर्गत लिए गए क्षेत्रों,जिलों, खण्डों और उनकी जनसंख्या से संबंधित सूचना को एकत्रित किया गया ।

माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर विद्यार्थियों की उपलब्धि के स्तर के निर्धारण हेतु मा.मू.स.आ.सा.प्र. विभाग ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार के अनुरोध पर माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर अध्ययन किया गया । यह अध्ययन राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के माध्यमिक शिक्षा बोर्डों और उच्चतर माध्यमिक प्री-यूनिवर्सिटी/इण्टरमीडिएट शिक्षा बोर्डों के सहयोग से किया गया । 1989-90 में प्रश्न-पत्र तैयार करने और राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षाओं का आयोजन करने संबंधी कार्य पूरा किया गया। 21 जनवरी, 1990 को माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों द्वारा एक राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा आयोजित की गई ।

चयित विद्यालयों के माध्यमिक स्तर (कक्षा-10) के छात्रों ने सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र) विज्ञान (भौतिकी, रसायन विज्ञान और प्राणी विज्ञान) और गणित में परीक्षाएं दीं। सीनियर माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक/पी.यू.सी. स्तर (कक्षा-12) के विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए विषयों के दो समूहों में से किसी एक समूह से किन्हीं दो विषयों को लेने का विकल्प दिया गया था । पहले समूह में इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, लेखाशास्त्र और गणित विषय थे । दूसरे समूह में भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणी विज्ञान और गणित विषय शामिल थे ।

परीक्षा पत्र द्विभाषिक थे जिनके प्रश्न अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में साथ-साथ मुद्रित थे। इन प्रश्न-पत्रों में जिन क्षेत्रीय भाषाओं को सम्मिलित किया गया, वे थीं : असमी, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, मणिपुरी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगू और उर्दू ।.परीक्षाओं में लगभग 4,60,000 विद्यार्थी बैठे। इस वर्ष में उत्तर पुस्तकाओं के अंकन तथा परीक्षा फल विश्लेषण का कार्य भी आरम्भ किया गया।

प्रतिदर्श सर्वेक्षण डिजाईनों का विकास

मा.मू.स.आ.सा.प्र. विभाग ने एस.आई.ई./एस.सी.ई.आर.टी. के प्रमुख व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए 5 से 14 फरवरी, 1990 तक कटक (उड़ीसा) में ''शिक्षा में प्रतिदर्श सर्वेक्षण अभिकल्प विकास'' पर एक दस दिवसीय कार्यशाला में प्रतिदर्श सर्वेक्षण अभिकल्प तैयार करने, नमूनों का चयन करने, सर्वेक्षण उपकरण बनाने और विश्लेषण करने तथा रिपोर्ट लेखन विषयों पर विचार-विमर्श किया गया ।

आधार सामग्री प्रक्रमण

1987-88 में परिषद् में एक कम्प्यूटर केन्द्र की स्थापना हुई जिसका उपयोग राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभिन्न विभाग और एकक करते हैं। इस वर्ष के दौरान इस केन्द्र में निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए –

- विभिन्न अध्ययनों/परियोजनाओं के आंकड़ों को ऑफ लाइन डेटा एन्ट्री सिस्टमज से चुम्भकीय टेप फ्लापी इत्यादि कम्प्यूटर मीडिया पर से स्थानान्तरित करना।
- आंकड़ों के प्रमाणीकरण और विभिन्न प्रकार की सांख्यिकीय विश्लेषण करने के लिए एपलीकेशन सॉफ्टवेयर का विकास करना ।
- कम्प्यूटर द्वारा आधार सामग्री प्रक्रम।

इस वर्ष निम्नलिखित विशेष कार्य किए गए :

- रा.शि.सं. के विभिन्न विभागों/एककों द्वारा चलाई गई अनेक अनुसंधान परियोजनाओं संबंधी आंकड़ों का कम्प्यूटर द्वारा प्रक्रमण।
- राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा की उत्तर-शीट की

स्कोरिंग और योग्यता सूची तैयार करना तथा परीक्षा-फल संबंधी अन्य प्रक्रमण।

- उनकी पी-एच.डी. परियोजनाओं के लिए संकाय सदस्यों को कम्प्यूटर सुविधायें उपलब्ध कराना।
- कूटलेखन डिजाइन के विकास, आंकड़ों को तैयार करके, सांख्यिकीय तकनीकों के अनुप्रयोग, विश्लेषण योजना के विकास और परिणामों के विश्लेषण के संबंध में अनुसंधानकर्ताओं का मार्गदर्शन करना।

उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त आलोच्च वर्ष में निम्नलिखित परियोजनाएं/कार्यक्रम चलाए गये :

1. कम्प्यूटर शिक्षा अध्ययन (एक आई.ई.ए. परियोजना) का प्रथम चरण पूरा किया गया और एकत्रित आंकड़ों का कम्प्यूटर से प्रमाणीकरण करके आगे प्रक्रम के लिए इण्टरनेशनल एसोसिएशन फॉर द इवेल्यूएशन ऑफ एकेडमिक एजेन्सी को भेजा गया।
2. राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति की वितरण प्रक्रिया के कम्प्यूटरीकरण पर कार्य आरम्भ किया गया। इस परियोजना का प्रथम चरण पूरा हो चुका है। इस पद्धति का कार्यान्वियन होने पर रा.प्र. खोज छात्रवृत्ति का वितरण कार्य और अधिक शीघ्रता से और व्यवस्थित रूप से होने की आशा है।
3. रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित पुस्तकों तथा अन्य प्रकाशनों की बिक्री, वितरण तथा भंडारण के काम का कम्प्यूटरीकरण किया जा चुका है। हार्डवेयर की स्थापना के साथ ही जिन सॉफ्टवेयरों का विकास किया गया है उनका कार्यन्वयन किया जाएगा।
4. 1986-89 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा चलाए गए कार्यकलापों को चित्रित करते हुए स्लाइडें तैयार करना।
5. फिफ्थ ऑल इण्डिया एजुकेशनल सर्वे से संबंधित विशाल राष्ट्रीय तालिकाओं को तालिकाबद्ध करना।

मा.मू.स.आ.सा.प्र. विभाग रा.शै.अ.प्र.प. के अन्य संघटकों को कम्प्यूटर तंत्र की खरीद तथा विभिन्न फर्मों के साथ कम्प्यूटर संबंधी कार्यों के निर्धारण में मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करता है।

प्रकाशन

1989-90 में मा.मू.स.आ.सा.प्र. विभाग ने निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित किए :

1. *रीड, अण्डरस्टैण्ड एण्ड आन्सर—वॉल्यूम-2 फॉर क्लास 9 एण्ड 10।*
2. *द स्कीम फॉर फॉरमेटिव इवेल्यूएशन ऑफ साईन्स इन अपर प्राईमरी कलासेज।*
3. *कम्प्रीहैन्सिव आब्जेक्टिवस ऑफ स्कूल सब्जेक्ट्स।*
4. *इन्सट्रक्सनल ऑब्जेक्टिवस ऑफ स्कूल सब्जेक्ट्स।*
5. *पैकेज ऑन आलटरनेटिव इवेल्यूऐशन प्रोसीजर इन एक्जामिनेशन्स ऑन ''इवोल्यूशन ऑफ द इण्डियन इकोनॉमी''।*

1989-90

बारह शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन के सिद्धान्तों की सहायता से विद्यालय शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाना राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का एक मुख्य कार्य है। 1989-90 में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के शैक्षिक, मनोविज्ञान परामर्श और मार्ग दर्शन विभाग के मुख्य कार्यकलाप निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान, विकास तथा प्रशिक्षण से संबंधित रहे–

- परामर्श व मार्ग दर्शन,
- प्रारम्भिक स्तर के बच्चों में सृजनात्मक शक्ति की पहचान,
- विद्यालय/कक्षा प्रतिवेश में व्यवहार प्रौद्योगिकी का प्रयोग,
- मनोविज्ञान में कक्षा 11 और कक्षा 12 के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास, और
- अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सामग्री को तैयार करना।

व्यावसायिक मार्गदर्शन से संबंधित अनुसंधान और विकासात्मक कार्यकलाप

1980-90 में ''+ 2 स्तर के छात्रों का व्यवसाय संबंधी व्यवहार और शैक्षिक तथा व्यावसायिक धाराओं में सामंजस्य'' अनुसंधान परियोजना पूरी हुई। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य + 2 स्तर विद्यार्थियों की मार्गदर्शन आवश्यकताओं की पहचान करना, उनके लिए मार्गदर्शन में संगत कार्यक्रम का नियोजन करना तथा व्यावसायीकरण की योजना के बारे में विद्यार्थियों तथा माता-पिता के प्रत्यक्ष ज्ञान प्रतिक्रिया और समायोजन इत्यादि के संबंध में शैक्षिक प्रशासकों को प्रतिपुष्टि प्रदान करना था। इस मुख्य अध्ययन के अर्न्तगत तीन अलग-अलग अध्ययन किए गए। इसमें छात्रों द्वारा विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के चयन के कारणों तथा सहसंबंधों का अध्ययन कई चरों के आधार पर शैक्षिक और व्यावसायिक धाराओं के छात्रों का तुलनात्मक अध्ययन और व्यावसायिक धारा में छात्रों के समायोजन का अध्ययन सम्मिलित है।

शै.म.प.मा.वि. ने एक अन्य परियोजना ''सृजनशील लड़कियों का व्यावसायिक व्यवहार'' पर कार्य आरम्भ किया है। इस वर्ष फील्ड-टैस्टिंग और परियोजना प्रलेखन संबंधी प्रारम्भिक कार्य लिया गया था।

विकास कार्यकलाप

शै.म.प.मा.वि. ने इस वर्ष निम्नलिखित मुख्य विकास कार्यकलाप/कार्यक्रम किए।

1. दिल्ली के व्यावसायिक माध्यमिक विद्यालयों में

स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए निर्देशन कार्यक्रम का विकास। यह कार्यक्रम उपर्युक्त ढंग से नियोजित विद्यालय मार्गदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए प्रारम्भ किया गया था। इसके अर्न्तगत एक मार्गदर्शन कार्यक्रम विकसित किया गया जिसे उन दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यान्वित किया गया जिन्होंने व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए हुए हैं।

2. प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम का विकास: प्राथमिक विद्यालयी के अध्यापकों द्वारा कार्यान्वित किये जा सकने वाले उपर्युक्त मार्गदर्शन कार्यक्रम को विकसित करने के लिए एक तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
3. विद्यालयी विद्यार्थियों के समकक्षी परामर्शदाता के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास तथा प्रशिक्षण: इस कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों को समकक्ष परामर्शदाता के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए एक प्रशिक्षण पैकेज तैयार किया गया।
4. विद्यार्थियों में अधिकतम आत्म पोषण और कार्य अभिमुख होने को प्रोत्साहन देने के लिए प्रारम्भिक विद्यालय अध्यापकों के लिए मार्गदर्शन निदेशों का विकास: कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों के प्रयोग के लिए उदाहरणार्थ मार्गदर्शन सामग्री का विकास करना है।
5. सक्षमता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को विकसित करने के लिए माध्यमिक विद्यालयों में विद्यालय परामर्शदाताओं की भूमिका और कार्यों का एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन।
6. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक अध्यापकों के लिए शैक्षिक क्षेत्र में स्वयं अनुदेशी मापकों का विकास।
7. नवोदय विद्यालय में कक्षा 5 के विद्यार्थियों की समायोजन समस्या और पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित मार्गदर्शन कार्यक्रम।
8. परामर्शदाताओं के लिए एक मैनअल का विकास, इस वर्ष इस मैनुअल की विषय सूची की विस्तृत रूपरेखा बनाई गई।
9. प्रारम्भिक और माध्यमिक विद्यालयों में विकासात्मक और जीवन वृत्ति मार्गदर्शन पर बहु माध्यम पैकेज का विकास।
10. प्रारम्भिक विद्यालय अध्यापकों में सृजनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करने पर एक पुस्तिका का विकास।
11. प्रारम्भिक अध्यापक-शिक्षकों और विद्यालय अध्यापको के लिए व्यवहार परिवर्तन पर एक मेनुअल का विकास।
12. प्रारम्भिक अध्यापक-शिक्षकों के लिए अधिगम और विकास पर मेनुअल का विकास।
13. कक्षा 11 के लिए मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तक ''साइक्लोजी: ऐन इन्ट्रोडक्शन टू ह्यूमन बिहेवियर (भाग 1)'' का संशोधित रूप तैयार करना।
14. कक्षा 12 के लिए मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तक ''साइक्लोजी: ऐन इन्ट्रोडंक्शन टू ह्यूमन बिहेवियर (भाग 2)'' का संशोधित रूप तैयार करना।
15. टीचर्स हैंडबुक बेस्ड ऑन द टेक्स्टबुक इन साइक्लोजी फॉर क्लास 11 का विकास।
16. टीचर्स हैंडबुक बेस्ड ऑन द टेक्स्टबुक इन साइक्लोजी फॉर क्लास 12 का विकास।
17. शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक टेस्टों की राष्ट्रीय लाइब्रेरी (एन. एल. ई. पी. टी.) को सुदृढ़ करना। ये लाइब्रेरी एन. टी. डी. एल. निम्नलिखित रूपों में कार्य करती है: एक संदर्भ पुस्तकालय, ''मनोवैज्ञानिक टेस्टों संबंधी सूचना केन्द्र'' मनोवैज्ञानिक टेस्टों की समीक्षा और भारत में टेस्ट विकास में अन्तरालों की निर्धारण करने वाली संस्था—
    - सभी प्रकाशित भारतीय टेस्टों की आलोचनात्मक समीक्षा करने वाला एक

अभिकरण, और

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रतिवर्ष चलाए जाने वाले 9 मासीय शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रशिक्षार्थियों के लिए एक स्रोत केन्द्र।

18. शै.म.प.मा.वि. की मार्गदर्शन प्रयोगशाला को सुदृढ़ करना।

19. शै.म.प.मा.वि. में एक व्यावसायिक सूचना केन्द्र विकसित करना।

विभिन्न विकास कार्यकलापों के अन्तर्गत शै.म.प.मा.वि. ने 1989-90 में 11 कार्यशालाएं आयोजित की थीं। इन कार्यशालाओं का विस्तृत विवरण तालिका 12.1 दिया गया है।

तालिका 12.1

1989-90 में शै.म.प.मा.वि. द्वारा आयोजित कार्यशालाएं/बैठकें

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	राष्ट्रीय शैक्षिक और मनोविज्ञान टैस्ट लाइब्रेरी की केन्द्रीय सलाहकार समिति की बैठक	27 सितम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	11
2.	विद्यार्थियों में अधिकतम आत्मपोषण और कार्य अभिमुख करने के लिए प्रारम्भिक विद्यालय अध्यापकों के मार्गदर्शन निवेशों को विकसित करने के लिए कार्यशाला	6 से 10 नवम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	10
3.	सक्षमता आधारित मार्गदर्शन कार्यक्रम के विकास के लिए माध्यमिक विद्यालयों के परामर्शदाताओं की भूमिका और कार्यों का मूल्यांकनात्मक अध्ययन			
	अ. परामर्शदाताओं के साथ अन्योन्यक्रिया कार्यक्रम	19 से 21 दिसम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	30
	ब. परामर्शदाता प्रशिक्षार्थियों के साथ अन्योन्यक्रिया कार्यक्रम	2 से 4 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	10
	स. परामर्शदाताओं के साथ अन्योन्यक्रिया कार्यक्रम-2	19 से 21 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	32
4.	राष्ट्रीय शैक्षिक और मनोविज्ञान टैस्ट लाईब्रेरी की समीक्षा समिति की बैठक (बुद्धि और अभिरुचि के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक टेस्टों की समीक्षा)	8से 12 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
5.	राष्ट्रीय शैक्षिक और मनोविज्ञान टेस्ट लाईब्रेरी के सम्पादकीय बोर्ड की बैठक	22 से 25 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6
6.	प्राईमरी विद्यालय शिक्षा के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम विकसित करने के लिए कार्यशाला	12 से 14 फरवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
7.	कक्षा-12 के लिए मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तक की समीक्षा करने के लिए कार्यशाला	20 से 23 फरवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	21
8	विद्यालय छात्रों की समकक्षी परामर्शदाता का प्रशिक्षण देने के लिए पाठ्यचर्या विकास के लिए एक कार्यशाला	27 फरवरी से 1 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	11
9.	कक्षा-12 के मनोविज्ञान परीक्षण पुस्तक पर आधारित अध्यापक पुस्तिका का एक मसौदा तैयार करने के लिए कार्यशाला	13 से 16 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	19
10.	+ 2 स्तर पर व्यावसायिक अध्यापकों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में स्व-अनुदेशी मापांक विकसित करने पर कार्यशाला	26 से 30 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6

प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रम

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग देश में मार्गदर्शन सेवाओं के संवर्द्धन और प्रोत्साहन के लिए 9 मास का शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाता है। यह पाठ्यक्रम परामर्शदाताओं को माध्यमिक विद्यालयों में मार्गदर्शन ब्यूरो चलाने और माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों, अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के शैक्षिक मनोविज्ञान विभागों के कर्मिकों को मार्गदर्शन संबधी प्रशिक्षण देने के लिए बनाया गया है। 28वाँ शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन पाठ्यक्रम अप्रैल, 1988 में समाप्त हुआ था। 29वाँ पाठ्यक्रम 1 अगस्त, 1989 को आरम्भ हुआ। इस पाठ्यक्रम में 29 प्रशिक्षार्थी थे जिनमें 2 अ.जा., एक अ.ज.जा. वर्ग के तथा 8 आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, मिजोरम, नागालैंड और पंजाब तथा संघ शासित क्षेत्र पण्डिचेरी से प्रतिनियुक्ति पर थे।

शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अतिरिक्त शै.म.प.मा.वि. कुछ अल्पकालीन संवर्द्धन प्रशिक्षण/अभिविन्यास पाठ्यक्रम भी चलाता है। जिसमें प्रशिक्षित और कार्यरत परमर्शदाताओं के लिए व्यावसायिक कौशल पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, तमिलनाडु, गोआ और कर्नाटक में +2 स्तर के व्यावसायिक अध्यापकों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण

कार्यक्रम, प्रारम्भिक अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए कक्षा/विद्यालय में व्यवहार संशोधन प्रविधियों को लागू करने पर दो 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, माध्यमिक अध्यापक शिक्षकों के लिए अधिगम और विकास पर एक संवर्द्धन पाठ्यक्रम और राजस्थान के उन अध्यापक-शिक्षकों को जो प्रारम्भिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में मनोविज्ञान पढ़ाते हैं, के लिए एक संवर्द्धन कार्यक्रम सम्मिलित है। वर्ष 1989-90 शै.म.प.मा.वि. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास/संवर्द्धन कार्यक्रमों को तालिका 12.2 में दिया गया है।

तालिका 12.2

1989-90 में शै.म.प.मा.वि. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	राजस्थान राज्य के मनोविज्ञान शिक्षण के प्रारम्भिक अध्यापक-शिक्षकों के लिए संवर्द्धन पाठ्यक्रम	28 अगस्त से 1 सितम्बर, 1989	उदयपुर	37
2.	माध्यमिक अध्यापक-शिक्षकों और एस.आई.ई./एस.सी.ई.आर.टी. स्टाफ के लिए अधिगम एवं विकास पर संवर्धन पाठ्यक्रम	16 से 21 अक्तूबर, 1989	मद्रास	30
3.	प्रारम्भिक अध्यापक-शिक्षकों के लिए कक्षा/विद्यालय परिवेश में व्यवहार संशोधन तकनीकों को लागू करने संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 से 8 नवम्बर, 1989	सम्बलपुर उड़ीसा	20
4.	+2 स्तर पर तमिलनाडु, गोआ और कर्नाटक के व्यावसायिक अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	9 से 18 जनवरी, 1990	मैसूर	27
5.	प्रारम्भिक अध्यापक-शिक्षकों के लिए कक्षा/विद्यालय परिवेश में व्यवहार संशोधन तकनीकों को लागू करने संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 से 23 जनवरी, 1990	पोरबंदर गुजरात	28
6.	परामर्श कौशल में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	22 से 25 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	46

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/संवर्धन कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त शै.म.प.मा.वि. ने मार्गदर्शन और परामर्श के विभिन्न पहलुओं पर पांच संगोष्ठियां आयोजित की थीं। 1989-90 में शै.म.प.मा.वि. द्वारा आयोजित संगोष्ठियों का विवरण तालिका 12.3 में दिया गया है।

तालिका 12.3

1989-90 में शै.म.प.मा.वि. द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	बालिकाओं को जीवनवृति परामर्श पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 से 30 नवम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	56
2.	उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श पर अभिविन्यास संगोष्ठी	11 से 12 नवम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	25
3.	विद्यालयों में परामर्श सेवाएं आयोजित करने की पद्धतियों पर अभिविन्यास संगोष्ठी (पी.टी.ए. कार्मिकों के लिए)	1 और 2 फरवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	11
4.	माता-पिता अध्यापक संघ के लिए मार्गदर्शन और परामर्श संबंधी अभिविन्यास संगोष्ठी (पी.टी.ए. कार्मिकों के लिए)	19 से 21 फरवरी, 1990	बिलानडा, तिरूअनंतपुरम	31
5.	माता-पिता अध्यापक संघ के कार्मिकों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श संबंधी अभिविन्यास संगोष्ठी	5 से 7 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	18

1989-90

तेरह

महिला समानता के लिए शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. लड़कियों तथा महिलाओं की शिक्षा के सवर्द्धन के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम तथा परियोजनाओं को कार्यान्वित तथा प्रतिपादित करने में व्यस्त है। महिला समानता शिक्षा संवर्द्धन हेतु आलोच्च वर्ष में अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण तथा विस्तार कार्यकलाप, रा.शि.सं. के महिला अध्ययन विभाग की प्रमुख गतिविधियां रहीं। लड़कियों की शिक्षा सम्बन्धी समस्या की प्रकृति तथा परिमाण निर्धारण के लिए स्थानीय क्षमताओं का विकास करना तथा लड़कियों की शिक्षा के संवर्द्धन के लिए विशेष स्थानीय कार्यक्रमों का विकास करना महिला अध्ययन विभाग की प्रमुख गतिविधियां रहीं। वर्ष 1989-90 के दौरान महिला अध्ययन विभाग द्वारा निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों/परियोजनाओं पर कार्य किया गया।

अनुसंधान अध्ययन

शिक्षा के प्रारंभिक स्तर पर लड़कियों की शिक्षा के संवर्द्धन की उपयुक्त कार्यनीतियाँ विकसित करने के प्रयास के रूप में म.अ.वि. ने प्रारंभिक स्तर पर लड़कियों की शिक्षा जारी रखने या उसमें आने वाले व्यवधान को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन आरंभ किया। 3 फरवरी, 1990 को नई दिल्ली में इस अध्ययन के कार्यकारी दल की बैठक हुई। इस बैठक में महिला-शिक्षा के 14 विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यकारी दल की एक और बैठक 19 और 20 फरवरी, 1990 को नई दिल्ली में हुई। इस बैठक में लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा के संवर्द्धन के लिए किए जाने वाले कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में लगे हुए 25 व्यक्तियों ने भाग लिया।

अनुदेशी/ प्रशिक्षण सामग्री का विस्तार

आलोच्च वर्ष में म.अ.वि. ने लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा के संवर्द्धन से संबंधित अनुदेशी/प्रशिक्षण सामग्री के विकास संबंधी अनेक कार्यकलाप किए। महिला समानता की शिक्षा की उदाहरणात्मक सामग्री तैयार करने के लिए एक 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 7 से 11 नवंबर, 1989 तक इलाहाबाद में आयोजित इस कार्यशाला में 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वर्ष विभाग ने प्रारंभिक, माध्यमिक अध्यापक शिक्षा तथा एम.एड. की पाठ्यचर्याओं में महिला-समानता की शिक्षा से संबंधित विचारों के समावेश हेतु अनेक कार्यकलाप आरंभ किए। इस प्रायोजनार्थ 21 से 23 दिसंबर, 1989 तक पूणे में एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 51 अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अध्यापक-शिक्षकों, विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभागों के संकाय सदस्यों तथा महिला-अध्ययन के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त विभाग ने विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर प्रयुक्त पाठ्यपुस्तकों तथा सहायक पाठ्यालाओं में से

लिंग संबंधी भेदभाव दूर करने के लिए पाठ्यपुस्तकों तथा सहायक पाठमालाओं का मूल्यांकन किया। विभाग ने लड़कियों तथा महिलाओं के लिए व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों के विकास के संबंध में भी कार्य किया।

अभिविन्यास/ प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रम

वर्ष 1989-90 के दौरान म.अ. विभाग का सर्वप्रथम कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा विकास संबंधी विधियों पर 7 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना था। 4 सितंबर से 20 अक्तूबर, 1989 तक नई दिल्ली में आयोजित इस पाठ्यक्रम में 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम के तीन भाग थे–कोर पाठ्यक्रम, क्षेत्र यात्राएं तथा व्यक्ति निर्दिष्ट कार्य। कोर पाठ्यक्रम में महिला-शिक्षा तथा विकास का सार्वभौमिक परिप्रेक्ष्य, विद्यालयी पाठ्यचर्या तथा अनुदेशी सामग्री से लिंग संबंधी भेदभाव दूर करना, महिला शिक्षा की गुणात्मक और परिमाणात्मक विधियां, लड़कियों की शिक्षा के लिए समाज को गतिशील करना, कार्यक्रम नियोजन, परियोजना निरूपण तथा मानीटरन और महिलाओं की शिक्षा के संवर्द्धन तथा विकास के लिए तैयार किए गए कार्यक्रमों/परियोजनाओं का मूल्यांकन इत्यादि सम्मिलित थे। क्षेत्र यात्राओं के अन्तर्गत अनौपचारिक शिक्षा निदेशालय, श्रमिक विद्यापीठ, राष्ट्रीय जन सहयोग तथा बाल विकास संस्थान, राष्ट्रीय परिवार कल्याण संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, महिला पोलिटेक्निक, विकलांगों की शिक्षा से संबंधित विद्यालय और संस्थाएं आदि की यात्रा की गई। व्यक्ति निर्दिष्ट कार्य राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा के संवर्द्धन के लिए तैयार किए गए कार्य परक परियोजनाओं/कार्यक्रमों के निरूपण पर केन्द्रित रहे।

आलोच्य वर्ष में महिला अध्ययन विभाग ने महिला समानता पर दो अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। महिला समानता पर पहला अभिविन्यास कार्यक्रम 23 से 25 मई, 1989 तक शिमला में हिमाचल प्रदेश के डिग्री महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए किया गया। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के डिग्री महाविद्यालयों के 31 प्राचार्यों ने भाग लिया। दूसरा अभिविन्यास कार्यक्रम 3 से 5 अगस्त, 1989 तक हैदराबाद में आन्ध्र प्रदेश की राज्य शै.अ.प्र.प. के संकाय सदस्यों और आदिवासी अध्यापकों के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को बालिकाओं की शिक्षा से संबंधित समस्याओं पर अभिविन्यासित किया गया। प्रारंभिक स्तर की निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का लिंग भेदभाव की दृष्टि से विश्लेषण और मूल्यांकन भी किया गया। इसके अतिरिक्त इन कार्यक्रमों में महिला समानता के लिए शिक्षा को उन्नत करने के लिए विद्यालय आधारित कार्यकलाप योजना को भी विकसित किया गया।

म.अ.वि. ने 21 से 26 अगस्त, 1989 तक दिल्ली में यूनेस्को द्वारा प्रायोजित बालिकाओं के लिए प्राईमरी शिक्षा के व्यापकीकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जनसमुदाय विशेष की लड़कियों की सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं के संदर्भ में लड़कियों की व्यापक प्राईमरी शिक्षा से संबंधित समस्याओं का विश्लेषण करना और औपचारिक और अनौपचारिक तरीकों से लड़कियों की प्राईमरी शिक्षा में सुधार के लिए पाठ्यचर्या और अध्यापक प्रशिक्षण कार्यनीतियों और प्रणालियों को विकसित करना था। इस कार्यशाला में व्यापक प्राईमरी शिक्षा, विशेष रूप से लड़कियों की शिक्षा को उन्नत करने के लिए निर्देशित कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में लगे देश के विभिन्न संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

1989-90 के दौरान म.अ.वि. ने अ.जा./ज.जा. की लड़कियों की शिक्षा को उन्नत करने के विशेष संदर्भ में लड़कियों की शिक्षा पर राज्य स्तर पर एक कार्यशाला आयोजित की। सब कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य लड़कियों, विशेषतः अ.जा./अ.ज.जा. की लड़कियों की शिक्षा को उन्नत करने के लिए कार्यनीति विकसित करना था। इन कार्यशालाओं का ब्यौरा तालिका 13.1 में दिया गया है।

1989-90

तालिका 13.1

म.अ.वि. द्वारा वर्ष 1989-90 में अ.जा./अ.ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर आयोजित कार्यशालाएं

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	अ.जा./ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर कार्यशाला	26 से 28 दिसम्बर, 1989	पुणे	45
2.	अ.जा./ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर कार्यशाला	9 से 11 जनवरी, 1990	उदयपुर	22
3.	अ.जा./ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर कार्यशाला	23 से 25 जनवरी, 1990	इलाहाबाद	27
4.	अ.जा./ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर कार्यशाला	31 जनवरी से 2 फरवरी, 1990	मद्रास	45
5.	अ.जा./ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर कार्यशाला	13 से 15 फरवरी, 1989	पटना	25
6.	अ.जा./ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर कार्यशाला	19 से 21 मार्च, 1990	भोपाल	40
7.	अ.जा./ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर कार्यशाला	21 से 23 मार्च, 1990	तिरूपति	40
8.	अ.जा./ज.जा. लड़कियों की शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला	26 से 28 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	45

महिला अध्ययन विभाग ने महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा के क्षेत्र में सोमालिया के यूनेस्को फैलो के लिए छह महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया।

प्रतिवेदनों/ पुस्तिकाओं का प्रकाशन

चर्चित वर्ष के दौरान म.अ.शि. ने निम्नलिखित प्रतिवेदनों/पुस्तिकाओं का प्रकाशन किया।

1. *ए हैंडबुक ऑन ट्रेनिंग मेथोडोलोजी ऑफ वीमेन्स एजूकेशन एण्ड डवलपमेन्ट।*
2. *रिपोर्ट ऑफ द यूनेस्को स्पोन्सर वर्कशॉप इन यूनिवर्सलाईजेशन ऑफ प्राईमरी एजुकेशन ऑफ गर्ल्स।*
3. *रिपोर्ट ऑफ द वर्कशॉप ऑन एजूकेशन ऑफ एस.सी./एस.टी.गर्ल्स इन राजस्थान।*
4. *रिपोर्ट ऑफ द वर्कशॉप ऑन एजूकेशन ऑफ एस.सी./एस.टी. गर्ल्स इन बिहार।*
5. *रिपोर्ट ऑफ द वर्कशॉप ऑन एजूकेशन ऑफ एस.सी./एस.टी. गर्ल्स इन मध्य प्रदेश।*
6. *रिपोर्ट ऑफ द वर्कशॉप ऑन एजूकेशन ऑफ एस.सी./एस.टी. गर्ल्स इन आंध्र प्रदेश।*

चौदह शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार का विकास

विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा की सभी शाखाओं में अनुसंधान का समन्वयन और उसे प्रोत्साहन देना परिषद् की प्रमुख गतिविधियां हैं। परिषद् अपने विभिन्न घटकों के अतिरिक्त, बाहरी संगठनों को भी वित्तीय सहायता देकर शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ावा देती है। यह कनिष्ठ अनुसंधान शिक्षा वृत्ति भी प्रदान करती है और अनुसंधान कार्यप्रणाली पाठ्यक्रम आयोजित करती है, जिससे देश के विभिन्न भागों में अनुसंधान कार्यकर्ताओं का एक दल स्थापित हो सके।

अनुसंधान और नवाचार

1974 में स्थापित परिषद् की शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) विद्यालय शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को सहायता प्रदान करने वाली मुख्य इकाई है। विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों तथा सम्बद्ध विद्याशाखाओं के प्रतिष्ठित अनुसंधानकर्ता एस.आई.ई./ एस.सी.ई.आर.टी. के प्रतिनिधि, रा.शै.अ.प्र.प.के.रा.शि.सं. तथा सी. आई.ई.टी. तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.) के सभी विभागों/एककों के अध्यक्ष इस समिति के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त रा.शि.सं., सी.आई.ई.टी. और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कुछ चुने हुए प्रोफेसर इस समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं।

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) शैक्षिक अनुसंधान के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का पता लगाने में सहायता करती है और शिक्षा एवं सम्बंद्ध विद्याशाखाओं पर अनुसंधान अध्ययन तथा नवाचार परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता देती है। शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) रा.शै.अ.प्र.प., संकाय के सह-निर्देशन में किए जा रहे पी-एच.डी. कार्य के लिए शिक्षावृत्ति देने के अतिरिक्त पी-एच.डी. शोध प्रबंध, शोध पत्र और मोनोग्राफ की छपाई के लिए भी अनुदान देती है। समय-समय पर शैक्षिक अनुसंधान पर सूचनाओं और विचारों के प्रचार-प्रसार के अतिरिक्त यह समिति शैक्षिक अनुसंधान पर सम्मेलन/बैठकें/संगोष्ठियां भी आयोजित करती है।

पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएं

वर्ष 1989-90 के दौरान शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) द्वारा समर्थित 16 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं। इनमें सम्मिलित 8 परियोजनाओं पर परिषद् के विभिन्न घटकों ने तथा 8 परियोजनाओं पर बाहरी अनुसंधान संस्थानों ने कार्य किया। आलोच्य वर्ष में पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाओं का ब्यौरा तालिका 14.1 में दिया गया है:

1989-90

तालिका 14.1
1989-90 में पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	*परियोजना का शीर्षक*	*अवधि*	*मुख्य अन्वेषक*
विभागीय परियोजनाएं			
1.	अंग्रेजी शिक्षण की तकनीकों तथा पद्धतियों का सर्वेक्षण	1 वर्ष	प्रोफेसर एस.के.राम सा.वि.और.मा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
2.	शैक्षिक रूप से पिछड़े नौ राज्यों में प्राथमिक स्तर पर निष्क्रियता तथा बीच में विद्यालय छोड़ देने का नमूना अध्ययन	2 वर्ष	प्रो. जे.के.गुप्ता, डा. ए.बी.एल. श्रीवास्तव मा.मू.स. और आ.सा.प्र.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
3.	श्रवण शक्ति दोषग्रस्त छात्रों की भाषा योग्यता का अध्ययन	1 वर्ष 6 माह	डा. (श्रीमती) पी.एल. शर्मा अ.शि.वि.शि. और वि.से.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
4.	अनु.जाति/अनु. जन जाति और गैर अनु.जाति/अनु.जन जाति के छात्रों तथा अध्यापकों की सम्प्राप्ति के साथ उनकी स्व-संकल्पना, अभिरुचि और समायोजन का संबंध	2 वर्ष	डा. जे.सी.गोयल, डा. आर.के.चौपड़ा अ.शि.वि.शि. और वि.से.वि रा.शै.अ.प्र.प.
5.	एन.एफ.ई. केन्द्रों के बच्चों की उपलब्धि के मूल्यांकन हेतु उपकरणों तथा प्रविधियों की रचना	1 वर्ष	डा. (श्रीमती) नीरजा शुक्ला अनौपचारिक शि. एवं अ.जा./अ.ज.जा. शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
6.	औपचारिक शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत प्रारम्भिक स्तर के ग्रामीण छात्रों तथा बीच में ही विद्यालय छोड़ देने वाले बच्चों के लिए जीव-विज्ञान में आवश्यकता आधारित और समाजोन्मुखी स्वाध्ययन अनुदेशी सामग्री के विकास के लिए प्रयोगात्मक परियोजना	3 वर्ष	डा. जे.मित्रा वि. और गणित शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
7.	विशेष रूप से विकलांग बच्चों की समाकलित शिक्षा हेतु अध्यापन क्षमताओं का निर्धारण	1 वर्ष 6 माह	डा. (श्रीमती) एस. मुकोपाध्याय नीपा

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	अवधि	मुख्य अन्वेषक
8.	शिलांग (मेघालय) और आसपास के जनजातीय हाई स्कूल विद्यार्थियों की पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा मनोविज्ञान संबंधी चयित चरों, शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक व्यावसायिक नियोजन योजना का अध्ययन	3 वर्ष	डा. (श्रीमती) पी.एच.मेहता, डा. (श्रीमती) आशा भटनागर शै.म.परा.और.नि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
बाहरी परियोजनाएं			
1.	गिलफोर्ड एस.आई.मॉडल पर आधारित परीक्षण माला की रचना (जनवरी, 1979 से जून, 1984 तक)	30 माह	डा. ऊषा खायर पुणे
2.	विशिष्ट अध्ययन दक्षताओं के अभिज्ञान पर व्यापक अनुसंधान परियोजना। हिन्दी शिक्षण से संबंधित शिक्षण सामग्री का विकास तथा इन अभिज्ञान विशिष्ट दक्षताओं की प्रभविष्णुता का अध्ययन	3 वर्ष	डा. डी.एल. शर्मा सरदार शहर
3.	प्राथमिक शिक्षा में गैर सरकारी निवेश जिला वरांगल, आंध्र प्रदेश में एक अध्ययन	10 माह	डा. बी. रजैया मनचेरिल जिला अदीलाबाद
4.	केन्द्रीय विद्यालयों में परीक्षा की निरंतर मूल्यांकन पद्धति का मूल्यांकन	1 वर्ष	श्री आर.एस.राव बुर्ला
5.	कक्षा 10 के लिए गुजराती में प्रश्न बैंक का विकास	18 माह	डा. डी.जे.मोदी भावनगर
6.	छात्र विद्रोह के कारण और निवारण के उपायों के समाजवैज्ञानिक अध्ययन की रिपोर्ट	12 माह	डा. एस.के. श्रीवास्तव मसूरी
7.	प्रशिक्षण विद्यालयों में शिक्षण सुधार के लिए शिक्षण विधियों का प्रयोगात्मक परीक्षण	18 माह	डा. एस.सी. कुलश्रेष्ठ देहरादून
8.	भारत में शैक्षिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का अध्ययन	4 माह	श्रीमती कुसुम कामत बम्बई

1989-90

चालू परियोजनाएं

आलोच्च वर्ष में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के विभिन्न घटकों ने आठ तथा बाहरी अनुसंधान संस्थानों ने तेरह अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य जारी रखा। इन चालू अनुसंधान परियोजनाओं का ब्यौरा तालिका 14.2 में दिया गया है:

तालिका 14 . 2

1989-90 में चालू अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	*परियोजना का शीर्षक*	*मुख्य अन्वेषक*
विभागीय परियोजनाएं		
1.	9 से 14 वर्ष के सामाजिक रूप से वंचित बच्चों की तर्कबुद्धि का प्रतिनिध्यात्मक अध्ययन	डा. वी.डी. भट्ट, डा. वी.के. जैन अ.शि.वि.शि. और वि.से.वि.
2.	10वीं कक्षा के विद्यार्थियों में नैतिकता तथा सदाचार संबंधी मूल्यों के विकास तथा छात्रों की मूल्य निर्णय योग्यता के मापन के लिए कुछ चयित माध्यमिक विद्यालयों द्वारा अपनाई गई पद्धतियों का अध्ययन	डा. आर.सी.दास, डा. जी.एस. हेटी क्षे.शि.म, भुवनेश्वर
3.	विद्यार्थी अध्ययन शैली: सिद्धांत और अनुसंधान तथा उनके उपकरणों का विश्लेषण	डा. एम.के. रैना अ.शि.वि.शि. और वि.से.वि.
4.	राजस्थान में इतिहास शिक्षण का आलोचनात्मक सर्वेक्षण	डा. वी.के. रैना क्षे.से.वि. और स. वि.
5.	एन.एफ.ई.पाठ्यचर्या तथा शिक्षण सामग्री और शिक्षण कार्यक्रम हेतु उनके अर्थ: एक अध्ययन	डा. कु. पी. दास गुप्ता अ.शि.अ.जा./अ.ज.जा. शि.वि.
6.	सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से सुविधावंचित समुदायों के उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले छात्रों की माताओं द्वारा शिशु पालन संबंधी व्यवहारों का तुलनात्मक अध्ययन	डा. (श्रीमती) विनीता कौल, डा. (श्रीमती) चित्रा रामचन्द्रन
7.	सृजनशील बालिकाओं के व्यावसायिक व्यवहार का प्रतिनिध्यात्मक अध्ययन	डा.(श्रीमती)आशा भटनागर, डा. सुषमा गुलाटी शै.म.वि.प्र.नि.वि.

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
8.	विभिन्न प्रकार की डायसकेलकुलीक्स में न्यूरोसाइकोलोजिकल प्रक्रियाओं तथा तार्किक गणित संरचना का अध्ययन	डा. (श्रीमती) एस. राम क्षे.शि.म., मैसूर
बाहरी परियोजनाएं		
1.	माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापक शिक्षा का गुणारोपित विश्लेषण	डा. शिवागणेश भार्गव भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल
2.	सामाजिक चेतना तथा मूल्य द्वन्द निराकरण की योग्यता के विकास पर न्यायशास्त्रीय अध्यापन विधि का प्रभाव	डा. एस.के. पाल, डा. के.ए. मिश्रा इलाहाबाद
3.	पश्चिम बंगाल में माध्यमिक स्तर पर गणित के अध्यापन में पूर्णाधिकार अधिगम उपा[illegible] के प्रभाव का अध्ययन।	मदन मोहन चैल पश्चिम बंगाल
4.	भारत में सृजनात्मकता के परीक्षणों का विकास तथा प्रयोग	डा. मौहम्मद मियां नई दिल्ली
5.	हिन्दी तथा अंग्रेजी में भाषा संबंधी सृजनशीलता के विकास पर अध्यापन की वाक्य पद्धति का प्रभाव	डा. एस.पी. मल्होत्रा कुरूक्षेत्र, हरियाणा
6.	प्रारम्भिक प्रगति तथा साक्षरता अधिग्रहण के विभिन्न चरणों का विकासात्मक अन्वेषण शिक्षण प्रक्रिया के लिए इसका अर्थ	डा. प्रतिमा कर्नाथ मैसूर
7.	गणित शिक्षण के अन्तर्गत हाई स्कूल के विद्यार्थियों में समस्या समाधान अधिगम पद्धति का विकास	डा. एस. मोहन कराकुडी
8.	कुमाऊनी भाषा के संख्यात्मक विश्लेषण	डा. एच.एस. धामी अल्मोड़ा
9.	श्रवण शक्ति दोषग्रस्त बच्चों के भाषा विकास तथा समाजीकरण पर उनके लिए निर्मित तथा कार्यान्वित शिक्षा कार्यक्रमों के प्रभाव का अध्ययन तथा माता-पिता के शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों के प्रभाव का अध्ययन	डा. लता सदाशिव परांजपा, पुणे

1989-90

क्रमांक	*परियोजना का शीर्षक*	*मुख्य अन्वेषक*
10.	कश्मीर घाटी में प्रारम्भिक स्तर पर, बीच में ही स्कूल छोड़ देने वाले गुज्जर लड़के तथा लड़कियों की अत्याधिक संख्याः एक प्रस्तावित अध्ययन	डा. मोती लाल लिद्दो श्रीनगर
11.	श्रवण दोष (कम सुनाई देना) ग्रस्त बच्चों के बोलने पर तथा भाषा विकास पर सिंगल मोडेलिटी स्टीम्यूलेशन का प्रभाव	डा. (श्रीमती) कल्याणी एन. मेंडके पुणे
12.	महाराष्ट्र राज्य में अ-श्रेणीकृत एक अध्यापक तथा दो अध्यापकों वाले विद्यालयों में कक्षानायक तथा हाऊस लीडरज़ का परीक्षणात्मक प्रयोग	डा. एम.जी. माली कोल्हापुर, महाराष्ट्र
13.	प्रतिभा का अभिज्ञान तथा पोषण । विद्यालय समय के पश्चात् तथा शनिवार को आयोजित संवर्द्धन कार्यक्रमों का मद्रास शहर के प्रारम्भिक विद्यालयों के प्रतिभाशाली तथा प्रवीण विद्यार्थियों पर प्रभाव	डा. सुशीला श्रीवास्तव मद्रास

बन्द कर दी गई परियोजनाएं

1989-90 के दौरान जिन 8 अनुसंधान परियोजनाओं पर रा.शै.अ.प्र.प. के घटकों द्वारा तथा जिस एक परियोजना पर बाहरी अनुसंधान संस्थान द्वारा कार्य किया जा रहा था, उन्हें बन्द कर दिया गया । इन परियोजनाओं का ब्यौरा तालिका 14.3 में दिया जा रहा है :

तालिका 14.3

1989-90 मे बन्द कर दी गई परियोजनाएं

क्रमांक	*परियोजना का शीर्षक*	*बंद होने की तारीख*	*मुख्य अन्वेषक*
विभागीय परियोजनाएं			
1.	+2 स्तर पर तकनीकी गणित में संप्रत्यात्मक सामान्य त्रुटियों का विश्लेषण तथा सरल पद्धतियों एवं कार्यनीतियों संबंधी नवाचार	5 अप्रैल, 1989	प्रो.एस.सी.दास वि. और ग.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
2.	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के एम.एस.सी. छात्रों का अनुवर्तन	6 अप्रैल, 1989	डा. (श्रीमती) एस.मियाँ वि.पू. और प्रा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	बंद होने की तारीख	मुख्य अन्वेषक
3.	एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा विभिन्न छात्र-वर्गों के लिए तैयार की गई सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या तथा शिक्षण सामग्री की उपयुक्तता का अध्ययन	25 अप्रैल, 1989	डा.बी.एस.पारेख, डा. जी.एल.आद्य (सेवानिवृत्त) प्रोफेसर सा.वि. और मा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
4.	आधुनिक शिक्षा का इतिहास	25 अप्रैल, 1989	प्रोफेसर जी.एल.आद्य (सेवानिवृत्त) प्रोफेसर सा.वि. और मा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
5.	कक्षा-11 स्तर पर भौतिक विज्ञान में व्यक्तिपरक शिक्षण पद्धाते का कार्यान्वियन	2 मई, 1989	प्रोफेसर बी.शरण (स्वर्गीय) वि. और ग.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
6.	राजस्थान के पिछले 500 वर्षों के रिकार्डस में वर्तमान गणित सामग्री की खोज तथा संचयन	26 अप्रैल, 1989	डा. एच.एन. गुप्ता क्षेत्र सलाहकार, जयपुर, रा.शै.अ.प्र.प.
7.	यौगिक चिन्तन-मनन का दुश्चिन्ता [illegible] तथा अपसारी समझ, अवधानं केन्द्रीकरण पर प्रभाव	25 अप्रैल, 1९०9	डा.टी.आर.भाटिया शै.मनो. और नि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
8.	प्राथमिक स्तर के जन जाति छात्रों के दुर्बल तथा सशक्त अधिगम तथा मजबूत बिन्दुओं के निर्धारण के लिए उनके कार्य का विषयवार अध्ययन	11 अक्तूबर, 1989	डा.बी.एस.गुप्ता अनौ.शि. और अ.जा./ज.जाति शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.
बाहरी परियोजना			
	दिल्ली स्लम-क्षेत्रों के विद्यालयी बच्चों के सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों के मनो-सामाजिक निर्धारक	16 अप्रैल, 1990	डा. जे.एम. ओझा निदेशक, व्यावहारिक विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली

1989-90

एन.आई.ई. व्याख्यान माला

शैक्षिक अनुसंधान को प्रोत्साहन देने, प्रसारित करने और शैक्षिक अनुसंधान पर विचारों का आदान-प्रदान करने के प्रयास के रूप में परिषद् शिक्षा में अनुसंधान और नवाचारों में रुचि रखने वालों के लाभ के लिए विदेश और भारत के विख्यात शिक्षाविदों और अनुसंधानकर्ताओं की वार्ता/व्याख्यान को एन.आई.ई. व्याख्यान माला के अन्तर्गत आयोजित करती रही है । एन.आई.ई. व्याख्यान माला के अन्तर्गत 7 नवम्बर, 1989 को प्रोफेसर बुश जोयस द्वारा अध्यापन के नमूनों पर आधुनिक अनुसंधान विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

एरिक की बैठकें

अनुसंधान के जो प्रस्ताव परिषद् अपने घटकों और अन्य संस्थानों से प्राप्त करती है, उनका मूल्यांकन और जांच-परख श्रेष्ठ शिक्षाविदों की एरिक की एक उप-समिति द्वारा किया जाता है । आलोच्य वर्ष में प्राप्त परियोजनाओं की जांच-परख के लिए एरिक उप-समिति की दो बैठकें हुईं।

इन बैठकों के अतिरिक्त, उप-समिति की बैठकों के निर्णयों तथा एरिक के अन्य कार्यकलापों को अनुमोदित करने के लिए एरिक की दो बैठकें और हुईं।

अनुसंधान कार्यविधि कोर्स/ कार्यशालाएँ

अनुसंधान कार्यविधि कोर्स के संशोधित पाठ्यविवरण के आधार पर शैक्षिक अनुसंधानकर्ताओं तथा अनुसंधान पर्यवेक्षकों को और अधिक सक्षम करने के लिए क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर में 27 मार्च से 5 अप्रैल, 1989 तक पी-एच.डी. शोध छात्रों के लिए स्तर-1 कोर्स आयोजित किया गया । 28 अनुसंधान छात्रों ने इस कोर्स में भाग लिया ।

रा.शै.अ.प्र.प.द्वारा 14 से 20 सितम्बर, 1989 तक अनुसंधान निर्देशकों के लिए मदुरई कामराज विश्वविद्यालय, मदुरई में स्तर-2 पाठ्यक्रम आयोजित किया गया । 21 अनुसंधान निर्देशकों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया ।

शैक्षिक अनुसंधान को विस्तृत परिपेक्ष्य प्रदान करने के लिए देश के अग्रगण्य शिक्षाविदों तथा वरिष्ठ अनुसंधानकर्ताओं के साथ संगोष्ठी के रूप में स्तर-3 पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में देश में शैक्षिक अनुसंधान के आयोजन तथा उन्नयन से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा की गई। बंगलौर विश्वविद्यालय, बंगलौर में 15 से 19 जनवरी, 1990 तक आयोजित की गई इस संगोष्ठी में 20 अग्रगण्य शिक्षाविदों तथा अनुसंधानकर्ताओं ने भाग लिया । शैक्षिक अनुसंधान में गुणवत्ता नियंत्रण अनुरक्षण के लिए मार्गदर्शी सिद्धांतों तथा शैक्षिक अनुसंधान के संगठन तथा विकास से संबंधित विषयों पर इस संगोष्ठी के दौरान विचार-विमर्श किया गया ।

शैक्षिक अनुसंधान पर यूनेस्को-प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला

25 से 28 सितम्बर, 1989 तक नई दिल्ली में शैक्षिक अनुसंधान पर यूनेस्को-प्रायोजित कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यशाला में 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया । डा. लियोनार्डो दी ला क्रुज, अध्यक्ष, एसिड, यूनेस्को-प्रोप, बैंकाक ने कार्यशाला में भाग लिया । इस कार्यशाला में लड़कियों, सुविधा वंचित समुदायों और अल्प जनसंख्या वाले प्रदेशों के बच्चों की शिक्षा से संबंधित समाजशास्त्रियों, शिक्षाविदों तथा क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रचार

एरिक समय-समय पर अनुसंधान कार्यकलापों के प्रचार हेतु त्रैमासिक बुलेटिन प्रकाशित करता है । आलोच्य अवधि में एरिक बुलेटिन के दो अंक प्रकाशित किए गए। इनके अतिरिक्त 1989-90 में निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित किए गए :

1. *एरिक का एक दशक*

2. *सूचना मार्गदर्शक*
3. *प्रकाशन अनुदान योजना*
4. *बुलेटिन*
5. *शैक्षिक अनुसंधान पर: यूनेस्को-प्रायोजित कार्यशाला की रिपोर्ट*

पी-एच.डी. शोधप्रबंध/मोनोग्राफ

एरिक की सहायता से 1989-90 के दौरान प्रकाशित पी.एच.डी. शोधप्रबन्ध/मानोग्राफ का ब्यौरा तालिका 14.4 में दिया जा रहा हैं।

तालिका 14.4

1989-90 में प्रकाशित पी-एच.डी. शोधप्रबंध/मोनोग्राफ

क्रमांक	*शोधप्रबंध/मोनोग्राफ का शीर्षक*	*लेखक का नाम*
1.	हायर एजूकेशन अमंग वीमेन	डा. हेमलता तलेशरा उदयपुर
2.	एजूकेटिंग इंडियाज मैसेस—ए स्टडी ऑफ डा. जाकिर हुसैन एजूकेशनल थॉट	डा.के.आर.पी.सिंह एन.सी.ई.आर.टी.
3.	एजूकेशन पालिसी इन इंडिया सिंस वारेनहेस्टिंग्स	सुरेश चन्द्र घोष जे.एन.यू., नई दिल्ली
4.	स्कूल इफेक्टिवनेस इन रिलेशन टू ओरगेनाईजेशनल क्लाइमेट	डा. रंजना श्रीवास्तव इलाहाबाद
5.	एजूकेशन एण्ड सोशल चेंज	डा. जी.सी. उपाध्याय एन.सी.ई.आर.टी.
6.	कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ डिफरेंट स्टडीज ऑफ इंटिगरेशन ऑफ टीचिंग स्किलस	डा. डी. गीता सिंह वाराणसी
7.	अर्बनाईजेशन इन गुजरात—ए जोगरफिकल अनालायसिस	डा. यू.पी.सहाय शोहरतगढ़ (बस्ती)

1989-90

क्रमांक	शोधप्रबंध/मोनोग्राफ का शीर्षक	लेखक का नाम
8.	प्रोफाइल ऑफ द इफेक्टिव टीचर	डा. नजीर ए. नदीम श्री नगर
9.	स्ट्रेंग्थ ऑफ द डिसएडवांटेजड	डा. विनीता कौल एन.सी.ई.आर.टी.
10.	अकल्चरेशन एण्ड साइकोलोजिकल डिफ्रैशिएशन	डा. गीता सिन्हा नई दिल्ली
11.	ट्राइबल एजूकेशन इन उड़ीसा	डा. सुभाष सी. पांडे नई दिल्ली
12.	मेंटल हल्थ ऑफ टीचर्स	डा. एस.एन.प्रसाद चन्द्रापुर
13.	हिंन्दी क्रिया विशेषण पदबद्ध संरचना और प्रक्रिया	डा. एस. के शर्मा एन.सी.ई.आर.टी.

1989-90 में निम्नलिखित पी-एच.डी.शोधप्रबन्ध/मोनोग्राफ के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता की मंजूरी दी गई। (तालिका 14.5)

तालिका 14 .5

1989-90 में प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त पी-एच.डी. शोधप्रबन्ध/मोनोग्राफ

क्रमांक	शोधप्रबन्ध/मोनोग्राफ का शीर्षक	लेखक का नाम
1.	एजूकेशन एण्ड इण्डस्ट्रीयलाईजेशन एज फैक्टर्स इन कोगनिटिव स्टाइल अमंग संथाल चिल्ड्रन	डा.गीता सिन्हा नई दिल्ली

1989-90

क्रमांक	शोधप्रबन्ध/मोनोग्राफ का शीर्षक	लेखक का नाम
2.	नॉन-फॉरमल एजूकेशन इन गढ़वाल रीजन, नीड, नेचर एण्ड ऑरगेनाइजेशन	डा.पी.एल.भट्ट कटवाड़ा, गढ़वाल यू.पी.
3.	साइंटिफिक टेम्पर एण्ड सेकण्ड्री स्कूल टीचर्स एज ए ह्यूमेन कम्पोनेंट ऑफ एजूकेशनल सिस्टम—ए डायगनोस्टिक स्टडी	डा. हेमलता सिंह कानपुर
4.	हिन्दी भाषा के विद्यार्थियों का त्रुटि विश्लेषण	डा. राजेश कुमार दिल्ली
5.	ए स्टडी ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ सेल्फ इंस्ट्रक्शन मैटिरियल ऑन सेक्स एजूकेशन ऑन एडजस्टमेंट न्यूरोटिज्म एण्ड एटिट्यूड टूअर्डस सेक्स ऑफ हाई स्कूल स्टूडेंटस	डा. वच्चर जानी भद्रायी विनायक राजकोट
6.	इडियन पर्सनल्टी इन इट्स डवलपमेंटल बैकग्राउण्ड	डा. (श्रीमती) इन्दु देव उदयपुर
7.	ए स्टडी ऑफ आबजेक्टिवस, कोर्सिज एण्ड मैथड्स आफ टीचिंग फोलोड एट द अन्डरग्रेजुएट लेवल इन सोशल साईंसेज	डा. उमेश चन्द्र राय वाराणसी, यू.पी.
8.	इवोल्विंग स्ट्रेटेजी ऑफ डवलपमेंट ऑफ टीचिंग स्किलस इन सेकेन्ड्री स्कूल टीचर्स	डा. दीपिका सहाय सूरत
9.	एजूकेशन फॉर मोरेलिटी	डा. आर.पी.सिंह उदयपुर
10.	क्लासरूम लर्निंग बिहेवियर ऑफ पीयुपल्स ऑफ डिफरेंट एस.ई.एस.एण्ड देयर एचीवमेंट इन साईंस	डा. महाबीर यादव पुणे
11.	डायगनोसिस एण्ड रैमिडेशन ऑफ डायलेक्शिया	डा. (कु.) एस. रम्मा मैसूर
12.	हिन्दी शब्दों के वाचिक अधिगम में जिफ के न्यूनतम प्रयास नियम के सत्यापन हेतु प्रायोगिक अध्ययन	डा. अखिलेश कुमार गोस्वामी कानपुर

1989-90

पन्द्रह

नवोदय विद्यालय को तकनीकी सहायता

वर्ष 1986-87 से देश में जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करना रा.शै.अ.प्र.प. का एक महत्वपूर्ण कार्य रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ (एन.वी.सी.) नवोदय विद्यालय की चयन परीक्षा तथा नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों के चयन संबंधी सभी कार्यों का समन्वयन करता है। 1989-90 के दौरान नवोदय विद्यालय सेल द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों में विवरणिका व आवेदन-प्रपत्र तैयार करना और वितरित करना, चयन परीक्षा के आयोजन से जुड़े नवोदय विद्यालय के प्राचार्यों और अन्य अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करना, आवेदन-पत्रों की जाँच करना, चयन परीक्षाओं के लिए प्रश्न-पत्रों को बनवाना, मुद्रित करना, 1989-90 और 1990-91 की नवोदय विद्यालय की चयन परीक्षाएं आयोजित करना, 261 नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करना, नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के संबंध में तकनीकी रिपोर्ट तैयार करना तथा प्रश्न बैंक का विकास करना सम्मिलित हैं।

विवरणिका व आवदेन-प्रपत्र को तैयार करना तथा वितरित करना

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1989-90 और 1990-91 के लिए विवरणिका व आवेदन-पत्रों को 18 क्षेत्रीय भाषाओं (असमी, बंगाली, अंग्रेजी, गारो, गुजरती, हिन्दी, कन्नड, खासी, मलयालम, मणिपुरी, पंजाबी, सिन्धी, तमिल, तेलुगु और उर्दू) में विकसित कर मुद्रित करवाया गया। इन विवरणिका व आवेदन-प्रपत्रों को रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय सलाहकारों के कार्यालयों, जिला शिक्षा अधिकारियों, खण्ड शिक्षा अधिकारियों आदि के माध्यम द्वारा बड़ी संख्या में वितरित करवाया गया। अभ्यर्थियों द्वारा पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन पत्रों को जिला शिक्षा अधिकारियों के कार्यालयों में प्राप्त किया गया। नवोदय विद्यालय के प्राचार्यों के कार्यालयों में आवेदन प्रपत्रों की जाँच की गई और पात्रता प्राप्त अभ्यर्थियों को नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिए प्रवेश कार्ड जारी किए गए।

चयन परीक्षा-पत्र तैयार करना

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-पत्रों को तैयार करने और अन्तिम रूप देने के लिए कई बैठकें आयोजित की गईं। परीक्षा के लिए तीन प्रश्न पत्रों को 18 क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार करवाकर मुद्रित करवाया गया। परीक्षाणावली में मानसिक योग्यता परीक्षा, भाषा परीक्षा और गणित परीक्षाएं सम्मिलित हैं। मानसिक योग्यता परीक्षा में 60 प्रश्न और भाषा परीक्षा और गणित परीक्षा प्रत्येक में 20-20 प्रश्न थे। मानसिक योग्यता परीक्षा में केवल गैर-मौखिक परीक्षण मदें थीं। यह चयन, परीक्षण प्रक्रिया को जहाँ तक संभव हो संस्कृति-तटस्थ और वातावरणीय कारणों से होने वाले भेदभाव

को न्यूनतम बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए किया गया था। प्रत्येक परीक्षा की सभी मदें वस्तुनिष्ठ थीं। परीक्षा-पत्रों को विशेषज्ञों द्वारा क्षेत्रीय भाषा में संतुलित और अनुदित किया गया।

नवोदय चयन परीक्षण— 1989-90 का आयोजन

शैक्षिक सत्र 1989-90, 256 नवोदय विद्यालयों में प्रवेश हेतु छात्रों के चयन के लिए नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 28 मई, 1989 को आयोजित की गई। 1989-90 में पाँच अतिरिक्त जिलों में खोले गए नए नवोदय विद्यालयों के लिए पूरक परीक्षा और तीन अन्य जिलों में पूरक परीक्षा 30 सितम्बर, 1989 को आयोजित की गई। प्रत्येक सामुदायिक विकास खण्ड में परीक्षा केन्द्र बनाये गए। जिला स्तरीय प्रेक्षकों (डी.एल.ओ.) और केन्द्र स्तरीय प्रेक्षकों (सी.एल.ओ.) की नियुक्ति परीक्षाओं के संचालन की निगरानी करने के लिए की गई। परीक्षा की संचालन विधियों से अवगत करवाने के लिए नवोदय विद्यालय के प्राचार्यों, जिला स्तरीय प्रेक्षकों, केन्द्र स्तरीय प्रेक्षकों और केन्द्र अधीक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। परीक्षा संचालन के कार्य में लगे सभी कार्मिकों को परीक्षा संचालन के लिए आवश्यक मार्ग-निर्देश प्रदान किए गए। नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1989, 22 राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों के 261 जिलों के 3,038 खण्डों में स्थित 2,980 केन्द्रों पर आयोजित की गई। 28 मई, 1989 और 30 सितम्बर, 1989 को आयोजित परीक्षा के लिए कुल 4,10,159 अभ्यर्थियों को पंजीकृत किया गया। 3,55,222 अभ्यर्थी अर्थात परीक्षा के लिए पंजीकृत कुल अभ्यर्थियों का 86.6% परीक्षा में बैठे। परीक्षा के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों में 78% ग्रामीण क्षेत्रों से थे। अ.जा./ज.जा. वर्ग की छात्राओं और अभ्यर्थियों का प्रतिशत क्रमशः 19.0 और 24.6 था।

शैक्षिक सत्र 1989-90 के लिए विद्यार्थियों का चयन

छात्रों के चयन की पूरी प्रक्रिया अर्थात परीक्षा पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परीक्षाफल का प्रक्रयण की प्रक्रिय आँकड़ों का विश्लेषण योग्यता सूची का निर्माण तथा नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु और प्रतीक्षासूची कम्प्यूटर की सहायता से सम्पन्न की गई। 261 नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए कुल 18,254 विद्यार्थियों का चयन किया गया। चयित अभ्यर्थियों में 75.5 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों तथा 24.6 प्रतिशत शहरी बस्तियों/क्षेत्रों के थे। प्रवेश के लिए चयनित विद्यार्थियों में 67.5 प्रतिशत चयनित लड़के थे और 32.5 लड़कियाँ थीं। चयित विद्यार्थियों में से 18.6 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 11.2 प्रतिशत अनुसूचित जन जाति वर्ग से संबंधित थे। 821 (4.5 प्रतिशत) अ.जा./ज.जा. अभ्यर्थियों का चयन योग्यता के आधार पर हुआ।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1990-91

शैक्षिक सत्र 1990-91 के लिए नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों के चयन हेतु नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1990-91, 18 मार्च, 1990 को देश के 239 जिलों के 2,663 खण्डों में स्थित 2,966 केन्द्रों पर आयोजित की गई। परीक्षा के लिए लगभग 3,27,000 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए इनमें से 3,04,000 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे। अलोच्च वर्ष में हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर तथा उत्तर प्रदेश के शेष 22 नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों के चयन हेतु 27 मई, 1990 को प्रस्तावित नवोदय विद्यालय चयन परीक्षण 1990 की तैयारियाँ की गईं।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षाएं 1988-89 की तकनीकी रिपोर्ट तैयार करना

1988-89 में आयोजित नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की तकनीकी रिपोर्ट 1989-90 के दौरान तैयार कर उसे मुद्रित करवाया गया। इस रिपोर्ट में मद विश्लेषण तथा विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों और विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों की परीक्षा निष्पादन क्षमता की तुलना सम्मिलित की गई। नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1989-90 की रिपोर्ट तैयार करने का कार्य भी आरम्भ किया गया। इसके अतिरिक्त, नवोदय विद्यालय चयन

1989-90

परीक्षा 1989-90 की सामान्य रिपोर्ट तैयार कर उसे प्रकाशित किया गया।

प्रश्न बैंक तैयार करना

नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ ने 1988-89 में मानसिक योग्यता, भाषा और गणित परीक्षाओं के लिए प्रश्न तैयार करने के लिए पाँच कार्यशालाएँ आयोजित कीं। 1988-89 के दौरान विकसित गणित के प्रश्नों को परिष्कृत करने के लिए एक कार्यशाला 7 से 10 जून, 1989 में शिमला में आयोजित की गई। नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ द्वारा विकसित प्रश्न बैंक में से बहुत से प्रश्न नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिए प्रयोग में लाए गए।

सोलह

प्रकाशन, प्रलेखन और प्रसारण

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के कुछ मुख्य कार्यकलाप विद्यालय स्तर के लिए पाठ्यपुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकाएँ, अध्यापक संदर्शिकाएँ तथा अध्यापकों के लिए अन्य अध्ययन सामग्री, अनुसंधान रिपोर्टें तथा मोनाग्राफज, व्यावसायिक पत्रिकाएँ आदि प्रकाशित करना एवं शैक्षिक सूचना का प्रलेखन और प्रसारण करना है। एन.सी.ई.आर.टी. का प्रकाशन विभाग परिषद् के प्रकाशन कार्यक्रमों को देखता है। पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (पु.प्र. और सू.वि.) सामान्य पुस्तकालय सेवाएं उपलब्ध कराने के अतिरिक्त प्रलेखन सेवाओं का कार्य भी करता हैं। परिषद् का पत्रिका प्रकोष्ठ 6 शैक्षिक पत्रिकाओं के माध्यम से शैक्षिक सूचना के प्रसार से संबंधित कार्य देखता है।

प्रकाशन

परिषद् के प्रकाशनों के निम्नलिखित मुख्य वर्ग हैं:

1. विद्यालय के लिए पाठ्यपुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकाएं तथा निर्धारित पूरक रीडरज़।
2. अध्यापक संदर्शिकाएं, अध्यापक हैंडबुक्स और अन्य अनुदेशी सामग्री।
3. अनुसंधान रिपोर्ट और मोनोग्राफज़।
4. शैक्षिक सम्मेलनों, संगोष्ठियों की रिपोर्टें, पैम्फलेट/पुस्तिकाएं, फोल्डर आदि।
5. शैक्षिक पत्रिकाएं।

आलोच्च वर्ष में विभिन्न वर्गों के कुल 274 प्रकाशन प्रकाशित हुए, जिनका विवरण तालिका 16.1 में दिया गया है:

तालिका 16.1

1989-90 में प्रकाशित प्रकाशन

प्रकाशन वर्ग	*प्रकाशनों की संख्या*
पाठ्यपुस्तकों/अभ्यास पुस्तिकाओं/निर्धारित पूरक रीडरों का प्रथम संस्करण	75
पाठ्यपुस्तकों/अभ्यास पुस्तिकाओं/निर्धारित पूरक रीडरों का पुनर्मुद्रण	112
अन्य सरकारी अभिकरणों के लिए पाठ्यपुस्तकें/अभ्यास पुस्तिकाएं	10
अनुसंधान मोनोग्राफ/रिपोर्ट तथा अन्य प्रकाशन	69
शैक्षिक पत्र-पत्रिकाएं	8 (अंक)
योग	274

1989-90

नई पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन

एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषय वस्तु और प्रक्रिया के पुनरभिविन्यास के लिए 1986-87 से ही नई शिक्षण सामग्री के विकास और प्रकाशन के कार्य में लगी हुई है। इस शिक्षण सामग्री में कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्यपुस्तकें भी सम्मिलित हैं। 1987 में कक्षा 1,3 तथा 6 के लिए नई पाठ्य-पुस्तकें प्रकाशित की गई तथा केन्द्रीय विद्यालयों एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् (सी.बी.एस.ई.) से सम्बद्ध कुछ अन्य विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 1987-88 के दौरान लगाई गईं। 1987-88 में एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 2,4, तथा 7 की नई पाठ्यपुस्तकें तथा कक्षा 9 एवं 11 के लिए विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकें तैयार तथा प्रकाशित कीं और इन्हें केन्द्रीय विद्यालयों तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् से सम्बद्ध कुछ अन्य विद्यालयों में 1988-89 के सत्र में लागू किया गया। 1988-89 में कक्षा 5 तथा 8 के लिए नई पाठ्यपुस्तकें, कक्षा 10 तथा 12 के लिए विज्ञान तथा गणित की नई पाठ्यपुस्तकें कक्षा 9 तथा 11 के लिए भाषा तथा सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तकें तथा कक्षा 11 के लिए वाणिज्य अध्ययन तथा लेखाशास्त्र की नई पाठ्य-पुस्तकें प्रकाशित की गई तथा शैक्षिक सत्र 1989-90 में केंद्रीय विद्यालयों में लागू की गईं। कक्षा 10 तथा 12 के लिए विज्ञान तथा गणित की नई पाठ्यपुस्तकें, कक्षा 9 तथा 11 के लिए भाषा तथा सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्य पुस्तकें तथा कक्षा 11 के लिए भाषा वाणिज्य अध्ययन तथा लेखाशास्त्र की नई पाठ्यपुस्तकें शैक्षिक सत्र 1989-90 में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् से सम्बद्ध सभी विद्यालयों में लागू की गईं। परिषद् ने कक्षा 10 तथा 12 के लिए भाषा तथा सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्य-पुस्तकें तथा कक्षा 12 के लिए वाणिज्य अध्ययन तथा लेखाशास्त्र की नई पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने से सम्बन्धित कई कार्यकलाप भी प्रारम्भ किए। ये पुस्तकें केन्द्रीय विद्यालयों तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् से सम्बद्ध कुछ विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 1990-91 में लागू की जाएंगी। 1989-90 में परिषद् द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों की सूची तालिका 16.2 में दी गई है।

तालिका 16.2

1989-90 में रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित प्रकाशन

क्रमांक	*शीर्षक*	*प्रकाशन की तारीख*	*मुद्रित प्रतियों की संख्या*
पहली कक्षा			
1.	बाल भारती-1	फरवरी, 1990	2,00,000
2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती-1	अप्रैल, 1989	1,70,000
3.	लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-1 (एस.एस.)	फरवरी, 1990	2,90,000
4.	वर्कबुक फॉर लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-1 (एस.एस.)	जनवरी, 1990	1,25,000
5.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-1	अप्रैल, 1989	1,30,000
6.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-1	फरवरी, 1990	1,60,000
दूसरी कक्षा			
7.	बाल भारती भाग-2	अप्रैल, 1989	2,50,000

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या	
8.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-2	अप्रैल, 1989	2,50,000	
9.	लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-2 (एस.एस.)	फरवरी, 1990	80,000	
10.	वर्कबुक फॉर लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-2 (एस.एस.)	फरवरी, 1990	60,000	
11.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-2	अप्रैल, 1989	2,50,000	
तीसरी कक्षा				
12.	बाल भारती भाग-3	मार्च, 1990	1,60,000	
13.	लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-3 (एस.एस.)	अप्रैल, 1989	2,00,000	
14.	लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-3 (एस. एस.)	जनवरी, 1990	90,000	
15.	वर्कबुक फॉर लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-3 (एस.एस.)	अप्रैल, 1989	1,40,000	
16.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-3	अप्रैल, 1989	2,10,000	
17.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-3	फरवरी, 1990	1,00,000	
18.	वी एण्ड अवर कन्ट्री (सोसल स्टडीज)	फरवरी, 1990	55,000	
19.	हम और हमारा देश (सामाजिक अध्ययन)	अप्रैल, 1989	85,000	
चौथी कक्षा				
20.	बाल भारती भाग-4	जनवरी, 1990	80,000	
21.	इंगलिश रीडर बुक-1 (एस.एस.)	जनवरी, 1990	80,000	
22.	वर्कबुक फॉर इंगलिश रीडर बुक-1 (एस.एस.)	जनवरी, 1990	1,60,000	
23.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-4	मई, 1989	2,10,000	
24.	अवर कन्ट्री इंडिया	जनवरी, 1990	1,10,000	
25.	हमारा देश भारत	अप्रैल, 1990	70,000	
26.	हमारा देश भारत	जनवरी, 1990	90,000	
27.	एक्सप्लोरिंग एनवायरमेंट बुक-2 (साईंस)	जनवरी, 1990	1,65,000	
पाँचवी कक्षा				
28.	बाल भारती भाग-5	अप्रैल, 1989	2,05,000	(नई पुस्तक)
29.	बाल भारती भाग-5	मार्च, 1990	50,000	
30.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-5	अप्रैल, 1989	2,05,000	(नई पुस्तक)
31.	स्वस्ति भाग-1 (संस्कृत)	अप्रैल, 1989	60,000	
32.	स्वस्ति भाग-1 (संस्कृत)	फरवरी, 1990	80,000	
33.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-1	मार्च, 1990	50,000	

1989-90

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या	
34.	इंगलिश रीडर बुक-2 (एस.एस.)	अप्रैल, 1989	1,20,000	
35.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-5	जून, 1989	2,05,000	(नई पुस्तक)
36.	अवर कन्ट्री एण्ड द वर्ल्ड (सोसल स्टडीज)	जुलाई, 1989	1,00,000	(नई पुस्तक)
37.	अवर कन्ट्री एण्ड द वर्ल्ड	मार्च, 1990	60,000	(नई पुस्तक)
38.	हमारा देश और संसार	मई, 1989	85,000	(नई पुस्तक)
39.	एक्सप्लोरिंग एनवायरमेंट बुक-3 (साईंस)	मई, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
छठी कक्षा				
40.	संक्षिप्त रामायण	अप्रैल, 1989	80,000	
41.	संक्षिप्त रामायण	जनवरी, 1990	80,000	
42.	स्वस्ति भाग-2 (संस्कृत)	फरवरी, 1990	50,000	
43.	इंगलिश रीडर बुक-3 (एस.एस.)	मार्च, 1990	1,45,000	
44.	प्राचीन भारत	मार्च, 1990	50,000	
45.	देश और उनके निवासी भाग-1	अप्रैल, 1989	60,000	
46.	हमारा नागरिक जीवन	अप्रैल, 1989	50,000	
47.	हमारा नागरिक जीवन	फरवरी, 1990	45,000	
48.	साईंस बुक-1	जनवरी, 1990	90,000	
सातवीं कक्षा				
49.	संक्षिप्त महाभारत	फरवरी, 1990	85,000	
50.	स्वस्ति भाग-3 (संस्कृत)	फरवरी, 1990	65,000	
51.	इंगलिश रीडर बुक-4 (एस.एस.)	जनवरी, 1990	65,000	
52.	मैथमैटिक्स बुक-2 पार्ट-1	अप्रैल, 1989	1,45,000	
53.	मध्यकालीन भारत	फरवरी, 1990	60,000	
54.	लैण्ड्स एण्ड पीपल पार्ट-2	जून, 1989	80,000	
55.	देश और उनके निवासी भाग-2	अप्रैल, 1989	1,75,000	
56.	साईंस बुक-2	अप्रैल, 1989	1,50,000	
57.	साईंसः ए वर्कबुक फॉर क्लास-7	अक्तूबर, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
आठवीं कक्षा				
58.	किशोर भारती भाग-3	अप्रैल, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
59.	त्रिविधा (हिन्दी सप्लीमेंट्री रीडर)	अप्रैल, 1989	30,000	

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या	
60.	त्रिविधा (हिन्दी सप्लीमेंट्री रीडर)	मार्च, 1990	40,000	
61.	स्वस्ति भाग-4 (संस्कृत)	फरवरी, 1990	55,000	
62.	मैथमैटिक्स बुक-3 पार्ट-1	मई, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
63.	मैथमैटिक्स बुक-3 पार्ट-2	अक्तूबर, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
64.	अवर कन्ट्री टुडे-प्रोबलम्स एण्ड चैलेंजेज	अप्रैल, 1989	90,000	(नई पुस्तक)
65.	आज का भारत—समस्याएं और चुनौतियाँ	मई, 1989	89,000	(नई पुस्तक)
66.	मॉडर्न इंडिया	जून, 1989	90,000	(नई पुस्तक)
67.	आधुनिक भारत	जून, 1989	80,000	(नई पुस्तक)
68.	लैंड्स एण्ड पीपुल पार्ट-3	अप्रैल, 1989	90,000	(नई पुस्तक)
69.	देश और उनके निवासी भाग-3	मई, 1989	80,000	(नई पुस्तक)
70.	देश और उनके निवासी भाग-3	मार्च, 1990	90,000	
71.	साईंस बुक-3 पार्ट-1	जून, 1990	90,000	(नई पुस्तक)
72.	साईंस बुक-3 पार्ट-2	अक्तूबर, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
73.	साईंस	मार्च, 1990	1,35,000	

नवीं कक्षा

74.	लैंग्वेज थ्रो लिटरेचर कोर्स बी इंगलिश रीडर-1 (''बी'' कोर्स)	मई, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
75.	लैंग्वेज थ्रो लिटरेचर कोर्स बी इंगलिश रीडर-1 (''बी'' कोर्स)	जनवरी, 1990	1,10,000	
76.	लैंग्वेज टू लैंग्वेज थ्रो लिटरेचर (''बी'' कोर्स)	मई, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
77.	लैंग्वेज थ्रो लिटरेचर सप्लीमेंट्री रीडर-1 (''बी'' कोर्स)	अप्रैल, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
78.	स्वाति भाग-1 हिन्दी टेक्सटबुक ''ए'' कोर्स	अप्रैल, 1989	20,000	(नई पुस्तक)
79.	स्वाति भाग-1 हिन्दी टैक्सटबुक ''ए''	मार्च, 1990	2,50,000	
80.	पराग भाग-1 हिन्दी टैक्सटबुक ''ए''	अप्रैल, 1989	20,000	(नई पुस्तक)
81.	चित्रा भाग-1 हिन्दी टैक्सटबुक ''बी''	अप्रैल, 1989	35,000	(नई पुस्तक)
82.	चित्रा भाग-1 हिन्दी टैक्सटबुक ''बी''	अक्तूबर, 1989	55,000	
83.	किसलय भाग-1 हिन्दी टैक्सटबुक ''बी''	अप्रैल, 1989	35,000	(नई पुस्तक)
84.	किसलय भाग-1 हिन्दी टैक्सटबुक ''बी''	अक्तूबर, 1989	55,000	
85.	विज्ञान भाग-1	जून, 1989	1,40,000	(नई पुस्तक)
86.	विज्ञान भाग-2	अक्तूबर, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
87.	गणित भाग-1	जून, 1989	1,40,000	(नई पुस्तक)
88.	गणित भाग-2	अक्तूबर, 1989	1,40,000	(नई पुस्तक)
89.	द स्टोरी ऑफ सिविलाईजेशन वॉल्यूम-1	जून, 1989	1,10,000	(नई पुस्तक)
90.	अन्डरस्टैंडिंग एनवायरमेंट	मई, 1989	1,10,000	(नई पुस्तक)
91.	अन्डरस्टैंडिंग एनवायरमेंट	फरवरी, 1990	1,35,000	

1989-90

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या	
92.	पर्यावरण बोध	जून, 1989	1,60,000	(नई पुस्तक)
93.	सभ्यता की कहानी भाग-1	जून, 1989	1,60,000	(नई पुस्तक)
नवीं-दसवीं कक्षा				
94.	अवर गर्वनमेंट—हाऊ इट फंक्शन्स	जून, 1989	1,10,000	
95.	हमारा शासन कैसे चलता है	अप्रैल, 1989	1,60,000	
96.	इन्ट्रोडक्शन टू अवर इकोनॉमी	मई, 1989	50,000	
97.	हमारी अर्थव्यवस्था का परिचय	मई, 1989	60,000	
98.	हमारी अर्थव्यवस्था का परिचय	अक्तूबर, 1989	20,000	
99.	हमारी अर्थव्यवस्था का परिचय	मार्च, 1990	1,10,000	
दसवीं कक्षा				
100.	लैंग्वेज थ्रो लिटरेचर (''बी'' कोर्स) इंगलिश रीडर-2	मार्च, 1990	1,75,000	(नई पुस्तक)
101.	वर्कबुक टू लैंग्वेज थ्रो लिटरेचर ''बी'' कोर्स	मार्च, 1990	1,75,000	(नई पुस्तक)
102.	लैंग्वेज थ्रो लिटरेचर सप्लीमेंट्री रीडर-2 (''बी'' कोर्स)	मार्च, 1990	1,75,000	(नई पुस्तक)
103.	मैथमैटिक्स पार्ट-1	अप्रैल, 1989	90,000	(नई पुस्तक)
104.	मैथमैटिक्स पार्ट-2	सितम्बर, 1989	90,000	(नई पुस्तक)
105.	साईंस पार्ट-1	मई, 1989	90,000	(नई पुस्तक)
106.	साईंस पार्ट-2	अक्तूबर, 1989	90,000	(नई पुस्तक)
107.	द स्टोरी ऑफ सिविलाईजेशन वॉल्यूम-2 (हिस्ट्री)	अप्रैल, 1989	35,000	
108.	सभ्यता की कहानी भाग-2	अप्रैल, 1989	20,000	
ग्यारहवीं कक्षा				
109.	निहारिका भाग-1 हिन्दी (कोर) (पोइट्री)	अप्रैल, 1989	25,000	(नई पुस्तक)
110.	निहारिका भाग-1 हिन्दी (कोर) (पोइट्री)	मार्च, 1990	30,000	
111.	पल्लव भाग-1 (कोर) (प्रोज)	मार्च, 1990	30,000	
112.	मंदाकिनी भाग-1 (हिन्दी) (इलेक्टिव) (पोइट्री)	अप्रैल, 1989	85,000	(नई पुस्तक)
113.	प्रवाल भाग-1 हिन्दी (इलेक्टिव) (प्रोज)	अप्रैल, 1989	65,000	(नई पुस्तक)
114.	द पीपल (इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर) (कोर)	अप्रैल, 1989	20,000	
115.	स्टोरीज, प्लेज एण्ड टेल्स ऑफ एडवेंचर्स (इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर (कोर)	अप्रैल 1989	30,000	
116.	फाईव वन-एक्ट प्लेज (इंगलिश इलेक्टिव)	अप्रैल, 1989	4,000	

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या	
117.	रंगमंचिका (संस्कृत)	अप्रैल, 1989	15,000	(नई पुस्तक)
118.	सोसाइटी, स्टेट एण्ड गवर्नमेंट	अप्रैल, 1989	25,000	(नई पुस्तक)
119.	समाज, राज्य और शासन (राजनीति विज्ञान)	जून, 1989	15,000	(नई पुस्तक)
120.	ऑरगेन्स ऑफ गवर्नमेंट	अक्तूबर, 1989	25,000	(नई पुस्तक)
121.	सरकार के अंग (राजनीति विज्ञान)	नवम्बर, 1989	15,000	
122.	ऐनसिएंट इंडिया (हिस्ट्री)	अप्रैल, 1989	6,000	
123.	प्रिंसिपल्स ऑफ ज्योग्रफी पार्ट-1	मई, 1989	15,000	(नई पुस्तक)
124.	भूगोल के सिद्धांत भाग-1	जून, 1989	10,000	(नई पुस्तक)
125.	प्रिंसिपल्स ऑफ ज्योग्रफी पार्ट-2	नवम्बर, 1989	15,000	(नई पुस्तक)
126.	भूगोल के सिद्धांत भाग-2	जनवरी, 1990	10,000	(नई पुस्तक)
127.	समाजशास्त्र : एक परिचय	दिसम्बर, 1989	2,500	(नई पुस्तक)
128.	एलिमेंट्री स्टेटिसटिक्स (इकोनॉमिक्स)	अप्रैल, 1989	5,000	(नई पुस्तक)
129.	इवोल्यूशन ऑफ इंडियन इकोनॉमी	अप्रैल, 1989	6,000	
130.	अकाउंटिंग बुक-1	जुलाई, 1989	10,000	(नई पुस्तक)
131.	अकाउंटिंग बुक-2	दिसम्बर, 1989	10,000	(नई पुस्तक)
132.	बिजनेस स्टडीज	जुलाई, 1989	10,000	(नई पुस्तक)
133.	फिजिक्स पार्ट-1	जुलाई, 1989	65,000	
134.	फिजिक्स पार्ट-2	अगस्त, 1989	95,000	
135.	फिजिक्स लेबोरेट्री मैनुअल पार्ट-1	जुलाई, 1989	80,000	(नई पुस्तक)
136.	भौतिकी भाग-1	फरवरी, 1990	5,000	
137.	कैमिस्ट्री पार्ट-1	जून, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
138.	कैमिस्ट्री पार्ट-2	अक्तूबर, 1989	1,20,000	
139.	रसायन विज्ञान भाग-1	जनवरी, 1990	5,000	(नई पुस्तक)
140.	बायोलॉजी पार्ट-1	सितम्बर, 1989	90,000	
141.	बायोलॉजी पार्ट-2	अक्तूबर, 1989	90,000	
142.	जीव विज्ञान भाग -1	फरवरी, 1990	5,000	(नई पुस्तक)
143.	मैथमैटिक्स पार्ट-1	मई, 1989	70,000	(नई पुस्तक)
144.	मैथमैटिक्स पार्ट-2	सितम्बर, 1989	90,000	
145.	गणित भाग-1	अगस्त, 1989	5,000	(नई पुस्तक)

बारहवीं कक्षा

146.	ए कोर्स इन रिटिन ईंगलिश (कोर)	अप्रैल, 1989	15,000	
147.	डीयर टु ऑल द म्यूसस	अप्रैल, 1989	2,000	
148.	ऑन टॉप ऑफ द वर्ल्ड (इलेक्टिव)	अप्रैल, 1989	2,000	

1989-90

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या	
149.	मैथमैटिक्स बुक-3	अप्रैल, 1989	20,000	
150.	मैथमैटिक्स बुक-5	अप्रैल, 1989	20,000	
151.	मैथमैटिक्स पार्ट-1	सितम्बर, 1989	90,000	(नई पुस्तक)
152.	मैथमैटिक्स पार्ट-2	दिसम्बर, 1989	70,000	(नई पुस्तक)
153.	बायोलॉजी पार्ट-1	जून, 1989	70,000	(नई पुस्तक)
154.	बायोलॉजी पार्ट-2	दिसम्बर,1989	70,000	(नई पुस्तक)
155.	फिजिक्स पार्ट-1	अप्रैल, 1989	70,000	(नई पुस्तक)
156.	फिजिक्स पार्ट-2	अक्तूबर, 1989	70,000	(नई पुस्तक)
157.	लैबोरेट्री मैनुअल फिजिक्स	दिसम्बर, 1989	70,000	(नई पुस्तक)
158.	कैमिस्ट्री पार्ट-1	जुलाई, 1989	1,50,000	(नई पुस्तक)
159.	कैमिस्ट्री पार्ट-1	अक्तूबर, 1989	70,000	(नई पुस्तक)
160.	भारतीय संविधान और शासन	अगस्त, 1989	44,000	
161.	मानव एवं आर्थिक भूगोल	अप्रैल, 1989	4,000	
162.	आर्थिक सिद्धांत का परिचय	जनवरी, 1990	3,000	
163.	इंडियन सोसाइटी	अप्रैल, 1989	2,000	
164.	भारतीय समाज	अप्रैल, 1989	2,500	(नई पुस्तक)
165.	सोसल चेंज	अप्रैल, 1989	2,000	

अरुणाचल प्रदेश के लिए पाठ्यपुस्तकें

1.	अरुण भारती भाग-1	जुलाई, 1989	15,000
2.	अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-1	जुलाई, 1989	15,000
3.	अरुण भारती भाग -2	जुलाई, 1989	18,000
4.	अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-2	जुलाई, 1989	15,000
5.	अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-3	जून, 1989	13,000
6.	न्यू डाउन रीडर-1 फॉर क्लास-1	जुलाई, 1989	20,000
7.	न्यू डाउन रीडर बुक-3	अप्रैल, 1989	35,000

पश्चिम बंगाल के लिए पाठ्यपुस्तकें

1.	गद्य भारती	अप्रैल, 1989	10,000
2.	काव्य भारती	अप्रैल, 1989	10,000

नवोदय विद्यालय के लिए पाठ्यपुस्तकें

1.	हमारी हिन्दी भाग-2	जून, 1989	10,000

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या	
उर्दू पाठ्यपुस्तकें				
पहली कक्षा				
1.	आओ हिसाब सीखें बुक-1	सितम्बर, 1989	10,000	(नई पुस्तक)
2.	उर्दू की नई किताब	जून, 1989	5,000	(नई पुस्तक)
तीसरी कक्षा				
3.	गिरड-ओ-पेश का मुलताला बुक-1	अप्रैल, 1989	7,000	
पांचवीं कक्षा				
4.	माहौल के ज़रिए तालीम	जुलाई, 1989	2,500	
छठी कक्षा				
5.	साईंस पार्ट-1	जनवरी, 1990	5,000	
6.	क़दीम हिन्दुस्तान	जनवरी, 1990	5,000	
7.	उर्दू की नई किताब	जुलाई, 1989	5,000	(नई पुस्तक)
सातवीं कक्षा				
8.	हिसाब बुक-2, पार्ट-1	जुलाई, 1989	1,000	
9.	हिसाब बुक-2, पार्ट-2	जुलाई, 1989	5,000	
आठवीं कक्षा				
10.	हिसाब बुक-3, पार्ट-1	जुलाई, 1989	2,000	
11.	हिसाब बुक-3, पार्ट-2	जुलाई, 1989	2,000	
12.	साईंस सीखना पार्ट-3	जुलाई, 1989	2,000	
नवीं कक्षा				
13.	तहजीब की कहानी वॉल्यूम-1	जुलाई, 1989	1,000	

1989-90

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
14.	उर्दू की नई किताब	अगस्त, 1989	3,000
15.	रियाजी (मैथमैटिक्स)	सितम्बर, 1989	1,000
16.	इल्म-ए-कीमिया पार्ट-2 (कैमिस्ट्री)	जुलाई, 1989	1,000
17.	इब्तेदाइ हयातियात (बेसिक बायोलोजी)	सितम्बर, 1989	1,000
नवीं-दसवीं कक्षा			
18.	तबियत पार्ट-2 (फिजिक्स)	सितम्बर, 1989	1,000
19.	रियाजी पार्ट-2 (मैथमैटिक्स)	मार्च, 1990	1,000
20.	इल्म-ए-कीमिया पार्ट-2 (कैमिस्ट्री)	सितम्बर, 1989	1,000
21.	उर्दू की नई किताब	अगस्त, 1989	5,000
22.	तबैइ जुगराफिया (फिजिकल जोगरफी)	मार्च, 1990	2,000
अध्यापक संदर्शिकाएँ			
1.	टीचर्स गाईड इन टाइपराइटिंग	मई,1989	5,000
2.	टीचर्स गाईड इन बैंकिंग वॉल्यूम-1	जुलाई, 1989	5,000
3.	टीचर्स गाईड इन बैंकिंग वॉल्यूम-2	जुलाई, 1989	5,000
4.	टीचर्स गाईड इन अकाउंटिंग वॉल्यूम-1 फार +2 वोकेशनल टीचर्स	सितम्बर, 1989	5,000
5.	टीचर्स गाईड इन अकाउंटिंग वॉल्यूम-2 फार +2 वोकेशनल टीचर्स	सितम्बर, 1989	5,000
सप्लीमेंटरी रीडर्स			
1.	रीड, अन्डरस्टैंड एण्ड आंसर	जुलाई 1989	5,000
2.	लैट-अस एनरिच अवर इंगलिश बुक-9	अक्तूबर, 1989	10,000
रीडिंग टू लर्न सीरीज			
1.	द स्टोरी ऑफ दिल्ली	नवम्बर, 1989	10,000
2.	फिलेटली	मार्च, 1990	15,000
सप्लीमेंटरी रीडर्स (हिन्दी)			
1.	उत्तराखण्ड की यात्रा	मार्च, 1990	30,000

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
2.	आओ मिलकर गाएं	अक्तूबर, 1989	5,000
3.	राजस्थानी फोल्क टेल्स	मार्च, 1990	10,000

पढ़ें और सीखें माला

1.	आओ तमिलनाडु चलें	फरवरी, 1990	15,000
2.	कम्प्यूटर से बातचीत	सितम्बर, 1989	10,000
3.	कहानी शल्य चिकित्सा की	नवम्बर, 1989	10,000
4.	घर से दूर	मार्च, 1990	25,000
5.	चिकित्सा विज्ञान की कहानियाँ	मार्च, 1990	27,000
6.	जंगल की कहानी	मार्च, 1990	25,0000
7.	तत्व नए पुराने	सितम्बर,1989	10,000
8.	तेंजिंग नोरगे	जुलाई, 1989	15,000
9.	पैंगुइन के देश में	मार्च, 1990	30,000
10.	फूल जैसी लड़की	मार्च, 1990	25,000
11.	बाबा आमटे	मार्च, 1990	25,000
12.	ढम ढमा ढम	जनवरी, 1990	15,000
13.	महाभारत की कहानियाँ	मार्च, 1990	25,0000
14.	सूरज चमके आधी रात	जनवरी, 1990	10,000
15.	हम क्या खाएं	फरवरी, 1990	10,000
16.	विश्व की प्रसिद्ध लोक कथाएँ	मार्च, 1990	25,000
17.	सरहदी गांधी खान अब्दुल गफ्फार खां	मार्च, 1990	15,000
18.	सिंडरेला तथा कुछ प्रसिद्ध कहानियाँ	फरवरी, 1990	15,000

कमल पुस्तक माला

1.	महात्मा गांधी के अमर विचार (पेपर बैक)	नवम्बर, 1989	18,000
2.	महात्मा गांधी के अमर विचार (हार्ड बाउंड)	फरवरी, 1990	1,000

अनुसंधान मोनोग्राफ

1.	सोसल चेंज एण्ड चेंजेज इन क्रिएटिव फंकशनिंग	जून, 1989	5,000
2.	आईडेंटीफिकेशन एण्ड डवलपमेंट ऑफ टैलेंट	जून, 1989	2,000
3.	इन सर्विस टीचर एजूकेशन पैकेज फॉर प्राईमरी स्कूल टीचर्स वाल्यूम-1	अगस्त, 1989	10,000

1989-90

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
4.	इन सर्विस टीचर एजूकेशन पैकेज फॉर अपर प्राईमरी एण्ड सैकेण्डरी स्कूल टीचर्स वॉल्यूम-2	अगस्त, 1989	10,000
5.	लेखा परीक्षा रिपोर्ट 1987-88	अक्तूबर, 1989	400
6.	कम्प्रीहेंसिव इवैल्यूएशन इन स्कूल्स	नवम्बर, 1989	5,000
7.	कनक्रीटिशन ऑफ साईंस इंस्ट्रक्शन	दिसम्बर, 1989	2,000
8.	इंस्ट्रक्शनल आब्जैक्टिव ऑफ स्कूल सब्जेक्टस	दिसम्बर, 1989	5,000
9.	एन.सी.ई.आर.टी. एनुअल रिपोर्ट 1988-89	दिसम्बर, 1989	1,000
10.	कोगनीटिव डवलपमेंट ऑफ द इंडियन चाइल्ड	फरवरी, 1990	2,000
11.	वार्षिक रिपोर्ट—एन.सी.ई.आर.टी. 1988-89	फरवरी, 1990	500
12.	नेहरू ऑन साईंस	फरवरी, 1990	5,000
13.	स्ट्रक्चर एण्ड वर्किंग ऑफ साईंस मॉडल्स-1989	फरवरी, 1990	5,000

व्यावसायिक पाठ्यक्रम तथा कार्य अनुभव पर पुस्तकें

1.	क्रोप मैनेजमेंट इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	अप्रैल, 1989	5,000
2.	वेजीटेबल क्रोप्स—इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	अप्रैल, 1989	5,000
3.	फन्डामेंटल्स ऑफ फूड प्रोडक्शन—इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	अप्रैल, 1989	5,000
4.	फलोरीकल्चर—इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रैक्टिकल मैनुअल	अप्रैल, 1989	5,000
5.	टैक्सटाइल केयर एण्ड डिजाइन—एक्जम्प्लर इंस्ट्रक्शनल मैटीरियल फॉर क्लासेज 11-12	अप्रैल, 1989	5,000
6.	बेसिक बुक कीपिंग फॉर क्लासेज 9-10	अप्रैल, 1989	10,000
7.	मेडिकल लेबोरेट्री टैक्निक्स फॉर रूटीन डायग्नोस्टिक टैस्ट पार्ट-2 (वॉल्यूम-2)	जुलाई, 1989	5,000
8.	क्वस्चन बैंक इन ऑफिस प्रक्टिस	अगस्त, 1989	5,000
9.	क्लिनिकल बायो कैमिस्ट्री—मेडिकल लैबोरेट्री टेक्निक्स फॉर रूटीन डायग्नोस्टिक टैस्टस वॉल्यूम-7	सितम्बर, 1989	5,000
10.	प्लांट प्रोपागेशन इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	सितम्बर, 1989	5,000
11.	लेबोरेट्री मैनुअल ऑन आटोमोबाइल सर्विसिंग एण्ड मैंटीनेंस	सितम्बर, 1989	5,000
12.	एनीमल रीप्रोडक्शन एण्ड आर्टीफिशियल इनसेमिनेशन	अक्तूबर, 1989	5,000
13.	इनलैंड फिसरीज (जनरल) वॉल्यूम-1 इंट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	अक्तूबर, 1989	5,000
14.	प्लांट प्रोडक्शन—इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	अक्तूबर, 1989	5,000
15.	एलिमेंटस ऑफ इलेक्ट्रिकल टैक्नोलोजी वॉल्यूम 2—इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	अक्तूबर, 1989	5,000

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
16.	एक्जम्प्लर इंस्ट्रक्शनल मैटीरियल फॉर वर्क एक्सपीरियंस ऑन कम्युनिटी वर्क एण्ड सोसल सर्विस फॉर क्लासेज 9-12	अक्तूबर, 1989	5,000
17.	डेयरिंग इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल-मैनुअल– डेयरी एनिमल मैनेजमैंट वॉल्यूम-2	नवम्बर, 1989	5,000
18.	मोरीकल्चर–इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल–वॉल्यूम-1 सेरीकल्चर	दिसम्बर, 1989	5,000
19.	इनलैंड फिसरी रिजर्वोयर फिसरी–इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	दिसम्बर, 1989	5,000
20.	एक्वेकल्चर–इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल वॉल्यूम-4	फरवरी, 1990	5,000
21.	बेसिक मैटीरियल्स एण्ड रिलेटेड वर्कशॉप वॉल्यूम-1 इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल फॉर क्लास-11	फरवरी, 1990	5,000
22.	बेसिक मैटिरियल्स एण्ड रिलेटेड वर्कशाप वॉल्यूम-1 इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल फॉर क्लास-12	फरवरी, 1990	5,000
23.	इनलैंड फिशरी-वॉल्यूम-6-फिशरीज मैनेजमेंट्स एण्ड एक्सटेंशन–इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रक्टिकल मैनुअल	फरवरी, 1990	5,000

व्यावसायी पाठ्यक्रमों तथा कार्यानुभव के लिए पुस्तकें

व्यावसायी पाठ्यक्रमों तथा कार्यानुभव के लिए 23 शिक्षण-एवं-प्रयोगात्मक मैनुअल तथा अध्यापक निर्देशिकाएं परिषद् द्वारा प्रकाशित की गईं।

पूरक रीडरज

एन.सी.ई.आर.टी. ने विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए अंग्रेजी और हिन्दी में पूरक पठन सामग्री प्रकाशित करना जारी रखा। ये सामग्री निम्नलिखित पुस्तक मालाओं के अन्तर्गत तैयार की गई।

1. रीडिंग टू लर्न सीरीज
2. पढ़ें और सीखें माला
3. लोटस सीरीज
4. कमल पुस्तक माला

परिषद् ने ''पापुलर साईंस बुक'' के नाम से पूरक रीडरज की एक नई सीरीज तैयार करना प्रारम्भ की है। ये सीरीज सक्षम वैज्ञानिक द्वारा लिखी जायेगी। इस कार्य के लिए प्रोफेसर सी.एन.आर.राव, निदेशक भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर की अध्यक्षता में एक विशेष समूह बनाया गया है। यह पुस्तकें मुख्यतः 8 से 10 आयु वर्ग के बच्चों के लिए तैयार की गई हैं। इस सीरीज की पहली पुस्तक ''पृथवी पर ऊर्जा क्या है'' आलोच्च अवधि में प्रकाशित की गई।

बिक्री

आलोच्च वर्ष में एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशनों से कुल रू. 9,39,73,913 की प्राप्ति हुई। जो अपने आप में एक रिकार्ड है और अनुमानित बजट रू० 7,50,00,000 से अधिक है।

1989-90

कॉपीराइट की अनुमति

राज्य स्तर की अनेक एजेंसियों ने एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में अपनी अभिरुचि दिखलाई है। तालिका 16.3 में उन एजेंसियों के नाम दिये गये हैं, जिन्हें आलोच्च वर्ष में परिषद् ने अपनी पाठ्यपुस्तकों और अन्य प्रकाशनों को प्रकाशित करने के लिए स्वीकरण/अनुकूलन/अनुवाद करने की अनुमति दी है।

तालिका 16.3

1989-90 में परिषद् ने अपनी पाठ्यपुस्तकों और अन्य प्रकाशनों के प्रकाशित करने के लिए स्वीकरण/अनुकूलन/अनुवाद करने की अनुमति दी है

एजेन्सी	*क्रमांक*	*प्रकाशन*
दिल्ली पाठ्यपुस्तक ब्यूरो अलीगंज, कर्बला मार्किट, लोदी रोड, नई दिल्ली		सत्र 1990–91 के लिए कक्षा 5-8 की नई पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण के लिए कॉपीराइट की अनुमति दी गई।
		पाँचवीं कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-5
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-5
	3.	गणित भाग-5
	4.	हमारा देश और संसार
	5.	परिवेश अन्वेषण भाग-3
		आठवीं कक्षा
	1.	किशोर भारती भाग-3
	2.	गणित पार्ट-3 भाग-1
	3.	गणित पार्ट-3 भाग-2
	4.	विज्ञान भाग-3
	5.	देश और उनके निवासी भाग-3
	6.	आधुनिक भारत
	7.	आज का भारत– समस्याएँ और चुनौतियाँ
		कक्षा 1,4,6, तथा 7 की निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पुनर्मुद्रण तथा वितरण के लिए भी कॉपीराइट की अनुमति दी गई।
		पहली कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-1
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-1

एजेन्सी	क्रमांक	प्रकाशन
	3	गणित भाग-1
		दूसरी कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-2
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-2
	3.	गणित भाग-2
		तीसरी कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-3
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-3
	3.	गणित भाग-3
	4.	हम और हमारा देश
	5.	परिवेश अन्वेषण भाग-1 (साईंस)
		चौथी कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-4
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-4
	3.	गणित भाग-4
	4.	हमारा देश भारत
	5.	परिवेश अन्वेषण भाग-2 (साईंस)
		छठी कक्षा
	1.	किशोर भारती भाग-1
	2.	संक्षिप्त रामायण
	3.	गणित भाग-1
	4.	देश और उनके निवासी भाग-1
	5.	प्राचीन भारत
	6.	हमारा नागरिक जीवन
	7.	विज्ञान भाग-1
		सातवीं कक्षा
	1.	किशोर भारती भाग-2

1989-90

एजेन्सी	क्रमांक	प्रकाशन
	2.	संक्षिप्त महाभारत
	3.	गणित पुस्तक-2 (भाग-1 तथा 2)
	4.	विज्ञान भाग-2
	5.	देश और उनके निवासी भाग-2
	6.	मध्यकालीन भारत
	7.	हम अपना शासन कैसे चलाते हैं
सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, हि०प्र०, धर्मशाला, जिला कांगड़ा		कक्षा 1,2,4,5,6,7, की निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों को अपनाने के लिए कॉपीराइट अनुमति दी गई।
		पहली कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-1
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-1
	3.	गणित भाग-1
		दूसरी कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-2
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-2
	3.	गणित भाग-2
		तीसरी कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-3
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-3
	3.	गणित भाग-3
	4.	हम और हमारा देश
	5.	परिवेश अन्वेषण भाग-1 (साईंस)
		चौथी कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-4
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-4
	3.	गणित भाग-4

एजेन्सी	क्रमांक	प्रकाशन
	4.	हमारा देश भारत
	5.	परिवेश अन्वेषण भाग-2 (साईंस)
		पाँचवीं कक्षा
	1.	बाल भारती भाग-5
	2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-5
	3.	स्वस्ति भाग-1
	4.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-1
	5.	गणित भाग-5
	6.	परिवेश अन्वेषण भाग-3 (विज्ञान)
	7.	हमारा देश और संसार
		छठी कक्षा
	1.	स्वस्ति भाग-2
	2.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-2
	3.	किशोर भारती भाग-1
	4.	संक्षिप्त रामायण
	5.	गणित भाग-1
	6.	देश और उनके निवासी भाग-1
	7.	प्राचीन भारत
	8.	हमारा नागरिक जीवन
	9.	विज्ञान भाग-1
		सातवीं कक्षा
	1.	किशोर भारती भाग-2
	2.	संक्षिप्त महाभारत
	3.	गणित पुस्तक-2 (भाग-1 तथा 2)
	4.	स्वस्ति भाग-3
	5.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-3
	6.	विज्ञान भाग-2
	7.	देश और उनके निवासी भाग-2
	8.	हम अपना शासन कैसे चलाते हैं
	9.	मध्यकालीन भारत

एजेन्सी	क्रमांक	प्रकाशन
		निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों को अपनाने के लिए भी कॉपीराइट अनुमति दी गई।
		आठवीं कक्षा
	1.	किशोर भारती भाग-3
	2.	त्रिविधा
	3.	आज का भारत–समस्याएं और चुनौतियाँ
	4.	आधुनिक भारत
	5.	देश और उनके निवासी भाग-3
	6.	जीवन और विज्ञान
	7.	गणित भाग-3
	8.	विज्ञान भाग-3
		नवीं कक्षा
	1.	सभ्यता की कहानी भाग-1
	2.	गणित भाग-1 तथा 2
	3.	विज्ञान
	4.	पर्यावरण बोध
	5.	स्वाति भाग-1 ("ए" कोर्स)
	6.	पराग भाग-1 ("ए" कोर्स)
	7.	चित्रा भाग-1 ("बी" कोर्स)
	8.	किसलय भाग-1 ("बी" कोर्स)
बिहार राज्य टेक्स्टबुक पब्लिशिंग लिमिटेड, ह्वाईट हाउस बुद्ध मार्ग, पटना		रा.शै.अ.प्र.प. की निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण तथा वितरण के लिए कॉपीराइट अनुमति दी गई।
		पहली कक्षा
	1.	गणित भाग-1
		तीसरी कक्षा
	1.	गणित भाग-3
		पाँचवीं कक्षा
	1.	गणित भाग-5
	2.	हमारा देश और संसार

एजेन्सी	क्रमांक	प्रकाशन
सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड त्रिपुरा, अगरतला		निम्नलिखित पुस्तकों के क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद तथा प्रकाशन के लिए कॉपीराइट अनुमति दी गई।
		छठी कक्षा
	1.	मैथमैटिक्स
	2.	लैण्ड्स एण्ड पीपल्स पार्ट-1
	3.	साईंस
	4.	एन्सिएंट इंडिया
	5.	अवर सिविक लाइफ
सचिव, जम्मू और कश्मीर सरकार, श्रीनगर		निम्नलिखित पुस्तकों के अनुवाद तथा प्रकाशन के लिए कॉपीराइट अनुमति दी गई।
	1.	टीचर्स हैंड बुक (थ्री वॉल्यूमस) प्राईमरी साईंस किटस मैनुअल एण्ड मिनि टूल किट मैनुअल
कुलपति, कालीकट विश्वविद्यालय कालीकट		निम्नलिखित पुस्तकों को अपनाने तथा प्रकाशन के लिए कॉपीराइट अनुमति दी गई।
		ग्यारहवीं तथा बारहवीं कक्षा
	1.	बायोलॉजी पार्ट-1
	2.	बायोलॉजी पार्ट-2 फॉर क्लास 12
	3.	बायॉलोजी पार्ट-2, वॉल्यूम-2 फॉर क्लास 12
निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् हरियाणा, गुड़गाँव		निम्नलिखित पुस्तकों के अनुवाद तथा प्रकाशन के लिए कॉपीराइट अनुमति दी गई।
	1.	टीचर्स हैंडबुक (वॉल्यूम-3) प्राईमरी साईंस किटस मैनुअल एण्ड मिनी टूल किट मैनुअल

1989-90

प्रकाशनों का वितरण

पहले की भाँति, परिषद् के प्रकाशन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, त्रिवेन्द्रम, पटना, लखनऊ और हैदराबाद स्थित बिक्री केन्द्रों द्वारा वितरित किए जाते रहे। परिषद् को पाठ्यपुस्तकों के सहज वितरण कार्य के लिए परिषद् ने अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, चण्डीगढ़, गुवाहाटी, जयपुर, जम्मू तथा विशाखापटनम में 9 थोक एजेन्ट नियुक्त किए। संघ शासित क्षेत्र दिल्ली में परिषद् प्रकाशन परिषद् द्वारा नियुक्त 13 थोक एजेन्टों के माध्यम से बेचे और वितरित किए जाते रहे। उर्दू के प्रकाशन दिल्ली प्रशासन की उर्दू अकादमी के माध्यम से बेचे और वितरित किए गए। आलोच्च अवधि में एन.सी.ई.आर.टी. के विशेष प्रकाशन ''इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडीपेंडेंस–विजुअल्स एंड डॉक्यूमेंटस'' की बिक्री के लिए भी दिल्ली व मद्रास में दो वितरक नियुक्त किए गए।

बिक्री और वितरण भी ऊपर बताई गई व्यवस्था के अतिरिक्त, परिषद् की पुस्तकों की आपूर्ति के लिए विद्यालयों तथा अन्य शैक्षिक संस्थाओं से सीधे आर्डर भी लिए गए तथा व्यक्तियों से प्राप्त बहुत सारे आर्डरों पर भी कार्यवाही की गई। एन.सी.ई.आर.टी. की पाठ्यपुस्तकों को खरीदने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान परिसर के बिक्री केन्द्रों पर भी हजारों खरीदार आए। आलोच्च वर्ष में अनुमोदित सूची के अनुसार अनेक प्रकाशित शीर्षक डाक द्वारा भेजे गए। परिषद् के निःशुल्क प्रकाशनों के लिए अनेक संस्थाओं तथा शोधकर्ताओं से प्राप्त मांगों की भी पूर्ति की गई।

पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में प्रतिभागिता

अपनी प्रसार सेवाओं से सम्बद्ध कार्य के रूप में परिषद् ने निम्नलिखित पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में अपने प्रकाशन प्रदर्शित किए–

- शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर, 1989 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी।
- नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा बंगलौर में सितम्बर, 1989 में आयोजित बाल पुस्तक मेला।
- नेहरू किसान मेला के अवसर पर इलाहाबाद में नवम्बर, 1989 में आयोजित पुस्तक प्र्दशनी।
- नेशनल बुक ट्रस्ट, इण्डिया द्वारा नई दिल्ली में नवम्बर, 1989 में आयोजित बाल पुस्तक मेला।
- जवाहर लाल नेहरू मैमोरियल फंड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नवम्बर, 1989 में जवाहर लाल नेहरू शताब्दी समारोह के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी।
- हैदराबाद में जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी पर फरवरी, 1990 में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी।
- नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा नई दिल्ली में फरवरी, 1990 में आयोजित 9वां विश्व पुस्तक मेला।

परिषद् के प्रकाशन विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान परिसर में भी विदेशी प्रतिनिधि मंडलों के आगमन के अनेक अवसरों पर अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन आयोजित किया।

परिषद् ने अपने चुनिंदा प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के माध्यम से भेज़कर निम्नलिखित अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में भी भाग लिया–

- 41वां फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला, 1989।
- 24 जनवरी से 6 फरवरी, 1990 तक सम्पन्न 21वां काहिरा अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला।
- 3 से 5 अप्रैल, 1989 तक आयोजित लंदन पुस्तक मेला।
- 25 अप्रैल से 2 मई, 1989 तक चकोस्लोवाकिया में हुई पुस्तक प्रदर्शनी।

– 17 से 22 अप्रैल, 1989 तक मॉरीशस में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी।
– 6 से 9 अप्रैल, 1989 तक बोलोगना में लगा बाल पुस्तक मेला।

पुस्तक उत्पादन में श्रेष्ठता के लिए पुरस्कार

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन अपनी उत्तम विषय-वस्तु तथा मुद्रण संबंधी गुणवत्ता के लिए सुपरिचित हैं। आलोच्च वर्ष के दौरान एन.सी.ई.आर.टी. ने बाल साहित्य लेखक तथा चित्रकार संघ द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में निम्नलिखित पुस्तकों के लिए मुद्रण एवं चित्रांकन संबंधी सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार जीते:

1. *एवरेस्ट व्हेयर द स्नो नेवर मेल्ट्स (सर्वश्रेष्ठ मुद्रण)*
2. *विश्व की प्रसिद्ध लोक कहानियाँ (सर्वश्रेष्ठ चित्रांकन)*

पत्रिकाओं का प्रकाशन तथा शैक्षिक सूचनाओं का प्रसार

शैक्षिक सूचनाओं के प्रसार के लिए रा.शै.अ.प्र.प. छः पत्रिकाएँ प्रकाशित करती है। पत्रिकाओं के प्रकाशन संबंधी कार्यकलापों को राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का पत्रिका प्रकोष्ठ समन्वित करता है। एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं निम्नलिखित हैं:

इंडियन एजुकेशनल रिव्यू (त्रैमासिक) में शोध लेख, शिक्षा और संबंधित विषयों में डॉक्टरल तथा पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान के संक्षिप्त विवरण, अनुसंधान टिप्पणियाँ और शिक्षा एवं अनुसंधान की पुस्तकों की समीक्षाएं होती हैं।

जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन (द्वैमासिक) में नवाचार और बेहतर पढ़ाई की सम्भावनाओं को बढ़ावा देने के लिए लेख, दस्तावेज, पुस्तक समीक्षाएँ आदि होती हैं। कभी-कभी विशेष प्रकरणों पर भी अंक निकाले जाते हैं।

स्कूल साईंस (त्रैमासिक) में समुदाय के लाभ के लिए लोकप्रिय विज्ञान पर लेख के अतिरिक्त विद्यालय विज्ञान शिक्षा संबंधी नवाचारों और प्रयोगों की सूचनाओं का प्रसार भी किया जाता है।

प्राईमरी टीचर तथा प्राईमरी शिक्षक (हिन्दी में) पत्रिका, त्रैमासिक पत्रिकाएँ पूर्व-प्राथमिक और प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों के लिए हैं जिससे उन्हें कक्षाओं से सम्बद्ध समस्याओं को हल करने, प्रयोगों को परखने और अध्यापन में सुधार लाने में सहायता मिलती है।

भारतीय आधुनिक शिक्षा (हिन्दी की त्रैमासिक पत्रिका) अनुसंधानकर्ताओं और विद्यालय अध्यापकों की पत्रिका है जो कक्षागत अध्यापन में सुधार लाने में उनकी सहायता करती है। इसमें स्थाई स्तंभ के रूप में शिक्षा नवाचारों की जानकारी दी जाती है और विशेषांक भी निकाले जाते हैं।

आलोच्च वर्ष में इन पत्रिकाओं के निम्नलिखित अंक निकाले गये:

इंडियन एजुकेशनल रिव्यू	: दो अंक
जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन	: चार अंक
प्राईमरी टीचर	: तीन अंक
प्राईमरी शिक्षक	: तीन अंक
स्कूल साईंस	: दो अंक
भारतीय आधुनिक शिक्षा	: तीन अंक

वर्ष 1989-90 में रा.शि.सं. के पत्रिका प्रकोष्ठ (प.प्र.) ने छात्रों की उपलब्धियों को बढ़ाने के लिए प्रभावी अध्ययन-अध्यापन कार्यनीतियों के विकास पर दो दिन की कार्यकारी समूह की बैठक आयोजित की उच्च कोटि की शिक्षा संबंधी पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन पर अध्यापकों, अध्यापक-शिक्षकों तथा कार्यरत पत्रकारों के लिए तीन दिवसीय चार अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए तथा शैक्षिक पत्रकारिता पर एक संसाधन पुस्तक की पांडुलिपि तैयार करने के लिए कार्यशाला आयोजित की। पत्रिका प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित बैठकों, अभिविन्यास कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का ब्यौरा तालिका 16.4 में दिया गया है।

तालिका 16.4
1989-90 में पत्रिका प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित बैठकें। अभिविन्यास कार्यक्रम तथा कार्यशालाएँ

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*दिनांक*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	वर्किंग ग्रुप मीटिंग ऑन डवलपमेंट ऑफ इफेक्टिव टीचिंग लर्निंग स्ट्रेटेजीज टू एनहेंस एचीवमेंट ऑफ स्टूडेंटस	11 तथा 12 सितम्बर, 1989	अम्बाला (हरियाणा)	12
2.	ऑर्गेनाइजेशन प्रोग्राम फॉर टीचर्स, टीचर एजूकेटर्स एण्ड वर्किंग जर्नलिस्ट ऑन द प्रोडेक्शन ऑफ क्वालिटी एजूकेशनल जरनलस एण्ड मैग्जीनस	6 से 8 सितम्बर, 1989	बम्बई	42
3.	ओरियंटेशन प्रोग्राम फॉर टीचर्स, टीचर-एजूकेटर एण्ड वर्किंग जरनलिस्ट ऑन द प्रोडेक्शन ऑफ क्वालिटी एजूकेशन जरनलस एण्ड मैग्जीनस	12 से 14 फरवरी, 1990	पांडिचेरी	25
4.	ओरियंटेशन प्रोग्राम फॉर टीचर्स, टीचर एजूकेटर एण्ड वर्किंग जरनलिस्ट ऑन द प्रोडेक्शन ऑफ क्वालिटी एजूकेशन जनरलस एण्ड मैग्जीनस	21 से 23 फरवरी, 1990	पानीसागर (त्रिपुरा)	17
5.	ओरियंटेशन प्रोग्राम फॉर टीचर्स, टीचर एजूकेटर एण्ड वर्किंग जरनलिस्ट ऑन द प्रोडेक्शन ऑफ क्वालिटी एजूकेशन जरनलस एण्ड मैग्जीनस	6 से 8 मार्च, 1990	जैसलमेर (राजस्थान)	24
6.	वर्कशॉप फॉर डवलपमेंट ऑफ द मैन्युस्क्रिप्ट ऑफ द सोर्स बुक ऑन एजूकेशन जरनलिज्म	27 से 29 मार्च, 1990	धरवार (कर्नाटक)	24

प्रलेखन और पुस्तकालय सेवाएं

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.) रा.शि. संस्थान के विभिन्न विभागों तथा रा.शै.अ.प्र.प. के अन्य घटक एककों के अनुसंधान और विकास से सम्बन्धित कार्यकलापों में सहयोग देता रहा। पु.प्र. और सू. विभाग परिषद् के संकाय सदस्यों की ही नहीं बल्कि देश भर के शिक्षाविदों तथा अनके अनुसंधानकर्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है। इस विभाग में शिक्षा और मनोविज्ञान के क्षेत्र की पुस्तिकाओं और पत्रिकाओं तथा सभी विद्यालयी विषयों से संबंधित पाठ्यचर्या संदर्भ सामग्री का बहुत बड़ा संग्रह है। इस विभाग ने विद्यालय पुस्तकालयाध्यक्षों, विद्यालय पुस्तकालयों के प्रभारी अध्यापकों तथा अध्यापक प्रशिक्षण विद्यालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करना जारी रखा। इस विभाग के आन्तरिक भाग के रूप में कार्य करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय, ২ शैक्षिक, संसाधन और प्रलेखन केन्द्र

(आई.ई.आर.डी.ओ.सी.) तथा जनसंख्या शिक्षा, प्रलेखन केन्द्र (पी.ओ.पी.ई.डी.ओ.सी.), इन दो केन्द्रों के संसाधनों को मजबूत बनाने के लिए शिक्षा तथा जनसंख्या शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय पहलुओं पर काफी सामग्री भी एकत्रित की। पुस्तकों के संग्रह तथा परिचालन संबंधी ब्यौरा इस प्रकार है:

संग्रह

क. 31.3.1989 को पुस्तकों की कुल संख्या	1,24,157

ख. 1989-90 में बढ़ाई गई पुस्तकों की संख्या

1. खरीद कर	1,404
2. उपहार के रूप में प्राप्त	811
3. जिल्द बंद प्रत्रिकाएँ	383
ग. 1989-90 में हटाई गई पुस्तकें	881
घ. 31.3.1990 (क+ख+ग)की कुल पुस्तकें	1,25,871
ङ पुस्तकें 1989-90 में खर्च	रु. 3,47,374,66

पत्र-पत्रिकाएं

क. अभिदत्त, उपहार स्वरूप अथवा विनिमय आधार पर प्राप्त पत्रिकाएं/ साप्ताहिक पत्र-पत्रिकाएं आदि।

1. अभिदत्त	414
2. उपहार स्वरूप	37
ख. अभिदत्त समाचार-पत्र	18
ग. 1989-90 में खर्च	रु. 4,79,684,60

प्रलेखन एवं सूचना सेवाएं

क. प्रेलखन सेवाएं

1. परिग्रहण सूची (अंक सं. 06 से 9)	4
2. सम सामयिक विषय	4
3. पुस्तकालय, प्रलेखन में आने वाली पत्रिकाओं में छपे लेखों की सूची	2

ख. संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अध्यापक शिक्षा पर चुंनिदा पुस्तकें	पुनमुर्दण
2. प्रौढ़ शिक्षा-चुंनिदा ग्रंथ-सूची	फरवरी, 1990
ग. प्रचलित समाचार-पत्रों से समाचार कतरनें	1,642
घ. दी गई फोटो प्रतियाँ	89,268

परिचालन सेवाएँ

क. 31.3.1989 को सदस्यों की कुल संख्या	3,567
ख. पुनरीक्षण वर्ष मे बाहरी सदस्यों की संख्या	299
ग. संदर्भ/परामर्श सुविधाएं प्राप्त करने के लिए बाहरी आगंतुकों की संख्या	2,832
घ. वर्ष 1989-90 के दौरान जारी की गई पुस्तकों की संख्या	20,986
ङ. इन्टर-लाइब्रेरी लोन पर जारी की गई पुस्तकों की संख्या	323

यह पुस्तकालय सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 8.00 बजे से सांय 8.00 बजे तक तथा शनिवार को सबुह 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक खुला रहता है।

कार्यशालाएं तथा सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग ने 16 से 25 दिसम्बर, 1989 तक बिरमित्रापुर, जिला सुन्दरगढ़, (उड़ीसा) में उड़ीसा के अध्यापकों के लिए पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पर एक 10 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उड़ीसा को तकनीकी सहायता प्रदान की। इस कार्यक्रम के लिए विभाग ने पाठ्यक्रम सामग्रियां तथा विशेषज्ञ उपलब्ध कराए हैं। पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना विभाग ने 21 से 26 जनवरी, 1990 तक केरल की प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्था में पुस्तकालयों के विकास हेतु कालीकट में एक 5 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग ने बैंकाक में यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय तथा राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के सामाजिक विज्ञान, तथा मानविकी शिक्षा विभाग के जनसंख्या शिक्षा एकक के सहयोग से जनसंख्या शिक्षा प्रलेखन और सूचना सेवाओं पर एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सामग्री की व्यवस्था यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय बैकाक करता है। कार्यक्रम 17 से 29 जनवरी, 1990 तक कोयम्बटूर में हुआ। प्रतिभागियों को विद्यायल, उच्चतर शिक्षा तथा प्रौढ़ शिक्षा क्षेत्रों से निमन्त्रित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या शिक्षा के क्षेत्र में जनसंख्या शिक्षा, प्रलेखन तथा सूचना सेवाओं का अच्छी तथा शीघ्र सूचना प्रवाह के लिए पूरे देश में नेटवर्क का विकास करने के लिए शीर्ष व्यक्ति तैयार करना है।

पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग ने कर्नाटक, बंगलौर राज्यों में 26 फरवरी से 2 मार्च, 1990 तक प्रारम्भिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं में पुस्तकालयों के विकास के लिए एक 5 दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की। कार्यशाला कर्नाटक के राज्य शैक्षिक पुस्तकालय के सहयोग से आयोजित की गई।

सत्रह

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध और सहायता

विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सी.ई.पी.) के प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए परिषद् एक मुख्य अभिकरण के रूप में कार्य करती है। परिषद् यूनेस्को/एपीड, यू.एन.डी.पी. तथा यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर कार्य कर रही है और विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य देशों के प्रतिनिधि मंडलों/विशेषज्ञों के विचारों/दृष्टिकोणों के आदान-प्रदान के लिए बैठकों का आयोजन करती है। विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अटैचमेंट कार्यक्रमों के अन्तर्गत, विदेशी नागरिकों के लिए परिषद् प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है। परिषद् अपने संकाय सदस्यों को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/परिसंवादों/संगोष्ठियों/ बैठकों/ कार्यशालाओं/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों इत्यादि में भाग लेने के लिए भी प्रवर्तित करती है। रा.शै.अ.प्र.प. का अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.) परिषद् की उपरोक्त गतिविधियों/कार्यक्रमों के समन्वयन के लिए उत्तरदायी है। यह एकक शैक्षिक नवाचारों के लिए राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) के सचिवालय के रूप में तथा भारत में विद्यालय शिक्षा पर विभिन्न देशों और अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों एवं संगठनों को सूचना देने के लिए एक सूचना प्रसार केन्द्र के रूप में भी कार्य करता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् में विदेशी आगन्तुक

वर्ष 1989-90 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. में, विभिन्न देशों से शिक्षाविद आए, इनकी यात्राओं का ब्यौरा निम्नलिखित है:

1. श्रीमती नीलम बसनेत, प्रमुख, महिला शिक्षा परियोजना, शिक्षा मंत्रालय, नेपाल 3 से 6 अप्रैल, 1989 तक रा.शै.अ.प्र.प. में आईं तथा रा.शि.सं. के महिला अध्ययन विभाग के संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।
2. श्रीमती परनिलो अस्केर्ड, एसोसिएट विशेषज्ञ यूनेस्को, बैंकाक 20 अप्रैल, 1989 को रा.शै.अ.प्र.प. में आईं तथा प्रकाशन कार्य से संबंधित मामलों पर संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. तथा प्रकाशन विभाग के सदस्यों से विचार-विमर्श किया।
3. श्रीमती इजात आरा, मुख्य अनुदेशक, पोलीटैक्निक इन्स्टीट्यूट, दीनाजपुर, बंगलादेश 30 मई से 2 जून, 1989 तक रा.शै.अ.प्र.प. में आईं तथा अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग के साथ विचार-विमर्श किया।
4. डा. एम.ए. कुरैशी, कार्यक्रम विशेषज्ञ, यूनेस्को प्रमुख क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक, डा. जे. स्टेनली, पूर्व महानिदेशक (शिक्षा) दक्षिणी आस्ट्रेलिया के साथ 3 अगस्त, 1989 को रा.शै.अ.प्र.प. में आए तथा कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्य सहित संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. से विचार-विमर्श किया। टीम ने शिक्षा

के क्षेत्र में यूनेस्को–यू.एन.डी.पी. की सहायता हेतु सहयोग के सम्भावित क्षेत्रों की पहचान की।

5. यूनेस्को के मकानिअन्सर, सहायक महानिदेशक तथा महानिदेशक के व्यक्तिगत प्रतिनिधि 7 अगस्त, 1989 को रा.शै.अ.प्र.प. में आए तथा रा.शै.अ.प्र.प. के निदेशक एवं संयुक्त निदेशक से विचार-विमर्श किया। उन्होंने सी.आई.ई.टी. का भी भ्रमण किया।
6. लाइकेस्टरशायर (यू.के.) से कन्ट्री काउनस्लरों का एक तीन सदस्यीय प्रतिनिधि–मंडल 5 अक्तूबर, 1989 को रा.शै.अ.प्र.प. में आया।
7. सोमालिया के श्री मुशा अहमद ओमेर के लिए 6 महीने का अध्येता वृत्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला तथा ग्रामीण विकास के लिए अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 अप्रैल, 1989 से 2 अक्तूबर, 1989 तक महिला अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित किया गया।
8. श्री लियोनार्ड डी लॉ क्रेज, अध्यक्ष, एसिड, यूनेस्को-पोप, बैंकाक रा.शै.अ.प्र.प. में आए तथा नई दिल्ली में 25 से 28 सितम्बर, 1989 तक आयोजित शिक्षा अनुसंधान पर यूनेस्को-प्रायोजित कार्यशाला में भाग लिया।उन्होंने 4 अक्तूबर, 1989 को अध्यापक शिक्षा में सुधार पर यूनेस्को-प्रायोजित कार्यशाला में भाग लेने के लिए क्षेत्रीय महाविद्यालय, भोपाल का भी दौरा किया।
9. यूनेस्को, पेरिस से डा. ए. गफ्फूर 6 अक्तूबर, 1989 को रा.शै.अ.प्र.प. में आए तथा पर्यावरणीय शिक्षा पर यूनेस्को परियोजना के संबंध में विचार-विमर्श किया।
10. विश्व बैंक के एशिया क्षेत्र से सुश्री जे.पी.तेन, वरिष्ठ शिक्षा अर्थशास्त्री, श्री सेमुअल एल. लांईबारमैन, वरिष्ठ अर्थशास्त्री भारत आवासीय मिशन, के साथ 2 नवम्बर, 1989 को रा.शै.अ.प्र.प. में आईं तथा रा.शै.अ.प्र.प. के वरिष्ठ संकाय सदस्यों सहित परिषद् के संयुक्त निदेशक से विचार-विमर्श किया। सुश्री जे.पी.तेन. ने परिषद् में अपने आगमन के दौरान 'कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ एजूकेशन डवलपमेंट इन डिफरैन्ट एशियन कंट्रीज' पर किए गए अपने कार्य की प्रमुख विशेषताओं पर विचार-विमर्श किया।
11. विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग, रा.शि. सं., रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा 4 से 15 दिसम्बर, 1989 तक अफगानिस्तान के 3 अध्येताओं के लिए विज्ञान शिक्षा पर एक प्रशिक्षण अटैचमेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया।
12. यूगान्डा से दो सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल 6 दिसम्बर, 1989 को रा.शै.अ.प्र.प. में आया। उन्होंने रा.शै.अ.प्र.प. के अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक के संकाय सदस्यों तथा मापन, मूल्यांकन और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।
13. श्री शेडर प्रमुख दक्षिणी एशिया प्रभाग, आर्थिक सहयोग मंत्रालय, एफ.आर.जी. श्री कंजलर, अध्यक्ष, जन सम्पर्क, जर्मन दूतावास के साथ परिषद् के कर्मशाला विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. में 5 दिसम्बर, 1989 को आये। उन्होंने अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. तथा विशेषज्ञ, विज्ञान शिक्षा के विकास संबंधी इंडो-जर्मन परियोजना के कार्यान्वयन में लगे जर्मन विशेषज्ञ के साथ विचार-विमर्श किया।
14. जनसंख्या शिक्षा पर वियतनाम के 3 शिक्षकों हेतु एक चार सप्ताह का प्रशिक्षण अटैचमैंट कार्यक्रम 11 दिसम्बर, 1989 से 6 जनवरी, 1990 तक आयोजित किया।
15. डा. हैरी ढांड प्रोफेसर पाठ्यचर्या अध्ययन तथा डा. जॉन लॉयन सहायक शिक्षा डीन ससकास्वेवान विश्वविद्यालय, ससकाटून, कनाड़ा 12 दिसम्बर, 1989 को रा.शै.अ.प्र.प. में आये तथा उन्होंने शिक्षा महाविद्यालय, ससकास्वेवान विश्वविद्यालय तथा परिषद् के बीच सहयोग/संबंध स्थापित करने के लिए

रा.शै.अ.प्र.प. के निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा परिषद् के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

16. डा.एस.समाथी, निदेशक, विज्ञान प्रभाग, तकनीकी एवं पर्यावरणीय शिक्षा, यूनेस्को, पेरिस, 1 जनवरी, 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. में आये। उन्होंने निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. के साथ विचार-विमर्श किया, जिन्होंने उन्हें परिषद् के मुख्य कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों के संबंध में बताया। उन्होंने संयुक्त निदेशक सी.आई.ई.टी. के साथ भी विचार-विमर्श किया।
17. कनाड़ा से भारत भ्रमण पर आया विद्यार्थियों तथा शिक्षा पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधि-मंडल 31 जनवरी, 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. में आया तथा परिषद् के वरिष्ठ संकाय सदस्यों सहित संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. के साथ विचार-विमर्श किया।
18. श्री दाशो बरुण गुरंग, महासचिव, यूनेस्को राष्ट्रीय आयोग, भूटान, 22 फरवरी, 1990 को परिषद् में आये तथा उन्होंने निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. तथा संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं. के साथ विचार-विमर्श किया।
19. डा. अब्दुल शुकोर बिन हाजी अब्दुल्लाह की अध्यक्षता में शिक्षा मंत्रालय, मलेशिया का एक 4 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल 14 फरवरी, 1990 को परिषद् में आया। उन्होंने सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. तथा भारत में पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशन के संबंध में प्रकाशन विभाग के सदस्यों से विचार-विमर्श किया।
20. मॉरीशस के तीन अध्येताओं के लिए दृश्य-श्रव्य शिक्षा तथा अध्यापक साधनों के उत्पादन पर एक दो महीने का कार्यक्रम 22 जनवरी से 20 मार्च, 1990 तक सी.आई.ई.टी. द्वारा आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के आई.टी.ई.सी. कार्यक्रमों के अन्तर्गत आयोजित किया गया।
21. श्री ए.ए.सिद्दीकी, सचिव, यूनेस्को, अफगान राष्ट्रीय आयोग 5 मार्च, 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. में आए। उन्होंने संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. डीन (शैक्षिक), डीन (समन्वयन) तथा डीन (अनुसंधान) के साथ विचार-विमर्श किया।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के संकाय सदस्यों की विदेशों में प्रतिनियुक्ति

1. डा. (श्रीमती) किरण देवेन्द्र, प्राध्यापक, महिला एकक विभाग (म.ए.वि.) रा.शै.अ.प्र.प. ने मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया में 4 से 11 मई, 1989 तक विद्यालय संसाधन : रूढ़बद्ध लिंग धारणा के विलोपन पर आयोजित क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
2. श्री रामाचन्द्रन, प्रभारी-रीडर, पी.पी.एम.ई.डी., रा.शै.अ.प्र.प. ने एन.आई.ई.आर. टोकियो में 28 जून से 11 जुलाई, 1989 तक शैक्षिक अपव्यय के अध्ययन पर आयोजित क्षेत्रीय योजना कार्यशाला में भाग लिया।
3. डा. बी.आर. गोयल, रीडर, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने पर्थ, आस्ट्रेलिया में 21 अगस्त से 1 सितंबर, 1989 तक प्राथमिक विद्यालयों में बहुवर्गीय शिक्षण पर आयोजित क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
4. श्री ईश्वर चन्द्र, वरिष्ठ प्राध्यापक, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने हिरोशिमा, जापान में 6 से 19 सितम्बर, 1989 तक सार्वभौम प्राथमिक शिक्षा के विकास पर आयोजित क्षेत्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लिया।
5. प्रोफेसर के.एल. लूथरा, अध्यक्ष, पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने बैंकाक में 18 से 29 सितंबर, 1989 तक एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में आई.ए.ई.डी. केन्द्रों के स्टाफ के लिए कम्प्यूटर प्रलेखन पर आयोजित क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में

भाग लिया।

6. श्री एन.पी. भट्टाचार्य, रीडर, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने मनीला में 25 से 30 सितम्बर, 1989 तक तकनीकी तथा व्यावसायी शिक्षा में पर्यावरणीय शिक्षा के समावेशन पर आयोजित अंतर्क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।
7. डा. ए.के. धोते, रीडर, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने जिलिन, जनवादी गणराज्य, चीन में 15 से 23 सितम्बर, 1989 तक तकनीकी तथा व्यावसायी शिक्षा के लिए पाठ्यचर्या विकास तथा नवाचारी अनुदेशात्मक सामग्रियों की तैयारी पर आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में विशिष्ट व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
8. डा. एस.डी. तम्बोली, रीडर, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने विशेष शिक्षा की राष्ट्रीय संस्था, पोकोशुका, कनगावा, जापान में 17 से 24 अक्तूबर, 1990 तक विशेष शिक्षा पर आयोजित नवीं एपीड क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
9. प्रोफेसर आर.डी. शुक्ला, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने कुआलालम्पुर में 17 से 25 अक्तूबर, 1989 तक प्राईमरी तथा माध्यमिक स्तरों पर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी शिक्षा के संबंध में मूल्यों तथा नीतिशास्त्र पर आयोजित राष्ट्रीय विशेषज्ञों के तकनीकी कार्य दल की बैठक में भाग लिया।
10. श्री एन.पी. भट्टाचार्य, रीडर, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने कोलम्बो योजना स्टाफ कालेज में 2 से 8 अक्तूबर, 1989 तक प्रौद्योगिकी के निर्धारण, प्रबन्ध तथा हस्तान्तरण पर आयोजित विशेष पाठ्यक्रम में भाग लिया।
11. डा. जी.एल. अरोरा, रीडर, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने क्योटो, जापान में 6 से 9 दिसम्बर, 1989 तक अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा में व्यावहारिक मार्गदर्शन पर यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रम की चर्चा में भाग लिया।
12. श्रीमती कान्ता सेठ, वरिष्ठ प्राध्यापक, विद्यालय पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. दिनांक 5 से 12 दिसम्बर, 1989 तक वर्ष 1987-89 के इण्डो-मंगोलियन सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत मंगोलिया में विद्यालय-पूर्व शिक्षा कार्यक्रमों के अध्ययन के लिए मंगोलिया गईं।
13. श्री के. रामाचन्द्रन, रीडर-प्रभारी, पी.पी.एस.ई.डी. ने हदयार्ड थाइलैंड में 12 से 16 फरवरी, 1990 तक शिक्षा में शैक्षिक अपव्यय के अध्ययन पर आयोजित मध्यावधि पुनरीक्षण बैठक में भाग लिया।
14. प्रोफेसर जे. मित्रा, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने बैंकाक में 26 फरवरी से 2 मार्च 1990 तक एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में ए.आई.डी.एस. (ऐड्स) की रोकथाम के लिए विद्यालयी शिक्षा पर आयोजित क्षेत्रीय सलाहकार संगोष्ठी में भाग लिया।
15. प्रोफेसर बी.एन. राय क्षेत्र सलाहकार, कलकत्ता तथा डा. (श्रीमती) आशा भटनागर, रीडर, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., दिनांक 21 मार्च से 3 अप्रैल, 1990 तक वर्ष 1988-90 के इण्डो-चीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत चीन गए।

यूनेस्को-प्रायोजित परियोजनाएं/ कार्यक्रम

परिषद् विकास हेतु शैक्षिक नवाचारों संबंधी एशिया और प्रशान्त कार्यक्रम के माध्यम से यूनेस्को द्वारा प्रायोजित कार्यकलापों, विद्यालयी शिक्षा एवं अध्यापक शिक्षा से संबंधित अध्ययनों/परियोजनाओं/कार्यक्रमों में भाग लेती रही है। 1989-90 में परिषद् ने निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य करने के लिए यूनेस्को के साथ अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए:

1. प्राथमिक विद्यालयों में बहुवर्गीय अध्यापन पर पुस्तिका तैयार करना।
   अनुबंध संख्या: 810. 536. 9 (89/81) (419)
2. माध्यमिक शिक्षा के पुनर्भिविन्यास तथा सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
   अनुबन्ध संख्या: 810. 546. 9 (89-108) (449)
3. अध्यापक शिक्षा में सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
   अनुबंध संख्या: 816. 241. 9 (89/168) (429)
4. शैक्षिक अनुसंधान पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
   अनुबंध संख्या: 810. 544. 9 (89/101) (441)
5. भारत में जनसंख्या शिक्षा, प्रलेखन एवं सूचना सेवाओं पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
   अनुबंध संख्या: 816. 736. 9 (89/109) (450)
6. यूनेस्को-यूनिसेफ अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय शिक्षा कार्यक्रम के चयित प्रशिक्षण कार्यकलापों के मूल्यांकन पर परामर्श बैठक।
   अनुबंध संख्या: 108. 708. 9
7. शैक्षिक रूप से सुविधा वंचित जन समूह पर एपीड अध्ययन।
   अनुबंध संख्या: 817. 094. 9

द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

भारत सरकार द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत रा.शै.अ.प्र.प. के नाम कार्यान्वयन हेतु अंकित मदों के तहत यू.एस.एस.आर., मिस्र अरब गणराज्य तथा ईरान को शैक्षिक सामग्री/सूचना भेज दी गई है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत मदों की पूर्ति हेतु मिस्र अरब गणराज्य तथा संयुक्त अरब अमीरात से उनके संबंधित दूतावासों के माध्यम से शैक्षिक सामग्री/सूचना प्राप्त हुई। दिसम्बर 1989 के दौरान पूर्व विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में रा.शै.अ.प्र. परिषद् का एक विशेषज्ञ एक सप्ताह के लिए मंगोलिया गया। भारत-चीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत मार्च/अप्रैल, 1990 में दो सप्ताह की अवधि के लिए शिशु मनोविज्ञान तथा शिशु शिक्षा के क्षेत्र से रा.शै.अ.प्र.प. के दो विशेषज्ञ चीन गए।

शैक्षिक नवाचारों हेतु राष्ट्रीय विकास दल के अन्तर्गत गतिविधियां

यूनेस्को के एपिड (विकास हेतु क्षेत्रीय नवाचारों संबंधी एशिया और प्रशांत क्षेत्र कार्यक्रम) के संदर्भ में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) स्थापित किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. के अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक में स्थित राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) सचिवालय, शैक्षिक नवाचारों को बढ़ावा देने के क्रियाकलापों एवं सूचना प्रसार केन्द्र के समन्वयन के रूप में कार्य करता है। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) द्वारा निम्नलिखित प्रमुख कार्य किये गये:

कार्यकारी दल की बैठक

शैक्षिक उद्यमों में अंतर्क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक नवाचारों के लिए राष्ट्रीय विकास दल ने संयुक्त नवाचार अंतर्क्षेत्रीय परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता देने के लिए एक योजना का विकास किया। राष्ट्रीय विकास दल सचिवालय ने उन संस्थाओं के सूचनार्थ एवं मार्गदर्शन हेतु संयुक्त नवाचार अंतर्क्षेत्रीय परियोजनाओं के कुछ नमूनों का विकास करना प्रारम्भ किया है जो रा.वि.दल से वित्तीय सहायता या बिना वित्तीय सहायता के ऐसी परियोजनाओं पर कार्य करना चाहेंगे। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय विकास दल सचिवालय ने 25 से 29 सितम्बर, 1989 तक संयुक्त नवाचार अंतर्क्षेत्रीय परियोजनाओं के कुछ नमूनों की रूपरेखा के विकास के लिए कार्यकारी दल की एक बैठक आयोजित की। इस बैठक के दौरान कार्यकारी दल ने दस परियोजनाओं के लिए डिजाइन तैयार किए तथा संयुक्त नवाचार अंतर्क्षेत्रीय परियोजनाएं चलाने हेतु कुछ प्राथमिकताओं की पहचान की।

राष्ट्रीय विकास दल की कार्यकारिणी समिति की बैठक

शैक्षिक नवाचारों के लिए राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) की कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक 30 अक्तूबर, 1989 को

नई दिल्ली में आयोजित हुई। कार्यकारिणी समिति ने एन.डी.जी., एस.डी.जी. (शैक्षिक नवाचारों के लिए राज्य विकास दल) एसोसिएटिड केन्द्रों तथा एपिड (विकास हेतु क्षेत्रीय नवाचारों संबंधी एशिया और प्रशान्त कार्यक्रम) के व्यवहार्य नेटवर्क की रचना के लिए कुछ सुझाव दिए। अंतर्क्षेत्रीय शैक्षिक नवाचारों को प्रोत्साहन देने हेतु नौ राज्यों (गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश) तथा 2 संघ शासित क्षेत्रों (चंडीगढ़ और दिल्ली) ने एन.डी.जी. की संस्तुतियों के अनुरूप शैक्षिक नवाचारों के लिए राज्य विकास दल (एस.डी.जी.) की स्थापना की है।

कार्यकारिणी समिति ने संयुक्त नवाचार अंतर्क्षेत्रीय परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की योजना के परिचालन के लिए कुछ मार्गदर्शी सिद्धांतों का सुझाव दिया है। दूसरा महत्वपूर्ण सुझाव विभिन्न विकास क्षेत्रों में महत्वपूर्ण शैक्षिक नवाचारों के प्रलेखन से संबंधित है।

विकास के लिए शैक्षिक नवाचारों पर क्षेत्रीय संगोष्ठी (पश्चिमी क्षेत्र)

राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) सचिवालय ने रा.शै.अ.प्र.प. में शैक्षिक नवाचारों के विकास हेतु 19 से 22 फरवरी, 1990 तक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल में क्षेत्रीय संगोष्ठी (पश्चिम क्षेत्र) आयोजित की। संगोष्ठी में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश तथा दादरा और नगर हवेली राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के विभिन्न शैक्षिक एवं विकास पक्षों (सामान्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृषि शिक्षा) से संबंधित 40 शैक्षिक प्रवर्तकों ने भाग लिया। भारत में एपिड के कुछ राष्ट्रीय स्तर के एसोसिएट केन्द्रों ने भी संगोष्ठी में भाग लिया। संगोष्ठी में एन.डी.जी. के भावी कार्यक्रमों तथा कार्यविधियों से संबंधित कुछ सिफारिशें भी की गईं। यह सुझाव दिया गया कि एन.डी.जी., एस.डी.जी. का सम्भावित नेटवर्क तथा एपीड के कुछ एसोसिएट केन्द्र शैक्षिक प्रयासों में अंतर्क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा दें।

एपीड के नये एसोसिएट केन्द्रों को मान्यता

भारत यूनेस्को के 1974 से प्रचालित एपीड कार्यक्रम का संस्थापक सदस्य है। 1974 से 1984 की अवधि के दौरान यूनेस्को ने भारत के 17 शीर्षस्थ राष्ट्रीय/राज्य स्तर के संस्थानों/संगठनों को एपीड के एसोसिएट केन्द्रों के रूप में मान्यता दे दी थी। 29 जून, 1988 को आयोजित एन.डी.जी. ने अपनी आम सभा की बैठक में यह सिफारिश की कि राष्ट्रीय स्तर के निम्नलिखित चार संस्थानों/संगठनों को एपीड (यूनेस्को) के एसोसिएट केन्द्रों के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए विचार किया जाय—

- राष्ट्रीय शैक्षिक कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश।
- साक्षरता भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.), नई दिल्ली।
- राष्ट्रीय जन सहयोग तथा शिशु संस्थान (एन.आई पी सी सी डी), नई दिल्ली।

यूनेस्को-प्रोप बैंकाक ने श्री लियोनार्ड दी जे कुर्ज, प्रमुख एपीड को चार केन्द्रों की यात्रा के लिए ''आइडेन्टीफिकेशन मिशन'' पर भारत भेजा। एन.डी.जी. सचिवालय, रा.शै.अ.प्र.प. ने 25 सितम्बर से 4 अक्टूबर, 1989 तक की अवधि में श्री कुर्ज के यात्रा कार्यक्रम को समन्वित किया। आईडेन्टीफिकेशन मिशन के निष्कर्षों के आधार पर यूनेस्को ने उपरोक्त चार संस्थानों को एपीड के एसोसिएट केन्द्रों के रूप में सम्बद्ध करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया। इन नये केन्द्रों की मान्यता प्राप्ति के साथ 1989-90 में भारत में एपीड के एसोसिएट केन्द्रों की कुल संख्या बढ़कर 21 हो गई है।

एन.डी.जी. समाचार-पत्र

समन्वयन और सूचनाओं के प्रसार कार्य के एक अंग के रूप में राष्ट्रीय विकास दल सचिवालय (एन.डी.जी.) ने ''एजूकेशनल इन्नोवेशन'' शीर्षक से एक समाचार-पत्र प्रकाशित किया। रिपोर्ट में चर्चित अवधि के दौरान जनवरी, 1989 से जून, 1989 के समाचार-पत्र के अंक को अन्तिम रूप देकर मुद्रण के लिए भेजा गया।

तालिका 17.1

1989-90 में अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ/सम्मलेन

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	संयुक्त नवाचार अंतर्क्षेत्रीय परियोजना के डिजाइन विकास हेतु कार्यकारी दल की बैठक	25 से 29 सितम्बर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प.. नई दिल्ली	20
2.	राष्ट्रीय विकास दल की कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक	30 अक्तूबर, 1989	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	10
3.	शैक्षिक नवाचारों के विकास पर क्षेत्रीय संगोष्ठी (पश्चिम क्षेत्र)	19 से 22 फरवरी, 1990	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल	40

1989-90

अट्ठारह

क्षेत्रीय सेवाएँ और विस्तार समन्वयन

राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा विभागों/निदेशालयों तथा अन्य संस्थाओं के साथ सम्पर्क बनाये रखने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. ने 17 क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किए हैं। ये क्षेत्रीय कार्यालय राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के विभिन्न घटकों के कार्यकलापों और कार्यक्रमों से संबद्ध आवश्यक सूचनाएं राज्य के शिक्षा विभागों को देते रहते हैं। ये कार्यालय अपने कार्य-क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं से संबद्ध सूचनाओं को एकत्रित करके रा.शै.अ.प्र.प. तथा इसके घटकों को भेजते हैं और साथ ही ये कार्यालय प्रशिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रमों को आयोजित करने में परिषद् के विभिन्न घटकों की आवश्यक सहायता करते हैं। ये क्षेत्रीय कार्यालय विद्यालयों तथा विद्यालयी अध्यापकों द्वारा हाथ में ली गई लघु-क्रियानिष्ठ-अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराते हैं और राज्य शिक्षा विभाग के अनुरोध पर सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं।

क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकलापों का समन्वयन

रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यकलापों को राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.) द्वारा समन्वित किया जाता है। परिषद् मुख्यालय स्थित डी.एफ.एस.ई.सी. देश में विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए नीति निर्धारण एवं कार्यान्वयन के लिए एक नोडल एजेन्सी के रूप में एक ओर तो क्षेत्र सलाहकारों के कार्यालयों तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों (आर.सी.ई.) में तथा दूसरी ओर इन संगठनों तथा राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों और सी.आई.ई.टी. के बीच संस्थायिक अन्योन्य क्रिया संबंधों का समन्वयन करता है। इसके अतिरिक्त यह विभाग कुछ अनुसंधान तथा प्रशिक्षण कार्यकलाप भी चलाता है तथा रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यककों की शिक्षा के विकास हेतु चलाये जा रहे कार्यक्रमों के लिए समन्वयन एवं मानीटरन एजेन्सी के रूप में कार्य करता है।

क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन

आलोच्य वर्ष में (1) राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं तथा समस्याओं के लिए वास्तविक तथा आवश्यकता आधारित परिषद् कार्यक्रम तैयार करने, (2) परिषद् के अन्य घटकों को राज्यों में अपने कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में क्षेत्रीय-स्तर पर सहायता प्रदान करने, तथा (3) शैक्षिक विकास पर प्रतिपुष्टि प्राप्त करने के साथ-साथ राज्यों में राष्ट्रीय नीतियों/कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करने के संबंध में क्षेत्रीय कार्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों के प्रभावी प्रक्रियन को सशक्त बनाने तथा विद्यमान क्रियाविधियों को पुनर्जीवित करने के लिए नई प्रक्रिया चालू की गई। शैक्षिक रूप से पिछड़े

अल्पसंख्यकों द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के अध्यापकों की व्यावसायिक क्षमता में सुधार लाने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. की अनुदान सहायता योजना के अन्तर्गत क्षेत्रीय संसाधन केंद्रों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का मानीटरन तथा रा.शै.अ.प्र.प. के घटकों द्वारा आयोजित सेवाकालीन विस्तार कार्यक्रमों का समन्वयन भी डी.एफ.एस.ई. द्वारा किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभावी रूप से कार्य करने के लिए संस्थापित तथा नई अपनाई गई क्रियाविधि के अन्तर्गत समन्वयन समितियों का परिचालन किया गया। इस नई प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के आचार्य की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया। संबंधित क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकार इस समिति के सदस्य बने। इस प्रकार देश के चारों क्षेत्रों के लिए चार समन्वयन समितियों का गठन किया गया। क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग के विभागाध्यक्ष इन चारों समितियों के सदस्य थे। इस नई प्रक्रिया के अन्तर्गत निश्चित की गई कार्यविधि के अनुसार क्षेत्रीय सलाहकारों ने अपने-अपने राज्यों का दौरा कर तथा वहाँ के शैक्षिक प्राधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श कर राज्यों की उन शैक्षिक आवश्यकताओं तथा समस्याओं का निर्धारण किया जिन्हें रा.शै.अ.प्र.प. से तकनीकी तथा शैक्षिक सहायता तथा समर्थन की आवश्यकता थी। प्रत्येक क्षेत्रीय सलाहकार द्वारा एकत्रित सूचनाओं को संबंधित क्षेत्रीय समन्वयन समिति की बैठक में विचार-विमर्श के लिए रखा गया। इस विचार-विमर्श और क्षे.शि. महाविद्यालय, रा.शि. संस्थान तथा के.शि.प्रौ. संस्थान से प्राप्त संगठनात्मक समर्थन और शैक्षिक सहयोग के आधार पर राज्य की शैक्षिक विकास संबंधी आवश्यकताओं के संबंध में कार्यनीति तय की गई।

राज्यों में क्षेत्रीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली पर वर्तमान मासिक रिपोर्ट की क्रियाविधि को सरल तथा शक्तिशाली बनाया गया। राज्य के शीर्ष व्यक्तियों के माध्यम से राज्य स्तरीय व्यावसायिक क्षमताओं के विकास पर अपने कार्यक्रमों को तेज तथा एकाग्र करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों को सहायता प्रदान की गई। यह निवेश क्षेत्रीय कार्यालयों की कार्यक्रम सलाहकार समितियों की बैठकों में हुए विचार-विमर्श के लिए मार्ग-दर्शन द्वारा प्रदान किया गया। क्षेत्रीय कार्यालयों की भूमिका तथा कार्य एवं उनकी प्रभावी कार्य प्रणाली के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धान्तों का भी विकास किया गया तथा क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों में इनका प्रचार-प्रसार किया गया।

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों की शिक्षा

1989-90 के दौरान क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग ने शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों की शिक्षा के विकास से संबंधित कार्यक्रमों के संबंध में अनेक कार्यकलाप किए। शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के अध्यापकों की व्यावसायिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए चयित विश्वविद्यालयों में रा.शै.अ.प्र.प. अनुदान सहायता योजना के अन्तर्गत स्थापित क्षेत्रीय संसाधन केंद्रों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा उन पर किए खर्च का समय-समय पर निर्धारण कर इस योजना के प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाया गया। वर्ष 1989 के दौरान क्षेत्रीय संसाधन केन्द्रों तथा रा.शै.अ.प्र.प. के घटकों द्वारा चलाए गए कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 18.1 में दिया गया है।

तालिका 18.1

1989-90 के दौरान शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाए गए विद्यालयों के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*प्रतिभागियों की संख्या*
क	**जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली में क्षेत्रीय संसाधन केन्द्रों द्वारा आयोजित कार्यक्रम**		

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
1.	शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के अंग्रेजी अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 सितम्बर से 5 अक्तूबर, 1989 तक	15
2.	शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाये जा रहे विद्यालयों के उर्दू अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 सितम्बर से 5 अक्तूबर, 1989 तक	33
3.	शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों का प्रशिक्षण	26 सितम्बर से 5 अक्तूबर, 1989 तक	25
ख.	**क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम**		
1.	शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाये जा रहे विद्यालयों के अंग्रेजी अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	22 से 31 मई, 1989 तक	10
2.	शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाये जा रहे विद्यालयों के जीव-विज्ञान के अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	22 से 31 मई, 1989 तक	14.
3.	शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाये जा रहे विद्यालयों के भौतिकी के अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	22 से 31 मई, 1989 तक	14
ग.	**क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर द्वारा अयोजित कार्यक्रम**		
	एस.ई.सी.ए.बी. प्रबंध बीजापुर, कर्नाटक द्वारा प्रायोजित माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के लिए विज्ञान अध्यापन पर संवर्द्धन पाठ्यक्रम		

आलोच्य वर्ष में अल्पसंख्यक विद्यालयों के शैक्षिक विकास के संबंध में किए गए अन्य कार्यकलाप निम्नलिखित हैं :

1. केन्द्र के कार्यक्रमों को अन्तिम रूप देने के लिए 4 सितम्बर, 1989 को जामिया मिलिया इस्लामिया के क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र की कार्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक हुई।
2. केन्द्रीय वक्फ़ परिषद् (सी.डब्ल्यू.सी.) के अनुरोध पर जामिया मिलिया इस्लामिया तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालयों ने केन्द्रीय वक्फ़ परिषद् से संबंधित विज्ञान तथा गणित के अध्यापकों के लिए संवर्द्धन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई।
3. केन्द्रीय अल्पसंख्यक आयोग के श्री होमी जे.एच. तैलिआर खाँ, 10 अगस्त, 1989 को राष्ट्रीय शैक्षिक

अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् में आए तथा निदेशक एवं रा.शि.सं. के चयित संकायों के साथ बैठक की। शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के शैक्षिक विकास में रा.शै.अ.प्र.प. के योगदान से श्री तेलिआर खाँ को अवगत कराया गया।

4. क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग ने अल्पसंख्यक विद्यालयों के शैक्षिक विकास तथा शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाये जा रहे विद्यालयों के अध्यापकों के स्तरों की उन्नति के लिए अब तक उठाए गए कदमों तथा प्रस्तावित कार्यवाही के संबंध में एक संक्षिप्त दस्तावेज तैयार किया। इस संक्षिप्त दस्तावेज में मुस्लिम तथा नव बौद्धों द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के शैक्षिक विकास के लिए रा.शै.अ.प्र.प. का कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति तथा शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा चलाये जा रहे विद्यालयों के शैक्षिक विकास के लिए रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा कार्यान्वित कार्यक्रमों के संबंध में सूचना दी गई।

प्रतिपुष्टि अध्ययन

1989-90 में, क्षेत्रीय सेवाएँ और विस्तार समन्वयन विभाग ने कुछ प्रतिपुष्टि अध्ययन किए, जो निम्नलिखित हैं :

- वाराणसी तथा मेरठ जिलों में पी.एम.ओ.एस.टी. (पीमोस्ट) के कार्यान्वयन तथा उत्तर प्रदेश में डी.आई.ई.टी. (डायट) योजना पर प्रतिपुष्टि अध्ययन पूरा किया। ये अध्ययन योजनाओं के शीघ्र मूल्यांकन करने तथा इन कार्यक्रमों के संबंध में निम्न स्तरीय कार्यकर्ताओं का विचार जानने के लिए किये गए।
- विज्ञान शिक्षा, पर्यावरणीय शिक्षा, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, आपरेशन ब्लैक बोर्ड तथा अध्यापक शिक्षा के पुनर्संगठन व पुनर्संरचना के संबंध में केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन पर अपने-अपने राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में क्षेत्र सलाहकारों द्वारा प्रतिपुष्टि की गई।
- शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग के सहयोग से क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग द्वारा विद्यार्थियों के विचारों पर आधारित भारतीय कार्यक्रम पर प्रतिपुष्टि अध्ययन किया गया। भारतीय कार्यक्रम विद्यार्थियों से प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण किया गया तथा कार्यक्रम/क्रियाकलाप में भाग लेने के लिए छात्रों के प्रेरक कारणों, ज्यादा अच्छी लगने वाले कार्यक्रमों/गतिविधियों तथा व्यवसाय संबंधी अभिकल्पना पर कार्यक्रम के संभावित प्रभावों पर एक रिपोर्ट तैयार करके भारत सरकार, युवा मामलों तथा खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजी गई।
- ''ए क्रिटिकल सर्वे ऑफ हिस्ट्री टीचिंग इन राजस्थान'' एरिक परियोजना के संबंध में 16 तथा 17 नवम्बर, 1989 को कार्यकारी दल की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान उपरोक्त अध्ययन के लिए संबंधित आँकड़े एकत्रित करने के उद्देश्य से इस दल ने एक विस्तृत प्रश्नावली को अंतिम रूप दिया। तदुपश्चात प्रश्नावलियों को मुद्रित कर उन्हें उत्तर देने वालों को भेज दिया गया।
- छात्रों के स्तर पर सामुदायिक गायन योजना के अन्तर्गत दिये गये प्रशिक्षण के प्रभाव के अध्ययन के लिए प्रतिपुष्टि अध्ययन कार्य इस वर्ष के दौरान पूरा किया गया। इस अध्ययन की राज्यवार तथा समेकित रिपोर्टें प्रकाशित की गईं। सामुदायिक गायन प्रशिक्षण कार्यकलापों में भाग लेने वाले संगीत विशेषज्ञों, सहायक विशेषज्ञों तथा विद्यालय अध्यापकों के संबंध में उपलब्ध सूचनाओं का एक प्रलेखन भी तैयार किया गया। छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए देश के विभिन्न भागों में उपलब्ध प्रशिक्षित विद्यालय अध्यापकों के प्रभावी उपयोग के लिए यह सूचना संबंधित संस्थाओं

को भेजी गई।

क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा चलाये गये कार्यकलाप

वर्ष 1989-90 में क्षेत्रीय कार्यालयों ने रा.शि.सं. के विभिन्न विभागों, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों (क्षे.शि.म.) तथा केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (के.शै.प्रौ.सं.) द्वारा राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों में उनके कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता प्रदान की। सभी क्षेत्रीय कार्यालयों ने अपनी-अपनी कार्यक्रम सलाहकार समितियों की बैठक आयोजित की। इन बैठकों में वर्ष 1990-91 के कार्यक्रमों को अन्तिम रूप दिया गया। इन कार्यकलापों के अतिरिक्त क्षेत्रीय कार्यालयों ने रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न घटकों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों/परियोजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित अनेक कार्यकलाप किए। 1989-90 में क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा निम्नलिखित मुख्य कार्य किए :

1. विद्यालय अध्यापकों के सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम (पीमोस्ट) के अन्तर्गत अभिविन्यास/प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को आवश्यक प्रशासनिक तथा शैक्षिक सहायता देना।
2. जवाहर नवोदय विद्यालयों के प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के आयोजन में राज्य/संघ शासित क्षेत्र स्तर पर कार्यकलापों का समन्वयन करना।
3. राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के आयोजन में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को मार्ग दर्शन तथा सहायता देना है।
4. राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति के लिए चुने गये विद्यार्थियों के साक्षात्कार के संबंध में कार्यकलापों का समन्वयन करना।
5. फ्रांसीसी क्रांति के द्विशताब्दी समारोह के संबंध में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा आयोजित फ्रांसीसी क्रांति पर अखिल भारतीय निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता के अन्तर्गत राज्य/संघ शासित क्षेत्र स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन।
6. राज्य स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन में राज्य/संघ शासित क्षेत्र को सहायता देना।
7. डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म शताब्दी के अवसर पर रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा आयोजित अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता के अन्तर्गत अध्यापकों तथा प्रशिक्षक अध्यापकों के लिए राज्य/संघ शासित क्षेत्र स्तर की निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।

कुछ क्षेत्रीय कार्यालय रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा संचालित तथा आई.ई.ए. द्वारा प्रायोजित विद्यालयों में कम्प्यूटर के प्रयोग के अध्ययन से भी सम्बद्ध थे। क्षेत्रीय कार्यालयों ने कक्षागत शिक्षण में प्रयोगात्मक परियोजनाओं तथा नवाचारों के लिए विद्यालयों को वित्तीय सहायता देना भी जारी रखा।

इन कार्यकलापों के अतिरिक्त क्षेत्र सलाहकारों के कार्यालयों में रा.शै.अ.प्र.प. के प्राथमिकता वाले कार्य क्षेत्रों के संबंध में अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। इन कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 18.2 में दिया गया है।

तालिका 18.2

1989-90 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. के क्षे. कार्यालयों द्वारा आयोजित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
क्षेत्रीय कार्यालय, इलाहाबाद				
1.	उत्तर प्रदेश में परीक्षा सुधार पर बैठक	25 अप्रैल, 1989	इलाहाबाद	14

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	उत्तर प्रदेश में परीक्षा सुधार पर कार्यशाला	16 से 20 अक्तूबर, 1989 तक	शानीकुंज, हरिद्वार	21
3.	अनु.जाति/अनु.जन जाति की शिक्षा पर प्रोत्साहनों के प्रभाव पर कार्यशाला	13 से 17 फरवरी, 1990 तक	वृन्दावन, उत्तर प्रदेश	25
क्षेत्रीय कार्यालय, बंगलौर				
1.	एक्शन अनुसंधान पर अभिविन्यास कार्यक्रम	18 तथा 19 फरवरी, 1990		19
2.	शीर्ष व्यक्तियों के लिए मूल्यांकन कार्यप्रणाली तथा पद्धतियों पर कार्यशाला	29 से 31 जनवरी, 1990 तक		14
3.	अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	7 से 9 फरवरी, 1990 तक		24
4.	विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/प्राचार्यों के लिए विद्यालय प्रबन्ध पर अभिविन्यास कार्यक्रम	21 तथा 22 फरवरी, 1990		25
5.	शीर्ष व्यक्तियों के लिए मूल्यांकन कार्यप्रणालियों तथा पद्धतियों पर कार्यशाला	29 मार्च, 1990		7
क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल				
1.	अध्यापकों हेतु रचनात्मक लेखन पर अभिविन्यास कार्यक्रम	8 से 18 जनवरी, 1990 तक	उज्जैन	35 अध्यापक 25 विद्यार्थी
2.	जनजाति क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों में कक्षा-निर्देशों के सुधार पर शीर्ष व्यक्तियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम	18 से 27 सितम्बर, 1990 तक	बस्तर	28
क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर				
1.	अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा चलाये जा रहे संस्थानों के अध्यापकों/प्रशिक्षकों के लिए उर्दू अध्यापन की नई पद्धति पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 से 28 अक्तूबर, 1989 तक	कटक	20

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	अध्यापकों के लिए प्रयोगात्मक परियोजनाओं के डिजाइन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 से 7 जनवरी, 1990 तक	भवानी पटना	30
क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़				
1.	चंडीगढ़, हरियाणा तथा पंजाब के +2 स्तर के जीव-विज्ञान के अध्यापकों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम	8 से 17 जनवरी, 1990 तक	चंडीगढ़	17
2.	चंडीगढ़, हरियाणा तथा पंजाब के अनु.जाति/अनु. जन जाति के अध्यापकों के लिए प्रयोगात्मक परियोजनाओं के अभिकल्पन पर अभिविन्यास कार्यक्रम	1 से 3 मार्च, 1990 तक	चंडीगढ़	11
क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद				
1.	अध्यापकों तथा शैक्षिक प्रशासकों के लिए अनु.जाति/अनु. जन जाति की शिक्षा पर अभिविन्यास कार्यक्रम	5 तथा 6 मार्च, 1990	हैदराबाद	17
क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर				
1.	राजस्थान के. अनु.जाति/अनु.जन जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं पर कार्यशाला	1 से 3 अप्रैल, 1989 तक	बर्वा राजस्थान	16
2.	अनु.जाति/अनु.जन जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों तथा अवरोधों पर कार्यशाला	6 से 9 मार्च, 1990 तक	राजसामंद	18
क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास				
1.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों हेतु विज्ञान प्रयोगों तथा अन्वेषक परियोजनाओं के विकास तथा पूर्व परीक्षण पर कार्यशाला	19 से 23 फरवरी, 1990 तक	वेल्लौर	40
2.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों हेतु विज्ञान प्रयोगों तथा अन्वेषक परियोजनाओं के विकास तथा पूर्व परीक्षण पर कार्यशाला	26 फ़रवरी से 2 मार्च, 1990 तक	सेलम	36

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
3.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों हेतु विज्ञान प्रयोगों तथा अन्वेषक परियोजनाओं के विकास तथा पूर्व परीक्षण पर कार्यशाला	12 से 16 मार्च, 1990 तक	ट्यूटीकोरिन	40
4.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों हेतु विज्ञान प्रयोगों तथा अन्वेषक परियोजनाओं के विकास तथा पूर्व परीक्षण पर कार्यशाला	22 से 26 मार्च, 1990 तक	मेह (पांडिचेरी)	40
क्षेत्रीय कार्यालय, पटना				
1.	माध्यमिक स्तर पर अध्यापकों के लिए कक्षा अनुसंधान (प्रयोगात्मक परियोजनाएं) पर कार्यशाला	27 से 29 मार्च, 1990 तक	सहर्सा	21
क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे				
1.	कक्षा 8 के लिए गणित में मूल संकल्पनाओं पर अनुदेशात्मक सामग्री तैयार करने हेतु कार्यशाला	7 से 10 मार्च, 1990 तक	पुणे	15
2.	पश्चिम महाराष्ट्र में जिला स्तर पर दृश्य-श्रव्य विशेषज्ञों का प्रशिक्षण	5 से 8 मार्च, 1990 तक	पुणे	20
3.	अनु.जाति/अनु. जन जाति के शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यन्वियन में शिक्षाविदों की भूमिका पर कार्यशाला	29 तथा 30 मार्च, 1990 तक	पुणे	20
4.	+2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा में सामान्य आधार-पाठ्यक्रमों पर अभिविन्यास कार्यक्रम	31 मार्च से 4 अप्रैल, 1990 तक	पुणे	55
5.	निरन्तर व्यापक मूल्यांकन पर अध्यापक प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	28 से 31 मार्च, 1990 तक	पुणे	15
क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिवेन्द्रम				
1.	प्रतिपूरक शिक्षा में अनु. जाति/अनु. जन जाति के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	28 से 31 अगस्त, 1989 तक	पालघाट	25

1989-90

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	प्रयोगात्मक परियोजनाओं के अभिकलन पर अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 28 सितम्बर, 1989 तक	कालीकट	30
3.	संस्कृत अध्यापन में शीर्ष व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	16 से 19 अक्तूबर, 1989 तक	कुन्नमकुलम	29

1989-90

उन्नीस प्रशासन और कल्याण कार्यकलाप तथा वित्त

विद्यालय शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए रा.शै.अ.प्र.प. सचिवालय इस वर्ष भी परिषद् के विभिन्न घटक एककों द्वारा, आयोजित कार्यक्रमों/परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वियन में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा।

कल्याण कार्यकलाप

आलोच्च वर्ष के अन्तर्गत 16 टाईप-1, 24 टाईप-2, 24 टाईप-3 तथा 6 टाईप-5 के आवासों का निर्माण कार्य पूरा हुआ। ये नये आवास राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली परिसर में स्थित हैं, जिन्हें परिषद् के कर्मचारियों को आंबटित कर दिया गया है। 16 टाईप-5 आवासों के निर्माण का कार्य भी लगभग पूरा हो गया है। आशा है कि एक शॉपिंग काम्प्लैक्स सह-सामुदायिक केन्द्र का निर्माण कार्य भी अक्तूबर, 1990 तक रा.शै.अ.प्र.प. को प्राप्त हो जाएगा।

स्टाफ कल्याण कार्यों के अन्तर्गत परिषद् ने अपने कर्मचारियों को खेल-कूद की सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा। नौवां अन्तर्क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, रा.शि.संस्थान व सी.आई.ई.टी. स्टाफ टूर्नामेंट, 26 से 29 दिसम्बर, 1989 तक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित किया गया। वर्ष 1989-90 में पुरुषों के लिए फुटबाल, बालीबाल, बास्केटबाल, क्रिकेट, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस तथा बैडमिन्टन में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महिलाओं के लिए टेबिल टेनिस, बैडमिन्टन तथा टेनीकोइट में प्रतियोगिताएं की गईं। उपरोक्त टूर्नामेंट के टूर्नामेंट में चारों महाविद्यालयों, रा.शि. संस्थान तथा सी.आई.ई.टी. से एक-एक टीम ने भाग लिया। एन.सी.ई.आर.टी. के लगभग 180 कर्मचारियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। खिलाड़ियों ने इन खेलों में काफी रुचि दिखाई और बन्धुत्व की भावना से उनमें भाग लिया।

हिंदी प्रकोष्ठ के कार्यकलाप

वर्ष 1989-90 में कार्यालयी कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. के हिंदी प्रकोष्ठ ने अनेक कार्यकलाप किए। हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा वर्ष 1989-90 में निम्नलिखित मुख्य कार्य किए गए:

1. एन.सी.ई.आर.टी. कर्मचारियों के लिए जून, 1989 से मार्च, 1990 तक एक हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। परिषद् के 15 कर्मचारियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
2. हिंदी प्रकोष्ठ ने हिंदी टंकण, हिंदी आशुलिपि, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण तथा हिंदी अनुवाद में प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। ये प्रतियोगिताएं 18 तथा 19 सितम्बर, 1989 को आयोजित की गईं।

परिषद् के 50 कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

3. परिषद् के प्रशासनिक/कार्यालयी कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की कार्यनीतियों पर 19 से 23 फरवरी, 1990 तक नई दिल्ली में एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में परिषद् के 19 अधिकारियों ने भाग लिया।
4. परिषद् के प्रशासनिक/कार्यालयी कार्य में हिंदी के प्रयोग पर दूसरी कार्यशाला 5 से 9 मार्च, 1990 तक आयोजित की गई। इस कार्यशाला में परिषद् के 23 प्रशासनिक कर्मचारियों ने भाग लिया।
5. हिंदी प्रकोष्ठ ने वर्ष 1988-89 की वार्षिक रिपोर्ट को हिंदी में अनुवाद करने का कार्य सम्पन्न किया और इसके साथ-साथ परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी अनेक परिपत्रों तथा टिप्पणियों के अनुवाद भी पूरे किये गए।
6. हिंदी प्रकोष्ठ ने प्रशासनिक/कार्यालयी कार्यों में रोजाना प्रयोग में आने वाले शब्दों/वाक्याशों/तथा प्रयोगों को इकट्ठा कर उनका हिंदी अनुवाद तैयार किया तथा इन वाक्यांशों के आधार पर ''प्रशासनिक टिप्पण और पत्र व्यवहार सहायिका'' नामक एक पुस्तिका प्रकाशित की।
7. वार्षिक हिंदी सप्ताह 20 मार्च से 27 मार्च, 1990 तक मनाया गया। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं, जैसे अनुवाद कार्य, निबन्ध लेखन, टिप्पण तथा प्रारूपण, टंकण आदि आयोजित की गईं तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। वार्षिक हिंदी सप्ताह का समारोह कार्यकलाप के अन्तर्गत है। परिषद् के शैक्षिक/प्रशासनिक कार्यालयी कार्य में हिंदी के अधिकतम प्रयोग के लिए एन.सी.ई.आर.टी. के कुछ विभागों/ एककों/ अनुभागों को ट्राफियाँ/शील्ड्ज़ दी गईं। शैक्षिक कार्य में हिंदी के अधिकतम प्रयोग के लिए क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल को तथा प्रशासनिक/कार्यालयी कार्य में हिंदी के अधिकतम प्रयोग के लिए नई दिल्ली स्थित परिषद् मुख्यालय के स्थापना-4 अनुभाग को एक-एक चल शील्ड प्रदान की गई।

उपरोक्त कार्यकलापों के साथ-साथ हिंदी प्रकोष्ठ ने रा.शि. संस्थान के उन विभागों/अनुभागों/एककों तथा परिषद् सचिवालय को हिंदी टंकण/स्टेंसिल काटने की सेवाएं देना जारी रखा जहाँ हिंदी टाईपिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके हिंदी प्रकोष्ठ ने सामान्य आदेशों, परिपत्रों, दस्तावेजों आदि का हिंदी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद की सुविधा भी प्रदान की।

वित्त

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की प्राप्तियों और भुगतानों का वर्ष 1989-90 के लिए समेकित लेखा तालिका 19.1 में दिया जा रहा है।

तालिका 19.1

1989-90 के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की प्राप्तियां और भुगतान का समेकित लेखा

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*		*राशि (रु.)*
आदि शेष		**बजट खर्च**		
रोकड़ और बैंक में	15,41,77,664	*अधिकारियों के वेतन*		
संचालन निधि	40,32,326	गैर योजना	3,40,42,695	
		योजना	7,27,681	3,47,70,376

प्राप्तियाँ			*राशि (रु.)*	*भुगतान*		*राशि (रु.)*	
आदि शेष				**बजट खर्च**			
जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.टी.-39							
बचत खाते में			57,60,966				
बचत खाते में बजट खर्चे के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान				*स्थापना का वेतन*			
गैर योजना		13,23,34,757		गैर योजना	3,50,50,377		
योजना		3,39,19,000	16,62,53,757	योजना	10,25,429	3,60,75,806	
		16,62,53,757					
मानव संसाधन विकास मंत्रायल द्वारा कागज के रूप में दिया गया सहायता अनुदान (गैर-योजना)			4,81,82,613				
विशिष्ट परियोजनाओं से संबंधी		13,01,16,663		*भत्ते और मानदेय*			
अनुदान तथा वापसी		50,85,23,989		गैर-योजना		3,79,02,370	
परिषद् भवनों का किराया	13,77,312			योजना		9,19,332	3,88,21,702
ऋणों तथा पेशगी पर ब्याज	4,47,577			*यात्रा-भत्ता*			
अल्पकालिक निवेशों पर ब्याज	10,00,000			गैर-योजना		13,91,526	
प्रकाशन विभाग				योजना		8,022	13,99,548
अधिक भुगतान की वसूली	12,56,200						
विज्ञान किटों की बिक्री	24,29,412			*अन्य प्रभार*			
शुल्क और प्रभार	2,56,154						
पुस्तकों और प्रकाशनों की बिक्री	9,39,00,339			गैर-योजना		2,51,30,205	
				योजना		11,08,215	2,62,38,420
अवकाश वेतन और पेंशन योगदान	3,94,894						
जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. निवेश पर ब्याज	73,59,080			*छात्रवृत्तियाँ/फैलोशिप*			
				गैर-योजना			
परिपक्व निवेश	55,50,000					7,75,363	
							14,41,523
रायल्टी	47,536			योजना		6,66,160	
विविध प्राप्तियाँ	43,64,231			*कार्यक्रम*			
केन्द्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना	1,67,946	11,85,50,681		मंत्रालय द्वारा प्रकाशन विभाग के लिए कागज के मूल्य का सीधा भुगतान किया गया।			4,81,82,613
कार्यक्रम/विविध पेशगियाँ	3,946			गैर योजना		6,63,27,283	

मोटर साईकिल/स्कूटर पेशगी	11,93,299
साईकिल पेशगी	54,895
पंखा पेशगी	9,929
त्यौहार पेशगी	5,51,495
भवन निर्माण पेशगी	30,21,294
स्थानान्तरण यात्रा-भत्ता/ वेतन पेशगी	56,622
स्थायी पेशगी	900
	48,88,434

योजना	1,70,49,095	8,33,76,378
उपस्कर और फर्नीचर		
गैर-योजना	21,74,007	
योजना	23,22,836	44,96,843
भूमि और भवन		
गैर योजना	1,04,13,661	1,52,13,560
योजना	47,99,899	
		29,00,16,769
विशिष्ट परियोजनाओं संबंधी भुगतान	23,43,89,862	
कार्यक्रम/विविध पेशगी	46,468	
विविध भुगतान		
पेंशन और ग्रेच्युटी	98,77,398	
अवकाश वेतन और पेंशन योगदान (सी.एस.पी.सी.)	2,16,640	
सी.जी.एच.एस.	6,89,376	
लेखा परीक्षा शुल्क	4,07,025	
विज्ञापन	11,76,107	
जमा में जुड़ी बीमा योजना (डी.एल.आई.एस.) अन्य	77,936	
अन्य	1,41,993	1,25,86,475
जी.पी.एफ. पर ब्याज	77,88,928	
सी.पी.एफ. का ब्याज और परिषद् का अंशदान	5,46,852	83,35,780
ऋण और पेशगियाँ		
मोटर साईकिल/स्कूटर पेशगी	27,93,046	
साईकिल पेशगी	81,760	
पंखा पेशगी	8,800	
त्यौहार पेशगी	5,56,585	
भवन निर्माण पेशगी	43,56,644	
बाढ़ पेशगी	4,480	
स्थानान्तरण यात्रा-भत्ता/ वेतन पेशगी	2,02,895	

		ऋण और पेशगियाँ	
		जनपानगृह पेशगी	1,45,132
		स्थाई पेशगी	400
			81,49,742
		निधि एवं निवेश	
सामान्य भविष्य निधि	2,58,16,631	जी.पी.एफ. चालू लेखा	1,31,83,785
अंशदायी भविष्य निधि	3,20,218	सी.पी.एफ. चालू लेखा	3,59,623
जी.पी.एफ. पर ब्याज	77,88,928	जी.पी.एफ. बचत लेखा टी-39 लेखा	1,01,60,659
सी.पी.एफ. पर ब्याज तथा कर्मचारियों पर शेयर	5,46,852	सी.पी.एफ. बचत लेखा टी-39 लेखा	2,08,496
चालू खाता से प्राप्ति	60,00,000	चालू खाते से बचत लेखा टी-39 लेखा को स्थानान्तरित	60,00,000
अल्पकालिक निवेश (प्रकाशन विभाग)	2,55,00,000	जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. निवेश	75,00,000
	6,59,72,629	अल्पकालिक निवेश (प्रकाशन विभाग)	2,05,00,000
बयाना धन और सुरक्षा जमा	16,08,082		
अवधान द्रव्य			5,79,12,563
जमानत जमा	94,535		
अन्य जमा	9,55,428	**जमा**	
	28,58,045	बयाना धन और जमानत जमा	17,19,320
		अवधान द्रव्य	1,18,130
		अन्य जमा	7,64,018
			26,01,468
		विप्रेषण	
जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.	2,65,001	जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.	3,42,574
पी.एल.आई./एल.आई.सी.	99,236	पी.एल.आई./एल.आई.सी.	1,10,638
आयकर	21,99,181	आयकर	22,25,958

निधि एवं निवेश

मृत्यु राहत कोष	35,664	मृत्यु राहत कोष	42,459
टी.सी.समिति	4,70,525	टी.सी.समिति	4,85,799
जी.आई.एस.	15,63,381	जी.आई.एस.	16,90,392
उप-कार्यालय विप्रेषण	24,82,144	उप-कार्यालय विप्रेषण	26,96,008
विविध विप्रेषण	15,11,429	विविध विप्रेषण	13,46,615
डी.सी.आर.जी.	1,000	डी.सी.आर.जी.	1,000
आवधिक विप्रेषण	18,70,74,700	आवधिक विप्रेषण	18,70,74,700
	19,57,02,261		19,60,16,143
		अन्त: शेष	7,49,12,124
		हाथ बाकी नकद और बैंक में	
		संचालन में निधि	47,31,700
		पी.एफ.बचत खाते टी-39 में शेष	08,00,891
			8,64,44,715
कुल योग	89,64,99,985	कुल योग	89,64,99,985

ह० ह०
मुख्य लेखाधिकारी सचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

व्यावसायिक शैक्षिक संगठन के लिए दिया गया अनुदान

शिक्षा, विशेषत: विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में सुधार, स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रयासों को जारी रखने तथा उन्हें बढ़ावा देने के प्रयत्नों के अन्तर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों (पी.ई.ओ.) को वित्तीय सहायता प्रदान करने की एक योजना का परिचालन करती है। 1989-90 में छ: व्यावसायिक शिक्षा सगंठनों को पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए अनुदान दिया गया तथा पांच व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के संगठन के लिए अनुदान दिया गया। इन व्यावसायिक शिक्षा संगठनों को दिए गए अनुदानों का विवरण तालिका 19.2 तथा 19.3 में दिया जा रहा है।

तालिका 19.2

वर्ष 1989-90 में पत्रिकाओं के प्रकशन हेतु व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को दिया गया अनुदान

क्रमांक	*संगठन का नाम*	*पत्रिका का शीर्षक*	*स्वीकृत राशि*
1.	शैक्षिक अनुसंधान तथा विकास के लिए समिति 46, हरी नगर, गोहरी रोड़, बड़ौदा 390007	शिक्षा में परिप्रेक्ष्य	रु. 5,000
2.	भारतीय भौतिकी अध्यापक के संघ संस्था 2-ए, 229, आजाद नगर कानपुर 208002	भौतिकी अध्यापक	रु. 5,000
3.	विज्ञान शिक्षा विकास संघ संस्था 3, फर्स्ट ट्रस्टलिंग स्ट्रीट, मंडावली पक्कम, मद्रास 600028	कनिष्ठ वैज्ञानिक	रु. 5,000
4.	भारतीय भौतिकी संघ द्वारा टाटा इस्टीट्यूट ऑफ फंडामेन्टल रिसर्च बम्बई 400005	भौतिकी समाचार	रु. 5,000
5.	अखिल भारतीय विज्ञान शिक्षक संघ भारतीय विद्या भवन कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली 110001	विज्ञान शिक्षक	रु. 5,000
6.	गणित शिक्षण सुधार संघ 25, फर्न रोड, कलकत्ता 19	इंडियन जर्नल ऑफ मैथमैटिक्स टीचिंग	रु. 4,000

तालिका 19.3

वर्ष 1989-90 में सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के आयोजन हेतु व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को दिया गया अनुदान

क्रमांक	*आयोजक का नाम*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*स्वीकृत राशि*
1.	डा. जाकिर हुसैन शैक्षिक एवं सांस्कृतिक प्रतिष्ठान 2, विलिंग्डन क्रिसेन्ट नई दिल्ली 110004	विकास, सामाजिक न्याय तथा आधुनिकीकरण पर संगोष्ठी	रु. 10,000
2.	भारतीय भौतिकी अध्यापक संघ भारतीय संस्था 2-ए, 229, आजाद नगर कानपुर	राष्ट्रीय मानक परीक्षा सम्मेलन	रु. 5,000

1989-90

क्रमांक	आयोजक का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	स्वीकृत राशि
3.	अखिल भारतीय विज्ञान शिक्षक संघ भारतीय विद्या भवन कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली 110001	''यूनीफिल्ड साईंस व्हेन एंड हाऊ'' का 32 वां वार्षिक सम्मेलन	रु. 10,000
4.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी ईश्वरशरण डिग्री कालिज परिसर, इलाहाबाद 211004	''प्लानिंग फॉर इण्डियाज डव्लपमैंट, द विज़न, द चेलेन्जिज एंड इम्पलीमेन्टेशन'' पर 14 वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस।	रु. 10,000
5.	श्री अरविन्द एजूकेशनल सोसाईटी, श्री अरविन्द आश्रम (दिल्ली ब्रांच) श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 110016	''श्री अरविन्द और मानव भविष्य'' पर संगोष्ठी	रु. 10,000

परिशिष्ट अ

वर्ष 1989-90 के लिए रा. शै. अनु. और प्र. परिषद् की समितियाँ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के सदस्य (आम सभा)

(परिषद् के नियमों के नियम 3 के अन्तर्गत)

(1) मानव संसाधन विकास मंत्रालय अध्यक्ष *पदेन*

(1) श्री.पी. शिव शंकर
केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री
नई दिल्ली
(नवम्बर, 1989 तक)

(2) श्री वी.पी. सिंह
प्रधानमंत्री, भारत सरकार
नई दिल्ली
(4 से 21 जनवरी, 1990 तक)

(3) प्रोफेसर एम. जी. के. मैनन,
शिक्षा एवं संस्कृति राज्य मंत्री
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार
नई दिल्ली
(22 जनवरी से)

(2) अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग *पदेन*

2. प्रो. यशपाल,
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान
आयोग, बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग,
नई दिल्ली

(3) सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय पदेन

3. श्री अनिल बोर्दिया, सचिव,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग) भारत सरकार
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

(4) भारत सरकार द्वारा नामित विश्वविद्यालयों के चार कुलपति (प्रत्येक क्षेत्र से एक)

4. प्रो. वी.जी. भिड़े, कुलपति
पूना विश्वविद्यालय, पुणे
महाराष्ट्र

5. डा. एन.एस.बोस, कुलपति
विश्व भारती विश्वविद्यालय,
शान्ति निकेतन, पश्चिमी बंगाल

6. डा. एस.एस.बाल, कुलपति
गुरु नानक विश्वविद्यालय
अमृतसर, पंजाब

7. प्रो. वी.सी. कुलंदैस्वामी
कुलपति, अन्ना विश्वविद्यालय
मद्रास, तमिलनाडु

5. प्रत्येक राज्य सरकार/संघशासित प्रदेश का एक-एक प्रतिनिधि विधायक जो राज्य/संघशासित प्रदेश का शिक्षा मंत्री (या उसका प्रतिनिधि) होना चाहिए और दिल्ली के मामले में मुख्य कार्यकारी पार्षद (या उनका प्रतिनिधि)

8. शिक्षा मंत्री, आन्ध्र प्रदेश सरकार
सचिवालय भवन, हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश

9. शिक्षा मंत्री, अरुणाचल प्रदेश सरकार,
इटानगर,
अरुणाचल प्रदेश

10. शिक्षा मंत्री, असम सरकार
सचिवालय भवन, गुवाहाटी,
आसाम

11. शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार
नया सचिवालय भवन
पटना, बिहार

12. शिक्षा मंत्री, गोआ सरकार
सचिवालय पणजी, गोआ

13. शिक्षा मंत्री, गुजरात सरकार
ब्लाक नं०-1 सचिवालय
गाँधी नगर-382010, गुजरात

14. शिक्षा मंत्री, हरियाणा सरकार
हरियाणा सिविल सचिवालय
चंडीगढ़

15. शिक्षा मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार
शिमला, हिमाचल प्रदेश

16. शिक्षा मंत्री, जम्मू और कश्मीर सरकार
श्रीनगर
जम्मू और कश्मीर

17. शिक्षा मंत्री,कर्नाटक सरकार
विधान सौंध,बंगलौर
कर्नाटक

18. शिक्षा मंत्री
केरल सरकार
अशोक, नंथेन्कोड, त्रिवेन्द्रम
केरल

19. शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार
भोपाल
मध्य प्रदेश

20. शिक्षा मंत्री
महाराष्ट्र सरकार
मुख्य मंत्रालय
बम्बई
महाराष्ट्र

21. शिक्षा मंत्री
मणिपुर सरकार
सचिवालय
इम्फाल
मणिपुर

22. शिक्षा मंत्री
मेघालय सरकार
सचिवालय
शिलांग
मेघालय

23. शिक्षा मंत्री
मिज़ोरम सरकार
ऐजाबल
मिज़ोरम

24. शिक्षा मंत्री
नागालैंड सरकार
कोहिमा
नागालैंड

25. शिक्षा मंत्री
उड़ीसा सरकार
सचिवालय
भुवनेश्वर
उड़ीसा

26. शिक्षा मंत्री
पंजाब सरकार
चण्डीगढ़

27. शिक्षा मंत्री
राजस्थान सरकार
शासकीय सचिवालय
जयपुर
राजस्थान

28. शिक्षा मंत्री
सिक्किम सरकार
सचिवालय
गंगटोक
सिक्किम

29. शिक्षा मंत्री
तमिलनाडु सरकार
पोर्ट सेंट जार्ज
मद्रास
तमिलनाडु

30. शिक्षा मंत्री
त्रिपुरा सरकार
सिविल सचिवालय
अगरतला
त्रिपुरा

31. शिक्षा मंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

32. शिक्षा मंत्री
पश्चिम बंगाल सरकार
राइटर्स बिल्डिंग
कलकत्ता
पश्चिमी बंगाल

33. मुख्य कार्यकारी पार्षद
दिल्ली प्रशासन
पुराना सचिवालय
दिल्ली

34. शिक्षा मंत्री
पांडिचेरी सरकार
असेम्बली सचिवालय
पांडिचेरी

6. कार्यकारिणी समिति के वे सभी सदस्य,जो ऊपर सम्मिलित नहीं हैं

35. श्री एल.पी.साही
शिक्षा और संस्कृति राज्य मंत्री
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार
शास्त्री भवन
नई दिल्ली
(नवम्बर 1989 तक)

36. डा.पी.एल. मल्होत्रा
निदेशक,रा.शै.अ.प्र.प.,
नई दिल्ली
(अप्रैल, 1989 से 16 जुलाई, 1989 तथा 10 अक्तूबर 1989 से 22 फरवरी, 1990 तक)

37. डा.के. गोपालन
निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(17 जुलाई 1989 से 9 अक्तूबर, 1989 तथा 22 फरवरी, 1990 से)

38. प्रो. डी.एस. कोठारी
कुलाधिपति,
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय
न्यू महरौली रोड
नई दिल्ली

39. प्रो. एन.एस. बोस
कुलपति
विश्व-भारती
शान्ति निकेतन
पश्चिम बंगाल

40. श्री. एस. नरसिंहमलु
सचिव, नंदिनी पब्लिक स्कूल
चिराग अली लेन
हैदराबाद
आन्ध्र प्रदेश

41. फादर जान पेटरिक
प्रधानाचार्य,
सहोदय स्कूल
सी-1 सफदरजंग डवलपमेंट एरिया
नई दिल्ली

42. प्रो. ए.के. जलालुद्दीन
संयुक्त निदेशक
रा. शै. अ. प्र. प.
नई दिल्ली
(17 जुलाई, 1989 तक)

43. डा. एम.एम. चौधरी,
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(18 जुलाई, 1989 से)

44. प्रो. ओ.एस. देवल
प्राचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
अजमेर
राजस्थान

45. डा.ए.के. शर्मा
अध्यक्ष अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग
(डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.)
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

46. श्रीमती लक्ष्मी आराध्य
रीडर,क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय,
मैसूर

47. श्री वाई.एन.चतुर्वेदी
संयुक्त सचिव (एस)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

1989-90

48. डा. (श्रीमती) डी.एम.दी रेबेलो
संयुक्त सचिव (एस)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

49. श्री एल.एस. नारायणन
वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

7. (क) अध्यक्ष,
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
नई दिल्ली *पदेन*

50. अध्यक्ष
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
प्रीत विहार
नई दिल्ली

(ख) आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
नई दिल्ली *पदेन*

51. आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर
न्यू महरौली रोड
नई दिल्ली

(ग) निदेशक, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो
(स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक)
नई दिल्ली *पदेन*

52. निदेशक
केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (डी.जी.एच.एस.)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
कोटला रोड
नई दिल्ली

(घ) उप महानिदेशक-प्रभारी
कृषि शिक्षा,भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्
कृषि मंत्रालय
नई दिल्ली *पदेन*

(च) प्रशिक्षण निदेशक
प्रशिक्षण तथा रोजगार महानिदेशालय
श्रम मंत्रालय
नई दिल्ली *पदेन*

(छ) योजना आयोग शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि *पदेन*

8. भारत सरकार द्वारा मनोनीत छः व्यक्ति, जिनमें कम से कम चार विद्यालय अध्यापक होने चाहिए।

53. उप महानिदेशक-प्रभारी
कृषि शिक्षा,आई.सी.ए.आर.
कृषि मंत्रालय
डा. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली

54 प्रशिक्षण निदेशक
प्रशिक्षण तथा रोजगार महानिदेशालय
श्रम मंत्रालय
श्रम शक्ति भवन
नई दिल्ली

55. शिक्षा सलाहकार
योजना आयोग
योजना भवन
संसद मार्ग
नई दिल्ली

56. प्रो. वी.जी. कुलकर्णी
निदेशक
होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र,
टाटा आधारभूत अनुसंधान संस्थान
होमी भाभा मार्ग
कोलाबा
बम्बई-400005

57. श्री. एस.सी. बेहड़
निदेशक
राज्य शैं.अ.प्र.प. जहांगीराबाद
भोपाल
मध्य प्रदेश

58. श्री रजा अल्ला बक्श
मुख्याध्यापक
पंचायत समिति प्राथमिक विद्यालय
प्रकाश नगर
होल्मसपैट,
कुड्डप्पा
आन्ध्र प्रदेश

59. श्री डेविड सैरिंग लेपचा
मुख्याध्यापक
नमपटम प्राथमिक विद्यालय
डा० मायम, उत्तर सिक्किम
सिक्किम

60. श्रीमती राधिका हरज़बेरगर
निदेशक
ऋषि वैली स्कूल
हार्सेले हिल्स
ज़िला चित्तूर
आन्ध्र प्रदेश

61. श्रीमती रजनी कुमार
प्रधानाचार्य
स्प्रिंगडल्स विद्यालय
पूसा रोड
नई दिल्ली

62. सचिव
भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद्
47-नेहरू पैलेस
नई दिल्ली

63. श्री ओ.पी. केलकर
सचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
नई दिल्ली

64. श्री एच. के.एल. चुघ
सचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
नई दिल्ली
(3 अगस्त, 1989 से)

कार्यकारिणी समिति के सदस्य

1. परिषद् के अध्यक्ष जो कार्यकारिणी समिति के *पदेन* अध्यक्ष होंगे	श्री पी. शिवशंकर मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार शास्त्री भवन नई दिल्ली (नवम्बर, 1989 तक) श्री वी.पी. सिंह भारत के प्रधानमंत्री (4 से 21 जनवरी, 1990 तक) प्रोफेसर एम.जी.के. मैनन शिक्षा एवं संस्कृति राज्य मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली (22 जनवरी से)
2. (क) मानव सनसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री जो कार्यकारिणी समिति के *पदेन* उपाध्यक्ष होंगे	श्री एल.पी. शाही शिक्षा एवं संस्कृति राज्य मंत्री भारत सरकार शास्त्री भवन नई दिल्ली (नवम्बर, 1989 तक)
(ख) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, एक उपमंत्री, अध्यक्ष रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	

1989-90

(ग) परिषद् के निदेशक	डा.पी.एल.मल्होत्रा, निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (1 अप्रैल, 1989 से जुलाई, 1989 तथा 10 अक्तूबर, 1989 से 22 फरवरी, 1990 तक)
	डा. के. गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (17 जुलाई, 1989 से 9 अक्तूबर, 1989 तथा 22 फरवरी, 1990 से)
(घ) सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय *पदेन*	श्री अनिल बोर्दिया सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली
3. अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सदस्य *पदेन*	प्रो. यशपाल अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग नई दिल्ली
4. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत स्कूल शिक्षा में अनुभूत रुचि रखने वाले चार शिक्षाविद (जिनमें से दो स्कूल के अध्यापक हों)	प्रो. डी.एस. कोठारी कुलपति जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय न्यू महरौली रोड नई दिल्ली

प्रो. एन.एस.बोस,
कुलपति
विश्व-भारती, शान्ति निकेतन
पश्चिम बंगाल

श्री एस. नरसिंहुलू
सचिव
नंदनी पब्लिक स्कूल
चिराग अली लेन
हैदराबाद

फ़ादर जॉन पैट्रिक
सहोदय स्कूल
सी-1 सफदरजंग डवलपमेंट एरिया
नई दिल्ली

5. परिषद् के संयुक्त निदेशक

प्रो. ए.के. जलालुद्दीन
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(17 जुलाई 1989 तक)

डा.एम.एम. चौधरी
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(18 जुलाई, 1989 से)

6. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, परिषद् की संकाय के तीन सदस्य जिनमें से कम से कम दो, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्षों के स्तर के हों।

डा. ए.के.शर्मा
अध्यक्ष
अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

प्रोफेसर ओ.एस. देवल
प्रधानाचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
अजमेर

		श्रीमती लक्ष्मी आराध्य रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय मैसूर
7.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) भारत सरकार के एक प्रतिनिधि	श्री वाई.एन.चतुर्वेदी संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली (जून, 1989 तक)
		डा.(श्रीमती) डी.एम. डी रिबेलो, संयुक्त सचिव (स्कूल्स) मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली (जून, 1989 से)
8.	वित्त मंत्रालय से एक प्रतिनिधि जो परिषद् का वित्तीय सलाहकार होगा	श्री एल.एस. नारायणन वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली
		श्री ओ.पी.केलकर सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (31 जुलाई, 1989 तक)
		श्री एच.के.एल. चुघ सचिव रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (3 अगस्त, 1989 से)

वित्त समिति

(परिषद् के नियम 62 के अधीन)

1. निदेशक
   रा.शै.अ.प्र.प. *पदेन*

डा. पी.एल. मल्होत्रा
निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(1 अप्रैल, 1989 से 16 जुलाई, 1989 तथा 10 अक्तूबर, 1989 से 22 फरवरी, 1990 तक)

डा. के. गोपालन
निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(17 जुलाई, 1989 से 9 अक्तूबर, 1989 तक तथा 22 फरवरी, 1990 से)

2. वित्तीय सलाहकार *पदेन*

श्री एल.एस. नारायणन
वित्तीय सलाहकार
रा.शै.अ.प्र.प.
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन
नई दिल्ली

3. संयुक्त सचिव (स्कूली शिक्षा)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय

श्री वाई.एन. चतुर्वेदी,
संयुक्त सचिव (स्कूल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली
(जून, 1989 तक)

डा. (श्रीमती) डी.एम.डी रिबेलो
संयुक्त सचिव (स्कूल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन
नई दिल्ली
(जून, 1989 से)

प्रो. एस.के. खन्ना,
सचिव
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग
नई दिल्ली

डा. वी.पी. दत्त
अध्यक्ष
चीनी और जापानी भाषा अध्ययन विभाग
कला संकाय भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली
(24 अक्तूबर, 1989 तक)

श्री एच.एस. सिंघा
अध्यक्ष
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
प्रीत विहार
दिल्ली
(25 अक्तूबर, 1989 से)

4. सचिव,
रा.शै.अ.प्र.प. सदस्य संयोजक

श्री ओ.पी. केलकर
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली (31 जुलाई, 1989 तक)

श्री एच.के.एल.चुघ
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(3 अगस्त 1989 से)

स्थापना समिति

(परिषद् के विनियम 10 के अधीन)

1. निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. अध्यक्ष	डा. पी.एल. मल्होत्रा निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. (1 अप्रैल, 1989 से 16 जुलाई, 1989 तथा 10 अक्तूबर, 1989 से 22 फरवरी, 1990 तक)
	डा. के.गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र प. नई दिल्ली (17 जुलाई, 1989 से 9 अक्तूबर, 1989 तथा 22 फरवरी, 1990 से)
2. संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प.	डा.ए.के. जलालुद्दीन संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. (17 जुलाई, 1989 तक)
3. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार से नामित व्यक्ति	श्री.वाई.एन. चतुर्वेदी संयुक्त सचिव (स्कूली शिक्षा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली (जून, 1989 तक)
	डा. (श्रीमती) डी.एम.डी रिबेलो संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली (जून, 1989 से)

4.	अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, चार शिक्षाविद, जिनमें से कम से कम एक वैज्ञानिक हो	प्रो. एन.एस.बोस कुलपति विश्व-भारती, शांति निकेतन पश्चिम बंगाल डा. के. वेंकट सुब्रामण्यन्. कुलपति पांडिचेरी विश्वविद्यालय पांडिचेरी श्रीमती वी.ए. गांगुली प्रधानाचार्य खाद्य, शिल्प संस्थान शिवाजी नगर पुणे प्रोफेसर एम.एम. पुरी राजनीति शास्त्र विभाग पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़
5.	अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय से एक प्रतिनिधि	श्री एन. बेहेरा सहायक कार्यक्रम समन्वयक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भुवनेश्वर उड़ीसा
6.	अध्यक्ष द्वारा मनोनीत दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान से एक प्रतिनिधि	प्रो. के.एन. सक्सेना अध्यक्ष शैक्षिक मनोविज्ञान परामर्श और निर्देशन विभाग रा.शै.अ.प्र.प. (31 मार्च, 1989 तक) प्रोफेसर बाकर मेहदी अध्यक्ष क्षेत्रीय सेवाएं एवं समन्वयन विभाग रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (31 मार्च, 1989 से)

7.	परिषद् के शैक्षिक तथा गैर-शैक्षिक नियमित स्टाफ में से, विनिमय के परिशिष्ट में बताए अनुसार अपने-अपने वर्ग में से एक-एक चुनकर दो प्रतिनिधि	श्री जे.एस.सक्सेना रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर (मई, 1989 तक) डा. आर.पी. सिंह अध्यक्ष पत्रिका प्रकोष्ठ रा.शै.अ.प्र.प. (मई, 1989 से) श्री एम.एस. बिष्ट भंडारपाल ग्रेड-1 रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (मई, 1989 तक) श्री प्रबोध कुमार उ.श्रे.लि. मापन, मूल्यांकन सर्वे और आधार प्रक्रियन विभाग रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (मई, 1989 से)
8.	वित्तीय सलाहकार	श्री एल.एस. नारायणन वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली
9.	सचिव रा.शै.अ.प्र.प.	श्री ओ.पी.केलकर सचिव - सदस्य संयोजक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (31 जुलाई, 1989 तक)

1989-90

श्री एच.के.एल.चुघ
सचिव -सदस्य संयोजक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(3 अगस्त 1989 से)

भवन एवं निर्माण समिति

(23.12.1989 तक मान्य)

1.	निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. *पदेन*	अध्यक्ष	डा. पी.एल. मल्होत्रा निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (1 अप्रैल, 1989 से 16 जुलाई, 1989 तथा 10 अक्तूबर, 1989 से 22 फरवरी, 1990 तक) डा. के. गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (17.7.89 से 9.10.89 तक तथा 22.2.90 से)
2.	संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. *पदेन*	उपाध्यक्ष	डा. ए.के. जलालुद्दीन संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (17 जुलाई, 1989 तक) डा. एम.एम. चौधरी संयुक्त निदेशक,रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (18.7.89 से)

3.	मुख्य अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग या उनका प्रतिनिधि	सदस्य	श्री बी.डी.तिवारी मुख्य इंजीनियर (निर्माण) केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग राम कृष्ण पुरम नई दिल्ली
4.	वित्त मंत्रालय (निर्माण) का एक प्रतिनिधि	सदस्य	सहा. वित्त सलाहकार (निर्माण) वित्त मंत्रालय निर्माण भवन नई दिल्ली
5.	रा.शै.अ.प्र.प.के परामर्शदाता वास्तुकार	सदस्य	श्री आर.एस. कौशल वरिष्ठ वास्तुकार, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (एन.डी.-4) (कमरा नं. 426) ''ए'' विंग, निर्माण भवन नई दिल्ली
6.	परिषद् के वित्तीय सलाहकार या उनका प्रतिनिधि	सदस्य	श्री एल.एस. नारायणन वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग शास्त्री भवन नई दिल्ली
7.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय का प्रतिनिध	सदस्य	श्री वाई.एन. चतुर्वेदी संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग शास्त्री भवन नई दिल्ली (जून, 1989 तक) डा. (श्रीमती) डी.एम.डी रिबैलो संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग शास्त्री भवन नई दिल्ली (जून, 1989 से)

8.	प्रख्यात सिविल इंजीनियर (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	सदस्य	मुख्य अभियन्ता दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन आई.एन.ए. नई दिल्ली
9.	प्रख्यात विद्युत अभियंता (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	सदस्य	श्री आर.डी.जॉन मुख्य अभियंता, अंतरिक्ष विभाग कावेरी भवन, एफ ब्लाक, नवां तल कैम्पेगोड़ा रोड बंगलौर
10.	कार्यकारिणी समिति का एक सदस्य (समिति द्वारा मनोनीत)	सदस्य	प्रो.ए.के.शर्मा अध्यक्ष अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
11.	सचिव,रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य सचिव	श्री ओ.पी.केलकर सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (31.7.89 तक) श्री एच.के.एल. चुघ सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (3.8.89 से)

कार्यक्रम सलाहकार समिति

1. निदेशक, रा.शै.अनु. और प्र. परिषद्–अध्यक्ष
2. संयुक्त निदेशक, रा.शै.अनु. और प्र. परिषद्–उपाध्यक्ष
3. डा. जे.एन. जोशी प्रोफेसर और डीन, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
4. डा. आर.पी. नायर, प्रोफेसर और अध्यक्ष, स्नातकोत्तर अध्ययन एवं अनुसंधान शिक्षा विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मानसगंगोत्री, मैसूर-570 006

5. प्रो. आर.पी. पंचमुखी, निदेशक, भारतीय शिक्षा संस्थान, 128/2 जे.पी. नायक पथ, कर्वे रोड से लगा हुआ, कोठरुड पुणे-411 019

6. प्रो. आरती सैन, प्रधानाचार्य, विनय भवन, विश्व भारती शांति निकेतन-751285 (प. बं.)

7. प्रो. योगेन्द्र सिंह, सामाजिक तंत्र अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110 067

8. निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान, पूजापुरा, त्रिवेन्द्रम-13 (केरल)

9. निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान, रायखण्ड, अहमदाबाद, (गुजरात)

10. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 6 माल एवेन्यू, लखनऊ-216 001 (उ०प्र०)

11. प्रधानाचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, मौलाना आजाद रोड, श्रीनगर-190001 (जम्मू और कश्मीर)

12. प्रधानाचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, अरुणाचल प्रदेश सरकार, पो.आ. चांगलैण्ड-792 120, जिला टिरप (अरुणाचल प्रदेश)

13. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

14. डा. (कु) एस.के. राम, प्रोफेसर, (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

15. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

16. डा. के.वी. राव, प्रोफेसर, (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

17. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

18. डा. सी.जे. दासवानी, प्रोफेसर, (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

19. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

20. डा. एन.के. जंगीरा, प्रोफेसर, (डी.टी.ई.एस. ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

21. अध्यक्ष, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.टी.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

22. डा. (श्रीमती) एस.पी. पटेल, प्रोफेसर, (डी.वी.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

23. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

24. डा. जे.एस. गौड़, प्रोफेसर, (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नईदिल्ली-110016

1989-90

25. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

26 डा. ए.बी.एल. श्रीवास्तव, प्रोफेसर,(डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

27. अध्यक्ष, क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वय विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

28. डा. (कु.) इन्दु सेठ, रीडर, (डी.एफ.एस.ई.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

29. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

30. डा. बी.एम. गुप्ता, रीडर, (डब्ल्यू.डी.),रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

31. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग (पी.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

32. अध्यक्ष, पुस्तकालय, प्रलेखन एवं सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

33. अध्यक्ष, नीति अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग (डी.पी.आर.पी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

34. संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

35. डा. सी.एच.के. मिश्रा, प्रोफेसर, (सी.आई.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

36. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.),मैसूर, (कर्नाटक)

37. डा. सी. शेषाद्रि, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), मैसूर, कर्नाटक

38. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), भुवनेश्वर-751007 (उड़ीसा)

39. डा. एस.टी.वी.जी. आचार्यूलू,प्रोफेसर-शिक्षा,क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), भुवनेश्वर-751007 (उड़ीसा)

40. डा. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), अजमेर, (राजस्थान)

41. डा. (श्रीमती) अमृत कौर, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय(आर.सी.ई.), अजमेर, राजस्थान

42. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

43. डा. जे.एस. ग्रेवाल, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय(आर.सी.ई.), श्यामला हिल्स, भोपाल, (म.प्र.)

44. सचिव, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

45. डा. पी.एम. पटेल, प्रोफेसर प्रभारी, कार्यक्रम अनुभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016 *संयोजक*

1989-90

शैक्षिक अनुसंधान एवं नवाचार समिति के सदस्य

1. निदेशक
   राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
   एस.सी.ई.आर.टी.
   जहांगीराबाद
   भोपाल (म०प्र०)

2. निदेशक
   राज्य शिक्षा संस्थान
   एम.एस. सदाशिव पेठ
   कम्टनोकर रोड
   पुणे (महाराष्ट्र)

3. डा. एस.एन. सराफ
   कुलपति
   श्री सत्यसाई उच्च अध्ययन संस्थान
   प्रशांतिनिलयम-525 134

4. डा. इकबाल नारायण
   सदस्य सचिव
   भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
   3, फिरोजशाह रोड
   नई दिल्ली-110001

5. डा. जोसफ पी.जॉन
   निदेशक, विज्ञान प्रौद्योगिकी प्रोन्नति विभाग
   न्यू महरौली रोड
   नई दिल्ली-110016

6. डा. बी.के. पासी
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शिक्षा विभाग
   इन्दौर विश्वविद्यालय
   इन्दौर (म०प्र०)

7. डा. बी.एन. मुखर्जी
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   कम्प्यूटर केन्द्र भारतीय सांख्यिकी संस्थान
   बैरकपुर रोड
   कलकत्ता-700 035

8. डा. वी. ईश्वर रेड्डी
   निदेशक
   सतत् एवं प्रौढ़ शिक्षा विभाग
   उस्मानिया विश्वविद्यालय
   हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)

9. डा. के.पी.पांडे
   प्रोफेसर,शिक्षा एवं अध्यक्ष
   काशी विद्यापीठ
   वाराणसी-221002

10. डा. वी.वी. चिपलूनकर
    आशीर्वाद मुकुन्द नगर, ए.पी.आई. के सामने, जालना रोड
    औरंगाबाद, महाराष्ट्र-431003

11. प्राचार्य
    क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
    अजमेर-305001
    (राजस्थान)

12. प्राचार्य
    क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
    श्यामला हिल्स
    भोपाल-462013
    (मध्य प्रदेश)

13. प्राचार्य,
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
भुवनेश्वर-751 007 (उड़ीसा)

14. प्राचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
मैसूर-570 006
(कर्नाटक)

15. डा. एस.एल. भैरप्पा
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
मैसूर-570 006
(कर्नाटक)

16. डा.एस.सी. चतुर्वेदी
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवेश्वर-751007
(उड़ीसा)

17. श्री आर.के. भारतीय
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
अजमेर-305001

18. डा.पी.के .खन्ना
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
भोपाल-462013
(म०प्र०)

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की अकादमिक समिति

1. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. — *अध्यक्ष*

2. संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. — *उपाध्यक्ष*

3. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं., रा.शै.अ.प्र.प.

4. डीन (अनुसंधान) रा.शै.अ.प्र.प.

5. डीन (समन्वय) रा.शै.अ.प्र.प.

6. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

7. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

8. अध्यक्ष, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

9. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

10. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

11. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

12. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस..ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

13. अध्यक्ष, नीति अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग (डी.पी.आर.पी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

14. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग (डब्लयू.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

15. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग (पी.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

16. अध्यक्ष, क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

17. अध्यक्ष, पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

18. डा. (कु.) एस.के.राम, प्रोफेसर, (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

19. डा. के.वी. राव, प्रोफेसर, (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

20. डा. (श्रीमती) एस.पी. पटेल, प्रोफेसर, (डी.वी.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

21. डा. ए.बी.एल. श्रीवास्तव, प्रोफेसर, (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

22. डा. सी.जे. दासवानी, प्रोफेसर, (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

23. डा. कुलदीप कुमार, प्रोफेसर, (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

24. डा. एन.के. जंगीरा, प्रोफेसर, (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

25. प्रोफेसर प्रभारी, कार्यक्रम, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

26. डा. जे.एन. जोशी, प्रोफसर और डीन, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़

27. प्रो. योगेन्द्र सिंह, सामाजिक तंत्र अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

28. डीन (अकादमिक), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

29. अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

30. अध्यक्ष, महिला शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

31. अध्यक्ष, पत्रिका प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

32. प्रवक्ता प्रभारी, (पी.पी.एम.ई.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

33. अध्यक्ष, नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

1989-90

विभागीय सलाहकार बोर्ड

1. *शैक्षिक मनोविज्ञान परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.एंड जी.)*

    (i) अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.–संयोजक
    (ii) डा. कुलदीप कुमार, प्रोफेसर, डी.ई.पी.सी.जी.
    (iii) डा. वी. के. सिंह, प्रोफेसर, डी.ई.पी.सी.जी.
    (iv) अध्यक्ष, डी.टी. ई.एस.ई.ई.एस.
    (v) अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
    (vi) अध्यक्ष, डी.वी.ई.
    (vii) डा. मेहरु डी. बंगाली. कुलपति, बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई-400020
    (viii) प्रो. (श्रीमती) पूर्णिमा माथुर, अध्यक्ष, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान, हौजखास, नई दिल्ली -110016

2. *अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.)*

    (i) अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.– संयोजक
    (ii) डा. एन.के.जंगीरा, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
    (iii) डा. एल.आर. एन.श्रीवास्तव, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
    (iv) डा. एल सी. सिंह, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
    (v) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
    (vi) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
    (vii) अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
    (viii) अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
    (ix) संयुक्त निदेशक,सी.आई.ई.टी. के प्रतिनिधि
    (x) अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
    (xi) डा.डा.के. मैनन, निदेशक मानसिक रूप से विकलांगों का राष्ट्रीय संस्थान, सिकन्दराबाद, (आन्ध्र प्रदेश)
    (xii) डा.सी.एल.कुंडु, प्रोफेसर और अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र (हरियाणा)

3. *सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)*

    (i) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.– संयोजक
    (ii) डा. (कु.) एस. के. राम, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एस.एच.
    (iii) डा. डी.एन. पाणिग्रही, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एस.एच.
    (iv) श्री आर.जी. सक्सेना, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एस.एच.
    (v) श्री अर्जुन देव, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एस.एच.
    (vi) श्रीमती एस.लूथरा, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
    (vii) अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.

(viii) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
(ix) अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
(x) संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के प्रतिनिधि
(xi) प्रो. रशीदद्दीन खान, 162, न्यू कैम्पस, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,नई दिल्ली
(xii) डा.एम.जी. चतुर्वेदी, प्रोफेसर प्रभारी, दिल्ली शाखा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, अरविन्द आश्रम, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली-1100016

4. *विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)*

(i) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.– संयोजक
(ii) डा. के.वी. राव, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
(iii) डा. छोटन सिंह, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
(iv) डा. आर.डी. शुक्ला, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
(v) श्री. आर.सी. सक्सेना, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
(vi) अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
(vii) अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
(viii) अध्यक्ष, डी.एफ.एस.ई.सी.
(ix) प्रो.मोहन राम, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
(x) प्रो. ए.सी.जैन, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007

5. *मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.)*

(i) अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.– संयोजक
(ii) श्री वी.एस. श्रीवास्तव, रीडर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
(iii) श्री पी.एन. अरोड़ा, रीडर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
(iv) श्री एस.एम. भार्गव, रीडर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
(v) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
(vi) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
(vii) अध्यक्ष, डी.वी.ई.
(viii) डा. आर.जी. मिश्रा, ए-75/2 साकेत, नई दिल्ली-110017
(ix) डा. जैकब थारू, प्रोफेसर, केन्द्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)

6. *शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.)*

(i) अध्यक्ष, डी.वी.ई.–संयोजक
(ii) डा. (श्रीमती) एस.पी.पटेल, प्रोफेसर, डी.वी.ई.
(iii) डा. ए.पी. वर्मा, रीडर, डी.वी.ई.
(iv) अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
(v) अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.

(vi) अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
(vii) संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के प्रतिनिधि
(viii) श्री एस. के गिरि, निदेशक, प्रशिक्षण, रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001
(ix) डा. एस.सी.सक्सेना, डीन, कालेज विकास परिषद्, शिवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

7. *विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)*

(i) अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.– संयोजक
(ii) डा. एम.एस. खापर्डे, प्रोफेसर, डी.पी.एस.ई.ई.
(iii) डा. वी.पी.गुप्ता, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई.
(iv) श्रीमती एस. भट्टाचार्य, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई.
(v) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
(vi) अध्यक्ष , डी.ई.एस.एस.एच.
(vii) अध्यक्ष, डी.वी.ई.
(viii) अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
(ix) अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
(x) संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के प्रतिनिधि
(xi) श्री पी.एन.रसिया, संयुक्त निदेशक, अनौपचारिक शिक्षा, भोपाल, मध्य प्रदेश
(xii) डा. अमित वर्मा, प्रोफेसर, बाल विकास विभाग, ग्रह-विज्ञान संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, वदोदरा 390002

8. *क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वय विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.)*

(i) अध्यक्ष, डी.एफ.एस.ई.सी.–संयोजक
(ii) डा. एस.प्रसाद, रीडर, डी.एफ.एस.ई.सी.
(iii) अध्यक्ष डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
(iv) अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
(v) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
(vi) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
(vii) अध्यक्ष, नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ
(viii) संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के प्रतिनिधि
(ix) प्रो. विनय बाला मेहता, प्राचार्य, एस.एन.डी.टी. महाविद्यालय, पुणे (महाराष्ट्र)
(x) निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, भोपाल (म.प्र.)

9. *कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू.डी.)*

(i) अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग–संयोजक
(ii) डा. बी.एम.गुप्ता, रीडर, डब्ल्यू.डी.

(iii) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
(iv) अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
(v) प्रो.एन.के. तिवारी, यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हौजखास, नई दिल्ली-110016
(vi) श्री.पी.के. भौमिक, विज्ञान केन्द्र, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, खैबर पास, इंस्टीट्यूशनल एरिया, दिल्ली-110003

10. *पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.)*

(i) निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.–अध्यक्ष
(ii) संयुक्त निदेशक, (परिषद्)
(iii) संयुक्त निदेशक, (के.शै.प्रौ.सं.)
(iv) डीन (शैक्षिक)
(v) डीन (अनुसंधान)
(vi) डीन (समन्वय)
(vii) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
(viii) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
(ix) अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
(x) प्रोफेसर प्रभारी, कार्यक्रम
(xi) श्री एस.पी. अग्रवाल, निदेशक, प्रलेखन केन्द्र, (आई.सी.एस.एस.आर.) 35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली-110001
(xii) डा. टी.के. दत्ता, वैज्ञानिक प्रभारी, भारतीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रलेखन केन्द्र 14, सत्संग बिहार, शहीद जीत सिंह सनसनवाल मार्ग, स्पेशल इन्स्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-110057
(xiii) अध्यक्ष, जाकिर हुसैन शिक्षा केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.), न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110057
(xiv) पुस्तकालयाध्यक्ष, एन.आई..ई.पी.ए., रा.शै.अ.प्र.प. कैम्पस, नई दिल्ली
(xv) प्रोफेसनल सीनियर, डी.एल.डी.आई.
(xvi) अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई.–संयोजक

11. *अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.)*

(i) निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.–अध्यक्ष
(ii) प्रोफेसर प्रभारी/अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक–संयोजक
(iii) अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक का एक संकाय सदस्य
(iv) डा. सी. शेषाद्री, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर (कनार्टक)
(v) संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं., रा.शै.अ.प्र.प. के प्रतिनिधि
(vi) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच., रा.शै.अ.प्र.प.
(vii) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम., रा.शै.अ.प्र.प.
(viii) अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस., रा.शै.अ.प्र.प.
(ix) डा. (श्रीमती) आर. मट्टू, प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, मौलाना आजाद रोड, श्रीनगर-190001

12. *महिला शिक्षा विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)*

(i) निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.– अध्यक्ष
(ii) प्रोफेसर प्रभारी/अध्यक्ष, महिला शिक्षा विभाग– संयोजक
(iii) महिला शिक्षा विभाग का एक संकाय सदस्य
(iv) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच., रा.शै.अ.प्र. प.
(v) अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम., रा.शै.अ.प्र.प..
(vi) अध्यक्ष, डी.वी.ई., रा.शै.अ.प्र.प.
(vii) अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस., रा.शै.अ.प्र.प.
(viii) अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई., रा.शै.अ.प्र.प.
(ix) संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं. के प्रतिनिधि
(x) अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई., रा.शै.अ.प्र.प.
(xi) प्रो. (श्रीमती) लोतिका सरकार, एल 1/10 हौजखास, नई दिल्ली-110016
(xii) प्रो. (श्रीमती) सुशीला कौशिक, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों (क्षे.शि.म.) की प्रबन्ध समितियां

1. *क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), अजमेर की प्रबन्ध समिति*

(i)	कुलपति, अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर	अध्यक्ष
(ii)	प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), अजमेर	उपाध्यक्ष
(iii)	हरियाणा राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(iv)	जम्मू तथा कश्मीर सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(v)	हिमाचल प्रदेश (हि.प्र.) राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(vi)	उत्तर प्रदेश (उ.प्र.) राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(vii)	पंजाब राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(viii)	राजस्थान राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(ix)	संघ शासित क्षेत्र दिल्ली का प्रतिनिधि	सदस्य
(x)	संघ शासित क्षेत्र चंडीगढ़ का प्रतिनिधि	सदस्य
(xi)	डा. जे.एन.जोशी, प्रोफेसर शिक्षा, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय,चंडीगढ़, अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xii)	डा. आई.पी.पाण्डे, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.), लखनऊ,निदेशक द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xiii)	अध्यक्ष–शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), अजमेर, निदेशक द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xiv)	अध्यक्ष–विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), अजमेर, निदेशक द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xv)	संकाय अध्यक्ष, (समन्वय) रा.शै.अ.प्र.प. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xvi)	डा. के. एल. श्रीमाली, अध्यक्ष, विद्या भवन समिति, उदयपुर विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि	सदस्य
(xvii)	प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), अजमेर	सचिव

2. *क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भोपाल की प्रबन्ध समिति*

(i)	कुलपति, भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल	अध्यक्ष
(ii)	प्राचार्य,क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भोपाल	उपाध्यक्ष
(iii)	मध्य प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(iv)	गोवा राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(v)	गुजरात राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(vi)	महाराष्ट्र राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(vii)	संघ शासित क्षेत्र दमन एवं दीव का प्रतिनिधि	सदस्य
(viii)	संघ शासित क्षेत्र दादरा एवं नगर हवेली का प्रतिनिधि	सदस्य
(ix)	प्रो. एम.एस. यादव, निदेशक, सी.ए.एस.ई. वदोदरा, गुजरात, अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(x)	डा. विनोद रैना, एकलव्य, भोपाल, अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xi)	अध्यक्ष शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भोपाल, निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xii)	अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भोपाल,निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xiii)	डा. एच.एल. शुक्ला, अध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग, भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि	सदस्य
(xiv)	डा. एस.एस. श्रीवास्तव, प्राचार्य, बेनजीर महाविद्यालय भोपाल, विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि	सदस्य
(xv)	संकाय अध्यक्ष (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xvi)	प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भोपाल	सचिव

3. *क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भुवनेश्वर की प्रबन्ध समिति*

(i)	कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	अध्यक्ष
(ii)	प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भुवनेश्वर	उपाध्यक्ष
(iii)	उड़ीसा राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(iv)	पश्चिमी बंगाल राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(v)	बिहार राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(vi)	असम राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(vii)	मेघालय राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(viii)	नागालैंड राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(ix)	सिक्किम राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(x)	मणिपुर राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(xi)	त्रिपुरा राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(xii)	मिजोरम राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(xiii)	अरुणाचल प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(xiv)	संघ शासित क्षेत्र पोर्ट ब्लेयर का प्रतिनिधि	सदस्य

(xv)	प्रो. आर.सी.दास,भूतपूर्व कुलपति, भुवनेश्वर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xvi)	प्रो. रेनू देवी, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, अध्यक्ष, रा.शै. अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xvii)	अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भुवनेश्वर, निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xviii)	अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), भुवनेश्वर, निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xix)	डा. जे.पी.दास,आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त), 305, एस.एफ.एस. फ्लैट्स, हौजखास, नई दिल्ली, निदेशक का नामिति	सदस्य
(xx)	डा. डी.सी. मिश्रा, डी.पी.आई. (सेवानिवृत्त),जगन्नाथ लेन, बादामबाड़ी, कटक (उड़ीसा), विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि	सदस्य
(xxi)	प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म .), भुवनेश्वर	सचिव

4. *क्षेत्रीय महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), मैसूर की प्रबन्ध समिति*

(i)	कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर	अध्यक्ष
(ii)	प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), मैसूर	उपाध्यक्ष
(iii)	केरल राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(iv)	आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(v)	तमिलनाडु राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(vi)	कर्नाटक राज्य सरकार का प्रतिनिधि	सदस्य
(vii)	संघ शासित प्रदेश पांडिचेरी का प्रतिनिधि	सदस्य
(viii)	संघ शासित प्रदेश लक्षद्वीप का प्रतिनिधि	सदस्य
(ix)	डा. मल्ला रेड्डी मामिदि, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(x)	प्रो. पी.एस. बालासुब्रमण्यम, शिक्षा विभाग, तमिलनाडु विश्वविद्यालय, अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xi)	अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), मैसूर, निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xii)	अध्यक्ष,विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), मैसूर, निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत	सदस्य
(xiii)	संकायाध्यक्ष (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प. निदेशक का नामिति	सदस्य
(xiv)	प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.), मैसूर	सचिव

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी. आई. ई. टी.) सलाहकार बोर्ड

(i)	संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी., रा.शै.अ.प्र.प.	अध्यक्ष
(ii)	प्रोफेसर सी.एच.के. मिश्रा, सी.आई.ई.टी., रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य
(iii)	प्रोफेसर तिलकराज बावा, सी.आई.ई.टी., रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य
(iv)	प्रोफेसर एस.सी. वर्मा, सी.आई.ई.टी., रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य
(v)	प्रोफेसर वाई.पी. खन्ना, सी.आई.ई.टी., रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य
(vi)	प्रोफेसर एल.जी. सुमित्रा, सी.आई.ई.टी., रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य
(vii)	प्रोफेसर एस.पी. सिंह, सी.आई.ई.टी., रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य
(viii)	श्री.के.के. वर्मा, सी.आई.ई.टी., रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य

(ix)	अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.	सदस्य
(x)	अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.	सदस्य
(xi)	अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.	सदस्य
(xii)	अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.	सदस्य
(xiii)	श्री के.एस.कार्निक, निदेशक, विकास एवं शैक्षिक संप्रेषण एकक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन, अंतरिक्ष प्रयोग केन्द्र, पो.आ. अहमदाबाद-380053	सदस्य
(xiv)	प्रोफेसर सतीश बहादुर, भारत का राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, लॉ कालेज रोड, पुणे-411004	सदस्य
(xv)	डा. जे.एस.यादव, निदेशक, भारतीय जन-संचार संस्थान, शहीद जीत सिंह मार्ग, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, न्यू कैम्पस, नई दिल्ली-110067	सदस्य
(xvi)	श्री आर.पी.खन्ना, अवर सचिव, के.शै.प्रौ.सं.	सदस्य
(xvii)	डा.जगदीश सिंह, के.शै.प्रौ.सं.	सदस्य

परिशिष्ट ब

राज्यों में क्षेत्र सलाहकारों की स्थिति

		दूरभाष सं. कार्यालय	निवास
1.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) 1बी, चंद्रा कालोनी नए समर्पण फ्लैट लॉ कॉलेज के पीछे अहमदाबाद-380006	445992	445992
2.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) 555-ई ममफोर्ड गंज इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)	52212	54261
3.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) 621, 80 फीट रोड, 11 ब्लॉक, राजाजी नगर बंगलौर-560010 (कर्नाटक)	324006	324006
4.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) एम.आई.जी.-161, सरस्वती नगर, जवाहर चौक, भोपाल-462003 (म.प्र.)	64465	540346
5.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) होमी भाभा होस्टल आर.सी.ई.कैंम्पस भुवनेश्वर-751007 (उड़ीसा)	50516	52224

6.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) पी.-23, सी.आई.टी.रोड़ (स्कीम-55) कलकत्ता-700014 (पश्चिम बंगाल)	245310	366407
7.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) एस.सी.ओ. नं. 272, सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़-160036	26923	26923
8.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) जू नारंगी रोड़ गुवाहाटी-781021 (आसाम)	87003	87003
9.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) 3-6-69/बी-7 अवन्ती नगर कालोनी, बशीर बाग, हैदराबाद-500020 (आन्ध्र प्रदेश)	235878	227207
10.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु और प्र.प.) 2-2 ए, राजस्थान स्टेट टैक्स्टबुक बोर्ड बिल्डिंग झालना डूगरी, जयपुर-302004 (राजस्थान)	70754	–
11.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु.और प्र.प.) नं. 64, 4 एवेन्यू अशोक नगर, मद्रास-600083 (तमिलनाडु)	428264	72939
12.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु. और प्र.प.) कंकरबाग, पत्रकार नगर, पटना -800020 (बिहार)	53243	53243
13.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु. और प्र.प.) 128/2 कोथरड, कारवे रोड पुणे-411029 (महाराष्ट्र)	337314	337314
14.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु. और प्र.प.) बोयस रोड़, लायतुमुखड़ा, शिलांग-795003 (मेघालय)	26317	26317

15.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु. और प्र.प.) हिमरस बिल्डिंग, सर्कुलर रोड शिमला-171001 (हिमाचल प्रदेश)	4548	6914
16.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु. और प्र.प.) 87, रावलपोरा, श्रीनगर-190005 (जम्मू एवं कश्मीर) अथवा जम्मू एवं कश्मीर राज्य शिक्षा बोर्ड रिहाड़ी, जम्मू-180005 (जम्मू एवं कश्मीर)	31490	77170
17.	क्षेत्र सलाहकार (रा.शै.अनु. और प्र.प.) एस.आई.ई. कैम्पस पो.आ. पूजापुरा तिरुअनंतपुरम (केरल)	64389	64948

परिशिष्ट स

वर्गवार संस्वीकृत स्टाफ की 1.4.9 0 की स्थिति

	शैक्षिक			*गैर शैक्षिक (अनुसूचिवीय वर्ग)*			*गैर शैक्षिक (तकनीकी)*				*कुल*
सूचना स्रोत	*ग्रेड ''ए''*	*ग्रेड ''बी''*	*ग्रेड ''सी''*	*ग्रेड ''ए''*	*ग्रेड ''बी''*	*ग्रेड ''सी''*	*ग्रेड ''ए''*	*ग्रेड ''बी''*	*ग्रेड ''सी''*	*ग्रेड ''डी''*	
परिषद् मुख्यालय	301	1	3	32	133	612	79	99	260	388	1,908
क्षे.शि.म. अजमेर	66	26	46	1	6	43	4	6	40	93	331
क्षे.शि.म. भोपाल	62	24	46	1	6	44	4	6	36	90	319
क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	84	26	62	1	6	41	4	10	46	89	369
क्षे.शि.म. मैसूर	87	21	50	1	6	47	5	9	39	81	346
क्षे. सला. कार्यालय	35	—	—	—	—	57	—	—	18	36	146
योग	635	98	207	36	157	844	96	130	439	777	3,419